THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 98 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.9 2083 गुरुवार, 9 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

इमारत ढही, मलबे में 15 लोगों के फंसे होने की आशंका

पुणे, 8 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे के पिंपरी चिंचवाड़ में एक इमारत का बड़ा हिस्सा ढह जाने के बाद कम से कम 15 लोगों के फंसे होने की आशंका है। फायर ब्रिगेड, पुलिस और अन्य इमरजेंसी टीमें मोशी इलाके में घटनास्थल पर पहुंच गई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि बुधवार दोपहर हुए इस हादसे के बाद बचाव अभियान जारी है। पुलिस और नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि वे घटनास्थल की ओर रवाना हो रहे हैं। बचाए गए लोगों को पास के अस्पतालों में ले जाने के लिए एम्बुलेंस भी भेजी गई हैं।

'सीजफायर खत्म'

> ईरान पर हमले के बाद ट्रंप का बड़ा ऐलान

वॉशिंगटन, 8 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान पर अमेरिकी के हमले के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ युद्धविराम (सीजफायर) खत्म हो गया है। हालांकि बातचीत जारी रहेगी। उन्होंने तेहरान में बैठी इस्लामिक सरकार को बीमार बताया। ट्रंप ने यह बात तब कही गई है जब अमेरिकी सेना ने होर्मुज में कमर्शियल जहाजों पर हमले से नाराज होकर ईरान पर हमले किए हैं। वहीं ईरान ने भी कहा कि उसने कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सेना के 85 ठिकानों को निशाना बनाया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि यह खत्म हो गया है। मैं अब उनसे कोई डील नहीं करना चाहता। वे घटिया लोग हैं उन्हें बीमार लोग लीड कर रहे हैं मैं अपने नेगोशिएटर्स से बात करूंगा। वे नेगोशिएट करना चाहते हैं वे अच्छे लोग हैं, लेकिन उन्हें मेरे पास वापस आना होगा। जहां तक मेरा सवाल है, उनसे डील करना बस टाइम वेस्ट है। ट्रंप इस समय तुर्की की राजधानी अंकारा में हैं जहां वह नाटो शिखर सम्मेलन में शिरकत कर रहे हैं। यहां जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या ईरान के साथ युद्धविराम अब खत्म हो गया है, तो उन्होंने कहा, मेरे हिसाब से तो यह खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ डील करना बस समय की बर्बादी है।

80 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया गया-अमेरिका

अमेरिकी केंद्रीय कमान ने कहा कि उसने ईरान में 80 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया है और इन हमलों को तेहरान द्वारा वाणिज्यिक जहाजों पर किए गए हालिया हमलों की तत्काल प्रतिक्रिया बताया है। सेंटकॉम के अनुसार, इन हमलों में ईरानी वायु रक्षा प्रणालियों, कमान और नियंत्रण नेटवर्क, तटीय रडार साइटों, जहाज-रोधी मिसाइल क्षमताओं और होर्मुज और उसके आसपास के क्षेत्र में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर की 60 से अधिक छोटी नौकाओं को निशाना बनाया गया।

एक बयान में कहा गया है कि अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलमार्ग में और उसके आसपास ईरानी वायु रक्षा प्रणालियों, कमान और नियंत्रण नेटवर्क, तटीय रडार स्थलों, जहाज-रोधी मिसाइल क्षमताओं और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर की 60 से अधिक छोटी नौकाओं पर हमला किया। ताकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार गलियारे के माध्यम से प्रवाहित होने वाले अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य पर हमला जारी रखने की ईरान की क्षमता को कमजोर किया जा सके।

बहरीन और कुवैत में अमेरिकी ठिकानों पर हमला किया-ईरान

ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि उन्होंने बहरीन और कुवैत में 85 अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया और इस अभियान को अमेरिका द्वारा युद्धविराम के उल्लंघन के जवाब के रूप में बताया। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि उसने बहरीन के पांचवें नौसैनिक जिले बंदर सलमान और कुवैत के अली अल सलेम एयर बेस में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए एक संयुक्त मिसाइल और ड्रोन अभियान चलाया।

आईआरजीसी ने आगे कहा कि उसने अभियान में बाधा डालने की कोशिश कर रहे एक अमेरिकी एमक्यू9 ड्रोन को भी मार गिराया। मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात को होर्मुज जलमार्ग में तीन टैंकरों पर गोले दागे जाने के बाद अमेरिकी सेना ने ईरान पर नए हमले किए।

कांग्रेस ने की चंपत राय की गिरफ्तारी की मांग

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे में कथित हेराफेरी को लेकर विवाद जारी है। इस बीच बुधवार को कांग्रेस ने राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। पार्टी ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ट्रस्ट के सदस्यों के चयन में अपनी 'गलती' के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि जब राम मंदिर का श्रेय लेने की बात आती है, तब प्रधानमंत्री सबसे आगे रहते हैं। अब चढ़ावे की कथित चोरी की जिम्मेदारी लेने से वह क्यों बच रहे हैं। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि कांग्रेस की मांग है कि ट्रस्ट को भंग किया जाए, असली दोषियों को गिरफ्तार किया जाए, पूरे मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराई जाए, नया ट्रस्ट बनाया जाए और प्रधानमंत्री देश से माफी मांगें।

आईएसआईएस और अल-कायदा का ऑनलाइन टेरर केस

10 राज्यों में 20 जगहों पर एनआईए की रेड

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को ऑनलाइन टेरर रेडिकलाइज़ेशन (आतंकवादी विचारधारा की ओर उकसाने) के एक मामले में देश भर में छापेमारी की है। जांच एजेंसी ने 10 राज्यों में 20 जगहों पर तलाशी अभियान चलाया।

देश में कई जगहों पर आईएसआईएस और 'अल कायदा आईएस' जैसे आतंकवादी संगठनों की विचारधारा को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा था। इसका मकसद लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार के खिलाफ हिंसक जिहाद शुरू कर राष्ट्र को इस्लामिक स्टेट बनाना था। केस संख्या आरसी-01/2026/एनआईए/वीएसकेपी की चल रही जांच के तहत, एनआईए की टीमों ने एक साथ मिलकर आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली (केंद्र शासित प्रदेश) में कुल 20 जगहों पर छापेमारी की। इस दौरान कई डिजिटल डिवाइस ज़ब्त किए गए हैं। रेडिकलाइज़ेशन की साज़िश के बारे में और सुराग पाने के लिए इन डिवाइस की फॉरेंसिक जांच की जाएगी। इस मामले में अब तक ग्यारह आरोपियों और एक नाबालिग को गिरफ़्तार किया जा चुका है। एनआईए ने इस मामले की जांच मई में विजयवाड़ा पुलिस से अपने हाथ में ली थी। विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश) पुलिस ने शुरू में मार्च में मुख्य आरोपी रहमतुल्लाह शरीफ मोहम्मद के घर की तलाशी के बाद मामला दर्ज किया था। इस तलाशी में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों 'अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट' और 'इस्लामिक स्टेट' से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्री मिली थी। जिन जगहों पर तलाशी ली गई, उन्हें पहले ज़ब्त किए गए डिजिटल डिवाइस के विस्तृत तकनीकी विश्लेषण, गिरफ्तार आरोपियों के कनेक्शन और जांच से मिली अन्य जानकारियों के आधार पर चुना गया था।

एनआईए, देश को अस्थिर करने और 'खिलाफत' स्थापित करने की साजिश में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने के लिए काम कर रही है। जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी और उनके साथी हिंसक जिहादी कंटेंट और गलत जानकारी के ज़रिए देश भर के आसानी से प्रभावित होने वाले युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में लगे थे। आरोपी जिहादी विचारधारा को फैलाने और भारत-विरोधी साजिश को बढ़ावा देने के लिए विदेशों में बैठे अपने हैंडलर्स के साथ ऑनलाइन संपर्क में भी थे।

मोदी इंडोनेशिया के सबसे बड़े प्रम्बानन हिंदू मंदिर पहुंचे

हमेशा शिव से जुड़ने का सौभाग्य मिला

जकार्ता, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पीएम मोदी बुधवार को इंडोनेशिया के योग्याकार्ता स्थित देश के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन पहुंचे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भी उनके साथ गए। दोनों ने मंदिर के संरक्षण-जीर्णोद्धार परियोजना का उद्घाटन किया।

पीएम ने मंदिर में दर्शन भी किए। उन्होंने मंदिर परिसर में अपने संबोधन में कहा-मुझे किसी न किसी रूप में हमेशा भगवान शिव से जुड़ने का मौका मिला है। सोमनाथ, काशी विश्वनाथ, केदारनाथ धाम और उज्जैन के महाकाल मंदिर के बाद प्रम्बानन मंदिर के विकास का मौका मिलना मेरा सौभाग्य है। पीएम मोदी के

इंडोनेशिया से ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के लिए रवाना हो गए हैं। वे 8 से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रहेंगे। उन्हें पांच इंडोनेशियाई फाइटर जेट ने एस्कॉर्ट किया।

प्रम्बानन मंदिर एक हजार साल पुराना, दीवारों पर रामायण लिखी

इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर योग्याकार्ता के पास स्थित प्रम्बानन मंदिर दक्षिण-पूर्व एशिया का दूसरा सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है। पहले स्थान पर कंबोडिया का अंगकोर वाट है। प्रम्बानन मंदिर एक हजार साल पुराना है। इसका परिसर कभी करीब 240 मंदिरों में फैला था।

यहां त्रिमूर्ति-भगवान शिव, विष्णु और ब्रह्मा के तीन मुख्य मंदिर हैं। इनमें 47 मीटर ऊंचा शिव मंदिर सबसे बड़ा है। मंदिर की दीवारों पर रामायण और अन्य हिंदू ग्रंथों की कहानियां उकेरी गई हैं।

'तिहाड़ का खाना बहुत तीखा है'

तिहाड़ में बंद अमेरिकी आरोपी ने कोर्ट से लगाई गुहार

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और म्यांमार में जातीय सशस्त्र गुटों से संबंध रखने और आतंकी साजिश के मामले में गिरफ्तार अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैन डायक को दिल्ली की तिहाड़ जेल में रखा गया है। अब दिल्ली की अदालत में याचिका दायर की गई है, जिसमें अदालत को यह बताया गया है कि मैथ्यू डायक जेल में अमेरिकी डाइट वाला खाना चाहता है।

इस याचिका को लेकर अब जेल प्रशासन अपना जवाब दाखिल करेगा। दिल्ली की अदालत ने इससे पहले वैन डायक के एक आवेदन पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जवाब मांगा था। उसके वकील के अनुसार, वैन डायक कथित तौर पर लगभग 50 दिनों से भूख हड़ताल पर था। इसस दौरान उसने ज्यादातर सोया दूध जैसे तरल पदार्थों की पिए थे। वह जेल में आमतौर पर परोसे जाने वाले मसालेदार, तैलीय खाने को पचाने में असहज है।

नीट के बाद अब यूजीसी-नेट पर उठे सवाल

राहुल गांधी ने लगाए पेपर लीक के गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग- राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) में कथित गड़बड़ियों को लेकर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कई बार 'घोटाले' होने के बावजूद सरकार आंखें मूंदे बैठी है और आराम से सो रही है। उसके लिए लाखों छात्रों की वर्षों की मेहनत की कोई कीमत नहीं है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, पूरे देश को पता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से किसी जवाबदेही या कार्रवाई की उम्मीद करना बेकार है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच पर एक मीडिया रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया। इस रिपोर्ट में दावा किया गया था कि हरियाणा के रोहतक में छात्र नेताओं ने जून 2026 में यूजीसी-नेट को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। यह परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने आयोजित कराई थी।

राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, पिछले सप्ताह हुई यूजीसी-नेट को लेकर सामने आए गंभीर आरोप बेहद चौंकाने वाले हैं। नीट प्रश्न पत्र लीक के कुछ हफ्तों बाद अब खबरें सामने आ रही हैं कि यूजीसी-नेट से ठीक पहले 100 पन्नों का एक पीडीएफ वितरित किया गया था। उन्होंने कहा कि यह पीडीएफ प्रश्न पत्र तैयार करने से जुड़ा था। यह सिर्फ राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के पास होता है। राहुल गांधी ने दावा किया कि इस पीडीएफ में दिए गए करीब 90 सवाल असली समाजशास्त्र के प्रश्न पत्र से मिल रहे थे।

राम मंदिर में चोरी मामला : नहीं दिखाई गई इस्तीफे की कॉपी

अब चंपत राय के रिजाइन को लेकर नया विवाद, उठे सवाल

अयोध्या, 8 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में महासचिव चंपत राय के इस्तीफे को लेकर नया विवाद सामने आ गया है। ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास ने दावा किया है कि वह चंपत राय का इस्तीफा नहीं लेना चाहते थे। उन्होंने कहा कि केवल वही नहीं, बल्कि ट्रस्ट के अधिकतर सदस्य भी चंपत राय का इस्तीफा स्वीकार करने के पक्ष में नहीं थे।

महंत दिनेंद्र दास ने आरोप लगाया कि चंपत राय का इस्तीफा ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी ने लिया और पूरे घटनाक्रम में उनकी ही प्रमुख भूमिका रही। उन्होंने कहा कि बैठक में चंपत राय की ओर से सौंपे गए इस्तीफे की प्रति भी सार्वजनिक नहीं की गई, जिससे पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में ऑनलाइन जुड़े सदस्य के परासरण ने ट्रस्ट डीड का हवाला देते हुए कहा कि चंपत राय की ओर से इस्तीफा दिए जाने के बाद वह स्वतः प्रभावी माना जाएगा। इसी

आधार पर इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया। हालांकि, महंत दिनेंद्र दास का कहना है कि ट्रस्ट डीड में इस्तीफे की जो प्रक्रिया और नियम निर्धारित हैं, उनका इस मामले में पालन नहीं किया गया।

एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि जब ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी हैं तो इस पूरे मामले में उनकी भी जिम्मेदारी बनती है। उनका कहना था कि इस्तीफे की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए थी और ट्रस्ट के सभी सदस्यों को इसकी जानकारी दी जानी चाहिए थी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वह नहीं जानते कि किस दबाव में इस्तीफा लिया गया। चढ़ावा चोरी विवाद के बीच आए इस बयान से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के भीतर मतभेद और गहराते दिखाई दे रहे हैं। अब चोरी की जांच के साथ-साथ चंपत राय के इस्तीफे की प्रक्रिया भी नए विवाद का विषय बन गई है। उधर, रामनगरी के संतों ने चंपत राय को निर्दोष बताते हुए उनके नैतिक आधार पर दिए गए इस्तीफे का स्वागत किया, लेकिन मंदिर प्रबंधन की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ संतों की भागीदारी वाली एक स्वतंत्र निगरानी समिति गठित करने की मांग की। उनका कहना है कि संत समाज की सक्रिय भागीदारी से भविष्य में इस प्रकार के विवादों की पुनरावृत्ति रोकी जा सकती है।

मंदिर नहीं पहुंचे चंपत, अनिल और गोपाल राव

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की सोमवार को हुई बैठक में महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए, जबकि गोपाल राव को आमंत्रित सदस्य की सूची से हटा दिया गया। इसके बाद मंगलवार को तीनों ही राम मंदिर परिसर नहीं पहुंचे और मंदिर की व्यवस्थाओं से भी दूरी बनाए रखी। चंपत राय पूरे दिन अपने आवास पर रहे, जबकि डॉ. अनिल मिश्रा और गोपाल राव ने भी मंदिर परिसर में उपस्थिति दर्ज नहीं कराई। तीनों के व्यवस्थाओं से अलग रहने को लेकर दिनभर चर्चाओं का दौर चलता रहा।

जो पढ़ाए वो 'टीचर', लेकिन खाना पकाने वाले को 'कुकर' क्यों नहीं कहते?

शशि थरूर ने समझाया इसका मतलब

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस के दिग्गज नेता और विद्वान डॉ. शशि थरूर सोशल मीडिया पर बेहद एक्टिव रहते हैं। कभी वह अपने बयानों से तो कभी किसी संस्थान में दी गई अपनी स्पीच से चर्चा में रहते हैं। हाल ही में उनसे सोशल मीडिया पर लोगों से बेहद दिलचस्प सवाल पूछ लिया है। इस सवाल के जवाब भी शशि थरूर ने बेहद दिलचस्प तरीके से दिया है। शशि थरूर ने यू-ट्यब का एक शॉर्ट वीडियो शेयर करके इस सवाल का जवाब भी दिया है।

डॉ. शशि थरूर के ऑफिस ने सोशल मीडिया एक्स पर यूट्यब वीडियो शॉट्र्स पोस्ट कर सवाल का जवाब समझाया बताया है। इसे थरूर ने भी री-पोस्ट किया है। वीडियो में थरूर ने एक पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा-जो सिखाता है उसे टीचर कहते हैं। मगर, जो खाना पकाता है, उसे कुकर क्यों नहीं कहते हैं?'

उन्होंने यू-ट्यब वीडियो शॉट्र्स में इसका मतलब समझाया है। उन्होंने लिखा-अंग्रेजी के शब्दों में 'ईआर' लगाने का मतलब हमेशा कोई व्यक्ति नहीं होता है। वीडियो में उन्होंने उदाहरण भी दिया है-जैसे टीचर, पेंटर और फार्मर, जहां शब्द के आखिर में 'ईआर' लगाने का मतलब उस व्यक्ति से है जो वह काम कर रहा हो। शशि थरूर ने कुकर शब्द का मतलब समझा दिया है। उन्होंने बताया कि खाना पकाने वाले उपकरण के लिए 'कुकर' शब्द इसलिए बना, क्योंकि खाना पकाने वाले व्यक्ति के लिए 'कुक' शब्द पहले से ही मौजूद था। खाना पकाने वाले उपकरण के लिए कुकर शब्द इसलिए बना, क्योंकि खाना पकाने वाले व्यक्ति के लिए कुक शब्द पहले से ही मौजूद था।

'हरदीप निज्जर हत्याकांड में भारतीय अधिकारियों की भूमिका के सबूत नहीं'

कनाडाई पुलिस ने माना 'झूठे' थे ट्रूडो

ओटावा, 8 जुलाई (एजेंसियां)। कनाडा ने खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की भूमिका से इनकार किया है। कनाडाई पुलिस ने कहा है कि जांच में भारतीय अधिकारियों के इसमें शामिल होने का सबूत नहीं मिला है। 2023 में हरदीप निज्जर के कत्ल के बाद कनाडा के तत्कालीन पीएम जस्टिन ट्रूडो के बयानों में भारत सरकार के अफसरों की भमिका इस हत्याकांड में होने की बात कही गई थी। कनाडा के इन आरोपों की वजह से दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण हो गए थे।

कनाडाई पुलिस ने अब हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की भूमिका से इनकार किया है। कनाडा पुलिस का बयान अमेरिका के गैंगेस्टर लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड पर निज्जर को मारने की साजिश का आरोप लगाने के ठीक बाद आया है। कनाडा पुलिस में डिप्टी कमिश्नर लिसा मोरलैंड ने कहा, 'आज इस मामले (निज्जर हत्याकांड) के संबंध में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया है। संगठित अपराध की इस जांच के दौरान भारतीय अधिकारियों के इसमें शामिल होने के सबूत नहीं मिले हैं। भारत सरकार को इससे जोड़ने वाली कोई बात सामने नहीं आई है।' अमेरिका की एफबीआई और कनाडा पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन में भारत से जुड़े अपराधी गुटों के 24 लोग गिरफ्तार किए हैं।

ऑपरेशन हार्ड बॉल के तहत की गई इन गिरफ्तारियों के बाद रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने कहा कि जांचकर्ताओं को ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है, जिससे पता चले कि निज्जर मर्डर केस की जांच में भारतीय अधिकारियों पर कोई आरोप लगाया गया हो या वे इसमें शामिल हों।

कांग्रेस ने 13 साल से नहीं चुकाया पुराने मुख्यालय का किराया

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस और बीजेपी दोनों राष्ट्रीय दलों का मुख्यालय अब दिल्ली में नई जगह शिफ्ट हो चुका है। बीजेपी का नया मुख्यालय डीडीयू मार्ग पर है तो वहीं कांग्रेस का नया मुख्यालय कोटला रोड पर है। बावजूद इसके कांग्रेस पार्टी ने 24 अकबर रोड वाला ऑफिस नहीं छोड़ा है तो वहीं बीजेपी के पुराने मुख्यालय के बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं है। आरटीआई से मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस ने 24 अकबर रोड वाले ऑफिस का किराया 13 साल से अदा नहीं किया है।

आरटीआई (सूचना का अधिकार) से मिली जानकारी के मुताबिक कांग्रेस पार्टी 26 जून, 2013 से 24, अकबर रोड स्थित अपने पुराने हेडक्वार्टर पर कब्जा जमाए हुए है और इस दौरान सरकार को बंगले का कोई किराया नहीं मिला है। जवाब में यह भी कहा गया है कि पार्टी पर बकाया रकम अभी समीक्षा के अधीन है और तय की जानी बाकी है।

केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत आने वाले 'डायरेक्टरेट ऑफ एस्टेट्स' की ओर से दिए गए आरटीआई जवाब में बताया गया है कि लुटियंस दिल्ली में स्थित बंगला नंबर 24, अकबर रोड, 7 अगस्त 1992 को कांग्रेस पार्टी को अलॉट किया गया था। हालांकि 26 जून 2013 से इसका अलॉटमेंट रद्द कर दिया गया था और तब से यह बंगला पार्टी के बिना इजाजत कब्जे में है। आरटीआई के जवाब में यह भी बताया गया है कि 26 जून 2013 से 24, अकबर रोड के लिए कोई किराया नहीं मिला है। इसके साथ ही कांग्रेस पर बकाया रकम की समीक्षा की जा रही है और अभी यह तय नहीं हुआ है, जिससे पता चलता है कि विभाग ने अभी तक पार्टी से वसूली जाने वाली रकम का आकलन नहीं किया है।

ईडी की कार्रवाई : टीएमसी के बैंक खातों में जमा 440 करोड़ रुपये फ्रीज

कोलकाता, 8 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से जुड़े संदिग्ध फंड मामले में मनी लॉन्ड्रिंग (पीएमएलए) के तहत अपनी जांच तेज कर दी है। केंद्रीय एजेंसी ने कोलकाता में टीएमसी के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है, जिनमें लगभग 440 करोड़ रुपये जमा हैं।

क्यों फ्रीज हुए पार्टी के खाते?

यह पूरी कार्रवाई स्थानीय पुलिस द्वारा तीन मुख्य बैंक खातों पर लगाए गए 'डेबिट फ्रीज' के बाद हुई है। पुलिस ने बागी विधायकों के एक गुट की शिकायत के बाद इन खातों से होने वाले सभी लेन-देन और निकासी पर रोक लगा दी थी। इस गुट का नेतृत्व ऋतब्रत बनर्जी कर रहे हैं। अब ईडी ने इस मामले को अपने हाथ में लेकर जांच का दायरा बढ़ा दिया है।

जांच के तीन मुख्य बिंदु

हवाई कंपनियों पर शक: ईडी की शुरुआती जांच के मुताबिक, 150 करोड़ रुपये से ज्यादा का संदिग्ध फंड एविएशन और ट्रैवल कंपनियों के जरिए भेजा गया था। कोलकाता में ताबड़तोड़ छापेमारी: केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के साथ ईडी की टीमों ने कोलकाता में कई ठिकानों पर छापे मारे। यह छापेमारी एक प्राइवेट चार्टर फर्म 'केयरवेल एविएशन', उसके निदेशकों और एक कथित इलेक्टोरल ट्रस्ट से जुड़े परिसरों पर की गई। संदेह का घेरा: जांच एजेंसी इस बात की गहराई से तफ्तीश कर रही है कि क्या इन खातों का इस्तेमाल भ्रष्टाचार, जबरन वसूली या स्थानीय तस्करी से कमाए गए पैसों को ठिकाने लगाने के लिए किया गया था।

ममता ने घर के बाहर 3 लोगों को थप्पड़ मारा

कोलकाता, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में बुधवार को टीएमसी की रैली में हंगामा हो गया। इस दौरान ममता बनर्जी नाराज हो गईं। वे अपनी ही पार्टी के तीन कार्यकर्ताओं थप्पड़ मारते नजर आईं। दरअसल, रैली बारुईपुर में 11 साल की बच्ची के साथ रेप-मर्डर के विरोध में निकाली जा रही थी। इस दौरान चोर-चोर के नारे लगने लगे और कुछ लोगों ने रैली में शामिल लोगों पर अंडे फेंकने शुरू कर दिए। टीएमसी ने आरोप लगाया कि हंगामा भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया।

शोपियां में सुरक्षाबलों ने लश्कर के आतंकी को किया ढेर

श्रीनगर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां के सैदापोरा इलाके में सुरक्षाबलों ने बुधवार को एक आतंकी मार गिराया। पांच दिन से चल रहे अभियान में जवानों को यह सफलता मिली। अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल के पास से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुए हैं। जानकारी के अनुसार, ऑपरेशन वाली जगह से गोली चलने की आवाजें सुनाई दीं, जिनका सुरक्षाबलों ने मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने कहा कि गोलीबारी के बाद घटनास्थल पर एक आतंकवादी का शव देखा गया और उसे बरामद कर लिया गया। घटनास्थल के पास कुछ दूरी पर हथियार और गोला-बारूद भी दिखाई दिए। मारा गया आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का आतंकी था।। बता दें कि यह मुठभेड़ शनिवार को शुरू हुई थी। जिसके बाद सेना ने इलाके की घेराबंदी कर जंगलों में आतंकियों की तलाश शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन अभी भी जारी है और इलाके को पूरी तरह सुरक्षित करने के बाद आगे की जानकारी दी जाएगी। शनिवार को सूचना मिली की शोपियां जिले में लश्कर-ए-तैयबा के दो स्थानीय आतंकी छिपे हैं, जिसके बाद जंगलों में तलाशी अभियान शुरू किया गया।

इन आतंकियों को एक बाग में सर्विलांस कैमरों ने देखा गया था। गत दिवस सेना, पुलिस और सीआरपीएफ ने संयुक्त रूप से इलाके की घेराबंदी की और चार गांवों को खाली करा लिया था। सुरक्षाबलों के घेरे में फंसे आतंकियों की पहचान लतीफ और जाकिर के रूप में बताई गई और दोनों दक्षिण कश्मीर के कुलगाम के रहने वाले हैं। अधिकारियों ने बताया कि आतंकियों ने पास आ रहे सेना के जवानों पर गोलीबारी की थी, जिसका जवाब दिया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि सेना की खास काउंटर-इंसर्जेंसी यूनिट, विक्टर फोर्स ने अतिरिक्त जवान तैनात किए हैं।

उरी में घुसने की कोशिश कर रहे थे पाकिस्तानी आतंकी, आर्मी के एक्शन से भागे, साथ लाए थे गोला-बारूद और एके-47

जम्मू, 8 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में सुरक्षा बलों ने सीमा पार से घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया। खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान घुसपैठिए सुरक्षा बलों की घेराबंदी देखकर नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार कर वापस भाग गए।

हालांकि, वे अपने पीछे हथियारों और गोला-बारूद से भरा बैकपैक छोड़ गए। बरामद हथियारों के बाद पूरे इलाके में व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में हथलंगा इलाके में सुरक्षा बलों को सीमा पार से घुसपैठ की पुख्ता सूचना मिली थी। इसके बाद भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त रूप से 'सर्च एंड डिस्ट्रॉय ऑपरेशन' (साडो) शुरू किया। सेना के अधिकारियों के अनुसार, नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर संदिग्ध गतिविधियां सामने आने के बाद हथलंगा इलाके में तत्काल घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया गया।

सुरक्षा बलों की मौजूदगी और सख्त कार्रवाई को देखते हुए घुसपैठिए एलओसी पार कर वापस भाग गए। भागते समय वे अपना बैकपैक मौके पर ही छोड़ गए, जिसमें भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद मौजूद था। सुरक्षा बलों ने बैकपैक की तलाशी ली तो उसमें से दो एके राइफलें, दो एके मैगजीन, 7.62×39 मिमी के 256 राउंड कारतूस, एक टोकारेव टाइप-54 पिस्तौल, दो पिस्तौल मैगजीन, पांच जिंदा हैंड ग्रेनेड, एक बैग और पाकिस्तान में बनी सिगरेट के पांच पैकेट बरामद हुए। अभियान के दौरान किसी भी सुरक्षा कर्मी या अन्य व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है।

बरुईपुर रेप-मर्डर कांड के आरोपी का एनकाउंटर
12 साल की बच्ची से दरिंदगी करने वाला ढेर

कोलकाता, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बरुईपुर रेप-मर्डर केस में बड़ा एक्शन हुआ है। 12 साल की बच्ची से दरिंदगी करने वाले रेपिस्ट का एनकाउंटर हो गया है। जी हां, बरुईपुर रेप और मर्डर के मुख्य आरोपी को आज यानी बुधवार को पुलिस एनकाउंटर में गोली मारकर मार दिया गया। आरोपी का एनकाउंटर तब हुआ, जब उसे सीन रिक्रिएट करने के लिए क्राइम सीन पर ले जाया जा रहा था।

आरोपी का नाम प्रभाष मंडल था। पुलिस के मुताबिक, बरुईपुर रेप-मर्डर केस के आरोपी को पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली मारी। 12 साल की बच्ची की हत्या के आरोपी को क्राइम सीन को फिर से समझने के लिए घटना वाली जगह पर ले जाया गया था, तभी उसने कथित तौर पर एक पुलिस अधिकारी की सर्विस गन छीन ली और पुलिस पर गोली चलाने की कोशिश की, जिसके जवाब में पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी। रात करीब 12:45 बजे बरुईपुर पुलिस स्टेशन के केस नंबर 1350/26 के जांच अधिकारी अपनी टीम और आरोपी प्रभाष मंडल के साथ बरुईपुर पुलिस स्टेशन से निकले।

वे बरुईपुर पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले सूर्यपुर में घटना वाली जगह पर क्राइम सीन का रिकंस्ट्रक्शन करने जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, सूर्यपुर में घटना वाली जगह पर क्राइम सीन का रिकंस्ट्रक्शन शुरू करने से ठीक पहले आरोपी प्रभाष मंडल ने एक पुलिसकर्मी से हथियार छीन लिया। इसके बाद हमारी टीम पर एक राउंड गोली चलाई और मौके से भागने की कोशिश की।

पुलिस की जवाबी फायरिंग में आरोपी प्रभाष मंडल घायल हो गया और उसे तुरंत बरुईपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है।

बदरीनाथ चढ़ावा चोरी मामला
प्रमोद नौटियाल पर गिरी गाज, निलंबन के बाद अब पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

बदरीनाथ, 8 जुलाई (एजेंसियां)। धाम चढ़ावा चोरी के मामले में व्यक्तिगत सहायक प्रमोद नौटियाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। विभागीय जांच और निलंबन की कार्रवाई के बाद अब उनके खिलाफ बदरीनाथ थाने में पुलिस ने भी मुकदमा दर्ज कर लिया है। बीकेटीसी की शिकायत पर बदरीनाथ थाने में बीएनएस की धारा 306 और 316(5) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

बीकेटीसी के मंदिर अधिकारी युद्धवीर पुष्पवान की लिखित तहरीर पर थाना बदरीनाथ में आठ जुलाई 2026 को एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 306 और 316(5) का उल्लेख है। तहरीर के मुताबिक, दो जुलाई 2026 को सोशल मीडिया के माध्यम से बदरीनाथ मंदिर में हुई कथित वित्तीय अनियमितता की सूचना मिलने के बाद मंदिर समिति ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की थी। प्रारंभिक जांच में संबंधित कार्मिक प्रमोद नौटियाल द्वारा प्रथम दृष्टया सुबह करीब 9 बजे से 9:30 बजे के बीच मंदिर से धनराशि उठाए जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद सात जुलाई को बीकेटीसी ने प्रमोद नौटियाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था।

समिति ने माना था कि उन्हें पद पर बनाए रखने से निष्पक्ष जांच प्रभावित होने की आशंका है। अब बीकेटीसी की ओर से पुलिस में तहरीर दिए जाने के बाद मामला विभागीय जांच से आगे बढ़कर आपराधिक जांच के दायरे में पहुंच गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। हालांकि, एफआईआर दर्ज होना आरोपों की अंतिम पुष्टि नहीं है। मामले में दोष या निर्दोषता का निर्धारण पुलिस जांच और आगे की न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर होगा। मंदिर समिति के सीईओ रांगड ने कहा कि बदरीनाथ थाने में आरोपित वैयक्तिक सहायक के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है।

डिप्टी सीएम पवन कल्याण का ऐलान
इको और मंदिर पर्यटन की तर्ज पर होगा हस्तशिल्प टूरिज्म का विकास

विजयवाड़ा, 8 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि राज्य में इको-टूरिज्म और मंदिर पर्यटन की तर्ज पर हस्तशिल्प पर्यटन (हैंडिक्राफ्ट टूरिज्म) को विकसित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कलात्मक वस्तुएं बनाने वाले कारीगरों को उचित पहचान दिलाने के लिए भी विशेष प्रयास किए जाएंगे। विजयवाड़ा में आंध्र प्रदेश हस्तशिल्प विकास निगम (लेपाक्षी) द्वारा आयोजित 'आंध्र प्रदेश हस्तशिल्प महोत्सव 2026' का उद्घाटन करते हुए पवन कल्याण ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कारीगरों के संघर्ष और उनकी कला को दुनिया के सामने लाने के लिए विशेष डॉक्यूमेंट्री तैयार की जाए। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि 'विकसित भारत-जी राम जी' योजना के तहत विभिन्न क्लस्टरों में साझा सुविधा केंद्र (कॉमन फैसिलिटी सेंटर) स्थापित किए जाएंगे। पवन कल्याण ने कारीगरों को भरोसा दिलाया कि हस्तशिल्प कला को संरक्षित करने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि हस्तशिल्प कारीगरों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए, क्लस्टर स्तर पर नियमित चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएं।

आरआईएमएस डेंटल कॉलेज हॉस्टल में फ़ूड पॉइज़निंग, 20 छात्र बीमार

कडप्पा, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के आरआईएमएस डेंटल कॉलेज हॉस्टल में फ़ूड पॉइज़निंग की घटना हुई। हॉस्टल में मौजूद 20 से ज्यादा छात्र उल्टी और दस्त से बीमार पड़ गए। कुछ छात्रों को रात में हॉस्टल के कमरे में ही फ़ूड पॉइज़निंग हुई। उन्हें तुरंत आरआईएमएस अस्पताल ले जाया गया और इलाज दिया गया। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि अभी पीड़ितों की हालत स्थिर है। हालांकि, इस घटना को बिना किसी हंगामे के निपटाने की कोशिश करने के आरोप संबंधित अधिकारियों पर लग रहे हैं। जब तक यह मामला सामने आया, तब तक प्रभावित छात्रों का आरआईएमएस अस्पताल में इलाज चल रहा था। फ़ूड पॉइज़निंग की वजह क्या है? या कोई और कारण है? ऐसा लगता है कि अधिकारियों ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। हॉस्टल के छात्र और उनके माता-पिता इस घटना को लेकर बहुत चिंता जता रहे हैं।

पटना कोचिंग विवाद में खान सर की एंटिसिपेटरी बेल पर सुनवाई पूरी
10 जुलाई को आएगा फैसला

पटना, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी के मुसल्लहपुर हाट में 2 जून की रात कोचिंग संस्थानों के बीच हुए विवाद के दौरान फायरिंग मामले में आरोपित फैजल खान उर्फ खान सर की जमानत याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। पटना सिविल कोर्ट के जिला जज रूपेश कुमार देव की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रखा है। अदालत आदेश 10 जुलाई को सुनाएगी। कोर्ट में खान ग्लोबल स्टडीज के निदेशक खान सर उर्फ फैजल खान और उनके तीन सहकर्मियों अजीत कुमार, कन्हैया कुमार सिंह और अंकित कुमार पाण्डेय के एंटिसिपेटरी बेल पर याचिका दाखिल की गई थी।

इसके अलावा दोनों गार्डों की जमानत पर भी सुनवाई हुई। दोनों गार्ड बेउर जेल में बंद हैं। सभी मामले में 10 जुलाई को कोर्ट फैसला सुनाएगी। गौरतलब है कि 2 जून की रात खान सर के कोचिंग संस्थान के नजदीक हुई गोलीबारी के वायरल वीडियो के आधार पर कदमकुआं थाना की पुलिस ने खान सर और उनके दो सुरक्षा कर्मियों पर एफआईआर की गई थी। 7 जुलाई को रौशन आनंद पक्ष की ओर से सत्यम झा ने बहस करते हुए फैजल खान की जमानत का विरोध किया था। उन्होंने कोर्ट को बताया था कि फैजल खान की ओर से क्रिमिनल हिस्ट्री छिपाई गई है। इसके बाद कोर्ट ने क्रिमिनल हिस्ट्री प्रस्तुत करते हुए 8 जुलाई की तारीख तय की थी। बुधवार सुबह 10:30 बजे से कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई। दोनों पक्षों ने अपनी बातें रखीं, इसके बाद न्यायाधीश ने कहा कि 10 जुलाई को कोर्ट फैसला सुनाएगी।

ऑन-ड्यूटी कांस्टेबल की मौत, सर्विस रिवॉल्वर से लगी गोली, 'कथित खुदकुशी' एंगल पर क्या बोली पुलिस?

कलबुर्गी, 8 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के कलबुर्गी के जगत सर्कल पर तैनात एक पुलिस कांस्टेबल ने बुधवार को कथित तौर पर अपनी पुलिस वैन के अंदर खुद को गोली मार ली। पुलिस ने बताया कि गोली लगने से उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान शिवकुमार के रूप में हुई है। वह सिटी आर्म्ड रिजर्व इकाई में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत था। कलबुर्गी सिटी पुलिस आयुक्त शरणप्पा एसडी ने एएनआई को बताया कि सिटी आर्म्ड रिजर्व में कार्यरत पुलिस कांस्टेबल शिवकुमार ने जगत सर्कल पर तैनात एक पुलिस वैन में खुद को गोली मार ली। प्रारंभिक जानकारी के आधार पर, पुलिस अधिकारी ने कहा कि ऐसा लगता है कि उसने निजी कारणों से अपना जीवन समाप्त करने का फैसला किया है। एक फोरेंसिक टीम को घटनास्थल पर भेजा गया है।

कोरियाई कंपनियों के लिए स्थानीय निवेश का न्योता, बुसान में एपेक्स-कोरिया लॉन्च हुआ

अमरावती, 8 जुलाई (एजेंसियां)। मंत्री नारा लोकेश का दक्षिण कोरिया दौरा जारी है। एपी में निवेश को लेकर कोरियाई कंपनियों के साथ लगातार बातचीत हो रही है। बुसान में एपेक्स-कोरिया इन्वेस्टर्स असिस्टेंस सेंटर खोला गया। लोकेश ने एपीईडी की देखरेख में एपेक्स-कोरिया सेंटर लॉन्च किया। एपेक्स-कोरिया, कोरियाई संगठनों और एपी सरकार के बीच एक जोड़ने वाले प्लेटफॉर्म के तौर पर काम करेगा। यह एपी में निवेश करने में रुचि रखने वाली कोरियाई कंपनियों को पूरा सहयोग देगा।

एपेक्स-कोरिया पहले से मौजूद कोरियाई संगठनों को भी सेवाएं देगा। एपेक्स-कोरिया को निवेश आकर्षित करने और उद्योगों का विस्तार करने के मकसद से शुरू किया गया था। इस मौके पर मंत्री लोकेश ने बुसान में उद्योगपतियों से मुलाकात की। उन्होंने कोरियाई

कंपनियों को एपी में निवेश के मौकों के बारे में बताया। मंत्री ने बीएनके फाइनेंशियल ग्रुप के उच्च-स्तरीय प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने अमरावती में बीएनके फाइनेंशियल की शाखा खोलने का न्योता दिया। साथ ही, अमरावती के इंडस्ट्रियल पार्कों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस उपलब्ध कराने की अपील की। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर और जहाज निर्माण जैसे सेक्टरों में निवेश के लिए आमंत्रित किया। अपनी ने कोरियाई कंपनियों से निवेश और प्रोडक्शन हब के तौर पर कोरिया को चुनने का आग्रह किया।

मंत्री ने बीएनकेएन को स्टार्टअप्स और एमएसएमई को सपोर्ट करने के लिए आरटीआईएच के साथ पार्टनरशिप करने का न्योता दिया। बीएनके के प्रतिनिधि एपी सरकार के प्रस्तावों की जांच करेंगे और फैसला लेंगे। बीएनके फाइनेंशियल ग्रुप की कुल संपत्ति 9.64 लाख करोड़ रुपये है। यह ग्रुप तीन बैंकों और कई फाइनेंशियल संस्थानों के साथ काम कर रहा है। बीएनके ग्रुप की कोरिया में 398 शाखाएं और विदेशों में 75 आउटलेट हैं।

इंस्पेक्टर पर बड़ा आरोप
अमेरिकी परिवार से मांगी 3 करोड़ की रंगदारी, दी ये धमकी एफबीआई ने किया नामजद

जालंधर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब तक के सबसे गंभीर आरोपों में से एक सामने आया है। अमेरिका की प्रमुख जांच एजेंसी एफबीआई (फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन) ने पंजाब पुलिस के इंस्पेक्टर और टांडा के तत्कालीन एसएचओ गुरिंदरजीत सिंह नागरा को एक अंतरराष्ट्रीय उगाही और धोखाधड़ी के मामले में संघीय अभियोग में नामजद किया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने एक अमेरिकी परिवार से 4 लाख डॉलर (करीब 3.3 करोड़ रुपये) की वसूली के लिए हत्या के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। लॉस एंजिल्स की संघीय अदालत में अनसील किए गए अभियोग के अनुसार, नागरा ने कथित तौर पर कुख्यात गैंगस्टर जग्गु भगवानपुरिया के अपराध सिंडिकेट के साथ मिलकर इस साजिश को अंजाम दिया। जांच में दावा किया गया है कि कैलिफोर्निया के स्टॉकटन में बैठे सिंडिकेट सदस्य ने पीड़ित परिवार की जानकारी भारत भेजी, जिसके बाद उनके भारत में रहने वाले रिश्तेदारों को हत्या के झूठे केस में फंसाने की धमकियां दी गईं।

एफबीआई के अनुसार, अप्रैल 2026 में पीड़ित परिवार के मुखिया को सीधे संदेश दिया गया कि यदि 4 लाख डॉलर का भुगतान नहीं किया गया तो परिवार के तीन सदस्यों को हत्या के मामले में आरोपी बना दिया जाएगा। अमेरिकी एजेंसियों का आरोप है कि यह अंतरराष्ट्रीय अपराध सिंडिकेट द्वारा भारत में बैठे कथित भ्रष्ट पुलिस अधिकारियों का इस्तेमाल कर विदेशों में रहने वाले लोगों से करोड़ों रुपये की उगाही करने का सुनियोजित तरीका था।

2 लाख की घूस लेते पकड़े गए खनन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर, छापेमारी में 4.90 लाख का कैश बरामद

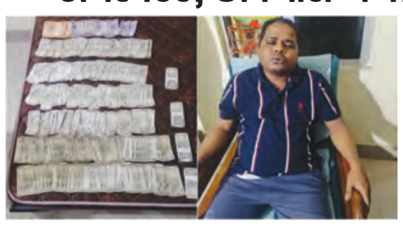

कोरापुट, 8 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के कोरापुट जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। आरोपी सरकारी अधिकारी के घर से 500-500 की गड्डी के रूप में लाखों रुपये नकद जब्त हुए हैं। ओडिशा विजिलेंस ने जयपुर में तैनात डिप्टी डायरेक्टर (जियोलॉजी)-कम-डिप्टी डायरेक्टर ऑफ माइंस सत्यजीत राउत को 2 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। विजिलेंस की इस कार्रवाई के दौरान आरोपी के पास से रिश्वत की पूरी रकम बरामद कर ली गई। इसके अलावा तलाशी के दौरान उनके घर से 2.90 लाख रुपये नकद भी मिले। इस तरह कुल 4.90 लाख रुपये नकद जब्त किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, सत्यजीत राउत जयपुर स्थित डिप्टी डायरेक्टर ऑफ माइंस कार्यालय में डिप्टी डायरेक्टर (जियोलॉजी)-कम-डिप्टी डायरेक्टर ऑफ माइंस के पद पर कार्यरत हैं।

उन पर आरोप है कि उन्होंने एक लीजधारक से रेत के घाट की लीज अवधि खत्म होने के बाद उसका एक्सटेंशन मंजूर करने और भविष्य में होने वाली स्पॉट ऑक्शन प्रक्रिया में लाभ पहुंचाने के बदले 2 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत मिलने के बाद ओडिशा विजिलेंस ने योजना बनाकर जाल बिछाया। जैसे ही आरोपी अधिकारी ने शिकायतकर्ता से 2 लाख रुपये की रिश्वत ली, विजिलेंस की टीम ने उन्हें मौके पर ही पकड़ लिया।

ऑटो में महिला ने 4 बच्चों को दिया जन्म, सभी की हुई मौत

मंडला, 8 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मंडला जिले में 8 जुलाई को अस्पताल ले जाते समय एक महिला ने ऑटो-रिक्शा में चार बच्चों को जन्म दिया, लेकिन जन्म के कुछ ही देर बाद चारों बच्चों ने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद परिवार के लोगों ने खूब हंगामा किया और आरोप लगाया कि एम्बुलेंस न मिलने के कारण नवजातों की जान चली गई। उन्होंने अस्पताल से मिलने वाली सुख-सुविधा पर भी सवाल उठाया, जबकि स्वास्थ्य अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार बच्चों की मौत समय से पहले जन्म और उनके अधूरे विकास के कारण हुई। महिला के पति का दावा है कि अगर समय पर एम्बुलेंस मिल जाती तो उनके चारों बच्चे बच सकते थे। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. डीजे. मोहंती ने बताया कि नाइगांव की रहने वाली रजनी सिंगराम को गर्भावस्था के सातवें महीने में प्रसव पीड़ा शुरू होने के बाद एक निजी वाहन से घुघास के सरकारी स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था। इस मामले की जानकारी देते हुए, अधिकारी ने बताया कि उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें ऑटो-रिक्शा से बिछिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

हालांकि, महिला के परिवार वालों का आरोप है कि प्रसव पीड़ा शुरू होने के बाद उन्होंने इमरजेंसी एम्बुलेंस सेवा को फोन किया था, लेकिन जब कोई जवाब नहीं मिला तो वे उसे ऑटो-रिक्शा से अस्पताल ले गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने से पहले ही उन्होंने निजी वाहन में चार बच्चों को जन्म दिया। मोहंती ने कहा, 'चारों बच्चे- तीन लड़कियां और एक लड़के की मौत हो गई, क्योंकि वे समय से पहले पैदा हुए थे और उनका वजन लगभग 1.5 किलोग्राम था।' स्वास्थ्य अधिकारी ने आगे बताया कि चारों बच्चों की मौत के बाद महिला को बिछिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है और वह खतरे से बाहर है।

कंगना रनौत बोलीं- राम मंदिर का विरोध करने वाली कांग्रेस आज आस्था की कर रही राजनीति

शिमला, 8 जुलाई (एजेंसियां)। मंडी संसदीय क्षेत्र की सांसद कंगना रनौत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हिमाचल प्रदेश में भगवान श्रीराम और राम मंदिर को लेकर एक राजनीतिक एजेंडा खड़ा करने का प्रयास कर रही है, लेकिन उसे इसमें पूरी तरह विफलता मिली है। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस ने वर्षों तक राम मंदिर निर्माण का विरोध किया, वही आज राम मंदिर के नाम पर राजनीति कर रही है। प्रदेश और देश की जनता कांग्रेस के इस दोहरे चरित्र को अच्छी तरह पहचान चुकी है।

कंगना रनौत ने कहा कि भगवान श्रीराम

करोड़ों देशवासियों की आस्था के केंद्र हैं और राम मंदिर का निर्माण सदियों के संघर्ष, त्याग और बलिदान के बाद संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति को प्राथमिकता दी और राम मंदिर निर्माण के मार्ग में बाधाएं खड़ी करने का प्रयास किया। आज जब अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन चुका है और देश की जनता उससे भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई है, तब कांग्रेस अपने राजनीतिक हित साधने के लिए उसी विषय का सहारा लेने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार का आचरण भी जनता के सामने है। सरकार ने मंदिरों की संपत्ति और मंदिरों के धन को सरकारी योजनाओं में उपयोग करने का प्रयास किया तथा देवस्थानों के संसाधनों पर अधिकार जताने की कोशिश की।

एआईयूडीएफ चीफ बदरुद्दीन अजमल ने दिखाई अवैध बांग्लादेशियों से हमदर्दी
बोले- पुशबैक गैर कानूनी और अत्याचार

गुवाहाटी, 8 जुलाई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) के अध्यक्ष और विधायक बदरुद्दीन अजमल ने संदिग्ध अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की चल रही पहचान, निर्वासन और कथित वापसी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई भी कार्रवाई कानून और संविधान के प्रावधानों के अनुरूप ही होनी चाहिए। अजमल ने 'वापसी' की इस प्रथा को गैरकानूनी बताया और आरोप लगाया कि यह स्थापित कानूनी और संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन है। बदरुद्दीन अजमल ने कहा कि वापसी पूरी तरह से गैरकानूनी, अवैध और गलत है और ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने इसे अत्याचार बताया।

संदिग्ध अवैध प्रवासियों की संख्या पर अपनी पिछली टिप्पणियों का जिक्र करते हुए अजमल ने कहा कि उनके द्वारा उद्धृत आंकड़े सरकारी रिकॉर्ड पर आधारित थे। हालांकि, उन्होंने कहा कि वे सटीक आंकड़े बाद में उपलब्ध कराएंगे। बिन्नाकंडी विधायक ने कहा कि अवैध प्रवासियों की पहचान और निर्वासन की प्रक्रिया केवल कानून के दायरे में ही की जानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे संवेदनशील मामलों से निपटते समय संवैधानिक सुरक्षा उपायों और उचित कानूनी प्रक्रियाओं को सर्वोपरि रखा जाना चाहिए। अजमल ने कहा कि आज की दुनिया में सब कुछ कानून और संविधान के अनुसार चलता है। भारत में भी हर कार्य संविधान द्वारा निर्देशित होना चाहिए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
गुरुवार, 9 जुलाई, 2026 3

सुविचार: कोई खबर न ले, तो बुरा मत मानना, इस दुनिया में, खबर लेने वाले कम, खबर फैलाने वाले ज्यादा है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से विभिन्न देशों के प्रमुख उद्योग, प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक नीति से जुड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने शिष्टाचार भेंट की।

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से बुधवार को विभिन्न देशों के प्रमुख उद्योग, प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक नीति से जुड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान निवेश, प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिज, औद्योगिक सहयोग तथा आर्थिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में अमेरिका की नीली गिल्बर्ट, जो ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट के निदेशक मंडल की सलाहकार हैं, शामिल रहीं। उनके साथ अमेरिका सरकार के महत्वपूर्ण खनिज मामलों के सलाहकार तथा मोमेंटम टेक्नोलॉजीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेश कोंडूरु ने भी मुख्यमंत्री से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में ब्रिटेन स्थित ऑक्सन टेक्नोलॉजीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमित मेहरा, नॉर्वे की पूर्व राज्य सचिव दिलेक, दक्षिण अफ्रीका की संसद के सदस्य थॉमस फ्रोलिक तथा श्रीलंका के सीलोन वर्कर्स कांग्रेस के अध्यक्ष सेंथिल थोंडामन भी शामिल थे। बैठक के दौरान तेलंगाना में निवेश, उन्नत प्रौद्योगिकी, औद्योगिक विस्तार, वैश्विक साझेदारी और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने राज्य में उद्योग, निवेश और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों की जानकारी भी प्रतिनिधिमंडल को दी।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर क्षेत्र में एक 26 वर्षीय युवक ने पत्नी से फोन पर हुए विवाद के बाद कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान चंदन कुमार शर्मा के रूप में हुई है। वह बिहार का रहने वाला था और काम की तलाश में हैदराबाद आया था। वह बढ़ई का काम करता था। पुलिस के अनुसार, सोमवार को चंदन की अपनी पत्नी से फोन पर किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। बताया जा रहा है कि इस विवाद के बाद वह काफी परेशान था। मंगलवार को उसने अपने किराए के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कुछ देर बाद उसके दोस्तों ने कमरे में पहुंचकर उसे फंदे से लटका देखा।

आरटीसी को घाटे से लाभ की ओर ले जा रही है रेवंत रेड्डी सरकार : जूपल्ली

बस को हरी झंडी दिखाते हुए मंत्री जूपल्ली साथ में पोन्नम प्रभाकर व अन्य।

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि नागरकर्नूल जिले में विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए सरकार की ओर से 16 करोड़ रुपये का सहयोग प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनता के कल्याण और विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। नागरकर्नूल जिले में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि तेलंगाना राज्य परिवहन निगम की बसों में प्रतिदिन लगभग 65 लाख लोग यात्रा करते हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए शुरू की गई महालक्ष्मी योजना के माध्यम से महिलाओं ने लगभग 11 हजार करोड़ रुपये की बचत की है।

उन्होंने कहा कि परिवहन निगम के कर्मचारियों की समस्याओं को समझते हुए मंत्री पोन्नम प्रभाकर एक-एक कर उनका समाधान कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के समय परिवहन निगम को निजी हाथों में सौंपने और संस्था को कमजोर करने की साजिश की गई थी तथा कर्मचारियों को परेशान किया गया। जूपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व और मंत्री पोन्नम प्रभाकर के मार्गदर्शन में परिवहन निगम को घाटे से बाहर निकालकर लाभ की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज में जनसंख्या के अनुपात के अनुसार न्याय सुनिश्चित करने के लिए पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को लेकर सरकार ने कानून बनाया है। उन्होंने मंत्री पोनम प्रभाकर की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि वे किसी भी समस्या के समाधान के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं।

मंत्री ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के आंदोलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नेताओं ने राज्य के विकास के लिए संघर्ष किया। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग सच्चाई को झूठ और झूठ को सच बताने का प्रयास कर रहे हैं।

पांचवीं मंजिल से गिरा बच्चा स्वस्थ

डॉक्टरों ने बचाई 13 वर्षीय की जान

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पांचवीं मंजिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए 13 वर्षीय बच्चे की हालत अब बेहतर हो रही है। बच्चे को बंजारा हिल्स स्थित रेनबो अस्पताल में इलाज के बाद नई जिंदगी मिली है। हादसे में बच्चे को हृदय की महाधमनी में चोट, सिर में गंभीर चोट, कई अंगों के प्रभावित होने और जांघ की हड्डी टूटने जैसी गंभीर समस्याएं हुई थीं। जानकारी के अनुसार, हादसे के तुरंत बाद बच्चे को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे कुकाटपल्ली स्थित रेनबो चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। बाद में बेहतर इलाज के लिए उसे बंजारा हिल्स अस्पताल भेजा गया। जांच में पता चला कि उसकी छाती की महाधमनी में करीब 7 सेंटीमीटर की गंभीर चोट थी। इसके अलावा सिर में चोट, फेफड़ों और अग्नाशय को नुकसान, पेट में रक्तस्राव और जांघ की हड्डी में फ्रैक्चर पाया गया।

डॉक्टरों ने आपात स्थिति में महाधमनी की चोट को ठीक करने के लिए एंडोवास्कुलर ग्राफ्टिंग की और जांघ की हड्डी का उपचार किया। बच्चे को बचाने के लिए उसे वेंटिलेटर, डायलिसिस, रक्तचाप नियंत्रित करने वाली दवाओं और अन्य आवश्यक चिकित्सा सहायता दी गई।

भाजपा के प्रयासों से सिंगरेणी को मिला नया कोयला ब्लॉक : एन. रामचंद्र राव

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति और वर्तमान कांग्रेस सरकार ने सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) की लगातार उपेक्षा कर उसे घाटे की स्थिति में पहुंचा दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा 'ताडीचेरला-द्वितीय' कोयला ब्लॉक सिंगरेणी को आवंटित किया जाना कंपनी और तेलंगाना के भविष्य के लिए बड़ी उपलब्धि है।

बुधवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में रामचंद्र राव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आवंटन से सिंगरेणी और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में सिंगरेणी के अंतर्गत 39 सक्रिय खदानें हैं, जिनसे 31 हजार संविदा कर्मियों और 41 हजार स्थायी कर्मचारियों की आजीविका जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि नए कोयला ब्लॉक में लगभग 18.20 करोड़ टन कोयले का भंडार है, जिससे सिंगरेनी को 64 हजार करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त होगा तथा लगभग 1,200 युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

रामचंद्र राव ने कांग्रेस पर श्रेय लेने की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ताडीचेरला-द्वितीय कोयला ब्लॉक कांग्रेस के प्रयासों से मिलने का दावा पूरी तरह निराधार है। उन्होंने सवाल किया कि यदि कांग्रेस वास्तव में सिंगरेणी के हित में थी तो डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के दौरान यह ब्लॉक क्यों नहीं दिलाया गया।

उन्होंने कहा कि यह आवंटन भारतीय जनता पार्टी के सांसदों, विधायकों, जिला नेतृत्व तथा केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी के विशेष प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां भारत राष्ट्र समिति सरकार ने सिंगरेणी का अपने राजनीतिक हितों के लिए उपयोग किया, वहीं वर्तमान कांग्रेस सरकार कंपनी के संसाधनों को अन्य गतिविधियों में खर्च कर उसे कमजोर कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मनमोहन सिंह सरकार के समय देश में चर्चित कोयला आवंटन घोटाला सामने आया था, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कोयला क्षेत्र में पारदर्शिता और व्यापक सुधार लागू किए गए। उन्होंने दावा किया कि इन सुधारों के कारण कोल इंडिया का उत्पादन लगभग 70 प्रतिशत बढ़ा है और देश के कोयला क्षेत्र से लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

एक प्रश्न के उत्तर में रामचंद्र राव ने कहा कि धरनी पोर्टल की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) के अधिकार क्षेत्र का विस्तार कर कांग्रेस सरकार द्वारा लागू भू-भारती प्रणाली में सामने आ रही कथित अनियमितताओं की भी व्यापक जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस शासन के ढाई वर्षों में लगभग 2,000 फर्जी खाते सामने आए हैं और इस मामले में शामिल राजनेताओं तथा अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

एसीबी ने सर्वे अधीक्षक को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने महबूबनगर जिले में कार्रवाई करते हुए सर्वे एवं भूमि अभिलेख विभाग के एक अधीक्षक को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार अधिकारी बोम्मिरेड्डी वेंकटेश्वर रेड्डी, सहायक निदेशक (सर्वे एवं भूमि अभिलेख) कार्यालय, महबूबनगर में अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। अधिकारी ने जिले के भूतपुर मंडल स्थित करवेन गांव के नक्शे में सुधार से संबंधित फाइल को आगे बढ़ाने के लिए शिकायतकर्ता से 15 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने जाल बिछाकर कार्रवाई की और अधिकारी को रिश्वत की राशि स्वीकार करते हुए पकड़ लिया। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के कब्जे से रिश्वत की रकम बरामद कर ली गई है। एसीबी ने कहा कि आरोपी अधिकारी ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए सरकारी कार्य में लाभ पहुंचाने के बदले अवैध राशि की मांग की थी। गिरफ्तार अधिकारी को न्यायिक हिरासत के लिए नांपल्ली स्थित विशेष न्यायालय (एसपीई एवं एसीबी मामलों) में पेश किया जाएगा।

बोनालु संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक : कोंडा सुरेखा

लाखों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए सभी विभाग समन्वय से करें कार्य

बलकंपेट एलम्मा मंदिर के आषाढ़ बोनालु उत्सव की भव्य तैयारियां

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की वन, पर्यावरण एवं देवदाय मंत्री कोंडा सुरेखा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बलकंपेट श्री एलम्मा देवी के आषाढ़ बोनालु उत्सव और वार्षिक कल्याणोत्सव का आयोजन अत्यंत भव्य और श्रद्धापूर्ण तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि लगभग 700 वर्षों के इतिहास वाले बलकंपेट एलम्मा मंदिर के दर्शन को श्रद्धालु अठारह शक्तिपीठों के दर्शन के समान पुण्यदायी मानते हैं, इसलिए उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। मंत्री कोंडा सुरेखा ने आषाढ़ बोनालु उत्सव की तैयारियों को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी 20, 21 और 22 जुलाई को आयोजित होने वाले वार्षिक कल्याणोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, इसलिए सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता और सुविधाओं के लिए पहले से पुख्ता इतजाम किए जाएं। उन्होंने पुलिस विभाग, तेलंगाना राज्य दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी, हैदराबाद महानगर जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन विभाग, राज्य परिवहन निगम, सांस्कृतिक विभाग, सड़क एवं भवन विभाग, नगर निगम और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग सहित सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि वर्षा ऋतु को देखते हुए बिजली, नगर निगम, पुलिस और देवदाय विभाग विशेष सतर्कता बरतें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु शांतिपूर्ण वातावरण में देवी के दर्शन कर सकें और सुरक्षित रूप से अपने घर लौट सकें, इसके लिए सभी विभाग अपनी जिम्मेदारियां समय पर पूरी करें। कोंडा सुरेखा ने कहा कि बलकंपेट एलम्मा देवी के बोनालु उत्सव तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि 20 जुलाई शाम 5 बजे एदुरकोलु उत्सव, 21 जुलाई सुबह 9 बजे भव्य कल्याणोत्सव और 22 जुलाई शाम 6 बजे रथोत्सव आयोजित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं के आवागमन मार्ग, कतार व्यवस्था और प्रवेश द्वारों पर विशेष ध्यान दिया जाए। भीड़ के दौरान धक्का-मुक्की रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था की जाए। वीआईपी और विशेष अतिथियों के प्रवेश मार्गों पर सुरक्षा बढ़ाने के साथ आम श्रद्धालुओं को असुविधा न हो, इसका ध्यान रखने को कहा गया। श्रद्धालुओं की सहायता के लिए टोल फ्री नंबर की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया गया। मंत्री ने विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति के साथ अतिरिक्त ट्रांसफार्मर और जनरेटर तैयार रखने तथा आपात स्थिति के लिए विशेष कर्मचारियों की तैनाती करने को कहा। स्वास्थ्य विभाग को अस्थायी चिकित्सा शिविर, 108 एंबुलेंस, आपात चिकित्सा दल और प्राथमिक उपचार केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए। राज्य परिवहन निगम को श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष बसें चलाने तथा सांस्कृतिक विभाग को बोनालु उत्सव की परंपरा और वैभव को दर्शाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

यौन उत्पीड़न के आरोप में पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बोराबंदा स्थित अपने घर में अपनी 19 वर्षीय बेटी का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी कुछ समय से अपनी बेटी के साथ अनुचित व्यवहार कर रहा था। उस पर बेटी को गलत तरीके से छूने और बार-बार यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी थी यदि उसने इस दुर्व्यवहार के बारे में किसी को बताया। यह मामला तब सामने आया जब युवती ने अपनी मां को कथित उत्पीड़न के बारे में बताया। पूछताछ करने पर, आरोपी ने कथित तौर पर मां को भी धमकी दी। मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद, बोराबंदा पुलिस ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पीओसीएसओ) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है और जांच के निष्कर्षों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जग्गा रेड्डी ने दिया पूर्व मंत्री हरीश राव को कांग्रेस में आने का आफर

तीन महीने के लिए मंत्री पद मांगना उचित नहीं

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष जग्गा रेड्डी ने बीआरएस नेता हरीश राव के तीन महीने के लिए सिंचाई विभाग की जिम्मेदारी देने संबंधी बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि हरीश राव ने दस वर्षों तक सत्ता में रहते हुए तीन साल तक सिंचाई मंत्री के रूप में काम किया था, लेकिन अब तीन महीने के लिए मंत्री पद मांगना उचित नहीं है।

जग्गा रेड्डी ने कहा कि देश में सभी लोग डॉ. बी. आर. अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान का पालन करते हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या हरीश राव कोई नया संविधान लिख रहे हैं, जो तीन महीने के लिए मंत्री बनने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार किसी को इस तरह तीन महीने के लिए मंत्री नहीं बनाया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के कार्यकाल में सिंचाई परियोजनाओं की योजना और डिजाइन तैयार हुई थी और उसी दौरान कई समस्याएं सामने आईं।

उन्होंने कहा कि छोटी झोपड़ी बनाने वाला व्यक्ति भी खंभे लगाने के लिए गड्ढे की गहराई का हिसाब रखता है, लेकिन बड़ी परियोजनाओं के निर्माण में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जग्गा रेड्डी ने कहा कि अपनी गलतियों को छिपाने के लिए हरीश राव मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी पर आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि तीन साल तक मंत्री रहने के दौरान बनाई गई परियोजनाओं की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि यदि हरीश राव को तीन महीने के लिए मंत्री बनने की इतनी इच्छा है तो वे कांग्रेस में शामिल हो जाएं और पार्टी की सदस्यता लें। उन्होंने कहा कि इसके बाद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उत्तम कुमार रेड्डी इस पर विचार कर सकते हैं। जग्गा रेड्डी ने हरीश राव के जलाशयों में पानी भरने संबंधी सुझाव पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि बिना उचित अध्ययन के ऐसे फैसले लेने से खम्मम जैसे क्षेत्रों में नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि हरीश राव मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर यह जिम्मेदारी लें कि यदि पानी भरने से कोई नुकसान होता है तो उसकी जवाबदेही वे स्वयं स्वीकार करेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष को जनता के हित में सुझाव देने चाहिए, लेकिन ऐसे सुझाव नहीं देने चाहिए जिनसे लोगों को परेशानी हो। उन्होंने बीआरएस नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय जनता के कल्याण पर ध्यान देना चाहिए।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Dr. **PRITPAL SINGH** S/o Late BHUPENDRA SINGH BAGGA R/o 8-2-684/Y/401 Manisha Residency, Road No.12, Banjara Hills, Hyd, Have changed my name as **PRITPAL SINGH BAGGA** for All records purpose.

I, Monika Agarwal, W/o, JC 771090H, Sub, Salu Kumar, R/o. Dist : Mathura, Uttar Pradesh, changed my name from Monika Agarwal to Monica Agrawal, vide Affidavit No. 467542 dt 07.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I , No 14654470M, Hav, C Murugan, R/o, Dist : Theni, Tamil Nadu, changed my Father's name from P Chinnaraj to Chinnaraj, vide Affidavit No. 467544 dt. 07.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Babu Lal, Father of No. 14682353X, NK, Suresh Kumar Suman, R/o, Dist: Kota, Rajasthan, changed my name from Babu Lal to Babulal vide Affidavit No. 467546 dt. 07.07.2026 , before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 17004130Y, NK, K Mahalingam, R/o, Dist: Vellore, Tamil Nadu, changed my Son's name from M Mukilan to Mukilan M, vide Affidavit No. 467503 dt. 07.07.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 17004130Y, NK, K Mahalingam, R/o, Dist: Vellore, Tamil Nadu, changed my Daughter's name from M Lisaanti Varsha to Lisaanti Varsha M, vide Affidavit No. 467505 dt. 07.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 17004801X, NK, Nikhil Pradeep, R/o, Dist: Alappuzha , Kerala, changed my Father's name from P C Pradeep to P C Pradeepkumar, vide Affidavit No. 467507 dt. 07.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

विश्व बैंक रिपोर्ट पर केटीआर का दावा

तेलंगाना की आर्थिक प्रगति का जिक्र

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि तेलंगाना का देश के शीर्ष पांच उच्च-मध्यम आय वाले राज्यों में शामिल होना राज्य की आर्थिक प्रगति का प्रमाण है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय राज्य की जनता और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व को दिया। रामाराव ने कहा कि विश्व बैंक की रिपोर्ट तेलंगाना के लिए गर्व की बात है। उनका कहना है कि यह रिपोर्ट उन आरोपों का जवाब है, जिनमें राज्य की आर्थिक स्थिति पर सवाल उठाए जाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने कम समय में गरीबी से उबरकर देश के सबसे समृद्ध राज्यों में अपनी पहचान बनाई है।

उन्होंने कहा कि राज्य गठन के बाद तेलंगाना ने विकास के कई नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। रिपोर्ट में राज्य की संपत्ति और लोगों की प्रति व्यक्ति आय में हुई बढ़ोतरी का उल्लेख किया गया है। उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थानों ने भी तेलंगाना की आर्थिक प्रगति को स्वीकार किया है। रामाराव के अनुसार, विश्व बैंक के आय मानदंड के आधार पर प्रति व्यक्ति आय के मामले में तेलंगाना 5,407 डॉलर के साथ देश में तीसरे स्थान पर है। इस सूची में दिल्ली पहले, कर्नाटक दूसरे, जबकि तमिलनाडु और गुजरात भी शीर्ष पांच राज्यों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी राज्य विश्व बैंक द्वारा तय उच्च-मध्यम आय वर्ग की सीमा को पार कर चुके हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने एसआईआर कार्यों का किया निरीक्षण

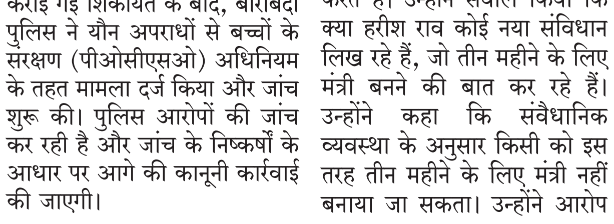

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं नगर निगम आयुक्त आर.वी. कर्णन, आईएएस ने चारमीनार जोनल आयुक्त के साथ मलकपेट विधानसभा क्षेत्र के चंचलगुड़ा और चावनी क्षेत्र में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यों का निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने पुलिस स्टेशन संख्या 274 और 283 क्षेत्रों का दौरा कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत कर एसआईआर प्रक्रिया की जानकारी ली और उनकी समस्याओं एवं सवालों का समाधान किया। निरीक्षण के दौरान आर.वी. कर्णन ने एसआईआर गणना प्रपत्रों के वितरण और जमीनी स्तर पर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों, बूथ पर्यवेक्षक अधिकारियों, बूथ स्तरीय अधिकारियों और बूथ स्तरीय एजेंटों को निर्देश दिया कि वे भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी कार्य पूरे करने तथा मतदाताओं को आवश्यक सेवाएं सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया को पारदर्शी और प्रभावी तरीके से पूरा करने के लिए सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

द्वितीय पुण्यतिथि

(पूर्व अध्यक्ष सीरवी विकास मंडल नाचाराम मल्लापुर)
स्व.श्री अमरारामजी वरपा
सुपुत्रः स्व. श्री धुलारामजी वरपा
मरुधर मे गाँव ईसाली । स्वर्गवासः 09 जुलाई 2024
आपकी मधुर स्मृतियां कभी नहीं मिट पायेगी ।
जीवन के अंतिम क्षण तक हमें आपकी याद आयेगी ॥
:श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता: शान्तिबाई (धर्मपत्नी), स्व.तेजाराम, चिमनाराम, जेपाराम (भाई), नरेश-कविता, विमल-डिम्पल (पुत्र-पुत्रवधु), ममता-प्रकाशजी (पुत्री-जमाई), मन्जु-जगदीशजी मालवीय (धर्मपुत्री-जमाई), उचित, प्राव्या, जियंश (पौत्र) एवं समस्त वरपा परिवार
फर्म : जय गणेश ट्रेडर्स
नाचाराम x रोड, हैदराबाद 9014664429, 7330712361
P.Solankey

राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय से मिले कोषाध्यक्ष गोविंद देव

अनिल मिश्रा को जिम्मेदार ठहराया

लखनऊ, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय से बुधवार को ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देवगिरी ने तीर्थ क्षेत्र भवन में बंद कमरे में मुलाकात की। चंपत राय के पद छोड़ने के बाद दोनों की यह पहली भेंट मानी जा रही है। इससे पहले चंपत राय ने पत्र जारी कर एसआईटी जांच पूरी होने के बाद सभी सवालों के जवाब देने की बात कही थी। छह जुलाई को हुई ट्रस्ट की बैठक में भी चंपत राय शामिल नहीं हुए थे।

इसके पहले, चढ़ावा चोरी पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने लंबी चुप्पी तोड़ते हुए पूरे मसले के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और ट्रस्ट के सदस्य रहे अनिल मिश्रा को जिम्मेदार ठहराया है। सोशल मीडिया में वायरल हो रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) को भेजे गए पत्र में उन्होंने दान की गणना प्रक्रिया से जुड़े कई बिंदुओं पर एसबीआई की कार्यप्रणाली और

राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय व कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी

सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

एसआईटी को लिखे पत्र में उन्होंने अपने बयान को जांच के रिकॉर्ड का हिस्सा बनाने का अनुरोध किया है।

उन्होंने पत्र में लिखा कि 6 फरवरी 2025 को जारी गणना प्रक्रिया के लिए बैंक और ट्रस्ट की ओर से संयुक्त रूप से निर्धारित दिशा-निर्देश से वह पूरी तरह असहमत हैं। इस दस्तावेज पर ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और एसबीआई अयोध्या शाखा के मुख्य प्रबंधक के हस्ताक्षर हैं।

चंपत ने दावा किया कि उन्हें इस दिशानिर्देश पत्र की जानकारी 13 जून को ट्रस्ट के अकाउंट कार्यालय से मिली। उन्होंने कहा कि अगस्त 2020 से इस साल जून तक ट्रस्ट और अन्य संस्थाओं के बीच हुए सभी महत्वपूर्ण अनुबंधों पर उनके हस्ताक्षर हैं, ऐसे में इस महत्वपूर्ण दस्तावेज पर उनसे हस्ताक्षर न कराना कई सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि यदि उस समय वह अयोध्या में नहीं थे तो उनके लौटने तक प्रतीक्षा की जानी चाहिए थी।

पत्र में उन्होंने 9 फरवरी 2024 को ट्रस्ट और एसबीआई के बीच हुए एमओयू का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस एमओयू के प्रत्येक पृष्ठ पर उनके हस्ताक्षर हैं और उसमें गणना प्रक्रिया की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, लोहे की जाली वाला दरवाजा सहित कई प्रावधान किए गए थे। हालांकि, इस वायरल पत्र पर अभी तक श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और एसआईटी की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

बिजलीकर्मी भी कोरोना वारियर

विधवा पत्नी को 50 लाख अनुग्रह राशि दे सरकारः इलाहाबाद हाई कोर्ट

लखनऊ, 8 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एक अहम फैसले में कोविड-19 महामारी के दौरान अस्पतालों, ऑक्सीजन प्लांटों और घरों तक निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में ड्यूटी के दौरान संक्रमित होकर जान गंवाने वाले मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के एक कर्मचारी को कोरोना वारियर मानते हुए उसकी पत्नी को 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का आदेश दिया है। पीठ ने राज्य सरकार द्वारा मुआवजे का दावा खारिज करने संबंधी आदेश को निरस्त करते हुए आठ सप्ताह के भीतर भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी। सराफ और न्यायमूर्ति अवधेश कुमार चैधरी की पीठ ने पुष्पा देवी की याचिका पर पारित किया। याचिका में छह अक्टूबर 2022 के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें यह कहते हुए 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने से इन्कार कर दिया गया था कि मृतक सरकार के 11 अप्रैल, 2020 के शासनादेश के दायरे में नहीं आता। याचिका में कहा गया कि मृतक कर्मचारी विपिन कश्यप मध्यांचल विद्युत वितरण निगम में कार्यरत थे और कोविड महामारी के दौरान अस्पतालों, आक्सीजन प्लांटों तथा अन्य आवश्यक सेवाओं के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति बनाए रखने की ड्यूटी कर रहा था। इसी दौरान वो कोरोना संक्रमित हुए और मृत्यु हो गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा बिजली विभाग की ओर से जारी प्रमाणपत्रों में भी इसकी पुष्टि की गई थी। विभाग ने उनके पक्ष में अनुग्रह राशि दिए जाने की संस्तुति भी की थी। पीठ ने अपने पूर्व के निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि कोरोना ड्यूटी का अर्थ केवल अस्पतालों में उपचार कार्य करने वाले कर्मियों तक सीमित नहीं किया जा सकता। बिजली, जलापूर्ति, पुलिस और अन्य आवश्यक सेवाओं में तैनात कर्मचारी भी महामारी की रोकथाम और मरीजों के उपचार की व्यवस्था बनाए रखने में समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे,

दरोगा महिला से बोला- तुम बहुत खूबसूरत हो

लिव-इन में रहा, प्रेग्नेंट होने पर अबॉर्शन कराया; बरेली एसएसपी ने सस्पेंड किया

बरेली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बरेली में एक महिला ने दरोगा पर रेप और मारपीट करने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि वह पति से झगड़े की शिकायत करने थाने गई थी। दरोगा ने पहले सहानुभूति दिखाई, फिर शादी करने और नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। दरोगा ने कहा- तुम बहुत खूबसूरत हो, तुम्हारे लिए अपनी पत्नी को छोड़ दूंगा। करीब एक साल तक शादी का झांसा देते हुए साथ रखा। इसके बाद मंगलवार शाम करीब 4 बजे महिला एसएसपी ऑफिस पहुंची। वहां दरोगा, उसकी पत्नी और बेटों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

एसएसपी ने बताया कि शिकायत की जांच कराई जा रही है। फिलहाल दरोगा को सस्पेंड कर दिया गया है। थाना बारादरी क्षेत्र की रहने वाली महिला ने बताया- साल- 2022 से मेरा पति से झगड़ा चल रहा है। मैं अपने पति से अलग रह रही हूं। 2025 में मैं पति और ससुरालवालों की शिकायत लेकर बारादरी थाने गई थी। वहीं मेरी मुलाकात थाने में तैनात उपनिरीक्षक (दरोगा) नरेश बाबू से हुई।दरोगा ने पहले मेरी परेशानी सुनी, फिर मदद का भरोसा दिलाया। उसने दावा किया कि पुलिस विभाग में उसकी अच्छी पकड़ है। कप्तान से सीधे संबंध होने की वजह से वह मेरी नौकरी लगवा सकता है। इसके साथ ही उसने अपनी पत्नी को तलाक देकर मुझसे शादी करने का भी वादा किया।

पंक्चर बनाते समय अज्ञात वाहन ने कुचला, पिकअप चालक समेत चार की मौत

कौशांबी, 8 जुलाई (एजेंसियां)। सैनी कोतवाली क्षेत्र के त्रिलोकपुर में सड़क के किनारे पंक्चर बनाते समय अज्ञात वाहन की चपेट में आने से चालक समेत चार लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पुलिस पहुंच गई। हादसे में मरणासन्न लोगों को आननफानन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। सैनी कोतवाली क्षेत्र के त्रिलोकपुर स्थित कंगन होटल के सामने पिकअप वाहन का पंचर बदलते समय अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पिकअप चालक समेत चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने 108 एंबुलेंस से घायलों को सीएससी सिराथू पहुंचाया। सीएससी सिराथू से डॉक्टरों ने सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज पहुंचते ही चिकित्सकों ने सभी चारों युवकों को मृत घोषित कर दिया।

सीएम योगी ने कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा का किया शुभारंभ, डीबीटी के माध्यम से भेजी गई धनराशि

वाराणसी, 8 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को वाराणसी से प्रदेश के शिक्षकों व उनके परिजनों को मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा योजना का तोहफा दिया। पंडित दीनदयाल हस्तकला संकुल बड़ालालपुर में सुबह 10 बजे से आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने इसका शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के लागू होने के साथ ही प्रदेश के लगभग 12 लाख शिक्षकों और उनके परिवारों को पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। योजना में नियमित शिक्षकों के साथ शिक्षामित्र, अनुदेशक, रसोइया और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के पात्र कार्मिकों को भी शामिल किया गया है।

सीएम योगी ने योजना का शुभारंभ करने के साथ ही माध्यममिक शिक्षा और बेसिक शिक्षा के सभी शिक्षकों और बच्चों को हृदय से बधाई दी। कहा कि तीन योजनाएं हैं, आपने मांगा नहीं लेकिन आपने स्वास्थ्य की चिंता हमें है। इसमें 12 लाख शिक्षक लाभान्वित हो रहे हैं, सबको बधाई देते हुए आपका अभिनंदन भी करता हूं। बेसिक शिक्षा परिषद के बच्चों को जो धनराशि हस्तांतरित की जा रही है प्रत्येक छात्र 1200 रुपये दिया जा रहा है। हमारा दायित्व है कि विद्यालय अच्छा हो, स्वच्छ हो, आंतरिक अनुशासन बनाए।

छात्र पूरी यूनिफॉर्म में आएं, इसके लिए अभिभावकों से बात करें। सीएम ने कहा कि कल बारिश हुई तो बच्चे उसी में नहा रहे थे, अभिभावकों को उन्हें समझाना चाहिए, बच्चे अबोध हैं। हम बताएं कि तीन दिन एक और तीन दिन दूसरा यूनिफार्म पहनो, घर के कपड़े दूसरे हों। यह बच्चों को बताना हमारा दायित्व है, यह उनके लिए प्रेरणा होगी। आज 1320 करोड़ रुपये भेजे गए। नागरिक के अलावा शिक्षकों का दायित्व है कि हर बच्चे को स्कूल पहुंचाएं। निपुण भारत के तहत हर बच्चे योग्य बनाए जाएं, ये पीएम मोदी का विजन है।

नरकटियागंज में एसएसबी और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई नेपाल बॉर्डर के पास 75 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

पश्चिम चंपारण, 8 जुलाई (एजेंसियां)। एसएसबी 44वीं वाहिनी और बिहार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पचरौता क्षेत्र से 75.3 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई सी समवाय पचरौता के कार्यक्षेत्र में तीन मोहानी ब्रिज के समीप, अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब 2।7 किलोमीटर भारतीय सीमा के अंदर की गई। एसएसबी के निरीक्षक (सामान्य) जयप्रकाश अपनी टीम के साथ नाका ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान नेपाल की ओर से सिर पर बोरी लेकर आ रहे एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर तलाशी ली गई। बोरी से 75.3 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार तस्कर की पहचान मानपुर थाना क्षेत्र के खैरवा टोला निवासी रविन्द्र यादव के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया कि वह नेपाल से गांजा लाकर भारत में बेचने की फिराक में था।

500 के नोटों की गड्डी में चल रहा था ये गंदा खेल, प्रयागराज जंक्शन पर आरपीएफ-जीआरपी ने दबोचा तो उड़े होश

प्रयागराज, 8 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन पर जीआरपी और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की संयुक्त टीम ने 50 लाख रुपए के फर्जी नोटों के बंडल के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 500-500 रुपए के नोटों के रूप में तैयार किए गए 10 बंडल बरामद हुए हैं। जीआरपी के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान रामनिवास (20) निवासी गजरूप देसर गांव, थाना नापासर, जिला बीकानेर (राजस्थान) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास से बरामद नीले रंग के बैग में 500 रुपए के नोटों के 10 बंडल मिले। जांच में इन बंडलों का अंकित मूल्य 50 लाख रुपए पाया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी दिल्ली के पहाड़गंज से यह फर्जी नोट लेकर कोलकाता जा रहा था। प्रारंभिक जांच के अनुसार नोटों की प्रत्येक गड्डी में ऊपर और नीचे असली 500 रुपए के नोट लगाए गए थे,

सपा के पूर्व विधायक दीप नारायण के ठिकानों पर रेड

आय से अधिक संपत्ति मामले में ईडी का एक्शन

लखनऊ, 8 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार (8 जुलाई) को उत्तर प्रदेश के झांसी और लखनऊ में समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक दीप नारायण सिंह यादव और उनके सहयोगियों के कई ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई धनशोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) से जुड़े मामले में चल रही जांच के तहत की गई। इस दौरान दौरान कई दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और संपत्तियों से जुड़े रिकॉर्ड जब्त किए गए। जानकारी के मुताबिक ईडी ने पूर्व विधायक, उनके परिवार के सदस्यों और उनसे जुड़े कारोबार तथा अन्य संबंधित लोगों के आवासीय और व्यावसायिक परिसरों में तलाशी अभियान चलाया।

ईडी की इस कार्रवाई का मकसद अपराध से अर्जित संपत्तियों, वित्तीय लेनदेन, लाभकारी स्वामित्व और अवैध कमाई से बनाई गई संपत्तियों के संबंध में सबूत जुटाना है। अधिकारियों के मुताबिक यह जांच ईडी द्वारा

दर्ज की गई एनफोर्समेंट केस इंफॉर्मेशन रिपोर्ट (ईसीआईआर) पर आधारित है। यह रिपोर्ट पूर्व विधायक के पास आय से अधिक संपत्ति होने के आरोपों से जुड़ी उत्तर प्रदेश विजिलेंस एस्टेब्लिशमेंट की एफआईआर के आधार पर दर्ज की गई थी।आरोप है कि पूर्व विधायक ने अपनी ज्ञात आय से अधिक संपत्ति अर्जित की। इसी आधार पर ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत जांच शुरू की। छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस और चल-अचल संपत्तियों के रिकॉर्ड खंगाले। इसके साथ ही वित्तीय लेनदेन से जुड़े कागजात भी जब्त किए गए हैं। ईडी का कहना है कि इन दस्तावेजों की जांच से अपराध से कमाई गई रकम का पता लगाया जाएगा और मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल लोगों की पहचान की जाएगी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि दीप नारायण ने रियल एस्टेट, कंस्ट्रक्शन और अन्य कारोबार में लगी कंपनियों और एलएलपी के नेटवर्क के जरिए अपराध से कमाई गई रकम बनाई और उसे सफेद किया। दीप नारायण झांसी की गरौठा सीट से पूर्व विधायक रह चुके हैं। उन पर पहले से 23 से ज्यादा आपराधिक मुकदमे भी दर्ज हैं।

ईडी के अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती जांच में धोखाधड़ी, जालसाजी, जबरन वसूली, हत्या का प्रयास, डकैती आदि सहित लगभग 60 अपराध सामने आए हैं, जो भारतीय दंड संहिता, यूपी गैंगस्टर्स एक्ट, गुंडा एक्ट आदि के तहत दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के प्रावधानों के तहत आगे की जांच जारी है। ईडी अब यह पता लगाने में जुटी है कि कथित अवैध कमाई कहां-कहां लगाई गई और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं।

पूर्व विधायक रुद्र प्रताप सिंह का 96 वर्ष की उम्र में निधन

देवरिया, 8 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी नेता पूर्व विधायक एवं सेवानिवृत्ति प्रधानाचार्य रुद्र प्रताप सिंह का सुबह गोरखपुर के एक प्राइवेट अस्पताल में निधन हो गया। वे 96 वर्ष के थे। वे देवरिया सदर विधानसभा क्षेत्र से 1980 से 85 तक लोकदल से विधायक रह चुके थे। डा. राम मनोहर लोहिया के परम शिष्य थे। उन्होंने लोहिया जी के नाम पर डॉ राम मनोहर लोहिया इंटर कॉलेज पकड़ी बाबू और बालिका इंटर कॉलेज पकड़ी बाबू की स्थापना की थी।

उनके निधन की खबर सुनते ही उनके पैतृक गांव भाटपार रानी थाना के ग्राम पकड़ी बाबू में शोक की लहर दौड़ गई। उनका अंतिम संस्कार सायं काल छोटी गंडक नदी के तीर मोहानी घाट पर किया जाएगा। अब महिला ने एसएसपी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दारोगा, उसकी पत्नी और बेटों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। न्याय की गुहार लगाई है।

बृजभूषण बोले-किसी को बचाने की कोशिश हुई तो बोलेंगे

राम मंदिर दर्शन का इरादा नहीं, हनुमान जी से काम चला लेंगे

अयोध्या, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पहुंचे पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने राम मंदिर चढ़ावा विवाद और एसआईटी जांच को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने का इंतजार किया जाना चाहिए। लेकिन अगर किसी को बचाने की कोशिश हुई तो वह फिर खुलकर बोलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अब उनका राम मंदिर जाने का कोई इरादा नहीं है। हनुमानगढ़ी में हनुमान जी के दर्शन कर ही लौट जाएंगे। साथ ही उन्होंने अयोध्या की सुरक्षा व्यवस्था और बैरियर लगाने पर भी सवाल उठाए। अयोध्या पहुंचे पूर्व बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने एक बार फिर राम मंदिर चढ़ावा विवाद और अयोध्या की व्यवस्था को लेकर अपनी बात रखी। वह अखाड़ा परिषद के नवनियुक्त प्रवक्ता संजय दास को बधाई देने पहुंचे थे। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने कई मुद्दों पर खुलकर प्रतिक्रिया दी।

राम मंदिर चढ़ावा मामले में उन्होंने कहा कि वह इस विषय पर पहले भी कई बार अपनी बात रख चुके हैं। फिलहाल एसआईटी जांच चल रही है। और उसकी रिपोर्ट आने का इंतजार करना चाहिए। उन्होंने साफ कहा कि अगर जांच में किसी को बचाने की कोशिश हुई। तो वह फिर से इस मुद्दे पर बोलेंगे। बृजभूषण सिंह ने कहा कि अयोध्या का लगभग हर व्यक्ति जानता है कि गलती किसकी है।

उन्होंने कहा कि उनका अयोध्या से पुराना जुड़ाव रहा है। यहां के लोगों से उन्हें विशेष लगाव है। इसलिए वह इस मामले को गंभीरता से देख रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज केवल 45 दिन तक उपलब्ध होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अब इस पर वह क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो होना था। वह हो चुका है। और इसकी सच्चाई जांच से सामने आएगी। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि अब उनका राम मंदिर में दर्शन करने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, अगर किसी को बचाने की कोशिश हुई तो हम फिर बोलेंगे। राम मंदिर दर्शन का इरादा नहीं है।

हनुमान जी से काम चला लेंगे। उनका यह बयान चर्चा का विषय बन गया। बृजभूषण सिंह ने अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राम मंदिर की सुरक्षा मजबूत होनी चाहिए। लेकिन सुरक्षा के नाम पर जगह-जगह लगाए गए बैरियर से आम श्रद्धालुओं, खासकर गरीब लोगों को परेशानी हो रही है। उनका कहना था कि मंदिर तक पहुंच आसान होनी चाहिए ताकि हर श्रद्धालु बिना दिक्कत दर्शन कर सके।

यूपी में हर बूथ पर 50 नए सदस्य जोड़ेगी सपा, अखिलेश यादव ने बनाया जीत का प्लान, कई सीटों पर फोकस

लखनऊ, 8 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में जीत को लेकर रणनीति बनाने में जुटी हैं। एक तरफ जहां सपा अपने पीडीए फॉर्मूले को ज़मीन पर मजबूत करने में जुटी है तो वहीं दूसरी तरफ सपा मुखिया अखिलेश यादव ने अब एक नया 'मिशन-50' प्लान बनाया है, जिसके तहत बूथ स्तर पर अपनी ताकत को और बढ़ाने की तैयारी है ताकि आगामी चुनाव में जीत को सुनिश्चित किया जा सके। समाजवादी पार्टी के 'मिशन-50' प्लान में पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को हर मतदान बूथ पर 50 नए सदस्य को जोड़ने की योजना है। सपा का मानना है कि अगर हरेक बूथ पर अपने समर्थकों को संगठन से जोड़ा जाएगा तो 2027 के चुनाव की लड़ाई को आसान हो जाएगी। इस प्लान के तहत सपा का फ़ोकस उन सीटों पर खासतौर से है जहां पिछले चुनाव में जीत हार का अंतर कम रहा था।

यूपी में करीब 1.77 लाख मतदाता बूथ केंद्र है। अगर इन सभी बूथों पर सपा 50-50 नए सदस्य बनाने में कामयाब हो जाती हैं तो इससे पार्टी का नेटवर्क काफी मज़बूत हो जाएगा और चुनाव प्रबंधन की राह आसान हो जाएगी। यही नहीं हाल ही में सपा डिजिटल एप के जरिए भी नए लोगों को पार्टी से जोड़ने की कोशिश कर रही हैं। सपा ने बूथ प्रभारी और बूथ प्रहरी एप शुरू किया है, जिससे नए सदस्यों को पार्टी से जोड़ा जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा को यूपी में बड़ी कामयाबी मिली थी और सपा सबसे ज्यादा सांसद चुनाव प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बन गई थी। सपा इस सफलता को 2027 के चुनाव में भी दोहराना चाहती हैं।

बाहुबली विजय मिश्रा की महाराष्ट्र में 100 करोड़ की दाल मिल सीज, अब तक 2.5 अरब की प्रॉपर्टी हो चुकी है कुर्क

भदोही, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व विधायक विजय मिश्रा और उनके गैंग के खिलाफ भदोही पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में स्थित लल्ली एग्रो इंडस्ट्रीज (दाल मिल) को कुर्क कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, इस संपत्ति की अनुमानित कीमत 100 करोड़ 25 लाख रुपये है। गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत हुई इस कार्रवाई को गैंग की आर्थिक जड़ों पर सीधा प्रहार माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार, जांच में पता चला कि यह दाल मिल अपराध से अर्जित अवैध धन से तैयार की गई थी।

डीएम के आदेश के बाद स्थानीय प्रशासन और महाराष्ट्र पुलिस की मौजूदगी में पूरी संपत्ति को विधिवत कुर्क कर सरकारी कब्जे में ले लिया गया। कार्रवाई के दौरान सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं। पुलिस का कहना है कि वर्ष 2022 से 2025 के बीच विजय मिश्रा गैंग के खिलाफ लगातार आर्थिक कार्रवाई की गई। इस दौरान 2 अरब 41 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध चल और अचल संपत्तियां कुर्क की जा चुकी हैं। अब 100 करोड़ से अधिक मूल्य की इस दाल मिल के कुर्क होने के बाद गैंग के खिलाफ कार्रवाई का दायरा और भी व्यापक हो गया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान केवल संपत्ति जब्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपराध से अर्जित हर अवैध निवेश को कानून के दायरे में लाने की प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी। भदोही पुलिस का आरोप है कि विजय मिश्रा गैंग ने लंबे समय तक भय, दबाव, रंगदारी और अन्य संगठित आपराधिक गतिविधियों के जरिए अकूत संपत्ति अर्जित की। इसी धन से उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में करोड़ों रुपये की चल-अचल संपत्तियां खड़ी की गईं, जिन्हें अब एक-एक कर चिह्नित कर कुर्क किया जा रहा है।

इसी अभियान के तहत वर्ष 2026 में प्रभावी पैरवी के बाद अदालत ने पूर्व विधायक विजय मिश्रा, उनकी पत्नी और पुत्र को 10-10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई, जबकि पुत्रवधू को 4 वर्ष के कठोर कारावास का दंड दिया। सभी दोषियों पर मिलाकर 5 लाख 26 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया।

वकील इंद्रदेव सिंह हत्याकांड में बड़ा फैसला

नोएडा, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के पिता लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष इंद्रदेव सिंह हत्याकांड में बड़ा फैसला आया है। इंद्र देव सिंह की हत्या के मामले में हत्यारों को उम्र कैद की सजा सुनाई गई है। साथ ही हत्यारे विक्रम यादव, पन्ना सिंह और बृजेश यादव पर डेढ़ लाख का जुर्माना भी लगाया गया है। बता दें कि साल 2002 में लखनऊ में दिनदहाड़े इंद्रदेव सिंह की हत्या कर दी गई थी। मामले में छह आरोपियों में से तीन की सुनवाई के दौरान ही मौत हो चुकी है।

फैसले के समय सीबीआई की विशेष अदालत में स्वर्गीय इंद्रदेव सिंह की पत्नी नयनतारा सिंह और बेटी नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह समेत परिवार के अन्य सदस्य अदालत में मौजूद थे। 8 अगस्त 2002 को शाम करीब

नोएडा कमिश्नर के पिता के कातिलों को उम्रकैद की सजा

4 बजे कैसरबाग टेलीफोन एक्सचेंज के वकील इंद्रदेव सिंह को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया था। मामले में पत्नी नयनतारा ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इनमें सुरेश वर्मा, रामकुमार वर्मा, सुषमा वर्मा, सुरेश वर्मा और सुरजन वर्मा का नाम शामिल था। इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। सीबीआई इन्वेस्टीगेशन में कई नाम निकलकर सामने आए थे। मामले में सीबीआई ने 2 साल बाद 2004 में चार्जशीट दाखिल की।

इसके बाद अदालत ने आरोपियों को धारा 302 के तहत दोषी माना था। इंद्रदेव सिंह की हत्या पांच बीघा जमीन के विवाद को लेकर की गई थी। जिसकी साजिश एक बर्खास्त लेखपाल द्वारा रची गई थी। कोर्ट द्वारा बृजेश यादव, पन्ना सिंह और विक्रम यादव को साजिश रचने के लिए दोषी पाया है। बता दें कि हत्या के समय बृजेश कुमार स्कूटर चला रहा था, जबकि शूटर विक्रम यादव ने वकील इंद्रदेव सिंह के ऊपर गोलियां बरसाईं थीं। अदालत ने दोष सिद्ध होने के बाद इन्हें उम्रकैद की सजा सुनाते हुए जुर्माना लगाया है।

हमले के बाद केडीएमसी अस्पताल के डॉक्टरों ने की हड़ताल

डोम्बिवली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे ने बुधवार को कल्याण-डोम्बिवली नगर निगम (केडीएमसी) के एक अस्पताल में महिला डॉक्टरों और नर्सों पर कथित हमले के सभी दावों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में एंगल के कारण ऐसा दिख सकता है। म्हात्रे ने जोर देकर कहा कि उन्होंने अस्पताल के दौरे के दौरान किसी भी मेडिकल स्टाफ पर हाथ नहीं उठाया। इसके साथ ही शास्त्री नगर अस्पताल में डॉक्टरों ने हड़ताल कर दी है।

हमले के खिलाफ एफएआईएमए का सख्त रुख

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। एफएआईएमए के मुख्य संरक्षक डॉ. रोहन कृष्णन ने महाराष्ट्र के केडीएमसी शास्त्रीनगर अस्पताल हमला का निंदा किया है। इसके साथ ही महाराष्ट्र सरकार से 24 घंटों के भीतर कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए) महाराष्ट्र के केडीएमसी शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों पर हुए क्रूर हमले की कड़ी निंदा करता है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि देशभर के डॉक्टर लगातार भय के साये में काम कर रहे हैं। हिंसा, उत्पीड़न और मानसिक तनाव की बढ़ती घटनाओं ने डॉक्टरों में अवसाद और आत्महत्या के मामलों में भी वृद्धि की है। कोई भी राष्ट्र अपने स्वास्थ्यकर्मियों से यह अपेक्षा नहीं कर सकता कि वे निस्वार्थ भाव से सेवा करें जबकि वे शारीरिक हमलों और अपमान के प्रति असुरक्षित बने रहें।

पार्षद ने क्या कहा?

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए शिवसेना पार्षद ने घटना पर खेद व्यक्त किया। उन्होंने कहा 'मैं पूरे विश्वास के साथ कहता हूं कि मैंने महिला डॉक्टर पर हाथ नहीं उठाया। सीसीटीवी फुटेज में जो दिख रहा है, वह कैमरे के एंगल के कारण हो सकता है। मैं उन्हें अनौपचारिक रूप से (तू कहकर) संबोधित करता हूं क्योंकि वे मेरे लिए बेटी के समान हैं।

'हमने कभी महिलाओं पर हाथ नहीं उठाया'

मुझे यह भी नहीं पता कि वे विवाहित हैं या नहीं। हमारी बातचीत के दौरान, वे फोन पर बात करती रहीं और हमारी शिकायत नहीं सुन रही थीं; इसलिए मैंने उनके हाथ पर हल्का सा मारा। हम बालासाहेब की शिक्षाओं से प्रेरित हैं। हमने कभी महिलाओं पर हाथ नहीं उठाया है, और न ही भविष्य में कभी ऐसा करेंगे।

यह घटना अस्पताल की व्यवस्थागत कमियों के कारण हुई। हम उन कमियों को दूर करने का प्रयास करेंगे। जिन व्यक्तियों ने मुझे वहां जाने के लिए प्रेरित किया। वे पूरी घटना के बारे में विस्तृत जानकारी देंगे। जिन लोगों ने मुझे फोन किया था। उन्होंने मेरे फोन का जवाब नहीं दिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मैं घटनास्थल पर पहुंचा।

शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एक पोस्ट में शिंदे ने कहा, 'कल्याण-डोम्बिवली नगर निगम (केडीएमसी) के शास्त्री नगर अस्पताल में डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों पर हुआ हमला अत्यंत निंदनीय है। स्वयं एक डॉक्टर होने के नाते, मैं जानता हूं कि रोगी सेवा केवल एक पेशा नहीं बल्कि मानवता की सेवा है। हालांकि, विपक्ष ने शिवसेना के पार्षद के आचरण को लेकर उसकी जमकर आलोचना की है और आरोप लगाया है कि पार्टी सत्ता के नशे में चूर थी।

तेंदुए का आतंक, डिलीवरी बॉय पर हमला; सीसीटीवी में कैद हुई पूरी घटना

इंदौर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। शहर में तेंदुए की दस्तक से हड़कंप मच गया। बिचौली मर्दाना गांव में एक तेंदुआ रहवासी इलाके में पहुंच गया, जिसने एक डिलीवरी बॉय पर हमला कर दिया। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया। इंदौर के बिचौली मर्दाना क्षेत्र में तेंदुए के दिखाई देने से लोगों में दहशत का माहौल है। सीसीटीवी फुटेज में तेंदुआ एक डिलीवरी बॉय पर हमला करता नजर आ रहा है। घटना के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस और वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने मौके पर पहुंचकर पूरे इलाके की गहन तलाशी ली। आसपास के खेतों, झाड़ियों और संभावित ठिकानों पर सर्चिंग अभियान चलाया गया, लेकिन तेंदुआ नहीं मिला। वन परिक्षेत्र अधिकारी योगेश कुमार यादव के अनुसार, सूचना मिलते ही रालामंडल अभयारण्य की रेस्क्यू टीम और इंदौर रेंज का पूरा स्टाफ मौके पर पहुंचा।

कर्नाटक में 10 अफसरों के ठिकानों पर एक साथ छापे

तमिलनाडु में शराब महंगी होने पर छिड़ी नई बहस

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक लोकायुक्त ने बुधवार को आय से अधिक संपत्ति (डीए) के मामले में राज्यभर में बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

यह अभियान बेंगलुरु शहर, बेंगलुरु दक्षिण, रायचूर, चित्रदुर्ग, तुमकुरु, शिवमोग्गा और कलबुर्गी समेत कई जिलों में चलाया गया। अधिकारियों के घरों, कार्यालयों और अन्य परिसरों की तलाशी लेकर दस्तावेज, संपत्ति से जुड़े रिकॉर्ड और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए गए। लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार, सभी पर अपनी ज्ञात आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप हैं। जिन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई, उनमें कृष्णा भाग्य जल निगम, लोक निर्माण विभाग, केआरआईडीएल, कृषि उपज मंडी समिति, लघु सिंचाई विभाग, ग्राम पंचायत, वन विभाग, जीईएसकॉम और कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारी शामिल हैं। इनमें कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता, अधीक्षण अभियंता, सहायक प्रोफेसर, रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर, सहायक वन संरक्षक और प्रशासनिक अधिकारी जैसे पदों पर तैनात कर्मचारी शामिल हैं। लोकायुक्त ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान मिले दस्तावेजों और संपत्तियों का मूल्यांकन किया जा रहा है तथा मामले की विस्तृत जांच जारी है।

डीएमके प्रवक्ता टीकेएस इलंगोवन ने टीएएसएमएसी कर्मचारियों के वेतन में 25% बढ़ोतरी और शराब की कीमतों में प्रस्तावित वृद्धि को लेकर सरकार पर सवाल उठाए है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार कर्मचारियों का वेतन बढ़ा रही है, तो इसका मतलब यह माना जा सकता है कि प्रति बोतल 10 रुपये अतिरिक्त वसूली की बात स्वीकार की जा रही है। इलंगोवन ने कहा कि यह दोहरा मुद्दा हैएक ओर शराब की कीमतें बढ़ाई जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर वेतन वृद्धि का खर्च सरकारी खजाने से उठाया जाएगा, जिसमें गैर-शराब पीने वाले करदाताओं का भी योगदान होता है।

उगाही में शामिल दो उग्रवादी दबोचे गए

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उगाही (एक्सटॉर्शन) के खिलाफ अभियान चलाते हुए प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, जिरीबाम जिले के नुंगखाल ब्रिज क्षेत्र से 22 वर्षीय प्रतिबंधित कुकी नेशनल फ्रंट (केएनएफ) के एक कैडर को पकड़ा गया। उसके कब्जे से एक देसी पिस्तौल, एक मैगजीन और छह जिंदा कारतूस बरामद किए गए। वहीं, बिष्णुपुर जिले से प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 38 वर्षीय सदस्य को भी कथित उगाही गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

कलकत्ता हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी: क्या पत्नी का पैतृक संपत्ति में हिस्सा मांगना भी दहेज?

अदालत ने किया स्पष्ट

कोलकाता, 8 जुलाई (एजेंसियां)। उच्च न्यायालय ने हाल ही में एक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई पत्नी अपने पति के दबाव में पैतृक संपत्ति में अपने वैध हिस्से की मांग करती है, तो यह दहेज की मांग के बराबर हो सकती है।

न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी और न्यायमूर्ति अपूर्बा सिन्हा राय की खंडपीठ ने दहेज हत्या के मामले में पति की सजा के खिलाफ अपील को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए यह टिप्पणी की। 2 जुलाई के फैसले में न्यायालय ने कहा कि एक महिला पैतृक संपत्ति में अपने हिस्से का दावा करने की कानूनी रूप से हकदार है, लेकिन अगर यह दावा पति के दबाव के कारण किया जाता है तो यह दहेज की मांग के दायरे में आएगा। यह मामला एक महिला और उसकी नाबालिग बेटी की मौत से जुड़ा है, जो जून 2014 में, महिला की शादी के लगभग चार साल बाद, वैवाहिक घर में फांसी पर लटकी हुई पाई गई थीं। निचली अदालत ने पाया कि महिला ने आत्महत्या की थी और आत्महत्या करने से पहले अपनी बेटी की भी हत्या कर दी थी। अदालत ने पति और उसके माता-पिता को क्रूरता और दहेज हत्या का दोषी पाया। पति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। वहीं, सास-ससुर को सात साल की कैद की सजा दी गई। उच्च न्यायालय के समक्ष पति ने यह तर्क दिया कि दहेज की मांग का कोई सबूत नहीं था।

महिला ने केवल अपनी पैतृक संपत्ति में अपना कानूनी हिस्सा मांगा था। हालांकि, अदालत ने गौर किया कि सबूतों से पता चलता है कि महिला के भाई ने पहले परिवार की पुश्तैनी संपत्ति का कुछ हिस्सा बेचकर उसे बिक्री से मिले राशि में से उसका हिस्सा दे दिया था। अदालत ने पाया कि इसके बाद भी पति लगातार महिला पर दबाव डालता रहा कि वह अपने भाई से बाकी पुश्तैनी संपत्ति बेचने और उसके हिस्से की राशि सौंपने के लिए कहे। न

1 करोड़ के पार शिक्षक, 24.72 करोड़ छात्र, 14.67 लाख स्कूल

शिक्षा में गेम चेंजर सरकार की खास रिपोर्ट

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। देश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है, लेकिन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों तक पहुंचने की यात्रा पूरी होना अभी बाकी है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई) 2.0-2025-26 की रिपोर्ट बताती है कि इस वर्ष भी कोई राज्य या केंद्रशासित प्रदेश सर्वोच्च तीन परफॉर्मेंस श्रेणियों में जगह नहीं बना सका। हालांकि, कई राज्यों ने अपने प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है और नई श्रेणियों में प्रवेश किया है, टॉप पर नहीं पहुंच पाए हैं।

1 करोड़ के पार शिक्षक, 24.72 करोड़ छात्र, 14.67 लाख स्कूल केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि देशभर में 14.67 लाख से अधिक स्कूल हैं। इन स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों की संख्या रिकॉर्ड 1.03 करोड़ तक पहुंच गई है। वहीं इन स्कूलों में लगभग 24.72 करोड़ विद्यार्थी हैं। 1.03 करोड़ शिक्षकों व 24.72 करोड़ छात्रों वाली यह भारतीय शिक्षा प्रणाली दुनिया की सबसे बड़ी शिक्षा व्यवस्थाओं में से एक है। इतने विशाल तंत्र की गुणवत्ता और प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए शिक्षा मंत्रालय हर वर्ष पीजीआई रिपोर्ट जारी करता है।

चंडीगढ़ देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला केंद्र शासित प्रदेश

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट में इस बार चंडीगढ़ देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला केंद्र शासित प्रदेश बनकर उभरा है। सर्वोच्च अंकों के साथ चंडीगढ़ 'उत्तम-3' ग्रेड में पहुंचने वाला देश का एकमात्र राज्य या केंद्रशासित प्रदेश बना है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि शिक्षा की गुणवत्ता, प्रशासनिक दक्षता और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में चंडीगढ़ ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, चंडीगढ़ के बाद दूसरे नंबर पर दिल्ली, केरल, पंजाब तथा दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव को 'प्रचेष्टा-1' श्रेणी में रखा गया है। वहीं, महाराष्ट्र, ओडिशा, गोवा, हिमाचल प्रदेश और लक्षद्वीप ने 'प्रचेष्टा-2' ग्रेड हासिल किया है। इसके अलावा 13 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 'प्रचेष्टा-3' तथा 13 को 'आकांक्षी-1' श्रेणी में स्थान मिला है। स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा विकसित पीजीआई 2.0 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के शैक्षिक प्रदर्शन का व्यापक मूल्यांकन करने वाला एक राष्ट्रीय मानक है। इसका उद्देश्य राज्यों की रैंकिंग करना नहीं, बल्कि उन्हें प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न ग्रेड में वर्गीकृत करना है, ताकि सुधार की दिशा स्पष्ट हो सके और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिले।

पुरी गजपति महाराज ने राष्ट्रपति पीएम को फिर लिखा पत्र

इस्कॉन की अलग तिथि वाली रथयात्रा पर रोक लगाने की मांग

पुरी, 8 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीजगन्नाथ मंदिर के गजपति महाराज दिव्यसिंह देव ने एक बार फिर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस्कॉन द्वारा निर्धारित तिथि से अलग आयोजित की जा रही रथयात्रा और स्नानयात्रा पर रोक लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि यह परंपरागत शास्त्रीय विधि-विधान का उल्लंघन है और इससे भगवान जगन्नाथ की प्राचीन परंपरा प्रभावित हो रही है।

पत्र में गजपति महाराज ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा सदियों से श्रीक्षेत्र पुरी में निर्धारित तिथि पर ही आयोजित होती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि श्रीमंदिर प्रशासन, जगन्नाथ संस्कृति के विद्वानों और विभिन्न धार्मिक संस्थाओं की आपत्तियों के बावजूद इस्कॉन अपने कार्यक्रमों में कोई बदलाव नहीं कर रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। गजपति महाराज ने बताया कि इससे पहले भी उन्होंने 20 अप्रैल को राष्ट्रपति और पिछले वर्ष 24 अक्टूबर को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर ध्यान आकर्षित कराया था। उनका कहना है कि अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण उन्हें दोबारा पत्र लिखना पड़ा। पत्र के अनुसार, 1 मई से 9 अगस्त के बीच 28 स्थानों पर स्नानयात्रा का आयोजन किया गया है या किया जाना प्रस्तावित है। वहीं 2 मई से 5 जुलाई के बीच 45 स्थानों पर निर्धारित तिथि से अलग रथयात्राएं आयोजित की जा चुकी हैं। इसके अलावा 11 जुलाई से 4 अक्टूबर के बीच विदेशों में 40 और रथयात्राएं अलग तिथि पर आयोजित होने वाली हैं। गजपति महाराज ने कहा कि देश और विदेश में अनेक भगवान जगन्नाथ के श्रद्धालु इन आयोजनों का विरोध कर रहे हैं। कई स्थानों पर भक्तों ने इस्कॉन की स्थानीय इकाइयों को लिखित रूप से शास्त्रों में वर्णित तिथि के अनुसार ही रथयात्रा और स्नानयात्रा आयोजित करने का आग्रह किया है।

मुस्लिम आरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची थलपति विजय सरकार

तमिलनाडु ने मद्रास एचसी के फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। इस्लाम धर्म अपनाने वालों को आरक्षित वर्ग के तहत प्राप्त आरक्षण के लाभ को खत्म करने के मद्रास हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ तमिलनाडु की थलपति सी जोसेफ विजय सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है।

मद्रास हाई कोर्ट ने अपने फैसले में साफ कर दिया था कि इस्लाम धर्म अपना लेने वाला व्यक्ति पिछड़े वर्ग के तहत मिलने वाले आरक्षण के लाभ का हकदार नहीं है। मद्रास हाई कोर्ट ने इसको लेकर तमिलनाडु सरकार के 2024 के आदेश को ही असंवैधानिक घोषित कर दिया था। हाई कोर्ट ने मुस्लिम आरक्षण को असंवैधानिक बताया था

गो-हत्या पर रोक हटाने की मांग के बाद तमिलनाडु की नई नवेली टीवीके सरकार ने मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर भी सुप्रीम कोर्ट का रुख करने का फैसला किया है। लाइवलॉ की रिपोर्ट के अनुसार 2024 में तमिलनाडु सरकार ने पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, अधिसूचित समुदाय या अनुसूचित जाति से इस्लाम धर्म अपनाने वाले लोगों को पिछड़ा वर्ग (मुस्लिम) मानने का आदेश जारी किया था। यही नहीं, तत्कालीन एमके स्टालिन सरकार ने कम्युनिटी सर्टिफिकेट भी जारी करना शुरू किया था। जिन मुस्लिम जातियों को यह आरक्षण दिया जा रहा था उनमें- अंसार, दक्कनी मुस्लिम, दुबेकुला, लब्बाइस, रोवथर, मराकायार, मपिल्ला, शेख और सैयद शामिल हैं। लेकिन, मद्रास हाई कोर्ट ने इसे असंवैधानिक घोषित कर दिया था।

मुंबई से सूरत तक बारिश की मार, अमित शाह ने दिया मदद का आश्वासन

मुंबई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर में मानसून ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। महाराष्ट्र से लेकर दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और कर्नाटक तक कई राज्यों में बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया है। सबसे ज्यादा असर मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में देखने को मिला, जहां भारी बारिश के कारण रेल सेवाएं प्रभावित हो गईं, कई इलाकों में जलभराव हो गया और हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ऐसा ही हाल कुछ गुजरात और कई राज्यों में भी हैं। इन हालातों को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फोन पर बात कर स्थिति की जानकारी ली। केंद्र सरकार ने बारिश से प्रभावित राज्यों में मदद का आश्वासन दिया।

मुंबई में बुधवार सुबह गरज-चमक के साथ फिर तेज बारिश शुरू हुई। इसका सबसे ज्यादा असर लोकल और लंबी दूरी की रेल सेवाओं पर पड़ा। मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे की लोकल ट्रेनें 25 से 30 मिनट की देरी से चलीं। वसई-विरार सेक्शन में जलभराव के कारण गुजरात की ओर जाने वाली कई मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें प्रभावित हुईं। अब तक 39 ट्रेनें रद्द, 21 ट्रेनों का सफर बीच में समाप्त किया गया और 46 ट्रेनों का समय बदला गया है। मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर भोर घाट में हुए भूस्खलन के कारण भी कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा। मंगलवार को 200 से ज्यादा उपनगरीय ट्रेन सेवाएं रद्द करनी पड़ी थीं। कई यात्रियों को घुटनों तक भरे पानी में रेलवे ट्रैक पर पैदल चलकर अपने गंतव्य तक पहुंचना पड़ा। भारी बारिश के कारण मुंबई को पानी उपलब्ध कराने वाली सात झीलों में से तुलसी और विहार झील ओवरफ्लो हो गई हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अनुसार, दोनों झीलों में जलस्तर क्षमता तक पहुंच गया है, जबकि शहर के सभी जलाशयों में कुल जल भंडारण अभी भी करीब 41 प्रतिशत है। उधर, दक्षिण गुजरात के सूरत क्षेत्र में सचिन स्टेशन के पास जलभराव होने से मंगलवार शाम से बुधवार सुबह तक रेल यातायात प्रभावित रहा।

रेप आरोपी के एनकाउंटर पर भड़कीं महुआ मोइत्रा

कोलकाता, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बरुईपुर रेप और मर्डर मामले में मुख्य आरोपी प्रभाष मंडल एनकाउंटर में मारा गया है. इस घटना के बाद राज्य की राजनीति भी गर्म हो गई है. तृणमूल कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और सांसदमहुआ मोइत्रा ने इस पूरे मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी और सरकार पर निशाना साधा है. महुआ मोइत्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि बरुईपुर रेप-मर्डर मामले का आरोपी प्रभाष मंडल एनकाउंटर में मारा गया है.

इंडोनेशिया की 'महारानी' के साथ शेयर की पीएम मोदी की तस्वीर

> प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं-कांग्रेस को शोभा नहीं देता

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर इंडोनेशिया गए हैं। इस दौरान इंडोनेशियाई संसद में वहां की हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की स्पीकर पुआन महारानी के साथ उनकी एक तस्वीर पर कांग्रेस के आधिकारिक एक्स हैंडल से एक ओछी टिप्पणी की गई, जिसपर कांग्रेस की सहयोगी शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी भड़क गईं।

कांग्रेस ने की 'कंट्रोल उदय कंट्रोल' वाली टिप्पणी

महाराष्ट्र कांग्रेस के आधिकारिक एक्स हैंडल पर पीएम मोदी और इंडोनेशिया की हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की स्पीकर पुआन महारानी की तस्वीर लगाई गई है। यह तस्वीर इंडोनेशिया संसद भवन की है। पीएम मोदी की दूसरी तरफ इंडोनेशियाई राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो और वहां के उपराष्ट्रपति जिब्रां राकाबुमिंग राका भी बैठे हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने जो फोटो शेयर किया है, उसमें सिर्फ महारानी और पीएम मोदी दिख रहे हैं और कैप्शन में लिखा है, 'कंट्रोल उदय कंट्रोल'।

'कांग्रेस को यह बिल्कुल ही शोभा नहीं देता'

कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक एक्स हैंडल पर देश के प्रधानमंत्री और एक मित्र देश की सम्मानित महिला नेता के लिए की गई यह टिप्पणी प्रियंका चतुर्वेदी को बहुत ही नागवार गुजरी है। उन्होंने जवाब में लिखा है- कांग्रेस के आधिकारिक हैंडल के लिए यह बिल्कुल ही शोभा नहीं देता। सिर्फ विरोधी पर निशाना साधने के लिए किसी महिला को एक वस्तु की तरह देखना बंद करें। कुछ बेहतर करें।

इंडोनेशिया के संसद भवन के अंदर की तस्वीर

दरअसल, मंगलवार (7 जुलाई, 2026) को प्रधानमंत्री मोदी जकार्ता में इंडोनेशिया की संसद पहुंचे थे। संसद में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उनके साथ वहां के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो, उपराष्ट्रपति जिब्रां राकाबुमिंग राका, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की स्पीकर पुआन महारानी और पीपुल्स कंसल्टेटिव असेंबली के स्पीकर अहमद मुजानी भी बैठे थे।

पहले गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि महारानी के दादा

इस बीच पीएम मोदी का संसद परिसर में स्वागत करते हुए पुआन महारानी ने भारत और इंडोनेशिया के ऐतिहासिक संबंधों को सामने रखा। उन्होंने कहा, 'इंडोनेशिया और भारत के बीच में बहुत ही पुरानी और विशेष ऐतिहासिक जड़ें हैं।' वो बोलीं कि दोनों देशों के बीच मौजूदा कूटनीक संबंधों की गहराई को इसी से समझा जा सकता है कि उनके दादा और इंडोनेशिया के पूर्व राष्ट्रपति सुकर्णो 1950 में भारत के पहले गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि थे।

एनडीए से हाथ मिलाएंगे शरद पवार? जयंत पाटिल और विनोद तावड़े की मुलाकात से महाराष्ट्र में हलचल तेज

मुंबई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर से बड़ा सियासी फेरबदल देखने को मिल सकता है। राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद गुट) एनडीए में शामिल हो सकती है। कहा जा रहा है कि पार्टी प्रमुख शरद पवार ने इस गठजोड़ का जिम्मा वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल को सौंपा है। इसी बीच, जयंत पाटिल ने मंगलवार को अमित शाह के करीबी और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव नेता विनोद तवाड़े से मंगलवार को मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद शरद पवार की पार्टी द्वारा एनडीए में शामिल होने अटकलें तेज हो गई हैं, लेकिन पाटिल ने इसे गैर-राजनीतिक मुलाकात बताया। जयंत पाटिल ने मीडिया को बताया, "संयुक्त संसदीय समिति के सदस्य मुंबई के एक होटल में थे, जहां मैं उनसे मिलने गया था। संयोगवश मेरी मुलाकात तावड़े से हुई, जहां हमने कॉफी पर बातचीत की, लेकिन हमारे बीच कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई।"

मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने भी ऐसी किसी भी बात का खंडन किया। उन्होंने मंगलवार को दिल्ली में मीडिया से कहा, "हम शरद पवार की पार्टी में फूट डालने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। एनसीपी (शरद गुट) के विधायकों और सांसदों को अपने पाले में लाने का कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। महाराष्ट्र की कोई भी नई पार्टी एनडीए में शामिल नहीं होगी।" भाजपा नेता सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि जब देवेंद्र जी ने स्पष्ट रूप से कह दिया है, तो बाकी सभी बातचीत बंद कर देनी चाहिए। यह बैठक उन अफवाहों के बीच हुई जिनमें कहा जा रहा था कि शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने के बाद एनसीपी (शरद गुट) के सांसदों को एनडीए सहयोगियों में शामिल होने के प्रस्ताव मिल रहे हैं।

भारत 12000 किमी तक मार करने वाली अग्नि-6 मिसाइल क्यों बना रहा?

राजनाथ की 'मुस्कान', रोया पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की तरफ से पूछा गया है कि आखिर भारत अग्नि-6 बैलिस्टिक मिसाइल क्यों बना रहा है? पाकिस्तान सरकार की पैरवी करने वाले थिंक टैंक सीआईएसएस ने एक लेख में भारत की अग्नि-6 मिसाइल कार्यक्रम को लेकर सवाल उठाए हैं। इसने अपने एक लेख में लिखा है कि राजनाथ सिंह से जब हाल ही में अग्नि-6 को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने रहस्यमय मुस्कान के साथ जवाब दिया 'धैर्य रखें, सबकुछ अच्छे से हो जाएगा।' भारतीय रक्षा मंत्री के इस क्रिप्टिक जवाब से पाकिस्तान में घबराहट फैल गई है।

सीआईएसएस ने लिखा है कि राजनाथ सिंह के अस्पष्ट जवाब ने इन अटकलों को हवा दी है कि अग्नि-VI प्रोजेक्ट अभी भी सक्रिय है और शायद चुपचाप आगे बढ़ रहा है। इससे यह धारणा बनी कि अग्नि-VI प्रोग्राम वास्तव में मौजूद है हालांकि इसके डेवलपमेंट को लेकर जानकारी नहीं है कि क्या यह मिसाइल परीक्षण के लिए तैयार हो चुका है या नहीं।

अग्नि-6 मिसाइल पर पाकिस्तान की घबराहट

सीआईएसएस ने अपने एक पेपर में लिखा है कि हालांकि अभी तक अग्नि-VI का आधिकारिक तौर पर परीक्षण नहीं हुआ है लेकिन इसे 10,000 से 12,000 किलोमीटर की रेंज वाली इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) माना जाता है। सवाल यह है कि क्या भारत ने यह क्षमता विकसित कर ली है? भारत ऐसी मिसाइल प्रणाली क्यों विकसित कर रहा है जो उसकी रणनीतिक जरूरतों के मुताबिक नहीं है? ऐसी क्षमताएं विकसित करने के पीछे भारत का क्या मकसद है?

इसने लिखा है कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में तेजी से अपनी मिसाइल क्षमता विकसित की है। इसने कहा है कि ऐसी कई वजहें हैं जिनसे यह कहा जा सकता है कि अग्नि-VI प्रोग्राम सिर्फ एक अंदाजा नहीं है बल्कि असल में तैयार हो रहा एक प्रोजेक्ट है।

पहली वजह- भारत के अगली पीढ़ी के पनडुब्बी से लॉन्च होने वाले बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम खासकर के-सीरीज मिसाइलों से जुड़े एडवांस्ड प्रोपल्शन सिस्टम की टेस्टिंग। जमीन से लॉन्च होने वाले सिस्टम की तुलना में के-सीरीज मिसाइलों के डेवलपमेंट में कई तकनीकी चुनौतियां आती हैं जैसे कि पर्यावरण से जुड़े कारक, लॉन्चिंग की सीमाएं और जगह की कमी। पाकिस्तानी थिंक टैंक ने लिखा है कि भारत ने एडवांस्ड प्रोपल्शन, गाइडेंस सिस्टम और एमआईआरवी इंटीग्रेशन जैसी कई तकनीकी बाधाओं को पार करते हुए के-सीरीज मिसाइल को सफलतापूर्वक बनाया है। इन सभी तकनीकों को अग्नि-VI सिस्टम जैसी जमीन से लॉन्च होने वाली मिसाइल के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

दूसरी वजह- सीआईएसएस ने लिखा है कि दूसरी बात ये है कि एक और संकेत है जिससे पता चलता है कि भारत ने शायद अग्नि-VI सिस्टम हासिल कर लिया है या जल्द ही हासिल करने वाला है। हाल ही में हुए अग्नि-V के टेस्ट में मिसाइल का रास्ता बदलने वाली तकनीक, दिशा बदलने वाली तकनीक और बेहतर सटीकता वाली तकनीक का भारत ने प्रदर्शन किया है।

थिंक टैंक ने अपने डिफेंस एक्सपर्ट्स के हवाले से कहा है कि ये क्षमताएं 'पोस्ट-बूस्ट व्हीकल' टेस्टिंग के संकेत हो सकते हैं। यह वह तकनीक है जो 'मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल्स' (एमआईआरवीएस) को तैनात करने के लिए जिम्मेदार है। माना जाता है कि ये तकनीकी विकास अग्नि-VI जैसे और भी एडवांस्ड स्ट्रैटेजिक मिसाइल सिस्टम के आने का संकेत हैं।

तीसरी वजह- सीआईएसएस ने तीसरी वजह के बारे में बात करते हुए लिखा है कि भारत का रेल-मोबाइल अग्नि-V टेस्ट भी एक संभावित कारण हो सकता है। इससे पता चलता है कि भारत जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर और ऑपरेशनल सिस्टम तैयार कर रहा है जो भविष्य में अग्नि-VI से जुड़े हो सकते हैं। बड़ी संख्या में आईसीबीएमएस के लिए रेल मोबिलिटी यानि ट्रेन से मिसाइल ले जाना काफी ज्यादा असरदार होता है। इससे मिसाइल को ट्रैक नहीं किया जा सकता है और भारत के पास एक विशालकाय रेल नेटवर्क तो किसी भी मालगाड़ी से भारत उसे लॉन्च कर सकता है।

पाकिस्तान का कार्गो प्लेन कराची के पास गायब

नेविगेशन सिस्टम में खराबी आई, 5 क्रू मेंबर सवार थे, अरब सागर में सर्च ऑपरेशन जारी

कराची, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान का एक कार्गो विमान मंगलवार रात कराची पहुंचने से पहले लापता हो गया। विमान शारजाह से कराची आ रहा था और उसमें 5 क्रू मेंबर सवार थे। पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी (पीएए) के मुताबिक, रात 9:18 बजे पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को नेविगेशन सिस्टम में खराबी की जानकारी दी। कंट्रोल रूम ने विमान को गाइड करने की कोशिश की, लेकिन करीब तीन मिनट बाद उसका संपर्क टूट गया। आखिरी बार विमान कराची से 155 नॉटिकल मील (287 किमी) पश्चिम में ट्रैक किया गया।

विमान के लापता होने के बाद अरब सागर में बड़े स्तर पर सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया है। पाकिस्तान नेवी, एयर फोर्स और अन्य एजेंसियां खोज अभियान में जुटी हैं। अधिकारियों ने अभी तक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने या किसी हताहत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

हादसे की वजह फिलहाल साफ नहीं

पीएए ने कहा है कि विमान के लापता होने की वजह का अभी पता नहीं चल सका है। विमान और उसमें सवार 5 क्रू मेंबरों की स्थिति को लेकर भी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। फ्लाइट रडार 24 के शुरुआती डेटा के मुताबिक, आखिरी समय में विमान ने पहले ऊंचाई खोई, फिर कुछ ऊपर गया और इसके बाद अचानक तेजी से नीचे आया। शुरुआती अनुमान है कि विमान अरब सागर में दुर्घटनाग्रस्त हुआ हो सकता है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। एविएशन एक्सपर्ट इमरान असलम ने कहा कि इंजन फेल होने की स्थिति में भी विमान आमतौर पर कुछ दूरी तक ग्लाइड करता है। उनके मुताबिक, विमान का इतनी तेजी से नीचे आना सामान्य नहीं है और इसकी वजह जांच के बाद ही साफ होगी।

2018 में शुरू हुई थी के2 एयरवेज

के2 एयरवेज कराची स्थित निजी कार्गो एयरलाइन है, जिसकी शुरुआत मई 2018 में हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसे का शिकार हुआ 27 साल पुराना बोइंग 737 2024 में एयरलाइन के बेड़े में शामिल किया गया था। यह कंपनी का इकलौता विमान था और इसकी पिछली उड़ान 28 जून को हुई थी।

वहीं, के2 एयरवेस ने कहा है कि वह पाकिस्तान सिविल एविएशन अथॉरिटी और अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ जांच और सर्च ऑपरेशन में पूरा सहयोग कर रही है।

नेविगेशन सिस्टम क्या होता है?

नेविगेशन सिस्टम विमान को तय रूट पर उड़ाने में पायलट की मदद करता है। यह विमान की लोकेशन, दिशा, ऊंचाई और उड़ान मार्ग की जानकारी देता है।

मरीन ले पेन को राहत: अपील कोर्ट ने चुनावी प्रतिबंध घटाया

2027 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ सकेंगी

पेरिस, 8 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांस की अपीलीय अदालत ने दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन को यूरोपीय संसद फंड के दुरुपयोग मामले में दोषी तो माना, लेकिन उन पर सार्वजनिक पद संभालने की पाबंदी कम कर दी। इसके बाद ले पेन ने घोषणा की है कि वह 2027 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ेंगी। पेरिस कोर्ट ऑफ अपील ने ले पेन पर लगाए गए पांच साल के चुनावी प्रतिबंध को घटाकर 45 महीने कर दिया, जिनमें से 30 महीने निलंबित रहेंगे। अदालत ने यह भी माना कि 31 मार्च 2025 से वह पहले ही प्रतिबंध की अवधि पूरी कर रही हैं। इस वजह से वह 2027 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए पात्र हो गई हैं।

अदालत ने उन्हें तीन साल की जेल की सजा भी सुनाई है। इसमें दो साल की सजा निलंबित है, जबकि एक साल इलेक्ट्रॉनिक निगरानी के साथ नजरबंदी में बिताना होगा। साथ ही उन पर एक लाख यूरो का जुर्माना लगाया गया है।

यह मामला यूरोपीय संसद के उन फंड से जुड़ा था, जो संसदीय सहायकों के वेतन के लिए दिए जाते हैं। अदालत के अनुसार इन पैसों का इस्तेमाल फ्रांस में नेशनल रैली पार्टी के कर्मचारियों के वेतन भुगतान में किया गया, जिससे यूरोपीय संसद को 28 लाख यूरो का नुकसान हुआ। इसी मामले में नेशनल रैली पार्टी पर भी 20 लाख यूरो का जुर्माना लगाया गया, जिसमें आधी राशि निलंबित है।

2017 और 2022 के राष्ट्रपति चुनाव में रनऑफ तक पहुंच चुकी मरीन ले पेन को राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता रहा है।

जर्जर सीढ़ी की रेलिंग गिरी

ऊपरी मंजिल पर फंसे दो परिवार के लोगों में दहशत, स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग

बोकारो, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बोकारो स्टील सिटी के सेक्टर-6D स्थित आवास संख्या 2358 से 2366 तक के ब्लॉक में बुधवार को एक हादसा होते-होते टल गया। ब्लॉक की ऊपरी मंजिल तक जाने वाली सीढ़ी की लोहे की रेलिंग अचानक टूटकर नीचे गिर गई। इस घटना के बाद ऊपरी मंजिल पर रहने वाले दो परिवार, जिनमें छोटे बच्चे भी शामिल हैं, वहीं फंस गए। सीढ़ियों का फर्श भी जर्जर होने के कारण उनका आवागमन जोखिम भरा हो गया है। आवासधारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि लगभग पांच वर्ष पहले भी ऐसी ही स्थिति बनी थी, बीएसएल प्रबंधन ने सीढ़ी और रेलिंग की मरम्मत कराई थी।

नई इतिहास के किताबों में बदलाव

बंटवारे पर कांग्रेस के रुख में संशोधन, हिटलर का जिक्र भी हटा

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सोशल साइंस की किताब, जिसमें न्यायपालिका की कथित तौर पर बदनामी करने को लेकर विवाद के बाद बदलाव किए गए थे, उसमें और भी सुधार किए गए हैं। इसमें 1947 के बंटवारे पर कांग्रेस के रुख के बारे में एक बदला हुआ वर्शन शामिल है, जिसमें कहा गया है कि इसे आगे बढ़ने का एकमात्र तरीका मानना अभी भी बहस का विषय है।

नई किताब में वीडी सावरकर की स्वराज की मांग को तो शामिल किया गया है, लेकिन एडोल्फ हिटलर और नाजी विचारधारा के जिक्र को हटा दिया गया है।

न्यायपालिका की कथित बदनामी को लेकर विवाद खड़ा होने के कुछ महीनों बाद, नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) ने इस एचडीएलएस कक्षा 8 की सोशल साइंस की संशोधित किताब - एक्सप्लोरिंग सोसाइटी: इंडिया एंड बियॉन्ड - जारी की, जिसमें विवादित हिस्सों को हटा दिया गया है।

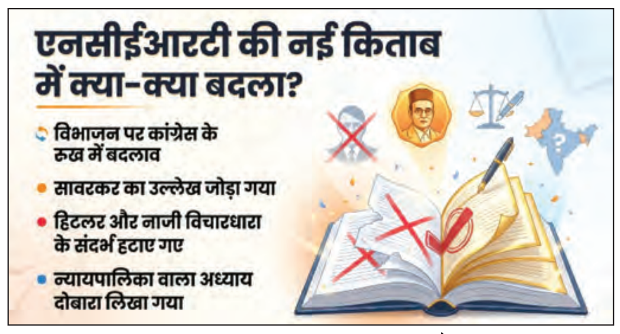

एनसीईआरटी की संशोधित पाठ्यपुस्तक में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। नई किताब से कुछ विवादित हिस्सों, अदालतों में लंबित मामलों और दो प्रमुख न्यायिक फैसलों के संदर्भ हटा दिए गए हैं।

वहीं, जनहित याचिका (पीआईएल), ट्रिब्यूनल और विवादों के वैकल्पिक समाधान तंत्र से जुड़ी नई जानकारी को शामिल किया गया है, ताकि छात्रों को न्यायिक व्यवस्था की व्यापक समझ मिल सके।

इतिहास के अध्याय 'भारत की आज़ादी का लंबा सफ़र' में भी बदलाव किए गए हैं। संशोधित संस्करण में कहा गया है कि देश के विभाजन का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भी व्यापक रूप से विरोध किया था और यह सवाल कि क्या विभाजन आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता था, आज भी बहस का विषय बना हुआ है। इसके साथ ही, पुरानी पाठ्यपुस्तक का वह वाक्य हटा दिया गया है जिसमें कहा गया था कि विभाजन के दौरान उपमहाद्वीप में हुए सांप्रदायिक नरसंहार के समय कांग्रेस नेता असहाय थे।

नए संस्करण में वह वाक्य हटा दिया गया है, जिसमें कहा गया था कि विभाजन के दौरान सांप्रदायिक हिंसा पर कांग्रेस नेता असहाय थे। पहले की किताब में लिखा था कि अंग्रेजों ने हिंदू-मुस्लिम मतभेदों का फायदा उठाकर भारत का विभाजन किया और कांग्रेस ने अंततः इसे स्वीकार किया।

संशोधित पाठ्यपुस्तक में जोड़ा गया है कि वी.डी. सावरकर ने भी 1925 में स्वराज की मांग उठाई थी। पुराने संस्करण में नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा सेना खड़ी करने के लिए हिटलर से समर्थन मांगने का उल्लेख था। हिटलर को नस्लवादी नाजी विचारधारा वाला तानाशाह बताने वाला हिस्सा भी हटाया गया है।

ट्रंप ने कहा तुर्की से प्रतिबंधों को हम खत्म करने जा रहे हैं

दोस्तों पर प्रतिबंध नहीं

अंकारा, 8 जुलाई (एजेंसियां)। भारत दोस्त रूस से दशकों से हथियार खरीदता रहा है। भारतीय सेनाओं के करीब 70 फीसदी हथियार रूसी मूल के हैं। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद से भारत और रूस के बीच इस हथियार दोस्ती पर अमेरिका के सीएएटीएसए प्रतिबंधों का खतरा मंडराने लगा है। भारत को रूस से हथियार खरीदने से पहले अमेरिकी सीएएटीएसए प्रतिबंधों के खतरे का सामना करना पड़ता है। अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तुर्की को सीएएटीएसए प्रतिबंधों से हटाने जा रहे हैं। दरअसल, तुर्की ने अमेरिका के प्रतिबंधों के बाद भी रूस से S-400 एयर डिफेंस सिस्टम खरीदा था। इसके बाद अमेरिका ने नाटो देश तुर्की को एफ-35 फाइटर जेट से बाहर कर दिया था।

एक्सपर्ट का कहना है कि ट्रंप के इस ऐलान से अब भारत और इंडोनेशिया जैसे देशों को बड़ी राहत मिल सकती है जो बड़े पैमाने पर रूसी हथियार खरीदते हैं। ट्रंप ने तुर्की के अंकारा शहर में चल रहे नाटो के शिखर सम्मेलन में कहा कि वह तुर्की को अमेरिका के ब्लैक लिस्ट से निकालने पर काम कर रहे हैं जिसे खुद उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में लगाया था।

ट्रंप ने तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन को अपना मित्र बताया। ट्रंप ने एर्दोगन के सामने कहा, 'हम प्रतिबंधों को खत्म करने जा रहे हैं। अब ठीक है?' ट्रंप ने कहा, 'अब इसे करने का समय आ गया है। हम अपने दोस्तों पर प्रतिबंध नहीं लगाना चाहते हैं। यह बहुत आसान है।' ट्रंप के इस ऐलान के बाद एर्दोगन मुस्करा उठे। इसे सीएएटीएसए के नाम से भी जाना जाता है। इस लिस्ट में रूस, ईरान और उत्तर कोरिया शामिल हैं लेकिन रूस से एस-400 खरीदने के बाद तुर्की भी इसमें शामिल हो गया था।

इस कानून को साल 2017 में लागू किया गया था। अमेरिका ने तुर्की एफ-35 प्रोग्राम से इसलिए बाहर कर दिया था क्योंकि अंकारा ने रूस से एस-400 खरीदा था।

अमेरिका को डर था कि एस-400 के एक्टिव रहने पर रूस को अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट की कमी पता चल जाएगी। अब ट्रंप के ऐलान के बाद तुर्की को उम्मीद है कि उसे एफ-35 फाइटर जेट प्रोग्राम में फिर से शामिल किया जाएगा।

ट्रंप ने भी इजरायली पीएम नेतन्याहू के कड़े वरोध के बाद भी संकेत दिए हैं कि तुर्की को एफ-35 फाइटर जेट दिया जाएगा।

पांचवीं पीढ़ी का यह फाइटर जेट रडार की पकड़ में नहीं आता है और ईरान युद्ध में इसने जमकर तबाही मचाई थी। अमेरिका का कहना है कि तुर्की को इस छूट के बाद एस-400 को बेकार करना होगा लेकिन तुर्की की ओर से ऐसा कुछ नहीं कहा गया है।

साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़, 2 गिरफ्तार

बोकारो, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बोकारो पुलिस ने संगठित साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है। साइबर थाना पुलिस ने तकनीकी शाखा के सहयोग से छापेमारी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान चास के पटेनगर निवासी रोहित कुमार दास और अंबेडकरपुरी निवासी अर्जुन कुमार दास के रूप में हुई है। इन पर बैंक अधिकारी और क्रेडिट कार्ड कर्मचारी बनकर लोगों से ठगी करने का आरोप है। मुख्यालय डीएसपी पवन कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर 7 जुलाई को विशेष अभियान चलाया गया था। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने साइबर ठगी में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

भारत की ब्रह्मोस और पाकिस्तान के जेएफ-17 की धूम

इंडोनेशिया से लेकर अजरबैजान तक कतार में

इस्लामाबाद, 8 जुलाई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर में भारत के हाथों पाकिस्तान को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। लेकिन, मई 2025 में हुए इस संघर्ष का फायदा भारत और पाकिस्तान दोनों देश उठा रहे हैं। इस संघर्ष में दोनों देशों की तरफ से इस्तेमाल हुए दो हथियार पाकिस्तानी जेएफ-17 और भारतीय ब्रह्मोस मिसाइल को कई नए ग्राहक मिले हैं। हाल में ही भारत और इंडोनेशिया में ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर डील हुई है। वहीं, अजरबैजान और लीबिया ने पाकिस्तानी जेएफ-17 लड़ाकू विमान में रुचि दिखाई है। कई अन्य देश भी हैं, जो भारत और पाकिस्तान के इन कॉम्बैट प्रूवन हथियारों को खरीदने की लाइन में खड़े हैं।

एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडोनेशिया के साथ ब्रह्मोस मिसाइल के लिए एक नया एक्सपोर्ट डील साइन किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने X पर एक पोस्ट में लिखा कि इस यात्रा के दौरान ब्रह्मोस सिस्टम पर सहयोग के लिए एक समझौता हुआ।

उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों के बीच हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल के सहयोग पर भी सहमति बनी, जिससे "टेक्नोलॉजी सहयोग और रक्षा क्षमताएं बेहतर होंगी।

इसके साथ ही, फिलीपींस और वियतनाम के बाद इंडोनेशिया ब्रह्मोस हासिल करने वाला तीसरा देश बन गया। ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है जिसे 1998 में भारत की डीआरडीओ (रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन) और रूस के एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया के जॉइंट वेंचर (संयुक्त उद्यम) ने मिलकर विकसित किया था। यह दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में से एक है। इसके अलावा ब्रह्मोस एकमात्र ऐसी मिसाइल है जिसे जमीन, हवा और समुद्र से दागा जा सकता है। ब्रह्मोस मिसाइल का पहला खरीदार फिलीपींस है, वहीं वियतनाम ने भी इसकी खरीद को लेकर समझौता किया है।

सूर्य ग्रहण के साथ टूटेंगे हजारों तारे

आसमान में हजारों साल बाद बन रहा दुर्लभ संयोग

वॉशिंगटन, 8 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरिक्ष में एक दुर्लभ संयोग बन रहा है। 12 अगस्त को आसमान में एक साथ दो अद्भुत खगोलीय घटनाएं देखने को मिलेंगी और सबसे खास बात ये है कि इन्हें देखने के लिए आपको किसी खास उपकरण की जरूरत नहीं होगी। 12 अगस्त के दिन चांद सीधे सूरज के सामने से गुजरेगा जिससे उत्तरी अमेरिका, यूके, आयरलैंड और यूरोप के मुख्य हिस्सों में एक शानदार सूर्य ग्रहण दिखाई देगा।

फिर जैसे ही सूरज डूबेगा और रात होगी पृथ्वी एक धूमकेतु की तरफ से छोड़े गए मलबे से गुजरेगी जिससे साल की सबसे बेहतरीन उल्का वर्षा भी देखने को मिलेगी। यह घटना दो अलग-अलग खगोलीय नजारों का एक ही दिन मेल है। वैज्ञानिकों के मुताबिक 'कॉस्मिक डबल व्हैमी' यानि एक ही दिन पूर्ण सूर्य ग्रहण और उल्का बौछार होना एक अत्यंत दुर्लभ खगोलीय घटना है जो इंसानी जीवनकाल में कभी-कभार ही देखने को मिलती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसा संयोग सैकड़ों या हजारों सालों में एक बार बनता है। 12 अगस्त को चंद्रमा, सूर्य और पृथ्वी के बीच आकर सूर्य को पूरी तरह ढक लेगा। इससे दिन के समय कुछ मिनटों के लिए शाम जैसा अंधेरा छा जाएगा। इसी रात पृथ्वी, स्विफ्ट-टटल धूमकेतु के मलबे से होकर गुजरेगी। जब धूल के ये छोटे कण पृथ्वी के वायुमंडल में टकराएंगे तो वे जल उठेंगे जिससे आसमान में चमकदार लकीरें बनेंगी जिन्हें हम 'टूटता तारा' या उल्का बौछार कहते हैं।

एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत

19 जून से शुरू हुआ मौत का सिलसिला, स्वास्थ्य विभाग ने विषाक्त तेल के सेवन को माना कारण

पलामू, 8 जुलाई (एजेंसियां)। पलामू के पड़वा प्रखंड स्थित सिक्का गांव में एक ही परिवार के छह सदस्यों की 19 दिनों के भीतर मौत हो गई है। यह सिलसिला 19 जून से शुरू हुआ था। मंगलवार रात रिम्स में भर्ती लाखो देवी ने भी दम तोड़ दिया, जो इस परिवार की छठी मृतक है।

परिवार का सातवां सदस्य अभी भी रिम्स में इलाजरत है, जबकि कुल नौ सदस्यों में से अब केवल तीन ही बचे हैं। इधर, स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, आर्गेमोन (कंटीले) मिले विषाक्त सरसों तेल के सेवन से ड्रॉप्सी बीमारी के कारण उनकी हालत बिगड़ी थी।

इस परिवार में पहली मौत 19 जून को मुखिया कुलदीप महतो की हुई थी। इसके अगले दिन 20 जून को उनकी बेटी बबिता कुमारी का निधन हो गया। 26 जून को दूसरी बेटी इंदु कुमारी ने भी दम तोड़ दिया। 28 जून को कुलदीप की बहू श्वेता और बेटे नकुल मेहता की मौत हुई। नवीनतम मौत 6 जुलाई को कुलदीप की पत्नी लाखो देवी की रिम्स में हुई।

स्वास्थ्य विभाग ने परिवार में हो रही लगातार मौतों के कारणों का पता लगाने के लिए उनके घर के खाने-पीने के सामानों की लैब जांच कराई थी। जांच में सरसों के तेल में आर्गेमोन (कंटीले) तेल की मिलावट पाई गई। पता चला है कि इस परिवार ने लगभग डेढ़ महीने पहले अपने खेत के सरसों से तेल निकलवाया था।

परिवार के नौ सदस्यों में से अब केवल तीन ही बचे हैं। कुलदीप का एक बेटा अनुज मेहता मजदूरी के सिलसिले में गांव से बाहर रहने के कारण स्वस्थ है। वहीं, कुलदीप का पोता और सुनील का पुत्र अपनी नानी के घर पर था, जिससे वह भी सुरक्षित है।

मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने सिक्का गांव के 195 घरों के 1378 लोगों का स्वास्थ्य सर्वे किया। इसमें संदिग्ध लगने पर 59 लोगों का ब्लड सैंपल लिया गया था।

कुंडा पुलिस ने लूटकांड का किया खुलासा, दो गिरफ्तार

लूटा गया टोटो, मोबाइल बरामद अन्य आरोपियों की तलाश जारी

देवघर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। देवघर जिले की कुंडा थाना पुलिस ने एक लूटपाट की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के कब्जे से लूटा गया टोटो, मोबाइल फोन, चार ई-रिक्शा बैटरियां और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है। देवघर के एसडीपीओ कुलदीप कुमार ने यह जानकारी दी। एसडीपीओ कुलदीप कुमार ने बताया कि 29 जून को रामबालक राय ने कुंडा थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, 28 जून को डीएवी स्कूल के पास बाइक सवार चार अपराधियों ने उन्हें रोका, मारपीट की और उनका टोटो, मोबाइल फोन व नकद राशि लूटकर फरार हो गए थे। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित की गई। इस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान कुंडा थाना क्षेत्र के गोरियापुर निवासी सुमित कुमार मंडल और लीलाम्बर मंडल के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर लूटा गया एक टोटो, चार ई-रिक्शा बैटरियां, एक मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामद सामान को जब्त कर कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। दोनों आरोपियों से पूछताछ के दौरान गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। एसडीपीओ कुलदीप कुमार ने बताया कि इस लूटकांड में शामिल अन्य फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस लगातार सक्रिय है।

पुरी रथ यात्रा में होना चाहते हैं शामिल?

कब से कब तक चलेगी यात्रा

किस दिन निभाई जाएगी कौन सी रस्म जानें पूरा शेड्यूल

भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा हर साल ओडिशा के पुरी में आयोजित होती है। इस रथ यात्रों में लाखों भक्त भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के दर्शन करने के लिए आते हैं। जो लोग इस रथ यात्रा में शामिल होते हैं, उनके जीवन के सभी कष्ट मिट जाते हैं और भगवान जगन्नाथ की कृपा से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस साल भी रथ यात्रा का शुभारंभ 16 जुलाई गुरुवार से होने वाला है। आप भी इस रथ यात्रा में शामिल होकर प्रभु जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको रथ यात्रा का पूरा शेड्यूल जानना होगा। किस दिन रथ यात्रा शुरू होगी, कब तक चलेगी, किस दिन कौन सी रस्म होगी और किस दिन भगवान जगन्नाथ यात्रा पूरी करके गर्भगृह में दोबारा विराजमान होंगे?

पुरी रथ यात्रा 2026 का पूरा शेड्यूल

15 जुलाई, बुधवार: नबजौबन दर्शन

इस दिन भगवान जगन्नाथ एकांतवास से बाहर आते हैं और रथ यात्रा से पूर्व पहली बार सार्वजनिक तौर पर उनके दर्शन होते हैं।

16 जुलाई, गुरुवार: रथ यात्रा का शुभारंभ रथ यात्रा का शुभारंभ आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को होता है। भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के तीनों रथों को खींचकर गुंडिचा मंदिर ले जाने का प्रारंभ होता है। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया तिथि 15 जुलाई को 11:50 ए एम से लेकर 16 जुलाई को सुबह 08:52 बजे तक है।

20 जुलाई, सोमवार: हेरा पंचमी

भगवान जगन्नाथ अपने भाई और बहन के साथ अपनी मौसी के घर यानि गुंडिचा मंदिर पहुंच जाते है। वहां वे विश्राम करते हैं। तब माता लक्ष्मी हेरा पंचमी के दिन गुंडिचा मंदिर आती हैं।

23 जुलाई, गुरुवार: संध्या दर्शन

गुंडिचा मंदिर में संध्या के समय भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन होंगे।

24 जुलाई, शुक्रवार: बहुदा यात्रा

इस दिन गुंडिचा मंदिर से उल्टी यात्रा प्रांरभ होती है। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र जी और सुभद्रा जी के तीनों रथों को खींचकर पुरी के मुख्य मंदिर ले जाया जाता है।

25 जुलाई, शनिवार: सुना बेषा

जब तीनों रथ जगन्नाथ मंदिर पहुंच जाते हैं तो वहां सुना बेषा रस्म निभाई जाती है। इसमें भगवान जगन्नाथ के साथ बलभद्र और सुभद्रा जी को सोने के आभूषणों से सजाया जाता है।

26 जुलाई, रविवार: अधर पना

इस रस्म में भगवान जगन्नाथ के साथ उनके भाई और बहन को एक मीठा पेय पिलाया जाता है।

27 जुलाई, सोमवार: नीलाद्री बीजे

नीलाद्री बीजे रथ यात्रा का अंतिम अनुष्ठान होता है। इसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा को मुख्य श्रीमंदिर के गृभगृह में रत्न सिंहासन पर विराजमान कराया जाता है। इसके साथ ही रथ यात्रा का समापन होता है।

कथा: ठग ने विश्वास जीत कर साधु को दिया धोखा

किसी भी व्यक्ति पर भरोसा करने से पहले उसके इरादों को समझें तुरंत विश्वास करना नुकसान का कारण बन सकता है

एक लोक कथा है, पुराने समय में एक गांव के मंदिर में एक साधु रहता था। वह अपनी तपस्या, अनुशासन और सादगी के लिए प्रसिद्ध था। लोग उसे बहुत सम्मान देते थे और उसे दान भी देते थे। कभी वस्त्र, कभी भोजन, कभी पैसे। धीरे-धीरे उस साधु के पास काफी धन इकट्ठा हो गया।

इस धन के साथ ही साधु के मन में भय भी बढ़ता गया। उसे हर समय यह चिंता सताती रहती थी कि कहीं उसका धन चोरी न हो जाए। इसी डर के कारण उसने सारी जमा पूंजी एक पोटली में बांध ली और उसे हमेशा अपने साथ रखना शुरू कर दिया। वह न तो किसी पर भरोसा करता था और न ही किसी को अपने पास आने देता था।

उसी गांव में एक चालाक ठग भी रहता था, जिसकी नजर लंबे समय से उस साधु के धन पर थी। वह जानता था कि सीधा तरीके से इस साधु से धन लेना आसान नहीं है, इसलिए उसने एक योजना बनाई। उसने एक भोले-भाले विद्यार्थी का रूप धारण किया और साधु के पास जाकर विनती की कि वह उसे अपना शिष्य बना ले। उसने मीठी-मीठी बातें कीं और साधु की प्रशंसा की, जिससे साधु प्रसन्न हो गया और उसे अपना शिष्य बना लिया।

ठग ने साधु की खूब सेवा की और विनम्रता का दिखावा किया। वह मंदिर की सफाई करता, साधु के कामों में मदद करता और हमेशा आज्ञाकारी बना रहता। उसका व्यवहार इतना प्रभावशाली था कि साधु ने कुछ ही समय में उस पर पूरा विश्वास कर लिया। अब वह अपनी वस्तुएं भी उसके पास रखने लगा।

कुछ समय बाद साधु को एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए दूसरे गांव जाना था। वह अपने शिष्य के साथ यात्रा पर निकल पड़ा और अपनी धन की पोटली भी साथ ले ली। रास्ते में नदी आई और साधु ने स्नान करने का निर्णय लिया। उसने पोटली को एक कंबल में लपेटकर नदी किनारे रख दिया और शिष्य से उसकी देखभाल करने को कहा।

जैसे ही साधु नदी में गया, ठग को मौका मिल गया। वह तुरंत पोटली उठाकर वहां से भाग गया। जब साधु वापस आया तो सब कुछ लुट चुका था।

इस घटना से साधु को गहरा सबक मिला कि बिना जांचे-परखे किसी पर अंधा विश्वास करना कितना खतरनाक हो सकता है।

कहानी की सीख

इस कहानी की सबसे पहली सीख यह है कि अंधा विश्वास खतरनाक हो सकता है। जीवन में हर व्यक्ति अच्छा नहीं होता। इसलिए किसी भी व्यक्ति पर भरोसा करने से पहले उसके व्यवहार और इरादों को समझना जरूरी है। जल्दी विश्वास करना कई बार नुकसान का कारण बन सकता है।

दूसरी महत्वपूर्ण सीख यह है कि अत्यधिक भय और असुरक्षा भी गलत निर्णय करवाती है। साधु अपने धन को लेकर इतना डरा हुआ था कि उसने उसे सुरक्षित रखने के लिए गलत व्यक्ति पर भरोसा कर लिया। अंततः वही डर उसके नुकसान का कारण बना। असुरक्षा की भावना से बचना चाहिए।

तीसरी सीख है- सावधानी और जागरूकता रखें। चाहे कोई व्यक्ति कितना भी करीबी क्यों न लगे, महत्वपूर्ण चीजों के मामले में सतर्क रहना चाहिए। अपने संसाधनों, जानकारी और निर्णयों को सुरक्षित रखना चाहिए।

चौथी सीख यह है कि लोगों की पहचान समय के साथ करनी चाहिए। ठग ने सेवा और विनम्रता का दिखावा करके साधु का विश्वास जीता। इससे यह समझ आता है कि किसी के शुरुआती व्यवहार से पूरी सच्चाई नहीं जानी जा सकती, समय और परिस्थितियां असली चरित्र को उजागर करती हैं।

पांचवीं सीख है- भावनाओं में बहकर निर्णय न लें। साधु ने प्रशंसा सुनकर तुरंत निर्णय ले लिया और उस ठग को शिष्य बना लिया, ये निर्णय गलत साबित हुआ। जीवन में भावनाएं महत्वपूर्ण हैं, लेकिन निर्णय हमेशा सोच-समझकर लेने चाहिए।

छठी सीख यह है कि संपत्ति, धन और महत्वपूर्ण चीजों की सुरक्षा के लिए प्रणाली बनाना चाहिए, न कि केवल व्यक्तिगत भरोसे पर निर्भर रहना चाहिए। यह कहानी हमें सीख देती है कि जीवन में संतुलित विश्वास, सतर्कता और समझदारी ही सफल जीवन प्रबंधन का सूत्र है।

अच्छी प्रेरणाएं और बड़ा लक्ष्य व्यक्ति को बुरी आदतों के साथ-साथ नकारात्मक सोच से भी दूर रखते हैं

गर व्यक्ति को अच्छी प्रेरणाएं मिलती हैं और वह जीवन में बड़ा लक्ष्य बनाता है, तो वह बुरी आदतों और नकारात्मक सोच से दूर रह सकता है। इसके लिए मेहनत करना बहुत जरूरी है। हमें हमेशा काम में लगे रहना चाहिए और समय का सही इस्तेमाल करना चाहिए। नई-नई बातें सीखनी चाहिए, नए विचार अपनाने चाहिए और कुछ अलग करने का प्रयास करना चाहिए। नवाचार करने से मन में उत्साह बढ़ता है। नए कार्य और नए विचार जीवन को आगे बढ़ाते हैं।

स्वामी अवधेशानंद जी गिरि

गुरु पूर्णिमा पर हर की पौड़ी में लगाएं ब्रह्म मुर्हूत में डुबकी

हर साल आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा मनाई जाती है। गुरु शिष्य की परंपरा सभी धर्म में सर्वोच्च बताई गई है। गुरु पूर्णिमा पर हरिद्वार में स्नान करने से तन, मन के सभी रोगों से मुक्ति मिलने की धार्मिक मान्यता है। गुरु पूर्णिमा पर्व पर हरिद्वार में किस मुहूर्त में और कहां पर स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होगी, हरिद्वार के पंडित श्रीधर शास्त्री से बात की। पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि पूर्णिमा के दिन चंद्रमा की किरणें जब गंगा के जल पर पड़ती हैं तो ब्रह्म मुहूर्त में वह अमृत के समान हो जाता है।

हरिद्वार. यदि आप गुरु पूर्णिमा के पर्व पर मोक्ष प्राप्ति और जाने अनजाने में किए हुए सभी पापों से मुक्ति चाहते हैं तो सही जगह आए हैं। आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है।

इस दिन अपने गुरु के समर्पित होकर उनकी वंदना, पूजा पाठ, आराधना आदि की जाती है। कहा जाता है कि गुरु पूर्णिमा के दिन यदि अपने गुरु के समर्पित होकर कोई भी कार्य किया जाए तो उसे कार्य का संपूर्ण फल प्राप्त होता है। गुरु शिष्य की परंपरा सभी धर्म में सर्वोच्च बताई गई है। आषाढ़ मास की पूर्णिमा के दिन गुरु पूर्णिमा पर्व पर हरिद्वार में शुभ मुहूर्त में स्नान करने पर तन, मन के सभी रोगों से मुक्ति मिलने की धार्मिक मान्यता है।

सुबह कितने बजे

गुरु पूर्णिमा पर्व पर हरिद्वार में किस मुहूर्त में और कहां पर स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होगी, हरिद्वार के पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं गुरु पूर्णिमा का पर्व आषाढ़ मास की पूर्णिमा के दिन होता है।

यह पर्व हिंदू धर्म में बेहद ही खास होता है। गुरु शिष्य की परंपरा प्राचीन काल से ही चली आ रही है। इस दिन शिष्य अपने गुरुओं को प्रसन्न करने के लिए अनेक कार्य करते हैं। हिंदू धर्म में गुरु का दर्जा भगवान से भी ऊपर बताया गया है। पवित्र तीर्थ नगरी हरिद्वार में गुरु पूर्णिमा के दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 3:41 से 4:59 के बीच गंगा स्नान किया जाए तो पूर्णिमा का संपूर्ण से अधिक फल प्राप्त होगा।

इस घाट पर ही क्यों

पंडित श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि हर की पौड़ी का ब्रह्म कुंड घाट, जहां ब्रह्मा ने लाखों वर्षों तक तपस्या की थी, इसी स्थान पर अमृत की बूंदे भी गिरी थीं, पूर्णिमा के दिन संपूर्ण चंद्रमा की किरणें जब यहां गंगा के जल पर पड़ती हैं तो ब्रह्म मुहूर्त में वह अमृत के समान हो जाता है। गुरु पूर्णिमा के दिन ब्रह्म मुहूर्त में हर की पौड़ी के ब्रह्म कुंड घाट पर सूर्य देव के मंत्र, गंगा के मंत्र, भगवान शिव के मंत्र आदि का मन ही मन जाप करते हुए स्नान करने से सभी मनोरथ पूर्ण हो जाते हैं। साधक को मोक्ष प्राप्ति के साथ सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है।

योगिनी एकादशी का व्रत कब रखा जाएगा 10 या 11 जुलाई?

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व बताया गया है। एकादशी का व्रत करने से जातक को भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है। हर महीने में दो बार एकादशी का व्रत आता है एक शुक्ल और दूसरा कृष्ण पक्ष में। आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष में आने वाली एकादशी को योगिनी एकादशी कहते हैं। इस बार योगिनी एकादशी व्रत की तारीख को लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। तो आइए जानते हैं योगिनी एकादशी व्रत रखने की सही तारीख और मुहूर्त।

हर साल आषाढ़ माह में कृष्ण पक्ष के दौरान योगिनी एकादशी का व्रत रखा जाता है। पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह में कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि का आरंभ 10 जुलाई को सुबह 8 बजकर 16 मिनट पर होगा। एकादशी तिथि का समापन 11 जुलाई को सुबह 5 बजकर 22 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, इस साल योगिनी एकादशी का व्रत 10 जुलाई 2026 को रखा जाएगा। आपको बता दें जब एकादशी दो दिनों की पड़ती है तब पहले दिन ग्रहस्थ लोग व्रत रखते हैं और दूसरे दिन वैष्णव संप्रदाय व्रत रखते हैं। तो 11 जुलाई को वैष्णव संप्रदाय के लोग योगिनी एकादशी का व्रत करेंगे।

योगिनी एकादशी पारण 2026 का समय

योगिनी एकादशी का पारण 11 जुलाई 2026 को किया जाएगा। बता दें कि पारण का अर्थ होता है व्रत खोलना। योगिनी एकादशी पारण के लिए उत्तम समय दोपहर 2 बजकर 3 मिनट से शाम 4 बजकर 42 मिनट तक रहेगा। पारण तिथि के दिन हरि वासर समाप्त होने का समय सुबह 10 बजकर 31 मिनट पर रहेगा। एकादशी व्रत का पारण हरि वासर के दौरान नहीं किया जाता है।

योगिनी एकादशी 2026 शुभ मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्त- 04:41 ए एम से 05:24 ए एम

प्रातः सन्ध्या- 05:03 ए एम से 06:07 ए एम

अभिजित मुहूर्त- 12:17 पी एम से 01:10 पी एम

विजय मुहूर्त- 02:56 पी एम से 03:49 पी एम

गोधूलि मुहूर्त- 07:19 पी एम से 07:41 पी एम

योगिनी एकादशी व्रत का महत्व

योगिनी एकादशी का व्रत करने से सारे पाप मिट जाते हैं और जीवन में समृद्धि और खुशियों की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यता है कि योगिनी एकादशी का व्रत करना अठ्यासी हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर फल मिलता है।

आखिर क्यों, ऋषि वेदव्यास ने किया वेदों का विभाजन

ऋषि वेदव्यास महाभारत के रचयिता हैं। कहते हैं कि प्रत्येक द्वापर युग में विष्णु व्यास के रूप में अवतरित होकर वेदों की प्रस्तुति एवं उनका प्रचार-प्रसार करते हैं। पहले द्वापर में स्वयं ब्रह्मा वेदव्यास हुए, दूसरे में प्रजापति, तीसरे में शुक्राचार्य, चौथे में बृहस्पति वेदव्यास हुए। इसी प्रकार इस श्रृंखला में अट्ठाइस वेदव्यास हुए जिनमें से कुछ मुख्य ये हैं- सूर्य, मृत्यु, इंद्र, धनंजय, कृष्ण, द्वैपायन, अश्वत्थामा आदि।

इस प्रकार अट्ठाईस बार वेदों का विभाजन किया गया और इन्होंने ही अठारह पुराणों की रचना की। सृष्टि के प्रारंभ में वेद अविभक्त तथा एक लाख मंत्र वाला था। अट्ठाइसवें द्वापर में वेदव्यास ने अपने पूर्व के वेदव्यासों के अनुरूप ही चार भागों में संयुक्त वेद को विभक्त किया। इनके अध्ययन के लिए चार विद्वान शिष्यों को दीक्षित किया गया एवं पेल को ऋग्वेद, वैशम्पायन को यजुर्वेद, जैमिनी को सामवेद तथा सुमन्तु को अथर्ववेद का ज्ञाता बनाया।

शास्त्रों के अनुसार ऋषि त्रिकालदर्शी थे और इन्होंने अपनी दिव्य दृष्टि से देखकर जान लिया था कि कलयुग में धर्म क्षीण हो जाएगा धर्म क्षीण होने के कारण मनुष्य नास्तिक, कर्तव्यहीन और अल्पायु हो जाएगा। एक विशाल वेद का सांगोपांग अध्ययन उनके सामर्थ्य से बाहर हो जाएगा। इसलिए वेदव्यास ने वेदों को चार भागों में विभाजित कर दिया ताकि कम बुद्धि एवं कम स्मरण शक्ति रखने वाले भी वेदों का अध्ययन कर सकें। वेदों का विभाजन करने के कारण ही इन्हें वेदव्यास कहा गया।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 9 जुलाई - 2026

सुरक्षा से समृद्धि तक की रणनीति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब हिंद-प्रशांत (इंडो-पैसिफिक) क्षेत्र वैश्विक राजनीति, व्यापार और सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। इसलिए यह दौरा केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं, बल्कि भारत की दीर्घकालिक सामरिक रणनीति का स्पष्ट संकेत भी है। यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली, समुद्री सुरक्षा, रक्षा सहयोग, क्रिटिकल मिनरल्स, व्यापार, निवेश और प्रौद्योगिकी सहित लगभग 20 महत्वपूर्ण समझौतों पर सहमति बनी। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया की संसद को संबोधित करते हुए स्वतंत्र, खुला, समावेशी और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत की वकालत की। यह संदेश ऐसे समय में आया है, जब इस क्षेत्र की भू-राजनीति तेजी से बदल रही है और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा नई दिशा ले रही है। हिंद-प्रशांत आज केवल समुद्री क्षेत्र नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और सामरिक संतुलन का केंद्र है। दुनिया के लगभग 60 प्रतिशत समुद्री व्यापार का मार्ग इसी क्षेत्र से होकर गुजरता है। ऊर्जा आपूर्ति, वैश्विक सप्लाई चेन, सेमीकंडक्टर, रेयर अर्थ एवं क्रिटिकल मिनरल्स तथा डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य भी काफी हद तक इसी क्षेत्र पर निर्भर है। ऐसे में यहां स्थिरता और सुरक्षित समुद्री मार्ग पूरी दुनिया के आर्थिक हितों से जुड़े हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत नौवहन की स्वतंत्रता, अंतरराष्ट्रीय कानूनों के सम्मान और शांतिपूर्ण सहयोग में विश्वास रखता है। यह संदेश अप्रत्यक्ष रूप से दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों और विस्तारवादी नीति को ओर भी संकेत करता है। भारत विकास, विश्वास और साझेदारी का समर्थक है, न कि वर्चस्व और टकराव का। यही संतुलित दृष्टिकोण भारत को एक जिम्मेदार और विश्वसनीय वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करता है। भारत की 'एक्ट ईस्ट' और 'सागर ' नीति भी हिंद-प्रशांत में उसकी सक्रिय भूमिका को मजबूती प्रदान कर रही है। हाल के वर्षों में जापान, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और आसियान देशों के साथ बढ़ता सहयोग तथा क्वाड जैसे मंचों पर भारत की सक्रिय भागीदारी इसी रणनीति का हिस्सा है। भले ही अमेरिका और चीन के संबंधों में समय-समय पर नरमी के संकेत दिखाई दें, लेकिन हिंद-प्रशांत की सामरिक अहमियत कम नहीं हुई है। भारत किसी सैन्य गुट का हिस्सा बनने के बजाय समान विचार वाले देशों के साथ साझा, संतुलित और नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रहा है। हिंद-प्रशांत केवल सुरक्षा का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक अवसरों का भी विशाल मंच है। हरित ऊर्जा, क्रिटिकल मिनरल्स, सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन, डिजिटल तकनीक और आधुनिक विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में भारत वैश्विक सप्लाई चेन का विश्वसनीय विकल्प बन सकता है। इससे न केवल निवेश और रोजगार बढ़ेंगे, बल्कि भारत की आर्थिक और रणनीतिक शक्ति भी मजबूत होगी। इंडोनेशिया यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब केवल क्षेत्रीय घटनाओं का दर्शक नहीं, बल्कि हिंद-प्रशांत की दिशा तय करने वाली प्रमुख शक्तियों में शामिल है। यदि भारत इसी संतुलित, दूरदर्शी और साझेदारी-आधारित नीति पर आगे बढ़ता है, तो वह न केवल हिंद-प्रशांत का भरोसेमंद शक्ति-केंद्र बनेगा, बल्कि 21वीं सदी की वैश्विक व्यवस्था को दिशा देने वाले अग्रणी देशों में भी अपनी स्थायी पहचान स्थापित करेगा। यही भारत की कूटनीतिक परिपक्वता, आर्थिक महत्वाकांक्षा और वैश्विक नेतृत्व का वास्तविक आधार बनेगा।

ऊर्जा का 'इथेनॉल पथ': उम्मीदों की उड़ान और व्यावहारिक अवरोध

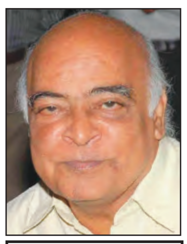
अशोक भाटिया

इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के जुझारूपन ने फरवरी से दुनिया को ऊर्जा संकट में डाल दिया है, और मोदी सरकार की कारों में पेट्रोल में इथेनॉल के मिश्रण को बढ़ाने की आवश्यकता का कुछ लोगों द्वारा उपहास किया गया है क्योंकि 'दूध में पानी की मात्रा बढ़ाने से दूध की मांग कम हो जाएगी'। लेकिन सरकार की इस सोच में कुछ भी गलत नहीं है कि इथेनॉल ब्लेंडिंग से पेट्रोल के इस्तेमाल को कम करने के प्रयोग पूरी दुनिया में चल रहे हैं, इसलिए यह सही है कि भारत में इस तरह के प्रयोग हो रहे हैं, जो तेल आयात पर निर्भर है।

भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं और आर्थिक प्राथमिकताओं के एक अभूतपूर्व चौराहे पर खड़ा है ऐसे समय देश ने हाल ही में पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण (ई20) का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित समय से पांच वर्ष पहले ही हासिल कर दुनिया के सामने नीतिगत इच्छाशक्ति का एक बड़ा उदाहरण पेश किया है। वर्ष 2013-14 में जहां इथेनॉल मिश्रण की दर महज 1.5 प्रतिशत के आसपास सिमटी हुई थी, वहीं 2025-26 के कालखंड में इसका देशव्यापी स्तर पर 20 प्रतिशत तक पहुंच जाना भारतीय ऊर्जा क्षेत्र की एक युगांतकारी घटना है इस नीतिगत उछाल का प्राथमिक श्रेय केंद्र की मोदी सरकार के 'इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) प्रोग्राम' को जाता है, जिसने भारत को जीवाश्म ईंधनों की विदेशी निर्भरता से मुक्त कराने और 'पंचामृत' के तहत वैश्विक जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने का संकल्प लिया है।

परंतु, इस बड़ी नीतिगत सफलता के साथ ही धरातल पर कुछ ऐसे बुनियादी सवाल और व्यावहारिक चुनौतियां भी सिर उठाने लगी हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना इस दीर्घकालिक अभियान को कमजोर कर सकता है। हाल ही में राष्ट्रव्यापी स्तर पर ई20 ईंधन के अनिवार्य प्रसार के बाद से आम उपभोक्ताओं, मोटर वाहन उद्योग और कृषि-अर्थशास्त्रियों के बीच एक त्रिपक्षीय बहस छिड़ गई है। एक तरफ जहां सरकार इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेशी मुद्रा की बचत का अचूक हथियार मानती है, वहीं दूसरी तरफ आम नागरिक माइलेज में गिरावट और पुराने वाहनों के इंजनों की सुरक्षा को लेकर आशंकित हैं। ऐसे में यह नीतिगत समीक्षा का सही समय है कि क्या भारत अपनी हरित ऊर्जा की रफ्तार को बनाए रखते हुए आम जनता की चिंताओं को वैज्ञानिक और आर्थिक धरातल पर संतुष्ट कर पा रहा है? इस नीति की आवश्यकता को समझने के लिए सबसे पहले भारत की कच्चे तेल पर निर्भरता के आंकड़ों को देखना होगा। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए लगभग 88.5 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। वैश्विक राजनीति में होने वाले उतार-चढ़ाव, खाड़ी देशों के तनाव और डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति भारत के घरेलू बाजार और बजटीय संतुलन को सीधे प्रभावित करती है। सरकार की इस इथेनॉल नीति ने देश की मैक्रो-इकोनॉमी को एक बड़ा सुरक्षा कवच दिया है। 2014-15 से लेकर मई 2026 तक के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस कार्यक्रम के माध्यम से देश ने 1.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक की मूल्यवान विदेशी मुद्रा की बचत की है और करोड़ों मीट्रिक टन कच्चे तेल के आयात को घरेलू जैव-ईंधन से प्रतिस्थापित किया है।

इस आर्थिक चक्र का दूसरा सबसे खूबसूरत पहलू इसका ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ाव है। जैव-ईंधन का उत्पादन केवल फैक्टरियों की चहारदीवारी में नहीं, बल्कि देश के अन्नदाताओं के खेतों से शुरू होता है। गन्ने के उप-उत्पाद (शीरा), मक्का, और टूटे हुए चावल (सरप्लस अनाज) से इथेनॉल बनाने की अनुमति देकर सरकार ने किसानों को केवल 'अन्नदाता' से 'ऊर्जादाता' के रूप में परिवर्तित करने का सफल प्रयास किया है। इस खरीद प्रक्रिया के माध्यम से किसानों और घरेलू डिस्टिलरीज को लगभग 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का सीधा भुगतान हुआ है, जिससे ग्रामीण अंचलों में रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं और चीनी मिलों के गन्ना बकाया संकट पर काफी हद तक लगाम लगी है। पर्यावरण के दृष्टिकोण से देखें तो ई20 मिश्रण ने देश के वायुमंडल को लगभग 930 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन से बचाया है, जो महानगरों में बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ एक बड़ी राहत है।

नीतिगत स्तर पर जितनी यह योजना आकर्षक और देशहित में दिखाई देती है, उपभोक्ता स्तर पर इसके अनुभव उतने ही मिश्रित रहे हैं। देश के करोड़ों दोपहिया और चार पहिया वाहन चालकों द्वारा लगातार यह शिकायत की जा रही है कि ई20 पेट्रोल के उपयोग के बाद से वाहनों के माइलेज में 6 से 7 प्रतिशत तक की कमी दर्ज की गई है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह बात सही भी है; इथेनॉल का ऊर्जा घनत्व शुद्ध पेट्रोल की तुलना में लगभग एक तिहाई कम होता है। इसका सीधा अर्थ यह है कि समान दूरी तय करने के लिए इंजन को अधिक ईंधन की खपत करनी पड़ती है।

आज के इस महंगाई के दौर में, जब पेट्रोल की कीमतें पहले से ही आसमान छू रही हैं, आम नागरिक को कम माइलेज के रूप में अपनी जेब पर अतिरिक्त बोझ महसूस हो रहा है। इसके अतिरिक्त, तकनीकी मोर्चे पर सबसे बड़ी चिंता 'मटेरियल डिग्रेडेशन' यानी वाहनों के पुर्जों के खराब होने की है। इथेनॉल स्वभाव से 'हाइग्रोस्कोपिक' होता है, जिसका मतलब है कि यह हवा से नमी और पानी को बहुत तेजी से सोखता है। यह रासायनिक गुण पुराने वाहनों (जो विशेष रूप से ई20 के अनुकूल नहीं बने हैं) के ईंधन टैंक, पाइपलाइन और कार्बोरेटर या इंजेक्टर प्रणालियों में जंग और प्लास्टिक या रबर के पुर्जों के गलने का कारण बन सकता है। यद्यपि सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स और प्रमुख वाहन निर्माताओं जैसे मारुति सुजुकी और हीरो मोटोकॉर्प ने सेवा डेटा का हवाला देते हुए दावा किया है कि ई20 से पुराने इंजनों को कोई बड़ा या गंभीर नुकसान नहीं देखा गया है, फिर भी आम जनता के भीतर बैठा अविश्वास और डर अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है।जनता के इसी जमीनी विरोध और तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र की अपूर्ण तैयारी को देखते हुए मोदी सरकार ने हाल ही में बेहद परिपक्वता और वैज्ञानिक संयम का परिचय दिया है।

पहले बाजार में ऐसी अटकलें जोरों पर थीं कि सरकार ई20 की तत्काल सफलता के बाद तेजी से 25 प्रतिशत सम्मिश्रण (ई25) की ओर बढ़ेगी। परंतु, उपभोक्ताओं के फीडबैक और वाहनों की तकनीकी सीमाओं को स्वीकार करते हुए पेट्रोलियम और परिवहन मंत्रालयों ने स्पष्ट कर दिया है कि ई25 को लागू करने में कोई भी जल्दबाजी नहीं की जाएगी। सरकार ने इन अफवाहों का खंडन करते हुए कहा है कि वर्तमान में ई20 ईंधन पूरी तरह से सुरक्षित है और उच्च मिश्रणों की तरफ कदम केवल व्यापक वैज्ञानिक परीक्षणों, ऑटोमोबाइल उद्योग की तैयारियों और उपभोक्ताओं की सहमति के बाद ही बढ़ाया जाएगा।

बदइंतजामी की बाढ़ में डूबती व्यवस्था

योगेश कुमार गोयल

मानसून ने इस वर्ष अपने आगमन के साथ ही देश के बड़े हिस्से में राहत से अधिक आफत का संदेश दिया है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, ओडिशा और मध्य प्रदेश तक प्रकृति का रौद्र रूप साफ दिखाई दे रहा है। भारी बारिश, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ जैसी घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारा बुनियादी ढांचा और प्रशासनिक तैयारी अभी भी इस प्राकृतिक चुनौती का सामना करने में सक्षम नहीं है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लगातार मूसलाधार बारिश के चलते भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग-244 कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है। ऐसी घटनाएं न केवल आवागमन को बाधित करती हैं बल्कि यह भी दिखाती हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण और रखरखाव में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अभाव है। महाराष्ट्र के पुणे जिले में भूस्खलन की घटना में लोगों की मौत और कई लोगों का रेस्क्यू इस बात का संकेत है कि हम जोखिमों को पहले से भांपने में असफल रहे हैं। महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में भी स्थिति भयावह है। उल्हास नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच चुका है, जिससे वांगणी के पास स्थित कुडसावरे पुल पूरी तरह जलमग्न हो गया और कई गांवों का संपर्क टूट गया। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में हर वर्ष की तरह इस बार भी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है लेकिन इस बार स्थिति और भी गंभीर रही है। महज दो दिनों की बारिश में ही सड़कें नदियों में तब्दील हो गई, पेड़ उखड़ गए, पुराने ढांचे ढह गए और कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हर साल आने वाली इस स्थिति को हम केवल 'प्राकृतिक आपदा' कहकर टाल सकते हैं? सच्चाई यह है कि यह केवल प्रकृति का प्रकोप नहीं बल्कि हमारी प्रशासनिक लापरवाही, अनियोजित शहरीकरण और तकनीकी अक्षमता का भी परिणाम है। यदि बारिश से पहले नालों की सफाई, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और जोखिम वाले क्षेत्रों का वैज्ञानिक मूल्यांकन समय पर किया जाए तो इन घटनाओं की गंभीरता को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मुंबई, पुणे या अन्य महानगरों में जलभराव की समस्या अब अस्थायी नहीं रही बल्कि स्थायी संकट बन चुकी है। इसका मूल कारण है शहरों का अनियोजित विस्तार और प्राकृतिक जल निकासी मार्गों का अतिक्रमण। जहां कभी पानी के बहाव के प्राकृतिक रास्ते थे, वहां आज कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं। नतीजतन, थोड़ी सी बारिश भी शहरों को जलमग्न कर देती है। यह स्थिति केवल मुंबई तक सीमित नहीं है बल्कि अब देश के अधिकांश शहरों में यही तस्वीर देखने को मिलती है। इस बार मानसून ने रेलवे और सड़क परिवहन को भी बुरी तरह प्रभावित किया है। मुंबई-पुणे रेल मार्ग पर चट्टानी मलबा गिरने से रेल सेवाएं बाधित हो गई। गुजरात के अमरेली में राष्ट्रीय राजमार्ग का हिस्सा बह जाना इस बात का संकेत है कि हमारी निर्माण प्रणाली प्राकृतिक आपदाओं के प्रति कितनी संवेदनशील है। यह केवल एक तकनीकी विफलता नहीं बल्कि दीर्घकालिक योजना के अभाव का परिणाम है।

यदि हम वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो विकसित देशों ने इस समस्या से निपटने के लिए आधुनिक तकनीकों का सहारा लिया है। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में 'लिडार' तकनीक से पहाड़ी क्षेत्रों की निगरानी की जाती है और 'रॉकफॉल बैरियर्स' के माध्यम से भूस्खलन को रोका जाता है। रेल और सड़क नेटवर्क में सेंसर आधारित प्रणाली खतरे का पूर्वानुमान लगाकर सेवाओं को नियंत्रित करती है। इसके विपरीत, भारत में आज भी अधिकतर व्यवस्थाएं प्रतिक्रियात्मक हैं अर्थात हादसे के बाद ही कार्रवाई होती है। विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, भारत को हर वर्ष बारिश से जुड़ी आपदाओं के कारण लगभग 80,000 करोड़ से 1,20,000 करोड़ रुपये तक का आर्थिक नुकसान होता है। यह आंकड़ा केवल आर्थिक क्षति का है जबकि मानवीय जीवन की हानि का मूल्यांकन करना संभव ही नहीं है। हर वर्ष सैकड़ों लोग केवल इसलिए अपनी जान गंवा देते हैं क्योंकि हम समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठा पाते।

यह स्थिति हमें एक महत्वपूर्ण नीति परिवर्तन ('आपदा के बाद राहत' से 'आपदा से पहले तैयारी' की ओर) की ओर संकेत करती है। इसके लिए सबसे पहले शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 'डिजिटल ड्रेनेज ऑडिट' को अनिवार्य किया जाना चाहिए, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि पानी का प्राकृतिक प्रवाह कहां और कैसे होता है। इसके साथ ही 'स्पंज सिटी' मॉडल को अपनाना आवश्यक है, जिसमें शहरों को इस प्रकार विकसित किया जाता है कि वे वर्षा के पानी को अवशोषित कर सकें। पहाड़ी क्षेत्रों में निर्माण कार्यों के लिए भूवैज्ञानिकों की सलाह को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। ढलानों की मजबूती, जल निकासी के उचित चैनल और वनस्पति संरक्षण जैसे उपाय भूस्खलन की घटनाओं को कम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, रियल-टाइम वेदर मॉनिटरिंग सिस्टम और अर्ली वार्निंग सिस्टम को मजबूत करना भी बेहद आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर भी जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी हर वर्ष मानसून से पहले नालों की सफाई और जल निकासी की व्यवस्था के लिए बजट आवंटित किया जाता है लेकिन इसका प्रभाव जमीनी स्तर पर दिखाई नहीं देता। यह केवल कागजी कार्रवाई बनकर रह जाता है। जब तक इस पर सख्ती से निगरानी और पारदर्शिता नहीं लाई जाएगी, तब तक स्थिति में सुधार की उम्मीद करना व्यर्थ होगा। यहां नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अतिक्रमण, कचरा प्रबंधन में लापरवाही और पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी भी इस संकट को बढ़ाती है। यदि नागरिक स्तर पर जागरूकता और जिम्मेदारी का भाव विकसित किया जाए तो इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

सम्मान नहीं, रणनीतिक विश्वास की मुहर है 'बिंतांग आदिपूर्णा'

आरके जैन

कूटनीति की असली ताकत हाथ मिलाने, औपचारिक स्वागत या साझा तस्वीरों में नहीं, बल्कि उस विश्वास में दिखाई देती है, जिसे कोई राष्ट्र अपने सर्वोच्च सम्मान के जरिए सार्वजनिक रूप से स्वीकार करता है। जकार्ता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'बिंतांग आदिपूर्णा' से सम्मानित किया जाना ऐसा ही ऐतिहासिक क्षण था। फाइटर जेट्स की सलामी और राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के आत्मीय स्वागत ने स्पष्ट कर दिया कि भारत-इंडोनेशिया संबंध अब केवल साझा सांस्कृतिक विरासत तक सीमित नहीं हैं। यह सम्मान दोनों देशों के बीच रणनीतिक विश्वास, साझा भविष्य और क्षेत्रीय जिम्मेदारियों की नई साझेदारी का प्रतीक है। सदियों पुरानी मित्रता अब रक्षा, डिजिटल प्रौद्योगिकी, समुद्री सुरक्षा और आर्थिक सहयोग जैसे नए आधारों पर कहीं अधिक सशक्त होकर उभर रही है। 'बिंतांग आदिपूर्णा' स्वीकार करते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसे 140 करोड़ भारतीयों के नाम कर दिया। यही उस सम्मान का सबसे बड़ा अर्थ भी था। स्वतंत्र भारत में जवाहरलाल नेहरू (1995 में मरणोपरांत) के बाद वे दूसरे भारतीय प्रधानमंत्री हैं जिन्हें यह सम्मान मिला है। वर्ष 1959 में स्थापित यह अलंकरण उन व्यक्तित्वों को दिया जाता है, जिन्होंने इंडोनेशिया की एकता, स्थिरता और समृद्धि में उल्लेखनीय योगदान दिया हो। किसी विदेशी नेता का इससे सम्मानित होना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा, विश्वसनीय नेतृत्व और दोनों देशों के बीच गहरे होते रणनीतिक विश्वास का प्रमाण है। गणतंत्र दिवस 2025 पर राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की भारत यात्रा के बाद हुआ यह जवाबी दौरा भी स्पष्ट करता है कि भारत-इंडोनेशिया संबंध अब केवल औपचारिक कूटनीति नहीं, बल्कि परिणाम देने वाली रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं।

इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि रक्षा सहयोग रही, जिसने भारत-इंडोनेशिया संबंधों को नई रणनीतिक ऊंचाई दी। दोनों देशों के बीच हुए 16 समझौतों में रक्षा क्षेत्र सबसे अहम रहा। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की अतिरिक्त बैटरियों की खरीद, एस्ट्रा बियॉन्ड विजुअल रेंज एयर-टू-एयर मिसाइल से जुड़े समझौते और संयुक्त उत्पादन की संभावनाओं ने साबित कर दिया कि भारत अब केवल हथियार आयातक नहीं, बल्कि विश्वसनीय रक्षा प्रौद्योगिकी साझेदार बन चुका है। 'ऑपरेशन सिंदूर' में एस्ट्रा मिसाइल के युद्ध-प्रमाणित प्रदर्शन ने इंडोनेशिया का भरोसा और मजबूत किया। फिलीपींस के बाद इंडोनेशिया का ब्रह्मोस से जुड़ना भारत के रक्षा निर्यात के लिए एक और बड़ी उपलब्धि होगी। ये समझौते केवल हथियारों के सौदे नहीं, बल्कि हिंद-प्रशांत की सुरक्षा व्यवस्था को अधिक संतुलित, सक्षम और मजबूत बनाने की दिशा में निर्णायक कदम हैं। रणनीतिक दृष्टि से साबांग पोर्ट का संयुक्त विकास इस यात्रा की सबसे दूरगामी उपलब्धियों में है। मलक्का जलडमरूमध्य के निकट स्थित यह बंदरगाह वैश्विक समुद्री व्यापार का अहम केंद्र है और ग्रेट निकोबार परियोजना से इसकी निकटता भारत के लिए इसे और अधिक महत्वपूर्ण बनाती है। इससे समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, नौवहन और व्यापारिक लॉजिस्टिक्स में दोनों देशों की क्षमता मजबूत होगी। वहीं, निकल, स्टील और रेयर अर्थ मैग्नेट्स जैसे क्रिटिकल मिनरल्स में निवेश पर सहमति भविष्य की औद्योगिक अर्थव्यवस्था के लिए निर्णायक कदम है। दुनिया के सबसे बड़े निकल उत्पादक इंडोनेशिया और ईवी व नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से बढ़ते भारत की यह साझेदारी चीन-निर्भर आपूर्ति श्रृंखला का प्रभावी विकल्प बन सकती है। यही सहयोग ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक आत्मनिर्भरता की मजबूत बुनियाद भी रखेगा।

डिजिटल सहयोग ने इस यात्रा को भविष्य की शासन व्यवस्था से जोड़ दिया। भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता इस दौरे में भी साफ दिखाई दी। यूपीआई के विस्तार, इंडोनेशिया के अनुरूप इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन विकसित करने और आईआईएम बेंगलुरु के साथ प्रबंधन व प्रशासनिक क्षमता निर्माण पर हुए समझौते आधुनिक सुशासन की नई दिशा दिखाते हैं। वहीं, इसरो-बीआरआईएन के बीच अंतरिक्ष सहयोग तथा कृषि, स्वास्थ्य, दूरसंचार और स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े समझौते बताते हैं कि भारत-इंडोनेशिया संबंध अब पारंपरिक कूटनीति से आगे बढ़कर नवाचार, प्रौद्योगिकी, ज्ञान और मानव संसाधन विकास पर आधारित व्यापक रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं, जिसका लाभ आने वाले वर्षों में दोनों देशों को मिलेगा।

मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में यह साझेदारी और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। हिंद-प्रशांत आज रणनीतिक प्रतिस्पर्धा और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का प्रमुख केंद्र है। ऐसे दौर में स्वतंत्र, खुला और समृद्ध हिंद-प्रशांत के प्रति भारत और इंडोनेशिया का साझा संकल्प पूरे क्षेत्र को स्थिरता का सकारात्मक संदेश देता है। रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा, मानवीय सहायता, आपदा प्रबंधन और क्षेत्रीय स्थिरता से जुड़े समझौते इस दृष्टि को ठोस आधार देते हैं। लगभग 24 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को अधिक संतुलित और व्यापक बनाने की दिशा में भी यह यात्रा महत्वपूर्ण साबित होगी।

चौबीस साल बाद मिला इंसाफ

अजय कुमार

लखनऊ की अदालत से आया फैसला केवल एक चर्चित हत्या के मुकदमे का अंत नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था के सबसे लंबे और चर्चित आपराधिक मुकदमों में से एक की निर्णायक परिणति भी है। करीब 24 साल तक चली सुनवाई, सैकड़ों तारीखें, बदलते हालात, गवाहों की मौत और लंबी कानूनी लड़ाई के बाद विशेष सीबीआई अदालत ने अधिवक्ता और लखनऊ बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष इंद्रदेव सिंह की हत्या के मामले में शूटर विक्रम यादव उर्फ कालिया, पन्ना सिंह और बृजेश कुमार यादव उर्फ मुन्ना को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने विक्रम यादव और बृजेश यादव पर 60-60 हजार रुपये तथा पन्ना सिंह पर 30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। साथ ही निर्देश दिया कि जुर्माने की 80 प्रतिशत राशि मृतक की पत्नी नयनतारा को दी जाएगी। 8 अगस्त 2002 की सुबह लखनऊ के जिलाधिकारी कार्यालय के पीछे हुई यह हत्या उस समय पूरे प्रदेश में सुर्खियों में आ गई थी। इंद्रदेव सिंह रोज की तरह अपने घर से कचहरी के लिए निकले थे। जैसे ही वह जिलाधिकारी कार्यालय के पीछे पहुंचे, पहले से घात लगाए स्कूटर सवार बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। दिनदहाड़े हुई इस हत्या ने वकालत जगत में भारी आक्रोश पैदा कर दिया। पूरे प्रदेश के अधिवक्ताओं ने आंदोलन शुरू कर दिया और सरकार पर मामले की निष्पक्ष जांच का दबाव बढ़ गया। इसी दबाव के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने 11 अगस्त 2002 को मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की सिफारिश की और 4 सितंबर 2002 को केंद्र सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी। हत्या के तुरंत बाद इंद्रदेव सिंह की पत्नी नयनतारा ने कैसरबाग कोतवाली में तत्कालीन मंत्री रामकुमार वर्मा, सुरजन लाल वर्मा, डॉ. सुषमा वर्मा और सुरेश वर्मा के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। हालांकि सीबीआई की विस्तृत जांच में इन चारों के खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिला और उन्हें क्लीन चिट दे दी गई। इसके बाद जांच की दिशा पूरी तरह बदल गई। सीबीआई ने तकनीकी साक्ष्यों, गवाहों के बयान और आर्थिक लेन-देन की पड़ताल के आधार पर छह नए आरोपियों को चिन्हित किया। इनमें विक्रम यादव उर्फ कालिया, पन्ना सिंह, बृजेश कुमार यादव, मुन्नालाल गुप्ता, वेद प्रकाश उर्फ नेता और छोटेलाल उर्फ छोटू यादव शामिल थे। मुकदमे के दौरान मुन्नालाल, वेद प्रकाश और छोटेलाल की मृत्यु हो गई, जबकि बाकी तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलता रहा। सीबीआई की चार्जशीट ने इस हत्याकांड की पूरी साजिश का खुलासा किया। जांच में सामने आया कि हत्या किसी अचानक हुए विवाद का परिणाम नहीं थी, बल्कि इसकी योजना जुलाई 2002 में बनाई गई थी। बृजेश यादव ने इंद्रदेव सिंह की हत्या की पूरी रूपरेखा तैयार की। छोटेलाल उर्फ छोटू को हत्या कराने के लिए 50 हजार रुपये की सुपारी दी गई, जिसमें 10 हजार रुपये एडवांस दिए गए। वारदात के लिए जिस स्कूटर का इस्तेमाल होना था, उसका रंग बदलवाया गया ताकि पुलिस पहचान न कर सके। इतना ही नहीं, दिल्ली का रजिस्ट्रेशन नंबर भी घटना से पहले हटा दिया गया। अदालत ने माना कि वारदात के समय स्कूटर बृजेश यादव चला रहा था, जबकि पीछे बैठे विक्रम यादव उर्फ कालिया ने इंद्रदेव सिंह को बेहद नजदीक से गोली मारकर हत्या की। पन्ना सिंह पूरी साजिश का सक्रिय सदस्य था और उसने योजना को अंजाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि हत्या के बाद सुपारी की रकम आरोपियों के बीच बांटी गई।

जुगाड़ के अस्तबल में रेशमी गधे

सुरेश कुमार मिश्रा

वह जो नुक्कड़ वाले शर्मा जी हैं न, उनके चेहरे पर कल सुबह से एक अजीब सी रूहानी चमक तैर रही है। कल ही उनके सुपुत्र को शहर के सबसे नामी कॉलेज में 'सहानुभूति कोटे' से दाखिला मिला है। दाखिला तो खैर क्या मिला, विधाता ने उनकी सात पीढ़ियों के पाप एक झटके में धो दिए। शर्मा जी लाठी टेककर गली-गली इस तरह इठलाते घूम रहे हैं जैसे उन्होंने मुगल सल्तनत का आखिरी किला फतह कर लिया हो। उनका सीना छप्पन इंच से बढ़कर सीधे कुतुब मीनार की ऊंचाई को छूने लगा है। समाज का दस्तूर भी बड़ा कातिल है हुजूर, जब तक जेब में सिक्का खनकता नहीं, तब तक लोग आपकी खंकार को भी बदतमीजी मान लेते हैं। मगर आज वही शर्मा जी जब सरेराह पान की पीक थूकते हैं, तो मोहल्ले के बुद्धिजीवी उसमें भी कलात्मकता और आधुनिक विद्रोही चेतना की तलाश करने लगते हैं। यह नए जमाने का नया शास्त्र है, जहां असफलता को यदि चाशनी में डुबोकर बेचा जाए, तो लोग उसे ईश्वरीय प्रसाद मानकर माथे से लगा लेते हैं।हमारे देश में तरक्की का पैमाना अब अक्ल से नहीं, बल्कि इस बात से तय होता है कि आप अपनी बेअक्ली को कितने ऊंचे सुर में गा सकते हैं। जिस लड़के ने जीवन भर सिर्फ मोबाइल की स्क्रीन पर अंगूठे घिसे हों, वह अचानक ज्ञान का ऐसा कल्पवृक्ष बन जाता है कि बड़े-बड़े धुरंधर उसके सामने पानी भरने लगते हैं। डिग्रियों के इस थोक बाजार में मेधावी बच्चे दीवारों पर सिर पटक रहे हैं और जुगाड़ू लोग मलाई काट रहे हैं। कुम्हार का गधा भी अगर रेशमी झूल ओढ़ ले, तो लोग उसे अस्तबल का सबसे शरीफ घोड़ा मानने को मजबूर हो जाते हैं। व्यवस्था की मेज पर बैठे हुक्मरान ऐसी फाइलें तैयार करते हैं जिनमें भुखमरी का इलाज केवल विज्ञापनों की रंगीन तस्वीरों में ढूंढ लिया जाता है। असलियत यह है कि जब तक आम आदमी की रीढ़ की हड्डी को तोड़कर उसे सीधा खड़ा होने का हुनर सिखाया जाएगा, तब तक ऐसी ही चमत्कारिक सफलताएं चौराहों पर नाचती रहेंगी।चाय की टपरी पर बैठे मुंशी जी कल कह रहे थे कि कलयुग में सच बोलना वैसा ही है जैसे जलती भट्ठी में नंगे बदन कूद जाना। उनकी बात में जो कड़वाहट थी, वह दरअसल उनके अपने अनुभवों की सड़ी हुई फसल थी। आज के दौर में ईमानदारी एक ऐसा पुराना सिक्का बन चुकी है जिसे भिखारी भी लेने से मना कर देता हो। अगर आपको इस रंगमंच पर टिकना है, तो अपने जमीर को किसी कबाड़ी की दुकान पर गिरवी रखना ही होगा। जो जितना बड़ा बगुला भगत है, उसकी कद्र उतनी ही ज्यादा है। गंगा नहाने से पाप धुलते हैं या नहीं, यह तो विधाता जाने, पर हां, सफेद कुर्ते-पाजामे की क्रीज अगर दुरुस्त हो, तो समाज आपके हर काले कारनामे को शिष्टाचार का नाम दे देता है। लोग भेड़चाल के इस कदर आदी हो चुके हैं कि अगर आगे वाला कुएं में कूदेगा, तो पीछे वाले अपनी बारी के लिए बकायदा कतार में खड़े होकर कूपन कटवाएंगे।

बचपन में पढ़ा था कि मेहनत का फल मीठा होता है, पर बड़े होकर मालूम हुआ कि वह फल दरअसल सिर्फ उन्हीं को मिलता है जो पेड़ की रखवाली करने वालों की चमचागिरी में माहिर होते हैं। आज का युवा किताबों के पन्ने नहीं पलटता, वह तो बस रील की दुनिया में अपने वजूद के चीथड़े उड़ा रहा है। अंगूठे के एक स्वाइप से जिंदगी की दिशा तय हो रही है। देश की सबसे बड़ी अदालतें और दफ्तर चाहे जो कहें, पर असली फैसले तो अब सोशल मीडिया की उन संकरी गलियों में होते हैं जहां नफरत मुफ्त में बंटती है और समझदारी पर टैक्स लगा दिया जाता है। कस्तूरी कुंडल बसै, मृग ढूंढे बन माहि वाली हालत इस पूरे तंत्र की हो चुकी है। हम बाहर की चकाचौंध में उस अंधेरे को भूल चुके हैं जो धीरे-धीरे हमारी अगली नस्लों के भीतर घर करता जा रहा है।

बाजार ने हमारे रिश्तों की ऐसी बोलियां लगाई हैं कि अब सगे भाई भी एक-दूसरे से मिलने का समय बकायदा डायरी देखकर तय करते हैं। संवेदनाएं अब केवल शोक संदेशों के व्हाट्सएप स्टेटस तक सिमट कर रह गई हैं। रोने के लिए भी अब रुदालियों की जरूरत नहीं पड़ती, बस एक दुखद इमोजी भेजिए और अपनी सामाजिक जिम्मेदारी से मुक्त हो जाइए। कफन बेचने वाले भी अब लाश की लंबाई देखकर कफन का कपड़ा तय करते हैं कि कहीं मुनाफा कम न रह जाए।

'बेटा कभी मां-बाप से गले मिलकर भी रो लेना'

सभी लड़कों को सलाह, कहो दिल की बात

आपने यह बात तो कई लोगों के मुंह से सुनी होगी कि 'मर्द नहीं रोते' और जो मर्द रोते हैं, वे कमजोर होते हैं। सुनने में यह लाइन भले ही छोटी लगे, लेकिन इसका लड़कों के मन पर बहुत गहरा असर पड़ता है। यही वजह है कि वे बचपन से ही अपनी फीलिंग्स छुपाना सीख जाते हैं, जिसका असर आगे चलकर उनकी जिंदगी पर भी पड़ता है। इसी सोच पर बात करते हुए स्टोरीटेलर विनोद कुमार शर्मा ने अपने एक वीडियो में कहा कि लड़कों को हर समय मजबूत दिखने की जरूरत नहीं है। उनके मुताबिक, लड़के भी रोते हैं, टूटते हैं और उन्हें भी अपने मन की बात किसी अपने से खुलकर कहनी चाहिए। आइए जानते हैं उन्होंने इस बारे में क्या कहा।

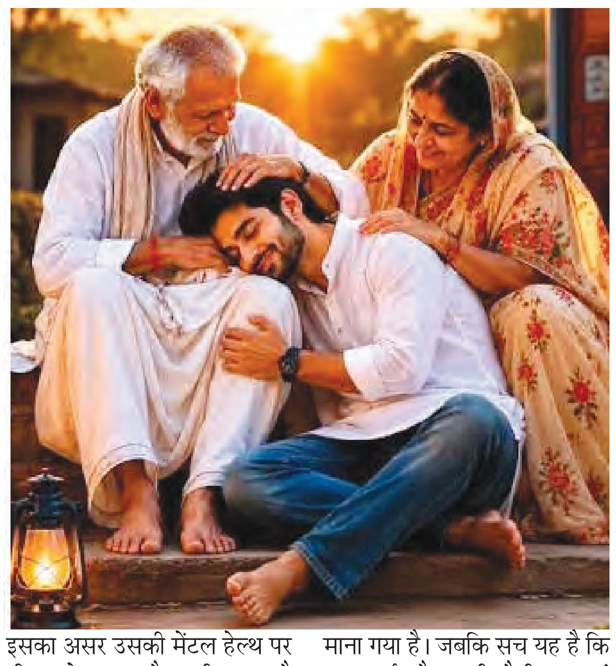

बचपन की सीख बनती है परेशानी की वजह

विनोद कुमार शर्मा कहते हैं कि बचपन से ही लड़कों को यह सिखाया जाता है कि उन्हें हर सिचुएशन में मजबूत दिखना है। यही वजह है कि वे अपनी प्रॉब्लम किसी से शेयर करने के बजाय अकेले ही दर्द सहना पसंद करते हैं।

बाहर से वे भले ही बिल्कुल नॉर्मल दिखाई दें, लेकिन अंदर ही अंदर उनका मन भारी होने लगता है। जब इंसान अपनी फीलिंग्स को लगातार दबाकर रखता है, तो इसका असर उसकी मेंटल हेल्थ पर भी पड़ने लगता है। यही वजह है कि बचपन से मिली यह सीख धीरे-धीरे लड़कों की मेंटल हेल्थ और रिश्तों, दोनों पर बुरा असर डालने लगती है।

रोकर दिल हल्का करना सिर्फ महिलाओं के लिए नहीं

सोसायटी की इसी दकियानूसी सोच पर बात करते हुए विनोद कुमार शर्मा कहते हैं कि सदियों से रोने को सिर्फ महिलाओं की भावनाएं जाहिर करने का तरीका माना गया है। जबकि सच यह है कि दुख, दर्द और खुशी जैसी भावनाएं हर इंसान के अंदर होती हैं। रो लेने से मन हल्का होता है, लेकिन लड़कों पर बचपन से ही अपनी फीलिंग्स छुपाने का दबाव बना दिया जाता है। उन्हें ऐसा महसूस कराया जाता है कि अगर वे अपनी फीलिंग्स जाहिर करेंगे, तो उन्हें कमजोर समझा जाएगा।

मां-बाप के गले लगकर रो लेना

मर्दों को अपनी फीलिंग्स एक्सप्रेस करने के लिए इंस्पायर करते हुए विनोद शर्मा कहते हैं कि अगर कभी मन बहुत ज्यादा भारी हो जाए, तो अपने पेरेंट्स से गले मिलकर रो लें, अपनी बहन से दिल की बात कह दें या अगर आपका पार्टनर है, तो उससे खुलकर बात करें। उनका कहना है कि जो लोग आपसे सच में प्यार करते हैं, वे आपकी बात जरूर सुनेंगे। वहीं, जो लोग दूसरों की बातें सुनते हैं, उनके लिए भी विनोद कुमार का कहना है कि कई बार सिर्फ किसी की बात धैर्य से सुन लेने भर से ही सामने वाले का मन हल्का हो जाता है। इसलिए अगर कोई आपसे अपनी फीलिंग्स शेयर कर रहा है, तो उसे पूरे पेशेंस के साथ सुनना चाहिए।

फीलिंग्स जाहिर करने में है असली ताकत

अपने वीडियो में 'अकड़ तो सिर्फ मुर्दे में होती है, जिंदा इंसान तो इमोशन्स से भरा होता है।' जैसी लाइन शेयर करते हुए विनोद कहते हैं कि असली ताकत अपनी फीलिंग्स को जाहिर करने में है, न कि उन्हें छुपाने में। असल मजबूत आदमी वही है, जब जरूरत पड़ने पर अपने आसपास वाले अपनों से मदद मांगने में घबराता नहीं। इसलिए रोने और अपने मन का बोझ शेयर करने को कमजोरी की नजर से देखना बंद कर देना चाहिए।

मुश्किल समय में पति भी साथ नहीं देगा, बेहतर यही है कि लड़कियां खुद के लिए स्टैंड लेना सीख लें

रिश्तों में कई बार ऐसा समय आता है जब जीवनसाथी हमारा पूरा साथ नहीं दे पाता। ऐसे में खुद पर भरोसा रखना और अपने लिए खड़ा होना बहुत जरूरी हो जाता है। यह हमें सिखाता है कि मुश्किल समय में आत्मनिर्भर बनकर अपने फैसले खुद लेने चाहिए। कहते हैं कि पति-पत्नी का रिश्ता बहुत ही ज्यादा पवित्र होता है। यह दोनों एक-दूसरे के अच्छे-बुरे समय के हमसाथी होते हैं, लेकिन कई बार आपका हमसफर भी मुश्किल समय में मूकदर्शक बन जाता है और आप अकेले पड़ जाते हैं। लेकिन यही वह समय होता है जब जीवन हमें सबसे बड़ा सबक देता है, खुद के लिए खड़ा होना सीखना। क्योंकि हर सिचुएशन में कोई न कोई आपके साथ होगा, इसकी गारंटी नहीं होती, लेकिन आप हमेशा अपने साथ हो सकते हैं। इसलिए समझदारी इसी में है कि आपको अपना स्टैंड लेना खुद से आना चाहिए ताकि जब भी कोई मुश्किल आए तो आपका भरोसा सिर्फ अपने पार्टनर पर ही ना हो, बल्कि आपको खुद पर भी एक यकीन हो कि हालत जो भी हो, आप उसका सामना कर सकते हैं।

उम्मीदों के पीछे छुपा रिश्तों का सच

हर रिश्ते की नींव उम्मीद और विश्वास पर टिकी होती है। हम अपने लाइफ पार्टनर से भी कुछ इसी तरह की उम्मीद रख बैठे हैं, जबकि हर इंसान की एक लिमिटेशन होती है—कभी फैमिली बाउंडेशन तो कभी समाज का डर। हमारा पार्टनर भी कई बार खुलकर हमारा साथ नहीं दे पाता। ऐसे समय में ज्यादा इमोशनल होने या निराश होने के बजाय आपको अपना स्टैंड लेना खुद आना चाहिए।

हर चुप्पी बेवफाई नहीं

भले कोई आपके लिए स्टैंड ले या ना ले, लेकिन जब आपका पार्टनर ही आपके लिए चुप्पी साध लेता है तो सबसे ज्यादा दर्द होता है। उस समय लगता है कि आप शायद सबसे अकेले हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि हर चुप्पी बेवफाई नहीं होती। कई बार इंसान अपने हालात और मजबूरी के कारण भी चुप हो जाता है।

अकेलापन हमें मजबूत बनाता है

भले ही पार्टनर की चुप्पी आपको अंदर ही अंदर कमजोर कर सकती है, लेकिन यह बात हमेशा अपने माइंड में लॉक कर लेनी चाहिए कि एक ऐसा वक्त होता है जिसमें अगर आप संभल गए तो आप अपनी कमजोरी से निकलकर मजबूती की ओर बढ़ते हैं। यह हमें खुद को समझने, अपनी ताकत पहचानने और खुद पर भरोसा करने का मौका देता है।

खुद पर भरोसा ही सबसे बड़ी ताकत है

अपने लाइफ पार्टनर या अन्य किसी रिश्ते पर भरोसा करना अच्छी बात है, लेकिन खुद को कम आंकना शायद आपकी भी बेवकूफी हो सकती है। इसलिए खुद का सहारा बनने के बारे में हमेशा सोचना चाहिए। जब आप खुद पर विश्वास रख लेते हैं, तब आपको किसी और की आवाज की जरूरत नहीं होती, आप अपनी आवाज उठाने के लिए खुद तैयार होते हैं। इसलिए आपकी सबसे बड़ी पूंजी आपका अपना भरोसा या यह कहें कि आत्मविश्वास है।

खुद का स्टैंड कैसे लें

जब भी कोई बात आपको सही न लगे, तो चुप रहने के बजाए शांत तरीके से अपनी बात साफ-साफ बोलना सीखें।

अगर कोई आपकी बात नहीं समझ रहा है, तो हमेशा खुद को ही गलत मान लेना सही नहीं है। अपनी सोच पर भरोसा रखना जरूरी है। खुद फैसले लेने की आदत डालें क्योंकि शायद एक बार आपको निराशा हाथ लग सकती है, लेकिन जब आप इसे आदत बना लेंगे तो कैसे क्या करना है, सीख ही लेंगे।

अगर कोई चीज आपको सही नहीं लगती, तो सीधे मना करना सीख लें ताकि बाद में पछताना न पड़े।

अचानक मोटापा बढ़ने के पीछे हो सकती हैं ये गंभीर वजहें

आजकल बढ़ता वजन सिर्फ अधिक खाने की वजह से नहीं, बल्कि बदलती जीवनशैली, तनाव, हार्मोनल बदलाव और कई स्वास्थ्य समस्याओं के कारण भी हो सकता है। कई लोग नियमित व्यायाम और संतुलित आहार लेने के बावजूद अचानक वजन बढ़ने की शिकायत करते हैं। ऐसे में इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज करना सही नहीं है, क्योंकि कई बार यह शरीर में हो रहे किसी बदलाव या बीमारी का संकेत भी हो सकता है।

यदि बिना किसी स्पष्ट कारण के आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है, तो इसकी असली वजह जानना और समय रहते सही कदम उठाना जरूरी है। आइए जानते हैं कि अचानक वजन बढ़ने के पीछे कौन-कौन से कारण हो सकते हैं और किन संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। अचानक वजन बढ़ने के प्रमुख कारण

थायरॉयड की समस्या

थायरॉयड ग्रंथि शरीर के मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाती है। जब थायरॉयड हार्मोन का उत्पादन कम हो जाता है, तो शरीर की कैलोरी बर्न करने की क्षमता धीमी हो सकती है। इसके कारण कम खाना खाने के बावजूद वजन बढ़ने लगता है। हाइपोथायरॉयडिज्म में वजन बढ़ने के अलावा थकान, कमजोरी, ज्यादा ठंड लगना, कब्ज, बाल झड़ना, त्वचा का रूखापन और मूड में बदलाव जैसे लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं। अगर बिना किसी बड़े बदलाव के लगातार वजन बढ़ रहा है, तो थायरॉयड की जांच कराना फायदेमंद हो सकता है।

शारीरिक गतिविधि की कमी

आज की लाइफस्टाइल में लंबे समय तक बैठकर काम करना, मोबाइल या लैपटॉप का ज्यादा इस्तेमाल और एक्सरसाइज की कमी वजन बढ़ने की बड़ी वजह बन सकती है। जब शरीर कम सक्रिय रहता है तो रोजाना खर्च होने वाली कैलोरी कम हो जाती है और अतिरिक्त कैलोरी फैट के रूप में जमा होने लगती है। ऑफिस में लगातार बैठना, पैदल कम चलना और दिनभर कम मूवमेंट करने से धीरे-धीरे पेट और शरीर के अन्य हिस्सों में चर्बी बढ़ सकती है। रोजाना थोड़ी देर वॉक, योग या हल्की एक्सरसाइज वजन को नियंत्रित रखने में मदद कर सकती है।

जरूरत से ज्यादा कैलोरी लेना

वजन बढ़ने का सबसे सामान्य कारण शरीर की जरूरत से ज्यादा कैलोरी लेना है। फास्ट फूड, तली हुई चीजें, मिठाइयां, कोल्ड ड्रिंक, पैकेज्ड स्नैक्स और अधिक चीनी वाले खाद्य पदार्थों में कैलोरी ज्यादा होती है। कई बार लोग कम मात्रा में खाना खाने के बावजूद हाई-कैलोरी फूड का सेवन करते हैं, जिससे शरीर में अतिरिक्त ऊर्जा जमा होने लगती है। लंबे समय तक ऐसी डाइट लेने से मोटापा बढ़ सकता है और डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं का खतरा भी बढ़ सकता है।

तनाव और हार्मोनल बदलाव

लगातार तनाव में रहने से शरीर में कोर्टिसोल नामक हार्मोन का स्तर बढ़ सकता है। यह हार्मोन भूख को प्रभावित कर सकता है और व्यक्ति को ज्यादा मीठा, तला हुआ या हाई-कैलोरी भोजन खाने की इच्छा हो सकती है। तनाव के कारण कई लोग भावनात्मक रूप से ज्यादा खाने लगते हैं, जिसे Emotional Eating कहा जाता है। इसके अलावा तनाव नींद को भी प्रभावित करता है, जिससे वजन बढ़ने की संभावना और बढ़ सकती है।

नींद की कमी

अच्छी नींद शरीर के हार्मोन बैलेंस और मेटाबॉलिज्म के लिए जरूरी होती है। जब कोई व्यक्ति लगातार कम नींद लेता है, तो भूख को नियंत्रित करने वाले हार्मोन प्रभावित हो सकते हैं। नींद पूरी न होने पर भूख बढ़ाने वाला हार्मोन बढ़ सकता है और पेट भरा होने का एहसास कराने वाला हार्मोन (Leptin) कम हो सकता है। इससे बार-बार खाने की इच्छा बढ़ती है और वजन बढ़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, वयस्कों के लिए नियमित और पर्याप्त नींद लेना जरूरी है।

हार्मोनल बदलाव

शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव भी अचानक वजन बढ़ने का कारण बन सकते हैं। महिलाओं में PMOS, गर्भावस्था और मेनोपॉज के दौरान हार्मोन में बदलाव के कारण वजन बढ़ने की समस्या देखी जाती है। PMOS में इंसुलिन रेजिस्टेंस और हार्मोन असंतुलन के कारण पेट के आसपास फैट बढ़ सकता है। वहीं मेनोपॉज के दौरान एस्ट्रोजन हार्मोन में कमी से मेटाबॉलिज्म प्रभावित हो सकता है।

कुछ दवाओं का असर

कुछ दवाएं शरीर के वजन को प्रभावित कर सकती हैं। कुछ एंटीडिप्रेसेंट, स्टेरॉयड, मिर्गी की दवाएं और कुछ अन्य दवाओं के सेवन से भूख बढ़ सकती है या शरीर में पानी जमा हो सकता है, जिससे वजन बढ़ा हुआ दिखाई दे सकता है। हालांकि, डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा बंद नहीं करनी चाहिए। अगर किसी दवा के बाद वजन तेजी से बढ़ रहा है, तो डॉक्टर से संपर्क करके सही विकल्प के बारे में सलाह लेनी चाहिए।

उम्र बढ़ना

उम्र बढ़ने के साथ शरीर का मेटाबॉलिज्म धीरे-धीरे कम हो सकता है। इसके अलावा उम्र बढ़ने पर मांसपेशियों की मात्रा कम होने लगती है, जिससे शरीर कम कैलोरी खर्च करता है।

अगर खानपान पहले जैसा ही रहे लेकिन शारीरिक गतिविधि कम हो जाए, तो वजन बढ़ना स्वाभाविक हो सकता है। उम्र बढ़ने के साथ प्रोटीन युक्त आहार, नियमित व्यायाम और एक्टिव लाइफस्टाइल वजन को नियंत्रित रखने में मदद कर सकते हैं।

हाथ-पैरों में झुनझुनी और कमजोरी तो हो सकती है विटामिन B12 की कमी

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सभी विटामिन और मिनरल्स की सही मात्रा में जरूरत होती है। इन्हीं में से एक जरूरी पोषक तत्व है विटामिन B12, जो शरीर में रेड ब्लड सेल्स बनाने, नसों के सही कामकाज और ऊर्जा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आजकल बदलती लाइफस्टाइल, अनियमित खानपान और पोषण की कमी के कारण कई लोगों में विटामिन B12 की कमी देखने को मिल रही है। खासतौर पर शाकाहारी लोगों में इसकी कमी का खतरा अधिक देखा जाता है, क्योंकि विटामिन B12 मुख्य रूप से पशु आधारित खाद्य पदार्थों में पाया जाता है।

अगर हेल्थ चेकअप में आपके शरीर में विटामिन B12 की कमी सामने आई है, तो डाइट और सही जीवनशैली में बदलाव करके इसे काफी हद तक सुधारा जा सकता है। आइए जानते हैं विटामिन B12 की कमी दूर करने के आसान उपाय।

विटामिन B12 की कमी के सामान्य लक्षण

लगातार थकान और कमजोरी

हाथ-पैरों में झुनझुनी या सुन्नपन

चक्कर आना

त्वचा का पीला पड़ना

ध्यान लगाने में परेशानी

मूड में बदलाव

विटामिन B12 की कमी दूर करने के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें

दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन बढ़ाएं

विटामिन B12 की कमी को पूरा करने के लिए दूध और उससे बने उत्पाद अच्छे विकल्प हो सकते हैं। खासतौर पर जो लोग शाकाहारी भोजन करते हैं, उनके लिए डेयरी उत्पाद विटामिन B12 प्राप्त करने का एक आसान माध्यम हो सकते हैं।

दूध, दही, पनीर और चीज जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स में विटामिन B12 के साथ-साथ कैल्शियम और प्रोटीन भी पाया जाता है, जो शरीर की कई जरूरतों को पूरा करने में मदद करते हैं।

अंडा और मांसाहारी खाद्य पदार्थ

जो लोग नॉन-वेज खाते हैं, उनके लिए अंडा, मछली, चिकन और मांस विटामिन B12 के अच्छे प्राकृतिक स्रोत माने जाते हैं। इन खाद्य पदार्थों में मौजूद विटामिन B12 शरीर द्वारा आसानी से इस्तेमाल किया जा सकता है।

अंडे की जर्दी में विटामिन B12 पाया जाता है। वहीं, मछली और चिकन में प्रोटीन के साथ कई अन्य जरूरी पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं। नियमित और संतुलित मात्रा में इनका सेवन शरीर में विटामिन B12 के स्तर को बनाए रखने में मदद कर सकता है।

फोर्टिफाइड फूड्स का सेवन करें

जो लोग शाकाहारी हैं या डेयरी उत्पादों का सेवन नहीं करते, उनके लिए फोर्टिफाइड फूड्स विटामिन B12 का अच्छा विकल्प हो सकते हैं। फोर्टिफाइड फूड्स वे खाद्य पदार्थ होते हैं जिनमें अतिरिक्त रूप से विटामिन और मिनरल्स मिलाए जाते हैं।

कई ब्रेकफास्ट सीरियल्स, प्लांट-बेस्ड मिल्क जैसे सोया मिल्क या बादाम मिल्क और न्यूट्रिशनल यीस्ट में विटामिन B12 मिलाया जाता है। इन्हें अपनी रोजाना की डाइट में शामिल करके शरीर में इस पोषक तत्व की कमी को कम किया जा सकता है।

डॉक्टर की सलाह से सप्लीमेंट लें

अगर शरीर में विटामिन B12 की कमी काफी ज्यादा हो गई है, तो केवल भोजन के जरिए इसकी भरपाई करना मुश्किल हो सकता है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर विटामिन B12 सप्लीमेंट, टैबलेट या इंजेक्शन की सलाह दे सकते हैं।

विटामिन B12 की कमी का इलाज व्यक्ति की उम्र, स्वास्थ्य स्थिति और कमी के स्तर के आधार पर किया जाता है। इसलिए बिना जांच और डॉक्टर की सलाह के लंबे समय तक सप्लीमेंट लेना उचित नहीं है।

अपनी लाइफस्टाइल में सुधार करें

विटामिन B12 की कमी को दूर करने के लिए सिर्फ डाइट ही नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली भी जरूरी है। शरीर को सभी पोषक तत्वों का सही लाभ मिले, इसके लिए संतुलित भोजन, पर्याप्त नींद और नियमित शारीरिक गतिविधि जरूरी है। तनाव, खराब खानपान और अनियमित दिनचर्या शरीर की ऊर्जा और पोषण स्थिति को प्रभावित कर सकती है। इसलिए अपनी रोजमर्रा की आदतों में सुधार करें।

बैग में रखे लैपटॉप में चला गया है बारिश का पानी? ऑन करने से पहले जरूर बरतें ये सावधानियां

आजकल ऑफिस का काम हो या कॉलेज की पढ़ाई, लैपटॉप बहुत से लोगों के जीवन का एक अहम हिस्सा बन चुका है। मानसून के इस मौसम में अक्सर ऐसा होता है कि तेज बारिश के कारण वाटरप्रूफ बैग के अंदर भी पानी रिस जाता है और उसमें रखा हमारा कीमती लैपटॉप भीग जाता है।

ऐसी स्थिति में ज्यादातर लोग घबरा जाते हैं और लैपटॉप सही सलामत है या नहीं, यह देखने के लिए उसे तुरंत ऑन (चालू) करने की सबसे बड़ी गलती कर बैठते हैं। भीगे हुए लैपटॉप को बिना सुखाए ऑन करना उसके मदरबोर्ड को हमेशा के लिए फूंक सकता है। इसलिए आइए जानते हैं कि इस स्थिति में आपको कौन सी जरूरी सावधानियां बरतनी चाहिए।

भूलकर भी ऑन न करें और बैटरी निकालें

अगर बैग में रखा लैपटॉप भीग गया है, तो सबसे पहले उसे बंद ही रहने दें और अगर वह ऑन है तो तुरंत शटडाउन करें। इसके बाद चार्जर की पिन को हटा दें। अगर आपके लैपटॉप में बाहर से निकलने वाली बैटरी है, तो उसे तुरंत उसकी बैटरी निकाल दें। ऐसा करने से लैपटॉप के अंदरूनी सर्किट में करंट का बहाव रुक जाता है और शॉर्ट सर्किट का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

बैटरी को तुरंत अलग करें

लैपटॉप को सुरक्षित करने के बाद उससे जुड़े सभी बाहरी उपकरणों को तुरंत निकाल लें। इसमें माउस, पेन ड्राइव, कीबोर्ड, चार्जिंग केबल और हेडफोन जैसी चीजें शामिल हैं। इन सभी को हटाकर एक सूखे कपड़े से साफ कर लें। ऐसा करने से इन डिवाइस के पोर्ट्स के जरिए लैपटॉप के अंदर और ज्यादा पानी जाने का रास्ता बंद हो जाता है।

उल्टा करके पानी निकालें और सुखाएं

अब लैपटॉप की स्क्रीन को पूरा खोलें और उसे किसी सूती कपड़े या तौलिये पर 'V' आकार में (उल्टा करके) रख दें। इससे कीबोर्ड या स्क्रीन के नीचे फंसा हुआ पानी आसानी से बाहर की तरफ निकल जाएगा। इसके बाद एक साफ कपड़े या टिशू पेपर से लैपटॉप के बाहरी हिस्सों, पोर्ट्स और कीबोर्ड पर दिख रहे पानी को हल्के हाथों से अच्छी तरह पोंछकर सुखा लें।

क्या नहीं करें?

गीले लैपटॉप को सुखाने के लिए कभी भी हेयर ड्रायर का इस्तेमाल न करें, क्योंकि इसकी तेज गर्म हवा लैपटॉप के नाजुक प्लास्टिक पार्ट्स और अंदर के कंपोनेंट्स को पिघला सकती है। इसके साथ ही लैपटॉप को चावल के डिब्बे में डालने की गलती भी न करें, चावल के बारीक कण और स्टार्च लैपटॉप के फैन और पोर्ट्स में फंसकर उसे पूरी तरह जाम और खराब कर सकते हैं। इसलिए लैपटॉप को कम से कम 5-7 घंटे के लिए सुखाएं, और जब लगे की वो पूरी तरह सूख गया है, तब उसमें बैटरी लगाकर ऑन करें। ध्यान रखें कभी भी इलेक्ट्रानिक डिवाइस को सुखाने के लिए ऐसी जगह पर रखें जहां की ह्यूमिडिटी सामान्य से अधिक न हो।

समकालीन भारत की परिवर्तन यात्रा का शोधपरक दस्तावेज़

'श्री नरेंद्र मोदी : भारत को विश्वमंच पर स्थापित करने वाले महान नेता'

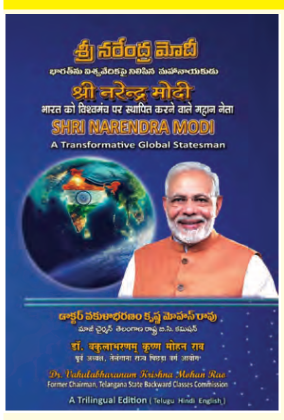

पुस्तक समीक्षा

समकालीन भारत के राजनीतिक, प्रशासनिक और वैश्विक परिदृश्य को समझने के लिए केवल घटनाओं का कालक्रम पर्याप्त नहीं होता, बल्कि उनके पीछे निहित नेतृत्व, नीतिगत दृष्टि, प्रशासनिक निर्णयों और उनके दूरगामी प्रभावों का समग्र अध्ययन भी आवश्यक होता है। वरिष्ठ लेखक एवं शोधकर्ता डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव की त्रिभाषी कृति 'श्री नरेंद्र मोदी : भारत को विश्वमंच पर स्थापित करने वाले महान नेता' इसी दृष्टि से एक महत्त्वपूर्ण और गंभीर अध्ययन के रूप में सामने आती है। लगभग 600 पृष्ठों में विस्तृत यह ग्रंथ किसी राजनीतिक व्यक्तित्व का सामान्य परिचय नहीं, बल्कि समकालीन भारत की शासन व्यवस्था, राष्ट्रीय विकास, वैश्विक कूटनीति, सार्वजनिक नीति तथा परिवर्तनशील भारत की व्यापक यात्रा का दस्तावेज़ है।

पुस्तक की सबसे बड़ी विशेषता इसका व्यापक विषय-विस्तार और सुव्यवस्थित संरचना है। लेखक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन, वैचारिक पृष्ठभूमि और सार्वजनिक जीवन की यात्रा के साथ-साथ आर्थिक सुधारों, डिजिटल परिवर्तन, विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, आधारभूत संरचना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा 'विकसित भारत–2047' जैसे विषयों का क्रमबद्ध और विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया है। विषयों की विविधता इस ग्रंथ को केवल राजनीतिक साहित्य तक सीमित नहीं रहने देती, बल्कि इसे सार्वजनिक नीति और समकालीन भारत अध्ययन के रूप में उपयोगी संदर्भ सामग्री बनाती है। लेखक की लेखन शैली में पत्रकारिता की तथ्यपरकता और शोध की गंभीरता का प्रभावशाली समन्वय दिखाई देता है। घटनाओं को उनके ऐतिहासिक, सामाजिक और प्रशासनिक संदर्भों में प्रस्तुत करने का प्रयास पुस्तक को विशिष्ट बनाता है। विभिन्न अध्यायों में तथ्यों, दस्तावेज़ों और समकालीन संदर्भों का संतुलित उपयोग पाठक को विषय की व्यापक समझ प्रदान करता है। इस ग्रंथ का त्रिभाषी स्वरूप (हिंदी–तेलुगु–अंग्रेज़ी) इसकी उपयोगिता को और अधिक विस्तृत बनाता है। विद्यार्थी, शोधार्थी, पत्रकार, नीति-निर्माता, जनप्रतिनिधि तथा समकालीन भारत के अध्येता एक ही पुस्तक में तीन भाषाओं के माध्यम से समान विषयवस्तु का अध्ययन कर सकते हैं। स्वाभाविक रूप से यह पुस्तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और शासन का सकारात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत करती है। इसलिए इसे समकालीन भारत की नीतियों और प्रशासन पर आधारित एक विशिष्ट विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण के रूप में पढ़ा जाना चाहिए। गंभीर अध्ययन के लिए अन्य प्रामाणिक स्रोतों के साथ इसका तुलनात्मक अध्ययन पाठकों को और अधिक व्यापक दृष्टि प्रदान करेगा।

डॉ. वी कृष्ण मोहन राव

महानायक दिलीप कुमार : यादों में आज भी जीवंत एक महान व्यक्तित्व

नीना शर्मा

6 जुलाई भारतीय सिनेमा के लिए केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भावनाओं से जुड़ा वह दिन है जब अभिनय के शिखर पुरुष, महानायक दिलीप कुमार हमसे सदा के लिए विदा हो गए। यद्यपि समय का यह सत्य अटल था, फिर भी उनके निधन ने पूरे देश और विश्वभर में फैले उनके करोड़ों प्रशंसकों को स्तब्ध कर गया। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए मेरे मन में उनसे जुड़ी अनेक स्मृतियाँ स्वतः ताज़ा हो उठती हैं। ये स्मृतियाँ मेरे जीवन की ऐसी अमूल्य धरोहर हैं जिन्हें मैं सदैव संजोकर रखूंगी।

बचपन से ही मेरे परिवार में फिल्मों का वातावरण था। विशेषकर मेरी माँ को फिल्में देखने का बहुत शौक था और उसी कारण मुझे भी अच्छी फिल्मों और श्रेष्ठ कलाकारों को देखने का अवसर मिला। मेरी प्रारंभिक यादों में मेला, गंगा-जमुना, मधुमती , कोहिनूर जैसी फिल्में आज भी ताज़ा हैं। उन फिल्मों में दिलीप कुमार का अभिनय मुझे भीतर तक प्रभावित करता था। धीरे-धीरे मैं उनकी केवल दर्शक ही नहीं, बल्कि उनकी एक सच्ची प्रशंसक बन गई।

उनकी अभिनय शैली, संवादों की गंभीरता, चेहरे के भाव और हर किरदार को आत्मा से जीने की कला मुझे हमेशा आकर्षित करती रही। उनके साथ अभिनेत्री वहीदा रहमान की जोड़ी मुझे विशेष रूप से पसंद थी। बचपन की मासूम सोच में कई बार मन में यह भी आता था कि काश दोनों वास्तविक जीवन में भी साथ होते।

समय के साथ समझ बढ़ी, लेकिन दिलीप साहब के प्रति सम्मान और स्नेह कभी कम नहीं हुआ।

समय बीतता गया और जीवन मुझे भारत से दूर अमेरिका ले आया। अपने देश और परिवार से दूर जाने का दुःख तो था ही, लेकिन मन में यह कसक भी थी कि शायद अब जीवन में कभी दिलीप कुमार जी से मिलने का अवसर नहीं मिलेगा। फिर भी मन के किसी कोने में यह विश्वास बना रहा कि यदि भाग्य ने साथ दिया तो यह इच्छा अवश्य पूरी होगी।

कुछ समय बाद मुझे पता चला कि अमेरिका के टेक्सास राज्य में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में दिलीप कुमार को सम्मानित किया जाना है। यह समाचार मेरे लिए किसी सुखद आश्चर्य से कम नहीं था। वर्षों से संजोया हुआ सपना मानो साकार होने वाला था। मैं अपनी एक परिचित के साथ उस कार्यक्रम में पहुँची। वहाँ देश-विदेश से आए लोगों की भीड़ थी और हर व्यक्ति की आँखों में उनके प्रति सम्मान साफ दिखाई दे रहा था।

कार्यक्रम समाप्त होने के बाद मुझे उनसे मिलने का सौभाग्य मिला। मैंने अपना परिचय दिया और बताया कि मैं भारत से हूँ तथा बचपन से उनकी प्रशंसक रही हूं। उन्होंने अत्यंत स्नेह और विनम्रता के साथ मेरा अभिवादन स्वीकार किया। उनकी मुस्कान, उनकी सरलता और आत्मीय व्यवहार ने मुझे गहराई से प्रभावित किया। उस क्षण मुझे महसूस हुआ कि वे केवल अभिनय के महानायक ही नहीं, बल्कि असाधारण मानवीय गुणों से सम्पन्न एक महान इंसान भी हैं।

कुछ समय बाद मुझे उनसे दोबारा मिलने का अवसर मिला। इस बार वातावरण पहले से अधिक आत्मीय था। मुझे देखकर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, आप फिर आ गईं? उनके इन सहज शब्दों ने मेरे मन को गहराई तक छू लिया। इतनी ऊँचाइयों पर पहुँचने के बाद भी उनके व्यक्तित्व में न कोई अहंकार था और न ही किसी प्रकार का दिखावा। उनकी यही सादगी उन्हें लाखों-करोड़ों लोगों के दिलों के और भी करीब ले जाती थी।

इस मुलाकात के दौरान उनकी धर्मपत्नी सायरा बानो से मिलने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ। उन्होंने अत्यंत स्नेह और आत्मीयता के साथ हमारा स्वागत किया। उनके व्यवहार में कहीं भी औपचारिकता नहीं थी। ऐसा महसूस हुआ जैसे वर्षों से परिचित किसी अपने परिवार से मिल रही हूँ। उस दिन मैंने बहुत निकट से देखा कि एक महान कलाकार के पीछे एक स्नेहमयी, संवेदनशील और संस्कारी परिवार भी खड़ा होता है।

बातचीत के दौरान दिलीप कुमार ने भारतीय सिनेमा, अभिनय और जीवन के अनेक पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। उनका मानना था कि अभिनय केवल संवाद बोलने की कला नहीं, बल्कि हर चरित्र की आत्मा को समझकर उसे पूरी ईमानदारी से जीने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि कलाकार की सबसे बड़ी पूँजी उसकी लोकप्रियता नहीं, बल्कि उसकी सच्चाई, अनुशासन और अपने काम के प्रति समर्पण होता है। उनके ये शब्द आज भी मेरे मन में उसी तरह अंकित हैं, जैसे किसी गुरु का अमूल्य उपदेश।

मैंने अनुभव किया कि जितने बड़े वे पर्दे पर दिखाई देते थे, उससे कहीं अधिक बड़े वे अपने व्यवहार और व्यक्तित्व में थे। उनकी विनम्रता, संवेदनशीलता और दूसरों के प्रति सम्मान का भाव आज भी मुझे प्रेरित करता है। उनसे हुई हर मुलाकात ने मुझे यह सिखाया कि सच्ची महानता प्रसिद्धि या उपलब्धियों में नहीं, बल्कि सरलता, मानवीय मूल्यों और दूसरों के प्रति सम्मान में होती है।

जब विदा लेने का समय आया तो मन अत्यंत भावुक हो उठा। मैंने श्रद्धापूर्वक उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने स्नेहभरी मुस्कान के साथ कहा कि जीवन में हमेशा सकारात्मक सोच रखिए, ईमानदारी से कार्य कीजिए और अपने संस्कारों को कभी मत छोड़िए। उनके ये शब्द मेरे जीवन की अमूल्य धरोहर बन गए। आज भी जब कभी कठिन समय आता है, तो उनकी वही प्रेरणादायक बातें मुझे आगे बढ़ने का साहस देती हैं।

6 जुलाई को उनकी पुण्यतिथि पर उन सभी स्मृतियों को याद करते हुए मन श्रद्धा से भर उठता है। भारतीय सिनेमा में उनका योगदान सदैव स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने अभिनय को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे संवेदनाओं, मानवीय रिश्तों और जीवन-दर्शन की गहराई से जोड़ दिया। उनकी हर फिल्म, हर किरदार और हर संवाद आज भी अभिनय सीखने वालों के लिए एक जीवंत पाठशाला है।

मेरे लिए यह जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है कि मुझे उनसे मिलने, उनके स्नेह और आत्मीयता को अनुभव करने का अवसर मिला। यह स्मृतियाँ मेरे जीवन की सबसे अनमोल धरोहर हैं। दिलीप कुमार आज भले ही हमारे बीच शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं हैं, लेकिन अपने अमर अभिनय, महान व्यक्तित्व, सादगी और मानवीय मूल्यों के कारण वे सदैव करोड़ों भारतीयों के हृदय में जीवित रहेंगे।

उनकी पुण्यतिथि पर मैं उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि उनकी पुण्य आत्मा को शांति प्रदान करें। भारतीय सिनेमा की यह अमूल्य धरोहर आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। विनम्र श्रद्धांजलि।

विंबलडन के पेज पर 'धुरंधर' फेम आयशा खान

यूजर्स ने किया ट्रोल; बोले- पेज हैक हो गया क्या?

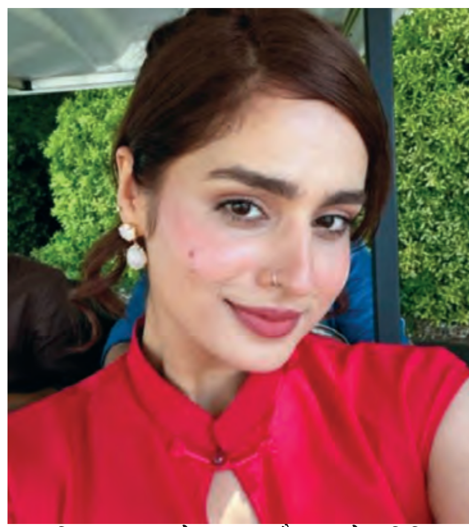

दुनिया का सबसे पुराना और सबसे प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट 'विंबलडन' जारी है, जहां वर्ल्ड के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी अपनी योग्यता साबित करने में लगे हुए हैं। इस बीच अभिनेत्री आयशा खान भी विंबलडन पहुंची, जिसकी तस्वीरें विंबलडन के आधिकारिक पेज ने शेयर की। लेकिन अब इन तस्वीरों पर यूजर्स एक्ट्रेस को काफी ट्रोल कर रहे हैं।

विंबलडन ने शेयर की तस्वीरें

दरअसल, विंबलडन के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट ने एक्ट्रेस आयशा खान की तस्वीरें शेयर की हैं। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा- 'बॉलीवुड स्टार आयशा खान ने सेंटर कोर्ट की शोभा बढ़ाई।' पोस्ट में एक्ट्रेस रेड कलर की शानदार ड्रेस में नजर आ रही हैं। पहली फोटो में आयशा फ्रेड पेरी के स्मारक के पास खड़ी नजर आ रही हैं। बता दें कि फ्रेड पेरी पहले पुरुष खिलाड़ी थे, जिन्होंने पहला विंबलडन जीता था। एक तस्वीर में आयशा विंबलडन की ट्रॉफी पकड़े नजर आ रही हैं। एक अन्य फोटो में एक्ट्रेस टेनिस बॉल पर अपना सिग्नेचर करती दिखाई दे रही हैं। वहीं एक तस्वीर में आयशा आइसक्रीम का लुत्फ उठाती दिख रही हैं। बाकी तस्वीरों में आयशा विंबलडन कोर्ट घूमती नजर आ रही हैं।

यूजर्स ने किया ट्रोल

अब पोस्ट सामने आने के बाद फैंस काफी हैरान नजर आ रहे हैं। कई यूजर्स ये विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि आयशा सच में विंबलडन पहुंची हैं और विंबलडन ने उनकी तस्वीरें शेयर की हैं। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा- 'विंबलडन पेज हैक हो गया है क्या?' वहीं दूसरे ने कमेंट किया- 'उनसे टेनिस के रूल्स के बारे में पूछिए।' एक ने लिखा- 'विंबलडन के पास खबरें खत्म हो गई हैं क्या? क्या है उनकी उपलब्धियां?'

'धुरंधर' गाने से मिली पहचान

आयशा खान ने अपनी शुरूआत एकता कपूर द्वारा निर्मित सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' से की थी। जिसके बाद 'बालवीर रिटर्न्स' में भी काम किया। इसके बाद तेलुगु फिल्म 'मुखचित्रम' में सपोर्टिंग कास्ट के रूप में नजर आयी थीं। हाल हीमें उन्हें 'धुरंधर' के गाने शरारत से पहचान मिली।

आठ घंटे की शिफ्ट के सपोर्ट में अहमद खान

'वेलकम टू द जंगल' के निर्देशक ने फिल्ममेकर्स को दी ये सलाह

निर्देशक अहमद खान अपनी नई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच उन्होंने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट का समर्थन किया है।

मामले पर बंटी है लोगों की राय

जब से ऐसी खबरें आईं कि एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग करते हुए 'स्पिरिट' से किनारा कर लिया, तब से इंडस्ट्री में इस पर बहस चल रही है। आठ घंटे की मांग वाले मामले पर लोगों की राय बंटी हुई है।

अहमद खान ने तीन शिफ्ट में किया काम

अब इस मामले पर अहमद खान ने अपनी राय रखी है। उन्होंने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा 'देखिए मैं उस दौर का हूं, जब हम दिन में 24 घंटे काम करते थे। मैंने तीन शिफ्ट में काम किया है- सुबह सात से दो, दोपहर दो से रात दस और रात नौ बजे से सुबह पांच बजे तक। हम आरके स्टूडियो, फिर फेमस स्टूडियो, फिर फिल्मिस्तान में शूटिंग करते थे, जिसमें आने-जाने का समय भी शामिल होता था। हम सेट पर ही सोते थे। टूथपेस्ट कार में होता था। हम चेंजिंग रूम में नहाते थे।'इतने मुश्किल

शेड्यूल के अपने अनुभव के बावजूद, अहमद खान ने कहा कि आज के एक्टर्स से उसी रूटीन का पालन करने की उम्मीद करना गलत होगा।

एक्टर्स के पास होते हैं दूसरे काम

उन्होंने कहा 'आज के युवा, स्टार्स और एक्टर्स, अगर शूटिंग नहीं कर रहे होते हैं, तो वे पब्लिक अपीयरेंस, ब्रांड एंडोर्समेंट में व्यस्त रहते हैं। शाम को उन्हें कहीं और जाना होता है। उनके पास अन्य काम भी होते हैं। इसलिए, उन्हें शूटिंग के लिए आठ घंटे चाहिए, फिर वे अपने बाकी कामों के लिए फ्री रहना चाहते हैं। यह सही है, जब तक वे काम कर रहे हैं। वे यह नहीं कह रहे हैं कि 'आठ घंटे के बाद हम टेनिस खेलने जा रहे हैं'।'

अहमद खान का सुझाव

डायरेक्टर ने सुझाव दिया कि प्रोड्यूसर और फिल्ममेकर्स को नई सच्चाई के हिसाब से अपने शेड्यूल में बदलाव करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'तो ठीक है, अगर आप आठ घंटे दे रहे हैं, तो हम अपना शेड्यूल आठ घंटे के हिसाब से रखेंगे और आठ घंटे में ही शूटिंग करेंगे। इससे सभी की जिंदगी आसान हो जाएगी।'

अहमद खान का काम

अहमद खान ने हाल ही में फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का निर्देशन किया है। यह फिल्म 26 जून को रिलीज हुई थी। 12 दिनों में इसने 120.55 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

'कैप्टन कूल' को जन्मदिन मुबारक; सीटियां और तेज बजें'

थाला के लिए थलापति विजय ने साझा किया खास पोस्ट

एमएस धोनी 45 वर्ष के हो गए हैं। आज मंगलवार 07 जुलाई को उनका जन्मदिन है। खेल, सिनेमा सहित अलग-अलग क्षेत्र की दिग्गज हस्तियों और प्रशंसकों ने थाला को जन्मदिन की बधाई दी है। उनके इस खास दिन पर मुख्यमंत्री विजय ने भी एक पोस्ट साझा किया है।

विजय ने सीएमओ तमिलनाडु के एक्स (पूर्व में ट्विटर) पेज से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने धोनी के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की है। इसके साथ एक दिलचस्प नोट लिखा है। उन्होंने लिखा है, 'आपके नाम की गूंजती हर सीटी से लेकर उन अनगिनत लोगों तक जिन्हें आपने प्रेरित किया है, आपका सफर तमिलनाडु के खेल-जुनून का एक खास हिस्सा बन गया है'।

विजय ने आगे लिखा है, 'हमारे 'कैप्टन कूल' महेंद्र सिंह धोनी को जन्मदिन की बधाई। आपकी शानदार क्रिकेट विरासत, शांत लीडरशिप और विनम्र स्वभाव पीढ़ियों को प्रेरित कर रही है और करती रहेगी। हम आपकी अच्छी सेहत और खुशी की कामना करते हैं। आने वाले कई वर्षों तक आपकी सफलता के लिए प्रार्थना है। आपके लिए बजने वाली सीटियों की गूंज और भी तेज होती रहे'। बात करें विजय की तो दर्शकों को उनकी 'जन नायकन' का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म को जुलाई के अंत या अगस्त के शुरुआती हफ्ते में रिलीज किया जा सकता है।

बतौर एक्टर इसे विजय की आखिरी फिल्म कहा जा रहा है, क्योंकि अब वे राजनीति की दुनिया में सक्रिय हैं। 'जन नायकन' में विजय, प्रियामणि, पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, नारायण, प्रकाश राज, ममिता बैजू और गौतम वासुदेव मेनन अहम भूमिकाओं में हैं।

कुल्हड़ में बनी बनारसी लस्सी पर भाग्यश्री की हुई खिंचाई

एक्ट्रेस ने पूरी झलक दिखाकर सबकी कर दी बोलती बंद

सलमान खान के साथ 'मैंने प्यार किया' फिल्म से डेब्यू करने वालीं एक्ट्रेस भाग्यश्री ने महादेव की नगरी काशी यात्रा के दौरान लोकल खाने-पीने की चीजों को बढ़ावा देने पर हो रही आलोचना का करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि लोकल फूड और स्थानीय विक्रेताओं को प्रमोट करने से उनकी मदद होती है और कुछ लोग बिना पूरी जानकारी के बेवजह विवाद खड़ा कर रहे हैं।

भाग्यश्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कुल्हड़ में बनारसी लस्सी का आनंद लेती नजर आ रही हैं। उन्होंने बताया कि वह सुबह 3 बजे से मंगला आरती में शामिल हुई थीं और इसके बाद भीषण गर्मी में गंगा घाटों पर पैदल घूमने के दौरान यह लस्सी उनके लिए एनर्जी का बेहतरीन स्रोत बनी।

भाग्यश्री ने वीडियो में बताए लस्सी के फायदे

उन्होंने पोस्ट में लिखा कि लस्सी पर डाले गए सूखे मेवों का स्वाद उन्हें बेहद पसंद आया। उन्होंने यह भी कहा कि मीठी या नमकीन लस्सी पसंद का विषय है। शुगर के मरीजों के लिए मीठी लस्सी सही ऑप्शन नहीं हो सकती, लेकिन दही कैल्शियम, प्रोटीन और प्रोबायोटिक्स से भरपूर होता है, जबकि चीनी या गुड़ एनर्जी देता है और पानी शरीर को हाइड्रेट रखता है। 40 डिग्री तापमान में उनके लिए यह एक आइडियल पेय था।

आलोचना करने वालों से कहा- क्या आप वहां मौजूद थे?

भाग्यश्री ने वायरल हो रहे वीडियो क्लिप पर भी रिएक्शन दिया है जिसमें दावा किया गया कि उन्होंने लस्सी को सिर्फ प्रमोट किया, लेकिन उसे पिया नहीं। उन्होंने कहा, 'क्या आप वहां मौजूद थे? क्या किसी ने मुझे यह कहते सुना कि लस्सी बहुत मीठी है और मैं इसे नहीं पिऊंगी? आधी जानकारी और अधूरा वीडियो शेयर करना ही असली फर्जीवाड़ा है।'

कहा- लोकल फूड को प्रमोट करने से कोई पैसे नहीं कमाता

उन्होंने आगे लिखा, 'लोकल फूड को प्रमोट करने

से कोई पैसे नहीं कमाता। इससे सिर्फ लोकल खाने और छोटे विक्रेताओं को सपोर्ट मिलता है। यह शर्म की बात है कि कुछ खाली दिमाग वाले लोग इतनी साधारण बातों में भी नकारात्मकता ढूंढ लेते हैं। काशी जैसी पवित्र जगह के सामने आपकी बेवजह की आलोचना बेहद महत्वहीन है।'

रवि मोहन ने तोड़ा एक्टिंग ना करने का प्रण, सिनेमा में वापसी की कही बात; कहा- 'फैंस को कभी निराश नहीं करूंगा'

तमिल एक्टर रवि मोहन बीते कुछ दिनों से अपने निजी जीवन को लेकर चर्चाओं में हैं। दरअसल उनका और उनकी पत्नी का तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है।

इस बीच कुछ दिनों पहले उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि जब तक उनका तलाक फाइनल नहीं होता, तब कर वह फिल्मों में ना तो काम करेंगे और न ही उनकी कोई फिल्म थिएटर में रिलीज होगी। लेकिन अब हाल ही में उन्होंने इस प्रण को तोड़ कर एक बड़ा ऐलान किया है।

रवि मोहन ने तोड़ा प्रण

अब हाल ही में एक अवॉर्ड इवेंट के दौरान एक्टर रवि ने साफ कर दिया कि अब वह सिनेमा से दूरी नहीं बनाना चाहते। उन्होंने अपने फैंस और फिल्म इंडस्ट्री के लोगों का शुक्रिया भी अदा किया, जिन्होंने उन्हें अपना फैसला बदलने के लिए प्रेरित किया।

रवि ने कहा कि उन्हें एहसास हुआ कि उनके सिनेमा छोड़ने के ऐलान से उनके चाहने वालों को काफी दुख पहुंचा था।

पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों 50-50

उन्होंने कहा, 'मैं इस साल 46 साल का हो रहा हूं। मेरी जिंदगी का आधा हिस्सा सिनेमा में ही बीता है। यह अफसोस की बात है कि मेरी एक छोटी सी गलती से आप सभी को इतना दुख हुआ। मेरे लिए पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ दोनों 50-50 हैं, लेकिन उस समय पर्सनल लाइफ की भावनाएं थोड़ी ज्यादा हावी हो गई थीं।' उन्होंने कहा, 'मैं थोड़ा इमोशनल हो गया था, लेकिन इंडस्ट्री के हर व्यक्ति ने मुझसे कहा कि 'आप जो भी कहें, हमें मंजूर है, लेकिन आप यह कभी मत कहिए कि आप सिनेमा का हिस्सा नहीं हैं।' मैं उन सभी से माफी मांगता हूं।'

मैं जरूर वापसी करूंगा

फैंस को भरोसा दिलाते हुए रवि ने कहा कि वह नई एनर्जी के साथ वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं अब अपने फैंस को कभी निराश नहीं करूंगा। मैं जरूर वापसी करूंगा। आपकी खुशी, आपका प्यार और आपका समर्थन... मैं फिर से आपके 'पोन्नियिन सेलवन' या 'कराटे बाबू' बनकर लौटना चाहता हूं। जिन्होंने मुझे यह हिम्मत दी, मैं उन्हें दिल से धन्यवाद करता हूं।'

रवि मोहन की आने वाली फिल्में

रवि मोहन के पास कई बड़ी फिल्में हैं। वह राघव लॉरेंस और निविन पॉली के साथ फिल्म 'बेंज' का हिस्सा बने हैं। बतौर डायरेक्टर अपनी पहली फिल्म 'एन ऑर्डिनरी मैन' की शूटिंग कर रहे हैं। उन्होंने फिल्म 'कराथे बाबू' की शूटिंग पूरी कर ली है। इसके अलावा उनकी फिल्म 'जीनी' और कार्तिक योगी की एक फिल्म (जिसका पुराना नाम 'ब्रो कोड' था) भी जल्द ही आने वाली है।

'सतलज' बैन को डीएसजीएमसी ने दिखाया ठेंगा!

डाउनलोड कर सबको दिखाएंगे फिल्म, गुल पनाग बोलीं- मैंने भी वो दौर देखा

दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलज' को ओटीटी पर रिलीज के 48 घंटों के भीतर हटा दिया गया। हनी त्रेहान के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म करीब 4 साल से सेंसर बोर्ड में अटकी थी, जिसके बाद मेकर्स ने इसे सीधे ओटीटी पर रिलीज कर दिया। एक तरफ जहां फिल्म पर लगे बैन की सोशल मीडिया पर आलोचना हो रही है, वहीं मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की इस बायोपिक को लेकर राजनीतिक गहमागहमी भी बढ़ गई है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति (डीएसजीएमसी) ने इस बीच 'सतलज' को भरपूर समर्थन दिया है। ऐलान किया है कि वह जल्द ही फिल्म की स्क्रीनिंग करेंगे और सेमिनार आयोजित करेंगे। लगे हाथ एक्ट्रेस गुल पनाग ने भी दो टूक शब्दों में राय दी है कि देश में अतीत के दर्दनाक पलों की कहानियां सुनाने पर पाबंदी नहीं लगाई जानी चाहिए।

'सतलज' पहले 'पंजाब 95' नाम से बन रही थी, लेकिन चार साल से सेंसर बोर्ड इसे सर्टिफाई नहीं कर रही थी। फिल्म में कथति तौर पर 127 कट्स लगाने को कहा गया था, जिससे मेकर्स नाराज थे। मामला हाई कोर्ट तक पहुंचा। लेकिन अब जब इसे बिना सीबीएफसी सर्टिफिकेट के सीधे

ओटीटी पर रिलीज किया गया, तो 48 घंटों के भीतर ही इसे वहां से हटा दिया गया।

'सतलज' की होगी पब्लकि स्क्रीनिंग, डीएसजीएमसी ने कहा- बैन सही नहीं

ताजा जानकारी के मुताबिक, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति ने घोषणा की है कि वे ओटीटी पर चल रहे 'बैन' के बावजूद 'सतलज' की स्क्रीनिंग करेंगे। डीएसजीएमसी ने फिल्म पर लगे बैन पर आपत्ति जताई है। डीएसजीएमसी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने इस बारे में एक बयान जारी किया है। कहा है, 'यह फिल्म एक्टिविस्ट जसवंत सिंह खालड़ा और 1995 में पंजाब में हुए कथित मानवाधिकार उल्लंघनों और अवैध अंतिम संस्कारों की जांच और उन्हें उजागर करने के उनके प्रयासों के बारे में है और फिल्म पर बैन लगाना सही नहीं है।'

'उस काले दौर की घटनाओं को जनता तक पहुंचाने से रोकना गलत'

हरमीत सिंह कालका ने बयान में आगे कहा है, 'फिल्म दिखाती है कि कैसे एक सामाजिक कार्यकर्ता ने लोगों की आंखें सच्चाई की ओर खोलीं। उन्होंने 'लावारिस' बताकर अंतिम संस्कार किए गए 25,000 शवों के सबूत उजागर किए और पंजाब की गंभीर स्थिति को उजागर करते हुए इस मुद्दे को न केवल देश के भीतर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उठाया। इस कहानी को दबाना और उस काले दौर की घटनाओं को जनता तक पहुंचने से रोकना बेहद गलत है। इसने सिख समुदाय में भारी आक्रोश पैदा किया है।'

स्कूलों और कॉलेजों में आयोजित किए जाएंगे सेमिनार

बयान में आगे कहा कहा गया है, 'हमने सभी गुरुद्वारा कमिटी सदस्यों से कहा है कि वे अपने-अपने इलाकों में फल्मि डाउनलोड करें और उसकी स्क्रीनिंग करें ताकि यह आम लोगों तक पहुंच सके। इसके अलावा, हम जल्द ही अपने स्कूलों और कॉलेजों के चेयरमैन के साथ एक बैठक करेंगे।

जसवंत सिंह खालड़ा की जिंदगी और उनके योगदान पर चर्चा करने के लिए हर कॉलेज में सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। हम चाहते हैं कि लोग समझें कि समाज पर एक अकेला सामाजिक कार्यकर्ता कितना बड़ा असर डाल सकता है। अगर एक व्यक्ति इतना कुछ हासिल कर सकता है, तो कोई वजह नहीं है कि हम सब मिलकर ऐसा क्यों नहीं कर सकते।'

शराब घोटाला: कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल ने किया सरेंडर

कोषाध्यक्ष रहते राजीव भवन में पैसा मंगवाने का आरोप, 3 साल से फरार थे

रायपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब और कोल लेवी घोटाले के आरोपी रामगोपाल अग्रवाल ने 3 साल बाद सरेंडर किया हैं। रामगोपाल कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष है। बुधवार को उन्होंने रायपुर स्थित ईओडब्ल्यू के दफ्तर पहुंचकर आत्मसमर्पण किया।

बता दें कि रामगोपाल अग्रवाल पर कांग्रेस भवन में घोटाले का पैसा मंगवाने का आरोप है। वह लंबे समय से फरार चल रहे थे। हालांकि अधिकारियों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। वहीं, आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) ने उनके बेटे वैभव अग्रवाल से भी लंबी पूछताछ की है।

जानकारी के मुताबिक, बेटे से पूछताछ के दौरान अधिकारियों ने रामगोपाल अग्रवाल के पिछले तीन सालों के ठिकानों, आर्थिक लेन-देन और कथित नेटवर्क से जुड़े कई सवाल किए है। फिलहाल ईओडब्ल्यू ने पूछताछ को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। एजेंसी का कहना है कि जांच जारी है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रामगोपाल अग्रवाल

जानकारी के अनुसार, राम गोपाल अग्रवाल के बेटे वैभव से पूछताछ चली, लेकिन उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई है। ईओडब्ल्यू अब रामगोपाल अग्रवाल के संपर्क में रहे लोगों से जानकारी जुटाकर पूरे आर्थिक नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में लगी है। रामगोपाल अग्रवाल का नाम करीब 3 हजार करोड़ रुपए के कथित शराब घोटाले, 450 करोड़ रुपए के कोल लेवी वसूली मामले और 127 करोड़ रुपए के कस्टम मिलिंग प्रोत्साहन घोटाले की जांच में सामने आया है।

जांच एजेंसियां इन मामलों में कथित धन के प्रवाह, लाभार्थियों और कमीशन के नेटवर्क की पड़ताल कर रही हैं। जानकारी के मुताबिक, रामगोपाल अग्रवाल करीब 3 साल से सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं। इस दौरान उनके देश और विदेश में होने की चर्चाएं भी सामने आती रही हैं। जांच एजेंसियां उनकी लोकेशन और उनसे जुड़े लोगों की भूमिका की भी पड़ताल कर रही हैं। इससे पहले इन मामलों में कांग्रेस संगठन से जुड़े कुछ अन्य लोगों पर भी कार्रवाई हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ का कथित शराब घोटाला राज्य के सबसे बड़े आर्थिक मामलों में से एक माना जाता है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) की जांच के अनुसार, साल 2019 से 2022 के बीच सरकारी शराब बिक्री व्यवस्था में कथित सिंडिकेट बनाकर अवैध शराब की बिक्री, कमीशनखोरी और सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाया गया।

जांच एजेंसियों का आरोप है कि इस पूरे नेटवर्क के जरिए करीब 3,200 करोड़ रुपए का अवैध घोटाला हुआ। मामले में कई आईएएस अधिकारी, आबकारी विभाग के अधिकारी, कारोबारी और राजनीतिक रूप से जुड़े लोगों के नाम सामने आए हैं। हालांकि, आरोपों की न्यायिक पुष्टि अभी नहीं हुई है और मामले की जांच तथा अदालती प्रक्रिया जारी है। छत्तीसगढ़ का कथित कोल लेवी घोटाला वर्ष 2020 से 2022 के बीच कोयला परिवहन और खनन से जुड़े कारोबार में अवैध वसूली के आरोपों से जुड़ा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) के अनुसार, कोयला परिवहन करने वाले कारोबारियों से प्रति टन तय राशि अवैध रूप से वसूली गई।

जांच एजेंसियों का दावा है कि इस नेटवर्क के जरिए करीब 540 करोड़ रुपए की अवैध लेवी वसूली गई। मामले में कई आईएएस अधिकारियों, कारोबारियों, बिचौलियों और राजनीतिक रूप से जुड़े लोगों के नाम सामने आए हैं। हालांकि, सभी आरोपों की न्यायिक पुष्टि अभी नहीं हुई है और मामले की जांच और सुनवाई जारी है।

बारिश से 2 मंजिला दुकान ढही, 6 दबे

लखनऊ, प्रयागराज, 8 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। 24 घंटे में 71 जिलों में बारिश हुई। आगरा में बुधवार दोपहर अंधेरा छा गया। बादलों में ताजमहल छिप गया। बारिश के बीच दो मंजिला दुकान ढह गई। हादसे में 6 लोग मलबे में दब गए। इनमें से 5 को सुरक्षित निकाल लिया गया, जबकि एक महिला लापता है। बारिश के बीच रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मथुरा में भी बारिश के बीच एक जर्जर मकान की दीवार ढह गई। इससे तीन लोग घायल हो गए। प्रयागराज में खेत में काम कर रहे दो लोगों की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। लखनऊ में बुधवार दोपहर 3 बजे दिन में अंधेरा छा गया। इसके बाद से आंधी के साथ तेज बारिश हुई। नोएडा में इतनी बारिश हुई कि सड़कों पर 2 फीट तक पानी भर गया। राहगीरों की बाइकें पानी में फंसकर बंद हो गईं।

हाथरस में सदर कोतवाली में पानी भर गया। सड़कों पर बहाव इतना तेज है कि कारें और बाइकें बहने लगीं। मौसम विभाग ने आज 68 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

महादेव ऐप का संचालक सौरभ चंद्राकर ओमान में अरेस्ट

फर्जी पासपोर्ट से पहुंचने का आरोप, 7 साल से फरार, अब भारत लाने की तैयारी

रायपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप संचालक सौरभ चंद्राकर ओमान में अरेस्ट हुआ है। उस पर फर्जी इंडोनेशियाई पासपोर्ट के जरिए ओमान में प्रवेश करने का आरोप है। चंद्राकर पिछले कुछ समय से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रह रहा था।

फ्री प्रेस जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, सौरभ को भारतीय एजेंसियों द्वारा जारी इंटरपोल के रेड नोटिस के आधार पर रॉयल ओमान पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद भारत सरकार ने उसे वापस लाने के लिए ओमान को औपचारिक प्रत्यर्पण की तैयारियों में जुटी है।

चंद्राकर को ओमान की राजधानी मस्कट स्थित हाई-सिक्योरिटी अल खौद डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। बता दें कि सौरभ चंद्राकर छत्तीसगढ़ के भिलाई का रहने वाला है। वह करीब 5000 करोड़ रुपये के बेटिंग घोटाले का आरोपी है और 2019 से फरार है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सौरभ चंद्राकर के खिलाफ फर्जी

पासपोर्ट के इस्तेमाल और अवैध तरीके से ओमान में प्रवेश करने का मामला दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि उसने अपनी पैरवी के लिए मस्कट में वकीलों की एक टीम भी नियुक्त की है।

सौरभ चंद्राकर महादेव ऑनलाइन बुक मामले के प्रमुख आरोपियों में शामिल हैं। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई हजारों करोड़ रुपये के अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी, मनी लॉन्ड्रिंग और वित्तीय लेन-देन की जांच कर रहे हैं। हाल ही में इंटरपोल की फ़ाइलों के नियंत्रण के लिए आयोग (सीसीएफ) ने चंद्राकर की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ जारी रेड नोटिस हटाने की मांग की थी। चंद्राकर का दावा था कि भारत में उनके खिलाफ मामला राजनीतिक कारणों से दर्ज किया गया है और उन्हें निष्पक्ष सुनवाई नहीं मिलेगी। लेकिन सीसीएफ ने कहा कि मामला वित्तीय अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है, न कि राजनीतिक उत्पीड़न से। इसलिए रेड नोटिस जारी रहेगा।

इंटरपोल रेड नोटिस इंटरपोल द्वारा जारी किया जाने वाला एक अंतरराष्ट्रीय अलर्ट है। इसका उद्देश्य किसी ऐसे आरोपी या दोषी व्यक्ति का पता लगाना और उसे अस्थायी रूप से हिरासत में लेना होता है, ताकि बाद में उसका प्रत्यर्पण या कानूनी कार्रवाई की जा सके। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सौरभ चंद्राकर ने सीसीएफ में सुनवाई के दौरान ही यूएई छोड़ दिया था। अधिकारियों का मानना है कि फर्जी पासपोर्ट के जरिए ओमान में प्रवेश करना उसकी एक सोची-समझी रणनीति हो सकती है, ताकि भारत प्रत्यर्पण प्रक्रिया में देरी हो। ओमान के कानून के तहत फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल गंभीर अपराध माना जाता है, जिसकी सजा 3 से 5 साल तक की कैद और जुर्माना हो सकती है।

बारिश के बाद सीएम का कार्यक्रम रद्द

सीतामढ़ी-दरभंगा समेत 8 जिलों में बारिश, 24 में अलर्ट, अगले 48 घंटे में हैवी रेन की चेतावनी

औरंगाबाद, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मानसून का असर दिखने लगा है। भागलपुर, दरभंगा, जहानाबाद, मुजफ्फरपुर, सीवान, गोपालगंज, समस्तीपुर और सीतामढ़ी में बुधवार को बारिश हुई। वहीं पटना, बेगूसराय, कटिहार, सुपौल, नालंदा और खगड़िया में सुबह से ही आसमान में बादल छाए हैं।

वहीं, औरंगाबाद में 9 जुलाई को सीएम सम्राट चौधरी का कार्यक्रम था। जहां प्रोग्राम होना था वहां सोमवार और मंगलवार को तेज बारिश के कारण जलजमाव और कीचड़ लग गया है। जिसके बाद कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया है।

मौसम विभाग ने आज 24 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 40km/h की रफ्तार से हवा चल सकती है। पटना समेत 14 जिलों में आज भी बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम विभाग ने 12 जुलाई तक पूरे राज्य में भारी बारिश का 7 दिन का रेड अलर्ट जारी किया है। अगले 48 घंटे में भारी बारिश की संभावना है। वेदर एक्सपर्ट के मुताबिक, अगले 7 से 10 दिनों के दौरान मानसून और ज्यादा मजबूत होगा।

प्रदेश में पिछले तीन सप्ताह तक मौसम सूखा रहा, लेकिन अब मानसून ने यू-टर्न लिया है। स्थिति यह थी कि 6 जुलाई तक राज्य में सामान्य 230.1 मिमी के मुकाबले केवल 103 मिमी बारिश हुई थी, जो सामान्य से 52 से 55 प्रतिशत कम थी।

रिटायर्ड एआरटीओ के घर पर विजिलेंस की छापेमारी

13 किलो सोना, 9 किलो चांदी और 1.62 करोड़ कैश मिले

लखनऊ, 8 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आय से अधिक संपत्ति के मामले में विजिलेंस ने रिटायर्ड सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) ललित कुमार के लखनऊ स्थित आवास पर बड़ी कार्रवाई की। करीब 26 घंटे तक चली छापेमारी में अधिकारियों को भारी मात्रा में सोना, चांदी, हीरे के आभूषण, करोड़ों रुपये नकद और कई संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज मिले हैं।

जांच के दौरान टीम ने घर से लगभग 13 किलोग्राम सोना, 9 किलोग्राम चांदी और बड़ी संख्या में हीरे के आभूषण बरामद किए, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 20 करोड़ रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा 1.62 करोड़ रुपये नकद भी मिले, जिन्हें घर की दीवारों, पैकेटों और अलग-अलग कमरों में छिपाकर रखा गया था।

विजिलेंस को 15 मकानों, फ्लैटों और कृषि भूमि से जुड़े दस्तावेज भी मिले हैं। बरामद संपत्ति की कुल कीमत लगभग 35 करोड़ रुपये आंकी गई है।

विजिलेंस अधिकारियों के अनुसार, ललित कुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत उस समय दर्ज हुई थी, जब वे कानपुर में परिवहन विभाग में संभागीय निरीक्षक (प्राविधिक) के पद पर कार्यरत थे। शिकायत मिलने के बाद परिवहन आयुक्त ने जांच की अनुमति दी, जिसके बाद उनकी आय और संपत्ति का विस्तृत सत्यापन किया गया।

जांच में सामने आया कि ललित कुमार की वैध आय करीब 93.26 लाख रुपये थी, जबकि चल-अचल संपत्तियों की खरीद और अन्य खर्चों पर उन्होंने लगभग 1.61 करोड़ रुपये खर्च किए। यानी उनकी आय की तुलना में करीब 73.6 प्रतिशत अधिक खर्च पाया गया। जांच एजेंसी का कहना है कि इस अतिरिक्त संपत्ति और खर्च के संबंध में वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।

कोर्ट के वारंट पर हुई छापेमारी

आगरा से सेवानिवृत्त होने के बाद ललित कुमार लखनऊ के अलीगंज स्थित चंद्रलोक कॉलोनी में रह रहे थे। विजिलेंस ने अदालत से तलाशी वारंट लेने के बाद उनके आवास पर छापा मारा। तलाशी के दौरान घर के कई हिस्सों में छिपाकर रखी गई नकदी और कीमती सामान बरामद हुआ। अब एजेंसी पूरे मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

नीतीश कुमार का बड़ा दांव

बिहार जेडीयू की नई टीम का ऐलान

पटना, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जनता दल (यूनाइटेड) ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए बिहार प्रदेश के पदाधिकारियों और प्रदेश प्रवक्ताओं की नई सूची जारी कर दी। ये सूची जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के निर्देशानुसार बिहार प्रदेश जनता दल (यूनाइटेड) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा की ओर से जारी की गई है।

नोटिस के अनुसार, प्रदेश संगठन में विभिन्न पदों पर वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश महासचिव, प्रदेश सचिव, कोषाध्यक्ष और प्रदेश प्रवक्ताओं की नियुक्ति की गई है। संगठन में अनुभवी नेताओं के साथ-साथ नए चेहरों को भी अवसर दिया गया है, जिससे पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को और अधिक मजबूत बनाने का प्रयास किया गया है। प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद और वरिष्ठ नेताओं सहित कुल 12 नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, प्रदेश महासचिव के रूप में बड़ी संख्या में नेताओं को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा प्रदेश सचिव पद पर विभिन्न जिलों के 74 नेताओं को संगठनात्मक दायित्व सौंपा गया है। कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी ललन कुमार सर्राफ को दी गई है। प्रदेश प्रवक्ताओं की सूची में मुख्य प्रवक्ता के रूप में नीरज कुमार सहित कुल नौ नेताओं को शामिल किया गया है, जो पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जनता के बीच प्रभावी ढंग से रखने का कार्य करेंगे।

हिमांशु सिंह हत्याकांड के मुख्य आरोपी का सरेंडर

पुलिस ने रखा था दो लाख रुपए का इनाम, सिविल सीजीएम कोर्ट में किया आत्मसमर्पण

जमशेदपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जमशेदपुर में दो लाख रुपए के इनामी फरार आरोपी विश्वनाथ मंडल उर्फ बोडरा ने बुधवार को सिविल कोर्ट स्थित सीजीएम न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। वह लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था।

विश्वनाथ मंडल उर्फ बोडरा डीडी बार के बाहर हुई करणी सेना के नेता हिमांशु सिंह की हत्या का मुख्य आरोपी है। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज है।

पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी, लेकिन वह पुलिस की पकड़ में नहीं आ

रहा था। इसी कारण पूर्वी सिंहभूम पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर दो लाख रुपए का नकद इनाम घोषित किया था।

आरोपी की तलाश के लिए पुलिस ने एक विशेष टीम का भी गठन किया था। एसएसपी कार्यालय की ओर से आम लोगों से भी आरोपी के संबंध में सूचना देने की अपील की गई थी, जिसमें सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखने का भरोसा दिलाया गया था। बुधवार को विश्वनाथ मंडल उर्फ बोडरा ने पुलिस कार्रवाई का सामना करने के बजाय सीधे जमशेदपुर सिविल सीजीएम कोर्ट पहुंचकर आत्मसमर्पण किया। न्यायालय में सरेंडर के बाद उसे कानूनी प्रक्रिया के तहत न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

अब इस मामले की आगे की सुनवाई अदालत में होगी। पुलिस आवश्यकता पड़ने पर आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की अनुमति भी मांग सकती है। आरोपी के आत्मसमर्पण के बाद इस चर्चित मामले की जांच को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच जारी है और आवश्यकतानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पीएम आवास में हकदार लोगों के नाम लिस्ट में नहीं

विजय शर्मा ने शिवराज सिंह चौहान को लिखा लेटर

रायपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को लेटर लिखा है। उन्होंने अपने लेटर में छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत कोई भी पात्र परिवार आवास से वंचित न रहे, इसके लिए आवश्यक पहल करने का आग्रह किया है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को नई दिल्ली में 28 एवं 29 जून 2026 को आयोजित राष्ट्रीय ग्रामीण सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए बधाई भी दी है।

विजय शर्मा ने अपने लेटर में लिखा कि राष्ट्रीय ग्रामीण सम्मेलन वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

थ्रीडी फैक्ट्री-ब्लास्ट, 200 मीटर तक बिखरे शवों के टुकड़े

ऑक्सीजन सिलेंडर बदलते ही विस्फोट, भट्ठी के लावे पर बन रहा था खाना, 3 मौतें

रायपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर के उरला औद्योगिक क्षेत्र स्थित बेंद्री की थ्रीडी इनोवेशन फैक्ट्री में मंगलवार शाम ब्लास्ट हो गया। हादसे में 3 मजदूरों की मौत हो गई। विस्फोट इतना तेज था कि मजदूरों के शरीर के अंग करीब 200 मीटर दूर तक बिखर गए। घटना उरला थाना क्षेत्र की है।

मृतकों में अरुण पांडे (17) भी शामिल है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय वह ऑक्सीजन सिलेंडर बदल रहा था। वहीं, मध्य प्रदेश के डिंडौरी निवासी लाल सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल कमल सिंह (25) ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया।

हादसे के बाद फैक्ट्री के अंदर घुसते ही जिस यूनिट में विस्फोट हुआ था, वहां चारों ओर शरीर के अंग बिखरे पड़े थे। मौके पर पुलिस, एफएसएल और श्रम विभाग की टीम मौजूद थी और घटना के कारणों की जांच में जुटी हुई थी। फैक्ट्री में काम करने वाले मजदूरों का आरोप है कि उन्हें बिना किसी प्रशिक्षण के भट्ठी में काम कराया जाता था। साथ ही पर्याप्त सुरक्षा उपकरण (सेफ्टी इक्विपमेंट) भी उपलब्ध नहीं कराए जाते थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के समय टेपिंग यूनिट से कुछ दूरी पर कुछ मजदूर खाना बना रहे थे। फिलहाल पुलिस, श्रम विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियां ब्लास्ट के कारण, सुरक्षा मानकों के पालन और नाबालिग से काम कराए जाने के पहलुओं की जांच कर रही हैं। वहीं, हादसे के बाद कंपनी ने कमल सिंह और लाल सिंह के लिए 21-21 लाख रुपये मुआवजे का ऐलान किया है। जबकि, नाबालिग अरुण पांडे के लिए 31 लाख रुपये मुआवजे का ऐलान किया है। इधर कांग्रेस ने घटना की जांच के लिए समिति बनाई है। हादसे के समय टेपिंग यूनिट में काम कर रहे रामकुमार देवांगन ने बताया कि वह टेपिंग का काम कर रहे थे, जबकि अरुण ऑक्सीजन सिलेंडर बदल रहा था। इसी दौरान अचानक जोरदार धमाका हुआ। कुछ समझने का मौका ही नहीं मिला और पूरी फैक्ट्री की बिजली गुल हो गई।

करीब 10 मिनट बाद जब बिजली आई, तब देखा कि साथ में काम करने वाले मजदूरों के शव और उनके शरीर के अंग जमीन पर बिखरे पड़े थे। जो लोग मेरे साथ काम कर रहे थे, वे मेरे बच्चों की उम्र के थे। उनके चले जाने का बहुत दुख है। ऊपरवाले ने मुझे दूसरी जिंदगी दी है।

हादसे में जान गंवाने वालों में जांजगीर-चांपा निवासी अरुण पांडेय भी शामिल था। आधार कार्ड के अनुसार उसकी उम्र 17 साल थी। बताया जा रहा है कि हादसे के समय वह ऑक्सीजन सिलेंडर बदल रहा था।

अरुण के भाई ने बताया कि उनका परिवार लंबे समय से उरला क्षेत्र में रहकर मजदूरी करता है। परिवार के कई रिश्तेदार भी पहले इसी फैक्ट्री में काम कर चुके हैं। इसी वजह से अरुण भी यहां काम करने आया था। उन्होंने ने आरोप लगाया कि फैक्ट्री में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे और मजदूरों को जोखिम भरे काम के दौरान पर्याप्त सुरक्षा उपकरण भी उपलब्ध नहीं कराए जाते थे।

डिप्टी एसपी से भिड़े ग्राम पंचायत सचिव

बदायूं, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बदायूं के बिसौली में बुधवार को ग्राम पंचायत सचिव और डिप्टी एसपी के बीच हुआ विवाद कुछ ही देर में प्रशासनिक गलियारों का सबसे बड़ा मुद्दा बन गया। ग्राम पंचायत सचिव ने डिप्टी एसपी पर कार्यालय के भीतर गाली-गलौज, जूता निकालकर धमकाने, मारपीट का प्रयास और मोबाइल छीनने जैसे गंभीर आरोप लगाए। विरोध में बड़ी संख्या में सचिव सीओ कार्यालय परिसर में धरने पर बैठ गए। हालांकि करीब दो घंटे तक चले घटनाक्रम के बाद मामला शांत हो गया, लेकिन आरोप-प्रत्यारोप ने पुलिस और पंचायत विभाग के रिश्तों पर सवाल खड़े कर दिए।

जानकारी के अनुसार, विवाद की शुरुआत एक पुराने मुकदमे की जांच के दौरान हुई। मोहम्मदपुर मई गांव से जुड़े भूमि, वसीयत और कथित मृत्यु प्रमाणपत्र प्रकरण में ग्राम पंचायत सचिव अंकुर पारासरी को अभिलेखों के संबंध में पूछताछ के लिए डिप्टी एसपी कार्यालय बुलाया गया था। सचिव का कहना है कि उन्होंने लिखित रूप से स्पष्ट कर दिया था कि संबंधित रिकॉर्ड ग्राम पंचायत के अभिलेखों में उपलब्ध नहीं हैं और व्यक्तिगत जानकारी देना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। इसी बात पर माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया। ग्राम पंचायत सचिव अंकुर पारासरी का आरोप है कि लिखित जवाब देने के बाद उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। उन्होंने दावा किया कि गाली-गलौज की गई, जूता दिखाकर धमकाया गया और जब उन्होंने घटना का वीडियो बनाने की कोशिश की तो उनका मोबाइल भी छीन लिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही विकास खंड के कई ग्राम पंचायत सचिव सीओ कार्यालय पहुंच गए और विरोध स्वरूप धरने पर बैठ गए।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी, देवकीनंदन बोले-चोर बचना नहीं चाहिए

भगवान के धन में गड़बड़ी बड़ा अपराध रायपुर में कथा में बिना तिलक एंट्री नहीं

रायपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर में कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जो भी चोर होगा, वह बचना नहीं चाहिए। उन्होंने अपनी कथा में 'नो तिलक, नो एंट्री' की बात कही।

इसके पीछे वजह कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने संस्कृति और सभ्यता का प्रसार करना बताया। उन्होंने सरकार से देश के मंदिरों के लिए सनातन बोर्ड बनाने की भी मांग की। दरअसल, रायपुर में उनकी श्रीमद्भागवत कथा शुरू हो चुकी है। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि सनातन संस्कृति हमें सही तरीके से जीवन जीना सिखाती है। भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण और हमारे महापुरुषों ने वेदों, पुराणों और ऋषि-मुनियों के ज्ञान को अपने जीवन में अपनाया था। आज हमें भी उसी परंपरा और भारतीय

संस्कृति को आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैकाले की शिक्षा व्यवस्था के कारण नई पीढ़ी अपनी जड़ों और संस्कृति से दूर होती जा रही है। इसका असर आज समाज में साफ दिखाई देता है। हमें फिर से अपनी संस्कृति, परंपराओं और अच्छे मूल्यों को अपनाने की जरूरत है।

कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने बताया कि भागवत कथा में 'नो तिलक, नो एंट्री' का नियम रखा गया है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद लोगों, खासकर बच्चों को सनातन संस्कृति और भारतीय परंपराओं से जोड़ना है।

उन्होंने पेरेंट्स से अपील की कि वे खुद आएं या न आएं, लेकिन अपने बच्चों को जरूर कथा में भेजें। इससे बच्चे सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और अपनी गौरवशाली परंपराओं को बेहतर तरीके से जान सकेंगे। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि जब तक नई पीढ़ी तिलक जैसी अपनी सांस्कृतिक पहचान और विरासत को नहीं समझेगी, तब तक वह जीवन के सही संस्कार और मूल्यों को पूरी तरह नहीं अपना पाएगी। उनके अनुसार, सनातन केवल एक धर्म नहीं, बल्कि जीवन जीने का सही तरीका सिखाता है। अपने बेटे को सनातन धर्म से जोड़ने के सवाल पर देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि सनातन परंपरा में दो प्रमुख परंपराएं रही हैं, ऋषि परंपरा और आचार्य परंपरा।

स्टूडेंट ने महिला प्रोफेसर की कॉल रिकॉर्डिंग-फोटो वायरल किया

2 नकाबपोश ने धमकी दी, कहा- एफआईआर वापस ले लीजिए, नहीं तो बहुत परेशानी होगी

दुर्ग-भिलाई, 8 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भिलाई में रुंगटा कॉलेज की महिला प्रोफेसर की कॉल रिकॉर्डिंग, फोटो और मोबाइल नंबर कॉलेज के छात्र ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। महिला प्रोफेसर ने थाने में शिकायत दर्ज कराई।

मंगलवार को पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी प्रांजल यादव (24) को गिरफ्तार किया, जो पीजीडीसीए सेकेंड ईयर (आर2) का छात्र है और वह खुद को पत्रकार बताता है। वहीं, 2 नकाबपोश बदमाशों ने पीड़िता को केस वापस लेने की धमकी भी दी है।

उन्होंने पीड़िता से कहा कि एफआईआर वापस ले लीजिए, नहीं तो आगे बहुत ज्यादा परेशानी होगी। इस मामले में भी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। जांच में सामने आया कि बिना नंबर प्लेट वाली बाइक में पहुंचे थे। मामला भिलाई नगर थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक महिला प्रोफेसर ने 4 जून को थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी, जिसमें बताया गया था कि प्रांजल यादव पीजीडीसीए का छात्र है, जो खुद को पत्रकार बताता है। पिछले कुछ दिनों से वह सोशल मीडिया पर कॉलेज को बदनाम करने वाली पोस्ट कर रहा था।

वह प्रोफेसर को व्यक्तिगत रूप से कॉल कर बातचीत रिकॉर्ड करता था। बाद में प्रोफेसर की फोटो और कॉल रिकॉर्डिंग इंस्टाग्राम पर अपलोड कर वायरल कर दी। पोस्ट पर अज्ञात लोगों ने भद्दे कमेंट किए, जिससे उनकी छवि धूमिल हुई।

परिचित लोग भी इस मामले में सवाल पूछने लगे। इससे वह मानसिक रूप से काफी परेशान हो गईं। प्रोफेसर ने शिकायत में कहा कि आरोपी लगातार सोशल मीडिया पर कॉलेज के खिलाफ पोस्ट और वीडियो साझा कर रहा था। कॉलेज प्रबंधन पहले भी उसकी गतिविधियों को लेकर उसे मानहानि का नोटिस भेज चुका था, लेकिन उसने पोस्ट करना नहीं छोड़ा।

जांच के दौरान भिलाई नगर थाना पुलिस ने साइबर सेल की मदद से इंस्टाग्राम अकाउंट की जानकारी जुटाई गई। इसके बाद मंगलवार को आरोपी को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, थाने से उसे जनामत पर रिहा कर दिया गया।

इधर, 18 जून को बाइक सवार दो नकाबपोश युवकों ने प्रोफेसर को बाइक सवार दो नकाबपोश युवकों ने केस वापस लेने की धमकी दी। सुबह करीब 9:25 बजे वह एक्टिवा से कॉलेज जा रही थीं।

ट्रंप के बयान से धुरंधर हुए धराशाई

सेंसेक्स 1,677 अंक टूटा,निफ्टी 516अंक फिसली

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान से आज शेयर बाजार में जलजला आ गया। उन्होंने ईरान के साथ सीजफायर खत्म करने की घोषणा करते हुए कहा कि उसके नेताओं के साथ बातचीत करना समय की बर्बादी है। उनके इस बयान के बाद पूरी दुनिया के बाजारों में भारी गिरावट आई। इसका असर घरेलू शेयर बाजार पर भी दिखा। बीएसई सेंसेक्स कारोबार के दौरान 1900 अंक से अधिक गिर गया जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 इंडेक्स 23,900 अंक से नीचे चला गया। अंत में यह 1677.12 अंक यानी 2.15% गिरावट के साथ 76,503.60 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 516.65 अंक यानी 2.12% गिरावट के साथ 23,882.05 अंक पर आ गया। इस गिरावट से बीएसई लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 10 लाख करोड़ रुपये घटकर 470 लाख करोड़ रुपये रह गया। सेंसेक्स के सभी शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इंडिगो में सबसे ज्यादा 5.08 फीसदी गिरावट आई। मारुति, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अल्ट्राटेक सीमेंट, लार्सन एंड टुब्रो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बीईएल, आईटीसी, कोटक बैंक में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है। इस बीच रुपया डॉलर के मुकाबले 0.6% गिरावट के साथ 95.53 पर बंद हुआ। पिछले सत्र में यह 0.46 फीसदी तेजी के साथ 94.9675 पर बंद हुआ था।

क्यों गिरा शेयर बाजार?

निफ्टी पर जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, इंटरग्लोब एविएशन और श्रीराम फाइनेंस में सबसे ज्यादा गिरावट आई। निफ्टी के 50 में से 46 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट आई। निफ्टी मेटल और निफ्टी फार्मा में सबसे कम गिरावट रही। पश्चिम एशिया में एक बार फिर से तनाव शुरू हो गया है। अमेरिका ने ईरान के कई ठिकानों पर हमला किया है और तेल की बिक्री पर रोक लगा दी है। इससे कच्चे तेल की कीमत में तेजी आई है। ब्रेंट क्रूड 6.04 फीसदी तेजी के साथ 78.64 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

ट्रंप ने क्या कहा?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ समझौता खत्म हो गया है। उन्होंने ईरान के नेताओं को बीमार मानसिकता वाले लोग बताते हुए कहा कि उनसे बातचीत करने का कोई फायदा नहीं है। ट्रंप ने कहा, वे घटिया लोग हैं। वे बीमार मानसिकता वाले लोग हैं। उनका नेतृत्व बीमार मानसिकता वाले लोग कर रहे हैं। जहां तक मेरी बात है, उनसे निपटना सिर्फ समय की बर्बादी है।

भारत से मत उलझो, बैकफायर कर जाएगा कदम

अमेरिकी कंपनियों ने दी चेतावनी

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की बड़ी कंपनियों को भी लगता है कि भारत से टैरिफ के मसले पर उलझना बैकफायर कर सकता है। अमेरिकी दिग्गजों समेत कई टॉप कंपनियों ने यूएसटीआर को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि भारत समेत 60 देशों पर 12.5% तक का एडिशनल टैरिफ लगाने से कंज्यूमर्स और बिजनेस के लिए लागत बढ़ जाएगी। इनमें से कई कंपनियों ने कुछ खास प्रोडक्ट्स के लिए छूट की मांग की है। उनके मुताबिक, अमेरिका का यह कदम बैकफायर करने वाला है। इंटेल ने अपनी बात रखते हुए कहा, 'इसका असल असर यह होगा कि अमेरिका में सामान बनाना दूसरी जगहों के मुकाबले महंगा हो जाएगा। घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने के एडमिनिस्ट्रेशन के टारगेट के यह बिल्कुल उलट है।' आईबीएम, डॉव केमिकल्स थाईलैंड और जीई अप्लायंसेज (जो अब हायर की कंपनी है) ने भी इस कदम का विरोध किया। डेल टेक्नोलॉजीज ने कहा, 'डेल उन पॉलिसी टूल्स का इस्तेमाल करने के महत्व पर जोर देना चाहती है जिनसे एडमिनिस्ट्रेशन के अच्छे लक्ष्यों को हासिल किया जा सके, बिना प्रोडक्शन और एंड-यूजर की लागत को तेजी से बढ़ाए या जरूरी प्रोडक्ट्स और कंपोनेंट्स के ऑपरेशन में देरी का जोखिम उठाए।'हनीवेल एयरोस्पेस ने जरूरी मिनरल्स, रेयर अर्थ, क्रिटिकल मेटल्स, मेटल वाले एयरोस्पेस इनपुट्स और

इलेक्ट्रॉनिक्स, चिप्स, डिस्प्ले और खास कमर्शियल कंपोनेंट्स जैसे मुश्किल से मिलने वाले कंपोनेंट्स के लिए इंपोर्ट पर अपनी निर्भरता की ओर इशारा किया। कहा, '...टैरिफ से मुख्य रूप से एयरोस्पेस प्रोडक्ट्स के रखरखाव और प्रोडक्शन की लागत बढ़ेगी, न कि सोर्सिंग में बदलाव की प्रक्रिया तेज होगी।' इंपोर्ट पर अमेरिका की निर्भरता को देखते हुए डी बीयर्स ने कहा, '...नेचुरल डायमंड्स पर अतिरिक्त ड्यूटी से मुख्य रूप से अमेरिकी मैन्युफैक्चरर्स, रिटेलर्स और कंज्यूमर्स के लिए लागत बढ़ेगी, न कि घरेलू स्तर पर विकल्प खोजने को बढ़ावा मिलेगा।'फोर्ड ने कहा कि वह उन चार प्रोडक्ट कैटेगरीज के लिए छूट का समर्थन करती है जिन पर पहले से ही सेक्शन 232 के तहत 50% तक टैरिफ लग रहा है। कंपनी का तर्क है कि सेक्शन 301 के तहत अतिरिक्त टैरिफ से अमेरिकी ऑटो मैन्युफैक्चरिंग पर बहुत ज्यादा और भारी बोझ वाली लागत आएगी। जबकि इससे जबरन मजदूरी से जुड़े तौर-तरीकों को खत्म करने में कोई खास मदद नहीं मिलेगी।

ट्रंप के बयान से क्रूड ऑयल के दाम में आया तूफान

एक झटके में 6 फीसद महंगा हो गया कच्चा तेल

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पिछले कुछ समय से कच्चे तेल की कीमतों में जो राहत दिख रही थी, वह अचानक धुएं में उड़ गई है. मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच गहराते सैन्य तनाव ने क्रूड ऑयल के बाजार में भारी खलबली मचा दी है. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ समझौता खत्म होने की घोषणा भी कर दी है. अंकारा में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान से अब कोई समझौता नहीं होगा. हमने सब कुछ खत्म कर दिया है. गहराते सैन्य तनाव की वजह से कच्चे तेल के भाव में करीब 6 फीसदी का तगड़ा उछाल दर्ज किया गया. हालात यह हैं कि ब्रेंट क्रूड उछलकर 78 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया है, जबकि डब्लूटीआई क्रूड भी लगभग 5.8 फीसदी की छलांग लगाते हुए 74.47 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर कारोबार कर रहा है.

अमेरिका ने क्यों उठाया यह सख्त कदम?

कच्चे तेल के बाजार में अचानक आई इस तेजी के पीछे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हुई एक बड़ी घटना है. बीते दिनों इस समुद्री रास्ते से गुजर रहे तीन कमर्शियल ऑयल टैंकरों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया गया था. इनमें कतर के झंडे वाला 'अल रेकय्यात' जहाज भी शामिल था. अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने इस हमले के लिए सीधे तौर पर ईरान को जिम्मेदार ठहराया, हालांकि ईरान ने इसकी जिम्मेदारी नहीं ली.इसके जवाब में मंगलवार को अमेरिका ने बड़ी सैन्य कार्रवाई करते हुए ईरान के 80 से ज्यादा ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए. इस भीषण हमले में ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, तटीय रडार नेटवर्क और एंटी-शिप क्रूज मिसाइल लॉन्च पैड पूरी तरह तबाह हो गए. इतना ही नहीं, अमेरिका ने ईरान की रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स की 60 से अधिक नावों को भी नष्ट कर दिया है. इस कार्रवाई के बाद ईरान ने भी कड़े पलटवार की धमकी दी है, जिससे पूरे मिडिल ईस्ट में युद्ध जैसी स्थिति बन गई है. ट्रंप ने ईरान के साथ समझौता खत्म होने की घोषणा भी कर दी है.ट्रंप ने कहा कि ईरान से अब कोई समझौता नहीं होगा. हमने सब कुछ खत्म कर दिया है. राष्ट्रपति ट्रंप ने आगे कहा कि ईरान ने मुझसे झूठ बोला. इसलिए अब तेहरान से आगे की बातचीत नहीं हो सकती है. हम तेहरान को परमाणु मुक्त करेंगे. इसके लिए जल्द ही प्लान को अमल में लाया जाएगा.

चीनी के दाम में अचानक आई तेजी

जून में कम बारिश की वजह से रेट 6-7% तक चढ़े

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जून महीने में देश के कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होने का असर अब चीनी की कीमतों पर भी दिखाई देने लगा है। पिछले एक महीने में चीनी के दाम 6 से 7 फीसदी तक बढ़ गए हैं। कम बारिश के कारण गन्ने की फसल को नुकसान पहुंचा है, जिसकी वजह से बाजार में चीनी महंगी हो गई है। उद्योग से जुड़े आंकड़ों के अनुसार, देश के सबसे बड़े चीनी उत्पादक राज्य महाराष्ट्र में मिलों से निकलने वाली चीनी की कीमत करीब 38.5 रुपये प्रति किलो से बढ़कर लगभग 41.5 रुपये प्रति किलो हो गई है। कोल्हापुर बाजार में भी चीनी की थोक कीमत एक महीने में 7 फीसदी से ज्यादा बढ़कर लगभग 4,120 रुपये प्रति क्विंटल पहुंच गई है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इसका असर खुदरा बाजार पर भी दिखाई दे सकता है।

कम बारिश और बढ़ती मांग बनी बड़ी वजह

जून में मानसून की धीमी शुरुआत और कम बारिश के कारण गन्ने की फसल को लेकर चिंता बढ़ गई थी। दूसरी ओर, अधिक मास समाप्त होने के बाद शादी-विवाह, धार्मिक आयोजनों और त्योहारों की तैयारियों के चलते चीनी की मांग में भी तेजी आई है। यही वजह है कि बाजार में कीमतों में उछाल देखने को मिला।

हालिया बारिश से मिल सकती है राहत

हालांकि, जुलाई की शुरुआत में कई राज्यों में अच्छी बारिश हुई है, जिससे गन्ने की खड़ी फसल को राहत मिलने की उम्मीद है। यदि आने वाले दिनों में मानसून सामान्य रहता है, तो उत्पादन पर पड़ने वाला असर कम हो सकता है और कीमतों में भी स्थिरता देखने को मिल सकती है।

सरकार पहले ही लगा चुकी है निर्यात पर रोक

सरकार ने संभावित आपूर्ति संकट और अगले साल उत्पादन पर एल नीनो के असर की आशंका को देखते हुए मई में चीनी के निर्यात पर रोक लगा दी थी। इसका उद्देश्य घरेलू बाजार में पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखना और त्योहारी सीजन के दौरान कीमतों को कंट्रोल में रखना है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारभ समय	
सूर्य	मिथुन	मे	मिथुन---	04-12 बजे
चंद्र	मेष	मे	कर्क---	06-24 बजे
मंगल	वृष	मे	सिंह---	08-37 बजे
बुध	मिथुन	मे	कन्या---	10-44 बजे
गुरु	कर्क	मे	तुला---	12-49 बजे
शुक्र	सिंह	मे	वृश्चिक---	14-58 बजे
शनि	मीन	मे	धनु---	17-12 बजे
राहु	कुंभ	मे	मकर---	19-18 बजे
केतु	सिंह	मे	कुंभ---	21-09 बजे
			मीन---	22-48 बजे
			मेष---	00-24 बजे
			वृष---	02-08 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ गुरुवार **09 July 2026**
तिथि - कृष्ण पक्ष नवमीं **10-38** तक उपरान्त दशमीं
नक्षत्र - अश्विनी **14-56** तक उप भरणी
योग - सुकर्मा **10-11** तक उप धृति
करण - गर **10-38** तक उप वणिज

नक्षत्र शांति **14-56** तक

विशेष: सर्वार्थसिद्ध योग **05-56** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल
13-59 से
15-37 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
शुभ 05-51 - 07-27 शुभ	अमृत 18-50 - 20-16 शुभ
रोग 07-27 - 09-05 अशुभ	चंचल 20-16 - 21-38 शुभ
उत्पात09-05 - 10-43 अशुभ	रोग 20-38 - 22-59 अशुभ
चंचल 10-43 - 12-21 शुभ	काल 22-59 - 00-22 अशुभ
लाभ 12-21 - 13-59 शुभ	लाभ 00-22 - 01-44 शुभ
अमृत 13-59 - 15-37 शुभ	उत्पात01-44 - 03-06 अशुभ
काल 15-37 - 17-16 अशुभ	शुभ. 03-06 - 04-28 शुभ
शुभ 17-16 - 18-50 शुभ	अमृत 04-28 - 05-51 शुभ

10 ट्रिलियन से ज्यादा होगी स्पेसएक्स की वैल्यू

कोई नहीं होगा टक्कर में, गेसुएले ने किया है यह दावा?

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स को नैस्डैक 100 में शामिल कर लिया गया है। इंडेक्स के इतिहास में यह पहला मौका है जब किसी शेयर को इतनी जल्दी शामिल किया जा रहा है। यह कंपनी 12 जून को लिस्ट हुई थी। इस बीच रेमंड जेम्स फाइनेंशियल के ब्रायन गेसुएले ने दावा किया है कि स्पेसएक्स की मार्केट वैल्यू 10 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है। अब तक कोई भी कंपनी इस मुकाम पर नहीं पहुंची है। एनवीडिया का मार्केट कैप 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचा था। रॉकेट, सैटेलाइट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी स्पेएक्स का शेयर मंगलवार को 6.83 फीसदी गिरावट के साथ $149.47 पर बंद हुआ। गेसुएले ने स्पेसएक्स के शेयरों के लिए स्ट्रॉन्ग बाय रेटिंग देते हुए $800 का प्राइस टारगेट दिया है। यह मंगलवार की बंद कीमत से करीब 430% ज्यादा है। अगर कंपनी का शेयर इस लेवल तक पहुंचता है तो कंपनी की मार्केट वैल्यूएशन बढ़कर लगभग $10.5 ट्रिलियन पहुंच जाएगी।

मार्केट वैल्यू

अभी स्पेसएक्स की मार्केट वैल्यूएशन $1.969 ट्रिलियन है। गेसुएले ने क्लाइंट्स को भेजे एक नोट में लिखा, हम इस कंपनी को 21वीं सदी की अहम इंडसट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में से एक मानते हैं। जिस तरह रेलवे, इलेक्ट्रिक ग्रिड और इंटरनेट ने पिछले आर्थिक दौर को बदला था, उसी तरह स्पेसएक्स अगली पीढ़ी की इंडसट्रियल क्षमता के लिए बुनियादी प्लेटफॉर्म बना रही है। स्पेसएक्स ने पिछले साल $19 बिलियन का रेवेन्यू दर्ज किया था। गेसुएले का मानना है कि 2035 तक कंपनी का रेवेन्यू बढ़कर $5.2 ट्रिलियन हो जाएगा। यह ग्रोथ कंपनी के रॉकेट या कनेक्टिविटी सेगमेंट से जुड़ी नहीं है। बल्कि, यह इसके शुरुआती दौर के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बिजनेस पर आधारित है। अभी, एआई से स्पेसएक्स का रेवेन्यू $16 बिलियन है, जो 2024 में $3 बिलियन था।

एआई से होगी कमाई

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक रेमंड जेम्स का अनुमान है कि 2031 तक यह आंकड़ा लगभग $650 बिलियन तक पहुंच जाएगा। गेसुअल ने लिखा कि 2027 से एआई स्पेसएक्स का रेवेन्यू के हिसाब से सबसे बड़ा बिजनेस बन जाएगा। साल 2035 तक यह कंपनी के रेवेन्यू का लगभग 94% या $4.9 ट्रिलियन होगा।

सोना 177 बढ़कर 1.44 लाख पर पहुंचा

इस साल 11 हजार महंगा हो चुका, चांदी 150 बढ़कर 2.27 लाख किलो हुई

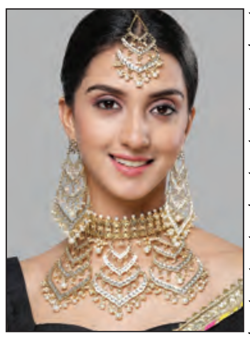

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 8 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 177 रुपए बढ़कर 1.44 लाख रुपए हो गया है। वहीं, 1 किलो चांदी का दाम 150 रुपए बढ़कर 2.27 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

सोना इस साल 11 हजार महंगा हुआ

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 11 हजार रुपए महंगा हुआ है।

31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.44 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 3 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.27 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

आरबीआई के नए नियम से बैंकों को बड़ा झटका!

अब नहीं वसूल पाएंगे एसएमएस अलर्ट का पैसा

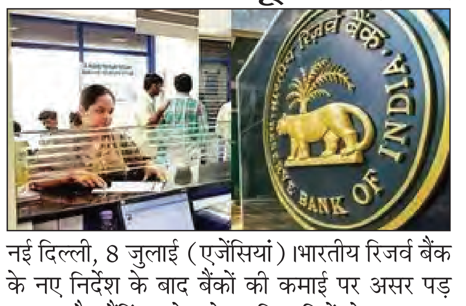

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)।भारतीय रिजर्व बैंक के नए निर्देश के बाद बैंकों की कमाई पर असर पड़ सकता है. बैंकिंग क्षेत्र के अधिकारियों के अनुसार, ग्राहकों को भेजे जाने वाले कुछ एसएमएस अलर्ट पर शुल्क वसूलने पर रोक लगने से बड़े बैंकों की सालाना फीस आय में करीब 300 करोड़ रुपये तक की कमी आ सकती है. हालांकि, इससे ग्राहकों को राहत मिलेगी क्योंकि अब उन्हें ऐसे एसएमएस के लिए अलग से भुगतान नहीं करना होगा.आरबीआई ने 24 जून को जारी अपने निर्देश में कहा था कि बैंक नियमों के पालन , जागरूकता और प्रचार से जुड़े एसएमएस अलर्ट के लिए ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं ले सकते. अब तक अधिकांश बैंक इन संदेशों की लागत निकालने के लिए ग्राहकों से हर तिमाही 15 से 18 रुपये तक एसएमएस शुल्क वसूलते थे.

500 रुपये तक के ट्रांजैक्शन पर एसएमएस भेजना अब वैकल्पिक

आरबीआई ने बैंकों को यह भी छूट दी है कि 500 रुपये या उससे कम के लेनदेन पर एसएमएस अलर्ट भेजना अब अनिवार्य नहीं रहेगा. यानी बैंक चाहें तो ऐसे छोटे ट्रांजैक्शन के लिए एसएमएस की जगह अन्य डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल कर सकते हैं.हालांकि, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक जैसे बड़े निजी बैंक फिलहाल इस सुविधा को जारी रख सकते हैं. इन बैंकों का मानना है कि तुरंत एसएमएस अलर्ट ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाते हैं और धोखाधड़ी की आशंका कम करने में भी मददगार होते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि अब बैंक एसएमएस का खर्च सीधे ग्राहकों से नहीं वसूल पाएंगे. ऐसे में वे इसकी भरपाई अन्य शुल्कों के जरिए कर सकते हैं. इसमें अकाउंट मेंटेनेंस चार्ज, न्यूनतम बैलेंस से जुड़े शुल्क या अन्य बैंकिंग फीस शामिल हो सकती हैं.

ईपीएफओ पर आया बड़ा अपडेट

15 जुलाई तक आ जाएगा आपके खाते में पैसा

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भविष्य निधि (पीएफ) खातों में ब्याज जमा करने की प्रक्रिया पूरी कर रहा है। सदस्य 15 जुलाई तक अपने खातों में अपनी राशि ऑनलाइन देख सकेंगे। श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भविष्य निधि (पीएफ) खातों में ब्याज जमा करने की प्रक्रिया पूरी कर रहा है। सदस्य 15 जुलाई तक अपने खातों में अपनी राशि ऑनलाइन देख सकेंगे। उन्होंने बताया कि सीआईटीईएस परियोजना को सुविधा बढ़ाने, ईपीएफओ की परिचालन दक्षता में सुधार करने और सदस्यों को पारदर्शी व निर्बाध सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। मंत्री ने कहा, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 8.25 प्रतिशत की दर से लगभग 3.4 करोड़ सदस्य खातों में अनुमानित 1.44 लाख करोड़ रुपये से अधिक का ब्याज स्वतः प्रसंस्कृत किया जाएगा। इसके बाद क्षेत्रीय अधिकारी इसका सत्यापन करेंगे और फिर राशि सदस्यों के खातों में जमा की जाएगी। सदस्य 15 जुलाई तक अपनी पासबुक में ब्याज जमा होने का विवरण देख सकेंगे।

टमाटर और एलपीजी की बढ़ती कीमतों से रसोई का बजट बिगड़ रहा है

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिसिल इंटेलिजेंस की 'रोटी राइस रेट' रिपोर्ट के अनुसार, टमाटर, वनस्पति तेल और रसोई गैस की ऊंची कीमतों के कारण घरेलू भोजन का खर्च निकट भविष्य में दबाव में रहेगा। आलू की कीमतों में कमी से मिली राहत को ये बढ़ती कीमतें बेअसर कर रही हैं। जून में घर पर शाकाहारी थाली बनाने की लागत में सालाना आधार पर 5 फीसदी की वृद्धि हुई। वहीं, मांसाहारी थाली की लागत में सालाना आधार पर 6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। क्रिसिल के अनुसार, फरवरी और मार्च में अधिक तापमान के कारण गर्मी की फसल की बुवाई में देरी हुई। इससे टमाटर की कीमतों में सालाना आधार पर 31 फीसदी की वृद्धि हुई। पश्चिम एशिया में संघर्ष से आपूर्ति बाधित होने के कारण वनस्पति तेल और एलपीजी की कीमतों में भी सालाना आधार पर 10 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। प्याज की कीमतें भी बढ़ीं क्योंकि अधिक कीमत वाले रबी के भंडार बाजार में आए। हालांकि, नई रबी फसल के आने से आलू की कीमतों में 14 फीसदी की गिरावट

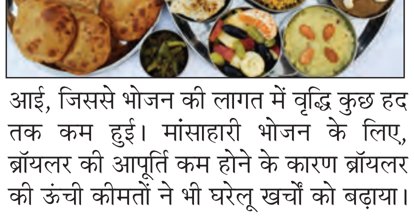

आई, जिससे भोजन की लागत में वृद्धि कुछ हद तक कम हुई। मांसाहारी भोजन के लिए, ब्रॉयलर की आपूर्ति कम होने के कारण ब्रॉयलर की ऊंची कीमतों ने भी घरेलू खर्चों को बढ़ाया। यह कुल लागत का लगभग 50 फीसदी था। अत्यधिक गर्मी से मुर्गी पालन की आपूर्ति प्रभावित हुई, जिससे पक्षियों की मृत्यु दर बढ़ी, वजन कम हुआ और नए चूजों को पालना कठिन हो गया। इस कारण चिकन की कीमतों में सालाना आधार पर सात फीसदी की वृद्धि का अनुमान है।मासिक आधार पर, जून में शाकाहारी और मांसाहारी थाली की लागत में क्रमशः 4 फीसदी और 3 फीसदी की वृद्धि हुई। यह मई की तुलना में टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण हुआ।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
चीजें आपके अनुसार कार्य नहीं कर रही है जैसे की अपने योजना बनाई थी , लेकिन आपको इस कारण से आक्रामक नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे आपके सारे प्रयास बर्बाद हो सकते हैं। कार्य में प्रगति के लिए आपको धैर्य की आवश्यकता होगी लेकिन ये इतनी आसानी से आपको नहीं मिलेगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपके कार्य क्षेत्र या करियर में परिवर्तन आने के संकेत हैं। अगर आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में सोच रहे है, तो आज आपके अंतिम कदम उठाने की संभावना है। हो सकता है की आप अपना प्रशिक्षण संस्थान भी खोले जो की आप लंबे समय से करना चाहते थे । इस प्रक्रिया में, आपको कुछ जोखिम भी लेने पड़ सकते है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज उत्तरार्द्ध में एक व्यापारिक यात्रा आपको करनी पड़ सकती है । यह बौद्धिक विवेक को बढ़ाने के लिए एक महान अवसर होगा। अगर आप अपने आप को बोझिल महसूस कर रहे है , तो पूर्वार्द्ध में अवकाश लेकर अपने आप को तैयार करे की किस तरह से आप अपने आप को औरो के सामने प्रस्तुत करेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप अपने कार्यों को पूरा करने के लिए थोड़ा रुकने की जरुरत है एवं आपको कुछ समय निकालने की जरुरत है , ताकि आप अपने अतीत के अनुभवों पर विचार कर सके । आप अपने अतीत का मूल्यांकन करें की किस चीज को आपको बदलने की जरुरत है और किस चीज को ग्रहण करने की जरुरत है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
अपना बेहतर प्रयास डाले । आपने दुसरो का समर्थन किया है परन्तु वे अपने बारे में अच्छा नहीं सोचते न जानते और आपके प्रयासों की सराहना करना वे भूल गए । आप ऐसे लोगों के बारे में चिंता न करे और अपने प्रयास जारी रखे ! अपनी कार्य के प्रति अपनी भावनाओ को लगाये न की उन लोगो के लिए जो आपको महत्व नहीं देते ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आपको अपनी आय और व्यय का संतुलन करना मुश्किल होगा । आज अपनी आय की वृद्धि के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू करने के लिए भी ये सबसे अच्छा दिन है। आपको अपनी पसंद के हिसाब से कुछ कार्य मिल सकता है और यह अगले कुछ वर्षों में आपके प्राथमिक कार्य बनने की क्षमता रखता है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपको नयी नौकरी का प्रस्ताव मिल सकता है जो की आपके क्षेत्र से अलग होगा । आपको दोनों क्षेत्रो को आपस में तोलना होगा ताकि आप सही करियर का निर्णय ले सके , हालाँकि ये आपके लिए काफी चुनौतीपूर्ण होगा पर आप पूरी तरह से अपना कार्य क्षेत्र को न बदले । आप अपने परिवार या अपनी जीवन संगिनी का मत भी ले सकते है की कौन सा कार्य क्षेत्र आपके लिए उपयुक्त रहेगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आपके लिए एक भाग्यशाली दिन है। आप किसी भी बैठक या बातचीत में शीर्ष पर रहेंगे। आप बहुत आसानी से किसी भी घुमावदार स्थिति से बाहर आ जाएंगे । आपके प्रयासों की सराहना की जाएगी। अगर आप एक संपत्ति में आज निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो आपको एक अच्छा सौदा मिल सकता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज का दिन अपने प्रयासों को तेज करने और अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सबसे अच्छा समय है । आप अपनी परियोजना के सफलतापूर्वक अंतः के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए आप कड़ी मेहनत करेंगे । आपका संकल्प और अच्छे प्रयास बर्बाद नहीं होंगे और आप निकट भविष्य में अच्छे फल की उम्मीद कर सकते है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज का दिन अपने विरोधियों को आमंत्रित करने एवं अपने बुनियादी ढांचे और अपनी ताक़त को दिखाने का एक सही दिन है। इसकी वजह से आपके धुर विरोधी बोली से पहले ही हार जाएंगे या किसी परियोजना पर आप अपने हस्ताक्षर कर पायेंगे जो की आपके व्यवसाय को आगे की और ले जाएगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
कार्यस्थल पर आपका ध्यान भटक सकता है जो की आपकी उत्पादकता को कम कर सकता हैं। कार्यालय में प्रेम प्रसंग की एक संभावना आपको अपने कार्य से दूर ले जा सकती है हालांकि, आपको वापस अपनी एकाग्रता लाने की जरूरत है। ऐसी कोई भी कार्रवाई करने से बचें जो आपके सहयोगियों को परेशान या आक्रामक बनाये ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
इस बात के काफी मजबूती से संकेत मिल रहे है की आप को अपनी नौकरी की वजह से विदेश जाना पड़ सकता है । जिन विद्यार्थियों ने वीसा के लिए आवेदन किया हुआ है उनका काम आज पूर्ण होने के आसार बन रहे है । आपका कार्य स्थान का परिवर्तन ऐसी जगह हो सकता है जिससे आप अनजान हो ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

पांचना बांध विवाद: नहीं थमा किसानों का आंदोलन

पानी की मात्रा बढ़ाने की मांग पर अड़े ग्रामीण, रोडवेज बसों का संचालन बंद

गंगापुर सिटी क्षेत्र के वजीरपुर उपखंड में मुख्य मार्ग पर लगाया जाम

करौली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। करौली जिले में पांचना बांध से जल निकासी को लेकर शुरू हुआ विवाद अब तक पूरी तरह शांत नहीं हो सका है। कमांड क्षेत्र की नहरों में पानी पहुंचने के बावजूद किसानों ने आंदोलन और जाम जारी रखा हुआ है। हिण्डौन, गंगापुर सिटी और आसपास के इलाकों में कई स्थानों पर किसान सड़क पर डटे हुए है, जिससे आमजन और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्रशासन दिनभर किसानों से बातचीत कर गतिरोध समाप्त कराने के प्रयास करता रहा, लेकिन देर शाम तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका।

लगातार जारी जाम के कारण हिण्डौन-करौली और हिण्डौन-गंगापुर सिटी मार्ग पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। देर शाम तक कई स्थानों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। जाम के कारण लोगों को वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना पड़ा। स्थानीय लोगों और यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा, जिससे दैनिक जीवन भी प्रभावित हुआ।

सड़क मार्ग बाधित होने के चलते राजस्थान रोडवेज ने हिण्डौन-करौली और हिण्डौन-गंगापुर सिटी मार्ग पर बसों का संचालन बंद कर दिया। बस सेवा ठप होने से बड़ी संख्या में यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी। कई यात्रियों को निजी वाहनों या दूसरे मार्गों से सफर करना पड़ा। रोडवेज अधिकारियों का कहना है कि मार्ग खुलने के बाद ही नियमित संचालन शुरू किया जाएगा। पांचना बांध का पानी कमांड क्षेत्र की नहरों के जरिए बांदी गांव तक पहुंच गया। इसके बावजूद किसानों का कहना है कि नहर में पानी का दबाव पर्याप्त नहीं है, जिससे अंतिम छोर तक सिंचाई नहीं हो पाएगी। किसानों की मांग है कि पानी का प्रवाह बढ़ाया जाए ताकि सभी गांवों और खेतों तक बराबर मात्रा में पानी पहुंच सके। कुसमाय गांव में पानी पहुंचने पर जल पूजन कार्यक्रम प्रस्तावित था, लेकिन जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के समय पर नहीं पहुंचने के कारण कार्यक्रम नहीं हो सका। मंत्री बाद में गंगापुर सिटी पहुंचे, लेकिन कुछ देर रुकने के बाद लौट गए। वहीं जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक भी ग्रामीणों से बातचीत के लिए पहुंचे, लेकिन विरोध के चलते उन्हें भी वापस लौटना पड़ा।

भू-माफियाओं ने वन विभाग की जमीन पर खड़ी कर दी आलीशान कोठियां, धारा 91 के तहत कार्रवाई कर कब्जा हटाने की तैयारी

सीकर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। सीकर शहर की लाइफ लाइन और ऑक्सीजन जोन के रूप में प्रसिद्ध स्मृति वन पर भू-माफिया व अतिक्रमियों ने कब्जा कर आलीशान कोठियां बना ली है। अतिक्रमियों ने अपनी इन कोठियों के चारों ओर बड़े-बड़े सीसीटीवी कैमरे लगा रहे हैं, मानों यह उनकी पैतृक संपत्ति हो। वन विभाग की जमीन पर बने आलीशान मकानों के बीच नगर परिषद ने डामर और सीसी सड़कें भी बना दी है और बिजली निगम ने बिजली कनेक्शन जारी कर दिए हैं।

राजनीतिक रसूखात व वन विभाग सीकर के क्षेत्रीय वन अधिकारी की की लापरवाही के चलते अतिक्रमियों को हौसले इस कदर बुलंद है कि उन्होंने वन विभाग की जमीन पर कॉलोनियों काट दी हैं और बाउंड्रीवॉल तक कर दी है। यही नहीं वन विभाग की जमीन पर कई बीघा जमीन पर कच्ची बस्ती बसी हुई है। राजस्थान पत्रिका लगातार वन विभाग की बेसकीमती जमीन पर अवैध अतिक्रमण के मुद्दे को उठाता आया है।

अतिक्रमियों ने वर्षों से वन विभाग की जमीन पर कब्जे कर रखे हैं। एक भू-माफिया ने अपनी खातेदारी की जमीन से सटते हुए लगती स्मृति वन की जमीन के कुछ हिस्से में रोड निकाल दी और प्लॉटिंग कर दी है। ठीक एक साल पहले वन विभाग ने इस कॉलोन में वन विभाग के कब्जे वाली अपनी जमीन पर गहरी खाई कर अतिक्रमण नहीं करने की हिदायत दी थी लेकिन बावजूद इसके एक मकान मालिक ने वन विभाग की जेसीबी से की गई खाई को भरते हुए अपना मकान बना लिया और आगे तक बाउंड्रीवॉल कर ली है।

स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जलदाय विभाग के जरिए इन लोगों को पेयजल कनेक्शन जारी किए हुए हैं और ट्यूबवैल तक करवा रखी है। बावजूद इसके वन विभाग स्मृति वन की जमीन से कब्जा छुड़वाने को लेकर बिलकुल भी सजग नहीं है। अवैध रूप से निर्माणाधीन भवनों पर जिला प्रशासन किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं कर रहा है। रोडवेज बस डिपो के आगे स्मृति वन की कई बीघा जमीन पर कच्ची बस्ती बसी हुई है।

एक साल पहले वन विभाग , सीकर की टीम पुलिस जाब्ते के साथ यहां से अतिक्रमण को चिन्हित कर गहरी खाई खोदने गई थी। इस दौरान रसूखदार भू-माफिया, अतिक्रमियों व कच्ची बस्ती के लोगों ने वन विभाग की टीम व वाहनों पर पथराव कर दिया था। भू-माफियाओं ने वन विभाग की टीम के सदस्यों पर लाठियों से हमला भी बोल दिया था। स्मृति वन 2012 में बना था, उस दौरान वन विभाग की अधिकांश जमीन एक्वायर कर कब्जा कर लिया गया था। ये पक्के निर्माण व मकान आदि का अतिक्रमण बहुत पुराना है। वन विभाग की जमीन से अतिक्रमण हटाने के लिए हम धारा 91 के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायालय से आदेश करवाकर अतिक्रमण ध्वस्त करेंगे। इसके लिए हमने प्रक्रिया शुरू कर दी है।

बेकाबू ट्रॉले ने फुटपाथ पर बैठे परिवार को रौंदा, पिता और 3 मासूम बेटों की मौत

जयपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में तेज रफ्तार ट्रेलर ने फुटपाथ पर बैठे एक परिवार को कुचल दिया। दर्दनाक हादसे में पिता और उसके तीन मासूम बेटों की मौत हो गई, जबकि मां गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा इतना भीषण था कि बच्चों के शव बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए। पुलिस ने चालक और खलासी की तलाश शुरू कर दी है, जो घटना के बाद मौके से फरार हो गए।

यह हादसा श्याम नगर थाना क्षेत्र स्थित 200 फीट बाइपास, कमला नेहरू नगर में हुआ। मृतकों की पहचान राजसमंद जिले के जैतपुरा निवासी चंद्रप्रकाश (40) और उनके तीन बेटों रमेश (11), रतन (10) और दीपक (8) के रूप में हुई है। हादसे में चंद्रप्रकाश की पत्नी कैलाशी (35) गंभीर रूप से घायल हुई हैं। उनके दोनों पैर टूट गए हैं और उनका एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में उपचार चल रहा है।

पुलिस के अनुसार बागरी समाज का यह परिवार जयपुर के वैशाली नगर में किराये के मकान में रहता था और फुटपाथ पर झाड़ू बनाकर बेचकर जीविकोपार्जन करता था। पूरा परिवार अपने गांव जाने के लिए बस का इंतजार कर रहा था और फुटपाथ पर बैठा हुआ था।

इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी रेलिंग तोड़ता हुआ फुटपाथ पर चढ़ गया और परिवार को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में तीनों बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल चंद्रप्रकाश और कैलाशी को अस्पताल पहुंचाया गया। उपचार के दौरान चंद्रप्रकाश ने भी दम तोड़ दिया।

हादसे के बाद ट्रेलर चालक और उसका खलासी वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर श्याम नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से मृतकों व घायल महिला को सड़क किनारे बने नाले से बाहर निकाला। बाद में क्रेन की सहायता से दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर को हटाकर यातायात बहाल कराया गया।

रेड बुल एनर्जी ड्रिंक के गोदाम पर छापा, 53 हजार से ज्यादा कैन सीज

जयपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में चल रहे 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने जयपुर के वीकेआई क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। विभाग की केंद्रीय टीम ने वीकेआई रोड नंबर-1 स्थित मेसर्स आदर्श एसोसिएट्स के गोदाम पर छापा मारकर 'रेड बुल एनर्जी' ब्रांड के 53,256 कैन सीज किए हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह के नेतृत्व में हुई कार्रवाई के दौरान 'रेड बुल एनर्जी' कैफिनेटेड बेवरेज का नमूना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत जांच के लिए लिया गया है।

विभाग ने सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेज दिया है।

जांच रिपोर्ट के आधार पर यदि लेबलिंग में नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित कंपनी के खिलाफ खाद्य सुरक्षा कानून के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे खाद्य एवं पेय उत्पादों पर किए गए भ्रामक दावों से सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध उत्पाद की जानकारी विभाग को उपलब्ध कराएं।

महंत पर कपड़े फाड़ने का आरोप लगाने वाली युवती गिरफ्तार

वीडियो पर हुआ था बवाल

सीकर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर का एक वीडियो पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर लगातार दिखाई दे रहा है। इस वीडियो में एक युवती जबरन एक बुजुर्ग पर आरोप लगाने का प्रयास करती दिखती है। इस मामले में बड़ा पुलिस एक्शन हुआ है। दरअसल ,जहां जमीनी विवाद के चलते एक महिला ने न केवल मंदिर के महंत और उनके परिवार पर जानलेवा हमला किया, बल्कि उन्हें झूठे केस में फंसाने के लिए एक सोची-समझी साजिश भी रची। सीकर के नेछवा थाना पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब महिला से कड़ाई से पूछताछ कर रही है, जबकि घटना में शामिल अन्य फरार आरोपियों की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। नेछवा थाना अधिकारी कैलाशचंद यादव के अनुसार, यह पूरा विवाद जानकीनाथ मंदिर की बेशकीमती जमीन को लेकर है, जो गांव में नए बाईपास पर स्थित है। मंदिर के महंत रामप्रनाचार्य ने पुलिस में मामला दर्ज कराया है कि वह इस जमीन की देखरेख के लिए नियमित रूप से वहां जाते हैं। 4 जुलाई की सुबह करीब 10 बजे, महंत हमेशा की तरह अपने बेटे गोविंद के साथ जमीन का जायजा लेने गए थे। साथ ही वहां एक खेजड़ी के पेड़ के नीचे बैठे थे। इसी दौरान आरोपी महिला (24) अपने पिता और भाई के साथ वहां पहुंची। जमीन पर अपना दावा ठोकते हुए उन्होंने महंत और उनके बेटे पर अचानक हमला कर दिया।

शिकायत के अनुसार, महिला और उसके भाई ने महंत रामप्रनाचार्य को पकड़कर नीचे गिरा दिया और उनके साथ जमकर मारपीट की। बीच-बचाव करने आए महंत के बेटे गोविंद पर आरोपियों ने इस कदर बर्बरता दिखाई कि उसका हाथ टूट गया। गोविंद की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे इलाज के लिए सीकर रेफर किया गया है। इतना ही नहीं, जब महंत का भतीजा प्रकाश उन्हें बचाने दौड़ा, तो आरोपियों ने उस पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। इस पूरी वारदात से जुड़ा एक बेहद चौंकाने वाला वीडियो भी सामने आया है, जिसने महिला की साजिश की पोल खोलकर रख दी। वीडियो में साफ दिख रहा है कि आरोपी महिला पहले एक युवक को अपना मोबाइल थमाती है और रिकॉर्डिंग चालू करवाती है।

कोटा के हिस्ट्रीशीटर शाहरुख की आगरा में हत्या की थी तैयारी

पुलिस ने दबोचे हथियारों से लैस 4 आरोपी

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

दौसा, 8 जुलाई (एजेंसियां)। मानपुर थाना पुलिस ने हत्या और डकैती की एक बड़ी साजिश का खुलासा करते हुए हथियारों से लैस चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन देशी कट्टे, एक देशी पिस्टल, 31 जिंदा कारतूस तथा वारदात में प्रयुक्त कार बरामद की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी आगरा में कोटा के हिस्ट्रीशीटर शाहरुख की हत्या कर नकदी लूटने का षड़यंत्र बनाकर निकले थे, लेकिन पुलिस ने समय रहते कार्रवाई कर उनके मंसूबों को विफल कर दिया। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर जिला पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं वृत्ताधिकारी मानपुर के सुपरविजन में थाना प्रभारी सतीश कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। मुखबिर से सूचना मिली कि एक कार में सवार कुछ बदमाश भारी मात्रा में हथियार लेकर कोटा से आगरा की ओर जा रहे हैं और रास्ते में हत्या व डकैती की वारदात को अंजाम देने वाले हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने नाकाबंदी कर संदिग्ध कार को रुकवाया। तलाशी के दौरान कार से तीन देशी कट्टे (.315 बोर), एक देशी पिस्टल (.22 बोर), 14 जिंदा कारतूस (.315 बोर) तथा 17 जिंदा कारतूस (.22 बोर) बरामद किए गए।

अनुकंपा नौकरी के लिए बेटी ने बड़े पापा के साथ मिलकर करवाई मां की हत्या, 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज से खुला राज

नीरज शर्मा और आरोपी बेटी आयुषी

जयपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। रिश्तों को तार-तार कर देने वाला एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिस बेटी को मां का सहारा बनना था, उसी ने कथित रूप से अपनी मां की हत्या की साजिश रच डाली। अनुकंपा नियुक्ति और जयपुर में दो मकान हथियाने के लालच में बेटी ने अपने ताऊ, ताऊ के बेटे और अन्य साथियों के साथ मिलकर सात लाख रुपए की सुपारी दी और हत्या को सड़क दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की।

पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा करते हुए मृतका की बेटी व जेठ सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि 3 जुलाई को प्रतापनगर थाना क्षेत्र में नीरज शर्मा की सड़क हादसे में मौत की मर्ग दर्ज हुई थी। मृतका के भाई राकेश शर्मा ने रिपोर्ट देकर बहन की हत्या कर उसे हादसे का रूप देने की आशंका जताई थी।

सांगानेर एसीपी हरिशंकर शर्मा ने बताया कि हत्या की शिकायत पर टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जांच में सामने आया कि वारदात से पहले एक लग्जरी कार करीब एक किलोमीटर तक महिला के पीछे पीछे धीमी गति से चल रही थी। सुनसान सड़क पर वाहन को तेज रफ्तार से महिला की ओर मोड़कर कुचल दिया।

जांच के दौरान संदिग्ध कार घटना स्थल से कुछ दूर लावारिस हालत में मिली। वाहन की नंबर प्लेट पर मिट्टी लगी थी और दुर्घटना के निशान मौजूद थे। तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर जयपुर, भरतपुर, आगरा व मथुरा में दबिश देकर सात आरोपियों को पकड़ा गया। पूछताछ में पूरे षड्यंत्र का खुलासा हो गया।

पूछताछ में आकाश ने बताया कि आयुषी व अन्य ने हेमंत को सुपारी दी थी। हेमंत ने उसको 7 लाख रुपए दिए थे। वारदात के लिए वह भरतपुर से किराए पर कार लेकर आया। वारदात के समय कार में अरविंद भी था। रोहित बाइक से साथ चलकर नीरज की लोकेशन बता रहा था।

एसीपी ने बताया कि एक साल पहले पति के निधन के बाद नीरज को अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। आयुषी चाहती थी कि मां की जगह उसे अनुकंपा नियुक्ति मिले। बेटी जयपुर स्थित पिता के दो मकानों पर भी अधिकार चाहती थी। दूसरी ओर मृतका का जेठ मोहन स्वरूप शर्मा व जेठ का बेटा बलराम हाईवे पर स्थित करीब पांच बीघा जमीन पर कब्जा करना चाहता थे। बेटी व जेठ ने मिलकर हत्या की साजिश रची।

आरोपियों ने करीब एक माह पहले भी प्रयास किया था, लेकिन सफल नहीं हुए तो दोबारा 3 जुलाई को जब नीरज नाबालिग दिव्यांग बेटे को कोचिंग छोड़कर लौट रही थी, तभी उसे कार से कुचल दिया, ताकि इसे सड़क दुर्घटना माना जाए।

10 हजार घूस लेते सचिव और कैशियर को एसीबी ने किया गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी

चूरू, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही कार्रवाई के बीच भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने चूरू कृषि उपज मंडी समिति में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अधिकारियों को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी की टीम ने कृषि उपज मंडी समिति के सचिव डॉ. विकेन्द्र कुमार और सुपरवाइजर-कम-कैशियर कमल कुमार को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए दबोच लिया। कार्रवाई के बाद मंडी समिति परिसर में हड़कंप मच गया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी चौकी चूरू को एक परिवादी की ओर से शिकायत मिली थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि उसकी फर्म को जारी नोटिस को फाइल करने के बदले मंडी समिति के सचिव और सुपरवाइजर-कम-कैशियर 20 हजार रुपए की रिश्वत की मांग कर रहे थे।

परिवादी ने बताया कि वर्ष 2019-20 और 2021 की रोकड़ बही तथा हिसाब-किताब के बिल प्रस्तुत करने के लिए उसे नोटिस जारी किया गया था और इस नोटिस को फाइल करने की एवज में लगातार रिश्वत मांगी जा रही थी। रिश्वत नहीं देने पर उसे परेशान किया जा रहा था। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले को गंभीरता से लिया और पूरे घटनाक्रम का सत्यापन कराया। बीकानेर एसीबी के उप महानिरीक्षक नारायण टोगस के सुपरवीजन में चूरू एसीबी चौकी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महावीर प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में ट्रैप की योजना बनाई गई।

सड़क हादसे में युवक की मौत, कार में डोडा-पोस्त भरे होने की सूचना से अलर्ट मोड़ पर आई पुलिस

बाड़मेर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले के उत्तरलाई रिंग रोड पर बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। हादसे में कार में सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान रामसर का कुआं निवासी जगदीश उर्फ जोगाराम के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। जिसके बाद ये भी जानकारी सामने आई की कार में डोडा-पोस्त भरा हुआ है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बाड़मेर जिले के उत्तरलाई रोड पर एक कार हादसा हुआ। हादसे का कारण अभी पता नहीं चला है लेकिन हादसा इतना गंभीर था कि कार में सवार जगदीश उर्फ जोगाराम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया और आसपास के लोगों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई। बाद में शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। परिजनों के आने के बाद पोस्टमार्टम होगा।

घटना के बाद ये भी सूचना सामने आई कि हादसे का शिकार हुई कार में डोडा पोस्त भरा हुआ था। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए कार की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ये भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वाहन में वास्तव में मादक पदार्थ था या नहीं। इसके लिए मौके से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और वाहन की तलाशी ली जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हादसे के कारणों की भी जांच की जा रही है। फिलहाल ये स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दुर्घटना तेज रफ्तार के कारण हुई या किसी अन्य वजह से। मामले की जांच की जा रही है। यदि वाहन से मादक पदार्थ बरामद होता है तो संबंधित धाराओं में अलग से कार्रवाई की जाएगी।

घटना की खबर मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी। युवक की मौत की खबर सुनने के बाद से ही परिवार में शोक का माहौल है। पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी देते हुए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

पेट्रोल पंप में घुसी तेज रफ्तार स्लीपर बस

टल गया मौत का महाविस्फोट

जयपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के जयपुर-आगरा हाईवे पर बुधवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया. जयपुर से आगरा जा रही एक प्राइवेट स्लीपर बस अचानक बेकाबू होकर हाईवे किनारे बने पेट्रोल-सीएनजी पंप में घुस गई. तेज रफ्तार बस सुरक्षा दीवार तोड़ते हुए खेत में जा रुकी. राहत की बात यह रही कि बस पेट्रोल और सीएनजी डिस्पेंसिंग मशीनों से कुछ ही फीट की दूरी से गुजरी. अगर बस मशीनों से टकरा जाती, तो स्थिति बेहद गंभीर हो सकती थी. पूरी घटना पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

जयपुर के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को टीम इंडिया में मौका

जिम्बाब्वे टी-20 सीरीज के लिए टीम में चयन

जयपुर, 8 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा का भारतीय क्रिकेट टीम में चयन हुआ है। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए टीम इंडिया में जगह मिलने के बाद उन्होंने इसे अपने जीवन का सबसे बड़ा सपना पूरा होने का क्षण बताया।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 23 से 26 जुलाई तक खेली जाने वाली तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में राजधानी जयपुर के रामपुरा गांव के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को पहली बार जगह मिली है। उनके चयन से राजस्थान के क्रिकेट प्रेमियों में उत्साह का माहौल है और उम्मीद जताई जा रही है कि वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी अपनी तेज गेंदबाजी से पहचान बनाएंगे।

टीम इंडिया में चयन के बाद अशोक शर्मा ने इसे अपने जीवन का सबसे गौरवपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि क्रिकेट खेलना शुरू करने के साथ ही भारतीय टीम की जर्सी पहनने का सपना देखा था और अब वह सपना पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि इस अवसर का पूरा लाभ उठाने की कोशिश करेंगे और अपने प्रदर्शन से भारत को सीरीज जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहेंगे।

अशोक शर्मा ने घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने चार प्रथम श्रेणी मैचों में 14 विकेट, सात लिस्ट-ए मुकाबलों में 13 विकेट और 16 टी-20 मैचों में 28 विकेट हासिल किए हैं। उनकी तेज रफ्तार और लगातार प्रभावी गेंदबाजी ने चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा।

आईपीएल में भी अशोक शर्मा राजस्थान रॉयल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और गुजरात टाइटंस जैसी टीमों का हिस्सा रह चुके हैं। वर्ष 2025 की नीलामी में गुजरात टाइटंस ने उन्हें 90 लाख रुपये में खरीदा था। आईपीएल-2026 में पंजाब के खिलाफ उन्हें डेब्यू का मौका मिला, जहां उन्होंने 154.2 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंककर सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस सीजन उन्होंने छह मैचों में छह विकेट लिए, जबकि 32 रन देकर दो विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।

हाल ही में गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट में अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करने का प्रस्ताव दिया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। इससे पहले अशोक शर्मा भारतीय-ए टीम का भी हिस्सा रह चुके हैं। जून में श्रीलंका दौरे के दौरान चोटिल हुए युद्धवीर सिंह की जगह उन्हें भारतीय-ए टीम में शामिल किया गया था। अब राष्ट्रीय टीम में चयन के साथ उनके क्रिकेट करियर ने नई ऊंचाई हासिल की है।

केटीआर ने सरकार को घेरा

किसानों के लिए पानी छोड़ने की मांग

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर किसानों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राज्य के कई इलाकों में कम बारिश के कारण किसान पानी की भारी कमी से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकार इस समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। रामाराव ने कहा कि गोदावरी नदी का बाढ़ का पानी मेडिगड्डा बैराज से लगातार नीचे की ओर बह रहा है, जबकि किसान बुवाई और धान की रोपाई के लिए पानी का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि कलेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना के तहत कन्नेपल्ली पंप हाउस को चालू कर किसानों तक पानी क्यों नहीं पहुंचाया जा रहा है।

उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार राजनीतिक कारणों से कलेश्वरम परियोजना का पूरा उपयोग नहीं कर रही है।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्नम

निविदा सूचना सं. वीएसकेपी-एसएनटी-26-27-एएमसी-01 & 02
PUB/SCoR-059

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सूचना संख्या की जानकारीः वीएसकेपी-एसएनटी-26-27-एएमसी-01, निविदा सं.- वीएसकेपी-एसएनटी-26-27-एएमसी-01, कार्य विवरणः विशाखापट्नम डिवीजन पर 03 (तीन) वर्षों की अवधि के लिए, निम्न 10 क्योसन मेक इलेक्ट्रानिक इन्टरलाकिंग सिस्टम्स के लिए, विस्तृत वार्षिक रखरखाव ठेका। स्टेशन्सः (1) डीवीडी (2) जेजीपीएम (3) पीवीपी (4) पीडीयु (5) डीएसआई (6) युएलएम (7) टीआईयु (8) केएमएक्स (9) जीएमडीए (10) केएनआरटी । मात्राः निविदा दस्तावेज में विवरितानुसार, कार्य पूरा करने की अवधिः 36 महिने, निविदा मूल्य रु.4,10,81,832.00 (रु. चार करोड दस लाख इक्यासी हजार तथा आठसौ बत्तीस मात्र), बोली सुरक्षा/जमा किया जानेवाला अग्रधनः 3,55,400.00 (रु. तीन लाख पचपन हजार तथा चार सौ मात्र), निविदा दस्तावेज मूल्य रु.11,800.00 (रु.ग्यारह हजार तथा आठसौ मात्र), वैध आफरः निविदा खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा का प्रकारः सर्विसेज हेतु जीसीसी-2018 द्वारा शासित सर्विस टेंडर, निविदाकरण की प्रणालीः खुली निविदा-दो पैकेट, निविदा बंद करने की तिथि व समयः 27-07-2026 के 15.00 बजे, **निविदा दस्तावेज व शुद्धिपत्रः वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in देखें।**

निविदा सूचना संख्या की जानकारीः वीएसकेपी-एसएनटी-26-27-एएमसी-02, निविदा सं.- वीएसकेपी-एसएनटी-26-27-एएमसी-02, कार्य विवरणः विशाखापट्नम डिवीजन पर 03 (तीन) वर्षों की अवधि के लिए, निम्न 29 एचबीएल मेक आईपीएस के लिए, विस्तृत वार्षिक रखरखाव ठेका। मात्राः निविदा दस्तावेज में विवरितानुसार, कार्य पूरा करने की अवधिः 36 महिने, निविदा मूल्य रु.1,16,66,700.00 (रु.एक करोड सोलह लाख छियासठ हजार तथा सातसौ मात्र), बोली सुरक्षा/जमा किया जानेवाला अग्रधनः 2,08,300.00 (रु. दो लाख आठ हजार तथा तीन सौ मात्र), निविदा दस्तावेज मूल्य रु. 5,900.00 (रु.पांच हजार तथा नौ सौ मात्र), वैध आफरः निविदा खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा का प्रकारः सर्विसेज हेतु जीसीसी-2018 द्वारा शासित सर्विस टेंडर, निविदाकरण की प्रणालीः खुली निविदा-दो पैकेट, निविदा बंद करने की तिथि व समयः 27-07-2026 के 15.00 बजे, निविदा **दस्तावेज व शुद्धिपत्रः वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in देखें।**

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & दूरसंचार अभियंता /विशाखापट्नम

खुली ई-निविदा सूचना
PUB/SCoR-060

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि. 31-07-2026 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः निविदा सूचना सं. व दि.-एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-ई11-ओटी-26-27, दि.06-07-2026, विजयवाडा डिवीजनः सिग्नल व दूरसंचार विभागः तत्संबंधित के प्रति एस एण्ड टी कार्य 1) विजयवाडा डिवीजन के राजमंड्री स्टेशन पर, रोड नं.1,4,6 (गूड्स लूप.1) तथा अप (रोड 2) एवं डाउन (रोड 3) मेन लाइन्स पर मौजूदा ट्रैक सर्कूट्स के ड्युल डिटेक्शन के लिए एमएसडीएसी का प्रावधान। 2) विजयवाडा डिवीजन के विजयवाडा स्टेशन पर रोड नं. 1,5,6,7 तथा पुल सं. 4ए तथा 4 पर मौजूदा ट्रैक सर्कूट्स के ड्युएल डिटेक्शन हेतु एमएसडीएसी का प्रावधान। 3) विजयवाडा डिवीजन के पीटीएस/बीजेडए पर इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्ज के लिए अतिरिक्त ट्रिप इन्सपेक्शन सुविधाओं का प्रावधान।

निविदा मूल्य रु.7,76,05,519.08 पैसे, अग्रधन रु.15,52,100.00 आनलाइन या बोली सुरक्षा द्वारा, सीटीबी रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 06 महिने

क्रम सं.2, कार्य विवरणः निविदा सूचना सं. व दि.-एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-ई12-ओटी-26-27, दि.06-07-2026, बीजेडए डिवीजन में एक वर्ष की अवधि के लिए, निवूड मेक 100 नग तथा संचार मेक 100 नग के 05 वॉट्ट वीएचएफ सेट्स की मरम्मत के लिए वार्षिक मरम्मत ठेका।

निविदा मूल्य रु.2,87,746.00, अग्रधन रु.5,800.00, सीटीबी रु. शून्य, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने

बंद करने की तिथि व समयः 31-07-2026 के 15.30 बजे

1 **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेज में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण जैसे कार्य का पूरा नाम, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि उपलब्ध है।

2. भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले **वेबसाइटः**www.ireps.gov.in पर जाएं।

विभागीय रेल प्रबंधक (एस & टी) / विजयवाडा

पुलिस की फिटनेस की मजबूत नींव है खेल : डीजीपी

खेल शारीरिक मजबूती के साथ मानसिक साहस भी बढ़ाते हैं : अभिनेता नवीन

स्वर्ण पदक विजेता को तीन लाख रुपये और तीन विशेष वेतनवृद्धियां

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस के महानिदेशक सी. वी. आनंद ने कहा कि पुलिस कर्मियों की शारीरिक क्षमता, मानसिक स्वास्थ्य और अनुशासन को मजबूत बनाने में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने अधिकारियों से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने का आह्वान करते हुए कहा कि खेलों को कभी भी समय की बर्बादी नहीं समझना चाहिए।

बुधवार को मल्काजगिरि पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र के सरूरनगर इंडोर स्टेडियम में पांचवें तेलंगाना राज्य पुलिस खेल एवं क्रीड़ा महोत्सव-2026 का उद्घाटन करते हुए डीजीपी ने कहा कि इस वर्ष पहली बार राज्य स्तरीय पुलिस खेलों का आयोजन पांच क्लस्टरों में किया जा रहा है। 21 टीमों के खिलाड़ी 34 प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड की तर्ज पर तैयार की गई है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग खेलों का आयोजन कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार किया जा सके।

डीजीपी ने खेल मशाल प्रज्वलित कर प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया तथा राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता आरएसआई गोविंद रेड्डी को खेल मशाल सौंपी। इसके बाद शांति, एकता और खेल भावना के प्रतीक के रूप में सफेद कबूतर तथा रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़कर प्रतियोगिताओं का विधिवत उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि पिछले 35 वर्षों से राज्य पुलिस खेल एक ही स्थान पर आयोजित होते रहे हैं, लेकिन नई व्यवस्था के कारण राज्यभर के अधिक पुलिस अधिकारी और कर्मचारी प्रतियोगिताओं में भाग ले सकेंगे। इससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें अखिल भारतीय पुलिस खेलों तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर ढंग से तैयार किया जा सकेगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण, कोचिंग और फिटनेस सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। डीजीपी ने बताया कि पिछले वर्ष अखिल भारतीय पुलिस खेलों में तेलंगाना पुलिस ने 21 पदक जीते थे और इस बार स्वर्ण पदकों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने खिलाड़ियों के लिए सरकार द्वारा घोषित प्रोत्साहनों का भी उल्लेख किया। स्वर्ण पदक विजेता को तीन लाख रुपये और तीन विशेष वेतनवृद्धियां, रजत पदक विजेता को दो लाख रुपये और दो विशेष वेतनवृद्धियां तथा कांस्य पदक विजेता को एक लाख रुपये और एक विशेष वेतनवृद्धि प्रदान की जाएगी।

अपने संबोधन में डीजीपी ने कहा, यह सोच गलत है कि 'मैं एक दिन पुलिस सेवा छोड़ दूं, लेकिन खेलना कभी नहीं छोड़ूंगा।' उन्होंने बताया कि गोल्फ खेलने से उन्हें ध्यान जैसी मानसिक शांति मिलती है और व्यस्त दिनचर्या के बावजूद खेल उन्हें मानसिक ऊर्जा प्रदान करते हैं। मल्काजगिरि पुलिस आयुक्त सुमति ने कहा कि राज्य स्तरीय पुलिस खेलों की मेजबानी करना उनके आयुक्तालय के लिए गर्व की बात है।

गोदावरी घाटी के सभी कोयला ब्लॉक एससीसीएल को आवंटित किए जाएं : भट्टी विक्रमार्क

केंद्र सरकार पर तथ्यों को छिपाने और भ्रम फैलाने का लगाया आरोप

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने केंद्र सरकार से मांग की है कि गोदावरी घाटी कोयला क्षेत्र में बचे हुए सभी कोयला ब्लॉकों का आवंटन राज्य सरकार के उपक्रम सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) को किया जाए। मीडिया से बातचीत में भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि एससीसीएल एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है और इन क्षेत्रों में कोयला खनन करने का कानूनी अधिकार उसी के पास है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में केंद्र सरकार को कई बार पत्र लिखकर अवगत कराया गया है। यदि केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी को वास्तव में सिंगरेनी की चिंता है तो उन्हें गोदावरी घाटी क्षेत्र के सभी कोयला ब्लॉक सिंगरेनी को आवंटित करने चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि केंद्र सरकार कोयला ब्लॉक आवंटन के मामले में तथ्यों को छिपाकर भ्रमित करने वाली जानकारी दे रही है। उन्होंने केंद्रीय कोयला मंत्री किशन रेड्डी के उस बयान पर आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार ने ताडीचर्ला-2 कोयला ब्लॉक सिंगरेनी को आवंटित किया है। भट्टी विक्रमार्क ने स्पष्ट किया कि ताडीचर्ला-2 कोयला ब्लॉक वर्ष 2013 में ही सिंगरेनी को आवंटित किया जा चुका था, जबकि वर्तमान में केंद्र सरकार ने केवल खनन पट्टे की अनुमति दी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 में आवंटित ब्लॉक के लिए केंद्र सरकार ने खनन पट्टा जारी करने में काफी देरी की। कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद राज्य सरकार लगातार केंद्र से इस मुद्दे पर पत्राचार करती रही और इसके परिणामस्वरूप खनन पट्टे की मंजूरी मिली। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि कोयागुडेम-3 खुली खदान ब्लॉक और सत्युपल्ली खुली खदान-3 ब्लॉक, जिन्हें नियमों के विपरीत निजी कंपनियों को आवंटित किया गया था, वहां अभी तक खनन कार्य शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने मांग की कि इन ब्लॉकों को तत्काल वापस लेकर सिंगरेनी को सौंपा जाए। उन्होंने कहा कि गोदावरी घाटी क्षेत्र के कोयला ब्लॉकों की नीलामी करने के बजाय उन्हें सीधे सिंगरेनी को दिया जाना चाहिए। क्षेत्र में आदिवासी कानूनों और स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए केंद्र सरकार को सरकार-से-सरकार (जी-टू-जी) व्यवस्था के माध्यम से इन ब्लॉकों का आवंटन करना चाहिए। इस अवसर पर सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. बुद्ध प्रकाश ज्योति, निदेशक वेंकटेश्वरलु, गौतम पोत्रु सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राजेश कुमावत 11 जुलाई को हैदराबाद आएंगे

हैदराबाद,8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चिगीचेला स्थित कुमावत समाज भवन में राजस्थान प्रदेश के कांग्रेस कमेटी की ओबीसी सलाहकार परिषद के सदस्य, एवं राजस्थान प्रदेश के कांग्रेस पूर्व सचिव राजेश कुमावत दो दिवसीय हैदराबाद प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे प्रवासी समाज बंधुओं, कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न संगठनों से मिलेंगे तथा सामाजिक-राजनीतिक चर्चाओं में भाग लेंगे। कुमावत समाज तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत , प्रदेश सचिव धर्माराम कुमावत के अनुसार, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओबीसी सलाहकार परिषद के सदस्य, एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस पूर्व सचिव राजेश कुमावत का विमान सुबह 8 बजे शमशाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आगमन होगा।

डॉ अध्यक्ष महेन्द्र कुमावत कल से हैदराबाद प्रवास पर रहेंगे

हैदराबाद,8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चिगिचेला स्थित कुमावत समाज भवन में राजस्थान प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष डॉ महेन्द्र कुमावत दो दिवसीय हैदराबाद प्रवास पर रहेंगे।

इस दौरान वे प्रवासी समाज बंधुओं, कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न संगठनों से मिलेंगे तथा सामाजिक-राजनीतिक चर्चाओं में भाग लेंगे। कुमावत समाज तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष तिलायचा सोनाराम कुमावत, प्रदेश सचिव धर्माराम कुमावत के अनुसार, डॉ महेन्द्र कुमावत का विमान सायं 5 बजे शमशाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आगमन होगा।

मुख्य सचिव ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव संजय जाजू ने डॉ. बी. आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्य सचिव ने विभाग की विभिन्न गतिविधियों और प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों को बेहतर और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए नई पीढ़ी के नागरिक सेवा मंचों की पहचान कर उन्हें लागू किया जाए। संजय जाजू ने मीसेवा सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाने तथा नागरिक केंद्रित ई-शासन पहलों को तेज गति से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

जेपी नड्डा आज तेलंगाना के दौरे पर, एआईआईएमएस की समीक्षा करेंगे

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा गुरुवार को तेलंगाना के दौरे पर रहेंगे, जहाँ वे कई सरकारी और राजनीतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। गुरुवार नौ जुलाई नड्डा सुबह 10.55 बजे शमशाबाद एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से एआईआईएमएस बीबीनगर जाएंगे। वहां वे दोपहर 12 बजे से 1.30 बजे तक एक बैठक में संस्थान के कामकाज की समीक्षा करेंगे। इसके बाद, वे हैदराबाद में बीजेपी के राज्य मुख्यालय जाएंगे, जहां वे दोपहर 3.30 बजे से शाम 5 बजे तक पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा करेंगे। शाम को, शमशाबाद एयरपोर्ट के लिए रवाना होने से पहले, नड्डा शाम 5.30 बजे से 7 बजे तक ताज डेक्कन होटल में बुद्धिजीवियों के साथ बातचीत करेंगे। उनके रात 9 बजे दिल्ली के लिए रवाना होने का कार्यक्रम है।

फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्र गिरोह का किया पर्दाफाश, एक आरोपी गिरफ्तार, दो अन्य फरार

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मीरचौक पुलिस ने फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्र तैयार कर बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 15 फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्र, एक मोबाइल फोन और एक स्कूटर बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने अपराध संख्या 175/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 338 और 339 के अंतर्गत मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, मीरचौक पुलिस थाने की उपनिरीक्षक सी. अनिता को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के साथ इतैबार चौक आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अब्दुल रशीद खान (38), निवासी अहमद कॉलोनी, नसीब नगर, चंद्रायनगुट्टा, हैदराबाद को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के पास से विभिन्न विश्वविद्यालयों और शिक्षा बोर्डों के नाम पर तैयार किए गए फर्जी प्रमाणपत्र बरामद किए हैं। इनमें तमिलनाडु के एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी से संबंधित बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी और बीएससी कंप्यूटर साइंस के प्रमाणपत्र तथा महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, पुणे से संबंधित प्रमाणपत्र शामिल हैं।

जांच में पता चला कि आरोपी विदेशों में नौकरी पाने के इच्छुक लोगों को निशाना बनाकर फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्र बेचते थे और इसके जरिए कम समय में अधिक पैसा कमाने का प्रयास करते थे। इस मामले में शामिल दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश पुलिस कर रही है। यह कार्रवाई चारमीनार क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त खरे किरण प्रभाकर, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त एम. ए. मजीद के मार्गदर्शन में की गई। अभियान की निगरानी सहायक पुलिस आयुक्त जी. श्याम सुंदर, मीरचौक पुलिस निरीक्षक एम. कोंडला राव, जासूसी निरीक्षक एन. सैदैया और उपनिरीक्षक सी. अनिता ने की। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम की सराहना की।

खुली ई-निविदा सूचना सं. ई-03-सीपीओएच-आरवाईपी-2026, दि.06-07-2026
PUB/SCoR-061

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.31-07-2026 के 15.00 बजे तथा तत्संबंधित तिथि तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं. ई-03-सीपीओएच-आरवाईपी-2026, कार्य विवरणः वर्ष 2026-27 तथा 2027-28 के लिए, सीपीओएच/आरवाईपी (62 मशीनें) पर, खराब हैड्रालिक होजेस के स्थान पर ट्रैक मशीनों की रिप्लेसमेन्ट या बदलाव करना तथा मोडना या क्रिम्पिंग कार्य।

कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, निविदा मूल्य रु. 2,20,84,782.50, अग्रधन रु.4,41,700.00, बंद करने की तिथिः 31-07-2026

1 वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेज में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण जैसे कार्य का पूरा नाम, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि उपलब्ध है।

2. भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले **वेबसाइटः**www.ireps.gov.in पर जाएं।

3 यह निविदा सूचना, उप मुख्य अभियंता का कार्यालय, सीपीओएच, द.म. रेलवे, रायनपाडू पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शायी गयी है।

4 रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए, निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in **पर जाएं।**

SCoR-A061 उप मुख्य अभियंता/ सीपीओएच/रायनापाडू

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in देखें।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा एवं आरती कर प्रसाद का आनंद लिया गया। इसमें मुख्य यजमान में पद्म किरण शेष वेंकटेश रेड्डी एच राजेंद्र कुमार अग्रवाल सुरेंद्र कुमार अग्रवाल गोपाल बलदवा विट्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले विजय कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले महेश कुमार डकोटिया सुरेश कुमार अग्रवाल सीए अजय कुमार अग्रवाल राहुल सिंघल पीएसआर मूर्ति विजया लक्ष्मी संध्या अग्रवाल एवं अन्य।

जामबाग़ डिवीज़न के पूर्व कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने पत्थर की मस्जिद के सामने 'डोर-टू-डोर' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में राजू यादव, अनिल यादव, अमित, बीएलओ-1 बाला लक्ष्मी, सुनीता और नागाश्री भी शामिल हुए।

इलेक्ट्रिक बसों का संचालन फिर शुरू

118 और बसों को मिली मंजूरी

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बैटरी सुरक्षा जांच के कारण करीब एक सप्ताह से बंद पड़ी टीजीएसआरटीसी की जेबीएम इलेक्ट्रिक बसों का संचालन अब चरणबद्ध तरीके से फिर शुरू किया जा रहा है। बुधवार को 118 और बसों को फिटनेस मंजूरी मिलने के बाद उन्हें दोबारा सड़कों पर उतारने की तैयारी शुरू कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, विस्तृत तकनीकी जांच के बाद सभी 118 बसों को पूरी तरह सुरक्षित और संचालन के योग्य पाया गया है। इससे पहले 150 बसों को भी मंजूरी मिल चुकी थी। अब तक कुल 268 इलेक्ट्रिक बसें दोबारा सेवा में लौट चुकी हैं। बाकी बसों की सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद उन्हें भी जल्द संचालन में शामिल किया जाएगा।

टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वाई नागी रेड्डी ने सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देश दिया है कि जिन मार्गों पर अभी इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध नहीं हैं, वहां अतिरिक्त बसें चलाई जाएं ताकि यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो।

अधिकारियों ने बताया कि फिटनेस प्रमाण पत्र बस भवन स्थित कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में टीजीएसआरटीसी की तकनीकी टीम, जेबीएम के इंजीनियरों और चीन के बैटरी विशेषज्ञों द्वारा जांच के बाद ही जारी किया जा रहा है। गौरतलब है कि बैटरी से जुड़ी आग लगने की कई घटनाओं, विशेष रूप से 21 जून को करीमनगर जिले के अलुगुनूर के पास हुई घटना के बाद, टीजीएसआरटीसी ने 2 जुलाई को एहतियात के तौर पर राज्यभर में जेबीएम की सभी इलेक्ट्रिक बसों का संचालन रोक दिया था।

निरंजन के निधन पर पवन दुखी

दुर्लभ बीमारी से हुई मौत

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण ने अपने 17 वर्षीय प्रशंसक निरंजन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी से जूझ रहे निरंजन ने बुधवार को दम तोड़ दिया। पवन कल्याण ने सोशल मीडिया पर भावुक संदेश जारी करते हुए कहा कि निरंजन के निधन की खबर से उन्हें गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले हनुमाकोंडा स्थित निरंजन के घर जाकर उससे मुलाकात की थी, जिसकी यादें हमेशा उनके मन में रहेंगी। निरंजन गंभीर बीमारी के कारण लंबे समय से बिस्तर पर थे। उनकी अंतिम इच्छा पवन कल्याण से मिलने की थी। 17 जून को पवन कल्याण ने हनुमाकोंडा पहुंचकर उनकी इच्छा पूरी की थी और उनके साथ समय बिताया था। पवन कल्याण ने कहा कि निरंजन का शरीर बीमारी से कमजोर था, लेकिन उसका हौसला बहुत मजबूत था। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में बीमारी से लड़ते हुए निरंजन ने जो साहस और उम्मीद दिखाई, वह प्रेरणादायक है। उन्होंने निरंजन के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से उन्हें इस दुख को सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की। पवन कल्याण ने कहा कि निरंजन की मुस्कान और साहस हमेशा उनकी यादों में बने रहेंगे। इस बीच अभिनेता और समाजसेवी सोनू सूद ने भी वीडियो कॉल के जरिए निरंजन के परिवार से बात कर श्रद्धांजलि दी।

पानी संकट पर छात्राओं का प्रदर्शन

महिला छात्रावास में आपूर्ति की मांग

नालगोंडा, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के महिला छात्रावास में रहने वाली छात्राओं ने पानी की समस्या को लेकर मंगलवार देर रात विरोध प्रदर्शन किया। छात्राओं ने पीने के पानी और दैनिक उपयोग के लिए पानी की कमी का आरोप लगाते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। छात्राओं का कहना है कि छात्रावास के लिए निर्धारित पानी की आपूर्ति को विश्वविद्यालय में चल रहे नए भवनों के निर्माण कार्यों की ओर मोड़ दिया गया है। इसके कारण छात्रावास में रहने वाली छात्राओं को रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में परेशानी हो रही है। समस्या का समाधान नहीं होने पर बड़ी संख्या में छात्राएं रात करीब एक बजे कुलपति के गेस्ट हाउस के सामने पहुंच गईं और पानी की तत्काल व्यवस्था की मांग को लेकर नारेबाजी की।

ऑनलाइन निवेश में 86 लाख की ठगी

डॉक्टर को झांसा देकर उड़ाए रुपये

हैदराबद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मीरपेट के 76 वर्षीय एक डॉक्टर ऑनलाइन निवेश के नाम पर 86.44 लाख रुपये की ठगी का शिकार हो गए। आरोप है कि जालसाजों ने लोगों का भरोसा जीतने के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम का भी इस्तेमाल किया। पुलिस के अनुसार, डॉक्टर ने सोशल मीडिया पर निवेश से जुड़ा एक विज्ञापन देखा और उस पर क्लिक किया। इसके बाद दो लोगों ने उनसे संपर्क कर खुद को एक वेंचर कैपिटल कंपनी का प्रतिनिधि बताया।

उन्होंने बेहतर मुनाफे का लालच देकर डॉक्टर को डीमैट खाता खुलवाने के लिए तैयार किया। आरोप है कि जालसाजों ने पंजीकरण, ट्रेडिंग, कमीशन, बैंक, सेबी और कर शुल्क के नाम पर डॉक्टर से अलग-अलग किस्तों में 86.44 लाख रुपये अपने खातों में जमा करा लिए। इसके बाद उन्होंने फर्जी मुनाफे का विवरण भेजा और लाभ की राशि जारी करने के नाम पर फिर से पैसे मांगने लगे। जब डॉक्टर को ठगी का संदेह हुआ तो उन्होंने हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सेवानिवृत्त शिक्षक ने की आत्महत्या

जंगांव, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जंगांव जिला मुख्यालय के औद्योगिक क्षेत्र स्थित पूर्णिमा कॉलोनी में एक सेवानिवृत्त सरकारी शिक्षक ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान करीब 62 वर्षीय पगीदिपल्ली मल्लैया के रूप में हुई है। वह सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली राशि का इंतजार कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, मल्लैया ने मंगलवार को अपने घर में वेंटिलेटर की ग्रिल से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि उन्होंने आत्महत्या से पहले करीब 20 पन्नों का एक पत्र छोड़ा, जिसमें मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश और अपने परिवार के सदस्यों के नाम संदेश लिखा था।

सुसाइड नोट में उन्होंने सरकार से मिलने वाली बकाया राशि और रिश्तेदारों को दिए गए पैसों का विवरण लिखा है। उन्होंने बताया कि उन्हें अभी तक सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) की करीब 10.77 लाख रुपये की राशि नहीं मिली थी। मल्लैया ने अपनी मौत के लिए जीपीएफ भुगतान में देरी और कुछ रिश्तेदारों द्वारा उधार ली गई रकम वापस नहीं करने को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कुछ अन्य लोगों का भी पत्र में उल्लेख किया है, जिनसे उन्हें पैसे मिलने थे। जानकारी के अनुसार, मल्लैया 31 अगस्त 2024 को सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हुए थे। इसके बाद उन्होंने रिश्तेदारों और दोस्तों से उधार लेकर अपनी बेटी की शादी कराई थी। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कप्तान श्रेयस बोले- खराब प्रदर्शन, ऐसी हार स्वीकार्य नहीं

गंभीर ने सैमसन की वापसी के संकेत दिए; भारत की हार पर किसने क्या कहा?

नॉटिंघम, 8 जुलाई (एजेंसियां)। टीम इंडिया को टी-20 क्रिकेट में अपनी सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी। उसे इंग्लैंड ने तीसरे मैच में 125 रन से हराया। ट्रेंट ब्रिज स्टेडियम में 202 रन चेज कर रही टीम इंडिया सिर्फ 76 रन पर ऑलआउट हो गई।

मैच के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने टीम के प्रदर्शन को बेहद खराब बताया। वहीं, हेड कोच गंभीर बचाव करते नजर आए। उन्होंने सीरीज में संजू सैमसन की वापसी के संकेत भी दिए।

हमारा प्रदर्शन बेहद खराब था। इतनी बड़ी हार स्वीकार्य नहीं है। टीम को गलतियों से सीख लेकर मजबूती से वापसी करनी होगी। फिर ड्रॉइंग बोर्ड पर लौटकर अपनी कमियों पर काम करना होगा।

भारतीय टीम अय्यर की कप्तानी में चौथा टी-20 मैच हारी है। वे इस मैच में सिर्फ 5 रन ही बना सके। भारतीय कप्तान ने गेंदबाजों के प्रदर्शन पर कहा-

'मुझे नहीं लगता कि यह 200 रन वाली विकेट थी।' उन्होंने बैटर्स के प्रदर्शन पर कहा-

पावरप्ले में हमारे चार विकेट गिर गए। यहीं से हम मैच में पिछड़ गए। हार्ड लेंथ पर बल्लेबाजी करना मुश्किल था और हम उसे ठीक से लागू नहीं कर सके।

जब आप नई शुरुआत (रीसेट) करते हैं, तो चीजों को पटरी पर आने में समय लगता है। 15 साल का खिलाड़ी ओपनिंग कर रहा है, प्रिंस यादव अपना दूसरा टी-20 मैच खेल रहा है। हर्षित राणा चोट के बाद वापसी कर रहा है।

हम अक्सर सिर्फ नतीजे देखते हैं। जोकि इंटरनेशनल क्रिकेट में अहम है। लेकिन, हमें प्रैक्टिकल भी होना होगा। इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ युवाओं को मौका देंगे। तो उन्हें खुद को विकसित करने का समय भी देना पड़ेगा।

गंभीर ने विकेटकीपर बैटर संजू सैमसन को प्लेइंग-11 से बाहर किए जाने पर पहली बार खुलकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा- 'संजू सैमसन को जितनी क्लियारिटी मिलनी चाहिए थी, वह मैंने उन्हें दे दी है। वह बातचीत एक कोच और खिलाड़ी के बीच हुई है। उसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती।' कोच ने यह भी क्लियर किया कि इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टी-20 सीरीज में उनकी वापसी की संभावना खत्म नहीं हुई है।

पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने हर्षित राणा को शिवम दुबे से पहले बल्लेबाजी के लिए भेजने के फैसले पर सवाल उठाए हैं। टीम इंडिया ने पावरप्ले के अंदर 5वां विकेट गंवा दिया था और स्कोर महज 52 रन था।

यहां अक्षर पटेल के आउट होने के बाद ऑलराउंडर शिवम दुबे की जगह तेज गेंदबाज हर्षित राणा को भेजा गया। इस पर कमेंट्री के दौरान कार्तिक ने हैरानी जताई। उन्होंने कहा- क्या आप गंभीर हैं? हर्षित राणा को शिवम दुबे से पहले भेजा गया? ऐसा नहीं होना चाहिए।'

इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने जीत का श्रेय अपने तेज गेंदबाजों जोश टंग और जोफ्रा आर्चर को दिया, जिन्होंने मिलकर सात विकेट लिए। ब्रूक ने कहा, 'दूसरी पारी से पहले हमारी रणनीति बिल्कुल स्पष्ट थी। हमने जल्दी पहचान लिया था कि स्टंप-टू-स्टंप गेंदबाजी इस विकेट पर सबसे प्रभावी रहेगी। उसी योजना पर अमल किया और उसका फायदा मिला।'

राष्ट्रपति मुर्मु ने किया 135वें डूरंड कप की ट्रॉफियों का अनावरण, 25 जुलाई से होगा टूर्नामेंट

कोलकाता, 8 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित समारोह में 135वें इंडियनऑयल डूरंड कप की प्रतिष्ठित ट्रॉफियों का अनावरण किया और टूर्नामेंट के ट्रॉफी दौरे को हरी झंडी दिखाकर आधिकारिक शुरुआत की। इसके साथ ही 25 जुलाई से शुरू होने वाले एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट की तैयारियां औपचारिक रूप से शुरू हो गईं। समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि डूरंड कप ने देश को अनेक प्रतिभाशाली फुटबॉलर दिए हैं और यह प्रतियोगिता खेल के माध्यम से लोगों को जोड़ने का काम करती है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष कुछ नई टीमें भी टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही हैं। विशेष रूप से श्रीलंका की टीम की भागीदारी से प्रतियोगिता को अंतरराष्ट्रीय पहचान और मजबूती मिलेगी। राष्ट्रपति ने कहा, फुटबॉल लोगों को एक साथ जोड़ता है। खेल भावना केवल मैदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन का भी महत्वपूर्ण मूल्य है, जो समानता, सहयोग और कठिन परिस्थितियों में भी डटे रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों और टीमों को शुभकामनाएं देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन और खेल भावना का परिचय देने का आह्वान किया। डूरंड कप का राष्ट्रपति पद से ऐतिहासिक संबंध भी है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने डूरंड कप की ट्रॉफियों का अनावरण किया

भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पहल पर विजेता टीम को दिए जाने वाले 'प्रेसिडेंट्स कप' की शुरुआत हुई थी और पहली बार यह ट्रॉफी भी उन्होंने ही प्रदान की थी। समारोह में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि, थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ, नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी, पूर्वी कमान के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल बीएम भुवना कृष्णन, दिल्ली क्षेत्र के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल राजेश सेठी, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे, भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान लल्लियांजुआला छांगते तथा 24 भाग लेने वाली टीमों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कहा कि डूरंड कप की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और यह प्रतियोगिता खेल उत्कृष्टता के साथ राष्ट्रीय एकता को भी मजबूत करती है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह टूर्नामेंट आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। वहीं, पूर्वी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल बीएम कृष्णन ने कहा कि पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में फुटबॉल की समृद्ध परंपरा रही है। डूरंड कप ने स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और यह प्रतियोगिता भारतीय फुटबॉल के विकास की आधारशिला बनी हुई है। भारतीय टीम के कप्तान लल्लियांजुआला छांगते ने कहा कि डूरंड कप उनके करियर का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। उन्होंने कहा कि इसी प्रतियोगिता ने उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का अवसर दिया।

गोला फेंक खिलाड़ी विधि डोप परीक्षण में फेल

एशियाई अंडर-23 चैंपियनशिप से बाहर; फेड कप में जीता था स्वर्ण

नई दिल्ली, 8 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की प्रतिभावान गोला फेंक खिलाड़ी विधि चौधरी डोप परीक्षण में विफल हो गई हैं जिसके बाद उन्हें चीन के ओर्डोस में गुरुवार से शुरू हो रही एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप से बाहर कर दिया गया है। राष्ट्रीय खेल 2025 में स्वर्ण पदक जीतने वाली 21 साल की विधि को एशियाई अंडर 23 चैंपियनशिप के लिए 54 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया था।

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा, 'हां, वह डोप परीक्षण में विफल हो गई है और एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगी।' संपर्क करने पर पटियाला के एनसीओई में ट्रेनिंग करने वाली विधि ने पुष्टि की है कि वह अंडर-23 महाद्वीपीय चैंपियनशिप के लिए चीन नहीं जा रही हैं। उन्होंने कहा, मैं चैंपियनशिप के लिए नहीं जा रही हूं। विधि ने इसके अलावा कोई जानकारी नहीं दी। विधि का नमूना मई में प्रतियोगिता से इतर लिया गया था। उन्होंने 2025 में सीनियर फेडरेशन कप में 16.10 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। मौजूदा सत्र में उन्होंने नौ मई को पंजाब के संगरूर में इंडियन एथलेटिक्स सीरीज (सीनियर) पांच में 16.35 मीटर के प्रयास के साथ दूसरा स्थान हासिल किया था जो उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

इस बीच भारत की सबसे तेज महिला जूनियर धाविका और एशियाई अंडर-20 चैंपियनशिप की पदक विजेता निपम चौहान एनाबॉलिक स्टेरॉयड स्टैनोजोलोल और इसके मेटाबोलाइट के लिए दो बार पॉजिटिव पाई गई हैं और उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है।

19 साल की निपम ने अप्रैल में कर्नाटक के तुमकुर में जूनियर फेडरेशन कप में 100 मीटर का स्वर्ण पदक जीतने के दौरान 11.53 सेकेंड का समय लिया था और नया जूनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था।

एशियन बॉक्सिंग में भारत का जलवा: युवा मुक्केबाज मीतेई-आदित्य-सिकंदर की शानदार जीत; तीसरे दिन भी छाया तिरंगा

जकार्ता, 8 जुलाई (एजेंसियां)। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में चल रही एशियन अंडर-19 और अंडर-23 बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है।

तीसरे दिन अंडर-19 वर्ग में अंबेडकर मीतेई (50 किग्रा) ने पुरुष वर्ग में दमदार जीत दर्ज की। उन्होंने चीनी ताइपे के ची-यू शियाओ को पहले ही राउंड में रेफरी स्टॉप कॉन्टेस्ट (आरएससी) के जरिए हराया।

लड़कों के 55 किग्रा वर्ग में आदित्य ने किर्गिस्तान के डेनियल ताशतानबेकोव को 5-0 से हराया। वहीं 60 किग्रा वर्ग में सिकंदर ने कोरिया के ताइमिन यांग को भी 5-0 से शिकस्त दी। भारत की जीत का सिलसिला आगे बढ़ाते हुए 75 किग्रा वर्ग में देवेंद्र चौधरी ने चीनी ताइपे के सुंग-लिन त्साई को दूसरे राउंड में आरएससी के जरिए हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

अपने मेडल के साथ भारतीय मुक्केबाज

70 किग्रा वर्ग में प्रशांत ने कजाकिस्तान के बिबारिस अशिरबे के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेला। पहला राउंड 1-4 से हारने के बाद उन्होंने दूसरे राउंड में शानदार वापसी करते हुए 3-2 से जीत हासिल की, लेकिन तीसरे और अंतिम राउंड में 3-2 के मामूली अंतर से हार गए।

अंडर-19 वर्ग में भारतीय मुक्केबाजों का लगातार अच्छा प्रदर्शन देश के यूथ बॉक्सिंग कार्यक्रम की मजबूती को दर्शाता है। कई भारतीय बॉक्सर आत्मविश्वास के साथ शुरुआती दौर पार कर अगले चरण में पहुंच रहे हैं।

जकार्ता में 5 से 16 जुलाई तक आयोजित एशियन अंडर-19 और अंडर-23 बॉक्सिंग चैंपियनशिप भारतीय युवा मुक्केबाजों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित करने का बड़ा मंच है। यहां उन्हें एशिया के मजबूत खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का अनुभव मिल रहा है, जो भविष्य की बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए उपयोगी साबित होगा।

भारत ने अंडर-19 एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार शुरुआत की थी। पहले दिन वर्ल्ड बॉक्सिंग फ्यूचर्स कप की स्वर्ण पदक विजेता चंद्रिका पुजारी ने लड़कियों के 51 किग्रा वर्ग में मंगोलिया की लखम त्सेंदबातार को 5-0 से हराया। इसके बाद रजत पदक विजेता जॉयश्री देवी ने लड़कियों के 54 किग्रा वर्ग में चीनी ताइपे की चेन निंग हॉग को दूसरे राउंड में रेफरी स्टॉप कॉन्टेस्ट (आरएससी) के जरिए हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने अंडर-19 और अंडर-23 दोनों वर्गों में मजबूत टीम उतारी है। दोनों आयु वर्ग में 20-20 भारतीय मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं। यह प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों को एशिया के शीर्ष मुक्केबाजों के खिलाफ अपनी प्रतिभा साबित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रही है।

मेसी से भिड़ंत के बाद मिस्र के कोच ने किया एंटी-रेसिज्म इशारा? हार के बाद फीफा पर भी उठाए सवाल

लियोनेल मेसी और मिस्र के कोच होसम हसन के बीच बहस

अटलांटा, 8 जुलाई (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 मुकाबले में अर्जेंटीना ने लियोनेल मेसी की अगुआई में मिस्र को नाटकीय अंदाज में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। मुकाबले के आखिरी क्षणों में अर्जेंटीना 0-2 से पिछड़ने के बाद लगभग 15 मिनट में तीन गोल दागकर मैच अपने नाम करने में सफल रहा। क्रिस्टियन रोमेरो ने 79वें मिनट में पहला गोल किया। इसके चार मिनट बाद लियोनेल मेसी ने बराबरी दिलाई, जबकि इंजरी टाइम में एंजो फर्नांडीज ने विजयी गोल दाग दिया।

मैच के अंतिम क्षणों में मिस्र के मुख्य कोच होसम हसन और लियोनेल मेसी के बीच टचलाइन पर तीखी बहस देखने को मिली। इसी दौरान हसन ने फीफा के 'एंटी-रेसिज्म' इशारे जैसा संकेत किया, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस दौरान मैच अधिकारी ने बीच-बचाव किया, जबकि मेसी के साथी खिलाड़ी भी मौके पर पहुंच गए और उन्हें दोबारा खेल पर ध्यान देने के लिए पीछे ले गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मैच खत्म होने के बाद होसम हसन ने कहा कि उनकी टीम के साथ निष्पक्ष व्यवहार नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना की जीत पूरी तरह से अवांछित थी। मैं वादा करता हूं कि आज घर लौटने के बाद इस विश्व कप का कोई भी मैच नहीं देखूंगा, क्योंकि इसमें कोई न्याय नहीं है। मेरा व्यक्तिगत विरोध यही है कि मैं अब यह विश्व कप नहीं देखूंगा।

हसन ने कहा कि उनकी टीम जीत की हकदार थी और वह अपनी टीम को 'बैड लक' नहीं कहना चाहते। उन्होंने कहा कि हम सम्मान के साथ बाहर हुए हैं। लेकिन अंतिम नतीजा फीफा के 'फेयर प्ले' और सम्मान की बातों से बहुत दूर था। आज न सम्मान दिखा और न ही फेयर प्ले।

जोकोविच ने खेला विंबलडन इतिहास का सबसे लंबा क्वार्टर फाइनल

5.15 घंटे चले मैच में 14 साल छोटे खिलाड़ी को हराया, यह 50वां 5 सेट मैच

लंदन, 8 जुलाई (एजेंसियां)। 39 साल के नोवाक जोकोविच विंबलडन इतिहास का सबसे लंबा पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट पर अपने से 14 साल छोटे कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 5 घंटे 15 मिनट में 7-6 (10), 3-6, 6-3, 6-7 (4), 7-6 (4) से हराया। इससे पहले 2008 में रेनर शुटलर और अरनो क्लेमेंट के बीच का क्वार्टर फाइनल 5 घंटे 12 मिनट तक चला था।

जोकोविच ओपन एरा में सबसे ज्यादा 5 सेट के ग्रैंड स्लैम मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। उन्होंने अपने ग्रैंड स्लैम करियर का 50वां 5 सेट सिंगल्स मैच खेलकर स्विट्जरलैंड के स्टेन वावरिंका (49 बार) का रिकॉर्ड तोड़ा। वे ओपन एरा में किसी एक ग्रैंड स्लैम में 15 मेंस सिंगल्स सेमीफाइनल खेलने वाले तीसरे खिलाड़ी भी बने। रोजर फेडरर ने ऑस्ट्रेलिया ओपन और राफेल नडाल ने फ्रेंच ओपन में यह उपलब्धि हासिल की है।

सेंटर कोर्ट पर खेला गया मुकाबला शुरू से आखिर तक रोमांचक रहा। जोकोविच ने 7-6 (10), 3-6, 6-3, 6-7 (4), 7-6 (4) से जीत दर्ज की। पांच घंटे से ज्यादा चले संघर्ष के बाद दोनों खिलाड़ी थक चुके थे और मुकाबले का फैसला पांचवें सेट के सुपर टाई-ब्रेक में हुआ।

सुपर टाई-ब्रेक में 22 शॉट की लंबी रैली मैच का निर्णायक मोड़ साबित हुई। जोकोविच ने ऑगर-अलियासिमे को कोर्ट के दोनों कोनों पर दौड़ाया और आखिर में कनाडाई खिलाड़ी का फोरहैंड बाहर चला गया। इससे जोकोविच ने 9-4 की बढ़त बना ली। इसके बाद अगले ही पॉइंट पर मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

इस जीत के साथ जोकोविच लगातार आठवीं बार विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंच गए। उन्होंने इस मामले में रोजर फेडरर के लगातार सात सेमीफाइनल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। अब शुक्रवार को सेमीफाइनल में उनका सामना दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी और डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर से होगा।

सिनर ने जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 7-5, 7-6 (4), 6-3 से हराकर अंतिम-4 में जगह बनाई। पिछले साल विंबलडन सेमीफाइनल में सिनर ने जोकोविच को सीधे सेटों में हराया था, जबकि इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमीफाइनल में जोकोविच ने सिनर को पांच सेट तक चले मुकाबले में मात दी थी।

जोकोविच 39 साल और 38 दिन की उम्र में विंबलडन पुरुष एकल के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। यह रिकॉर्ड केन रोसेवाल (39 साल 234 दिन) के नाम था।

पाकिस्तान सबसे फिसड्डी, टॉप पर 'कंगारू'

वेस्टइंडीज बनाम श्रीलंका दूसरे टेस्ट के बाद डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में 5वें नंबर पर टीम इंडिया

एंटीगुआ, , 8 जुलाई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ है। पहले मैच में वेस्टइंडीज ने जीत हासिल की थी और दूसरा मैच ड्रॉ होने के बाद सीरीज भी जीत ली। ये मुकाबला एंटीगा के नॉर्थ साउंड में सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेला गया था। दोनों ही टीमों की तरफ से इस मैच में जबरदस्त प्रदर्शन देखने को मिला। वेस्टइंडीज के सामने इस मैच में जीत हासिल करने के लिए 302 रनों का लक्ष्य था लेकिन टीम ने आखिरी दिन का खेल खत्म होने तक बिना कोई विकेट खोए 109 रन बनाए और मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ। इस मैच के बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट्स टेबल का क्या हाल है आइए आपको भी बताते हैं।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की ताजा पॉइंट्स टेबल में टीम इंडिया 5वें नंबर पर बनी हुई है, जो कि इस मैच से पहले भी वहीं थी। इस मैच से किसी की भी स्थिति पर ज्यादा खास असर देखने को नहीं मिला है। श्रीलंका को इस मैच के बाद 20 अंक हो गए हैं और टीम छठे नंबर पर काबिज है. वेस्टइंडीज की बात करें तो टीम का जीत प्रतिशत अब 41.67 चुका है और टीम 8वें नंबर पर बनी हुई है. भारतीय टीम की बात करें तो 9 मैचों में से 4 जीत और 4 हार के बाद जीत प्रतिशत 48.15 है. ऑस्ट्रेलिया की टीम फिलहाल 7 जीत के साथ पॉइंट्स टेबल के टॉप पर काबिज है तो वहीं पाकिस्तान की टीम सबसे फिसड्डी है.

वेस्टइंडीज की टीम ने इस सीरीज में कमाल का प्रदर्शन किया. टीम के लिए जस्टिन ग्रीव्स ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया. इसी के चलते उनको प्लेयर ऑफ द सीरीज से खिताब से भी नवाजा गया. टीम ने पहले मैच में जबरदस्त खेल दिखाया. टीम ने एक पारी और 217 रनों के अंतर से जीत दर्ज की. इसके बाद श्रीलंका के पास दूसरे टेस्ट में वापसी करने का शानदार मौका था लेकिन टीम जीत हासिल नहीं कर पाई. पहली पारी में श्रीलंका ने 549 रन बोर्ड पर लगाए तो वहीं जवाब में मेजबानों ने भी 499 रन बना डाले. दूसरी पारी में श्रीलंका ने 251 रन बनाकर पारी घोषित कर दी और वेस्टइंडीज की टीम आखिरी दिन का खेल खत्म होने तक 109 रन ही बना पाई और मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ.

बीमारी से जंग हारे अफगानिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शपूर जादरान, 38 की उम्र में हुई मौत

काबुल, 8 जुलाई (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शपूर जादरान का निधन हो गया है. उन्होंने 38 साल की उम्र में आखिरी सांस ली. जादरान इम्यून सिस्टम से जुड़ी गंभीर बीमारी से लंबे समय से जूझ रहे थे. उनकी बीमारी का इलाज दिल्ली-NCR के ही एक अस्पताल में चल रहा था. अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शपूर जादरान के निधन की जानकारी अपने एक्स हैंडल पर दी.

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शपूर जादरान के निधन पर शोक जताया और देश की क्रिकेट में उनके योगदान को याद किया. एसीबी ने लिखा कि क्रिकेट के लिए शपूर जादरान का जुनून और डेडिकेशन काबिलेतारीफ था, जिसने अफगानिस्तान में खेल को बढ़ावा देने में मदद की. वो उन शुरुआती क्रिकेटरों में रहे जिन्होंने अफगानिस्तान को इंटरनेशनल स्टेज पर पहचान दिलाई.

शपूर जादरान के इंटरनेशनल क्रिकेट करियर की बात करें तो वो लगभग एक दशक से भी लंबा रहा. उन्होंने 11 साल इंटरनेशनल क्रिकेट खेला. उन्होंने साल 2009 में अफगानिस्तान के लिए डेब्यू किया था. जबकि 2020 में उन्होंने आखिरी मैच खेला. इस दौरान शपूर जादरान मे 44 वनडे और 36 टी20आई खेले. 44 वनडे में उन्होंने 43 विकेट चटकाए, जबकि T20I में 37 विकेट अपने नाम किए.

शपूर जादरान को 2015 के वनडे वर्ल्ड कप में स्कॉटलैंड के खिलाफ विनिंग रन जड़ने के लिए याद किया जाता है.

शपूर जादरान के नाम क्रिकेट के मैदान पर तो उपलब्धियां थी हीं, उसके अलावा वो अफगानिस्तान के कई क्रिकेटरों के लिए प्रेरणास्त्रोत भी थे. अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपने स्टेटमेंट में कहा कि उन्होंने अफगानिस्तान के युवाओं को बड़ा ख्वाब देखने का रास्ता दिखाया है. उन्होंने उनमें अफगानिस्तान क्रिकेट में भविष्य बनाने का विश्वास जगाया.

जनकंपेट मालगोदाम राष्ट्र को समर्पित करेंगे सांसद अरविंद धर्मपुरी

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद से सांसद अरविंद धर्मपुरी 9 जुलाई को तेलंगाना के जनकंपेट मालगोदाम का राष्ट्र को समर्पण करेंगे। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य बी. महेश कुमार गौड़, सी. अंजी रेड्डी, एम. कोमरैया, विधायक आर. भूपति रेड्डी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के उपस्थित रहने की संभावना है। कार्यक्रम में हैदराबाद मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक डी. एस. रामाराव, दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर, हैदराबाद मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनिरुद्ध पामर तथा रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे।

दक्षिण मध्य रेलवे भारतीय रेल के विकास में आधारभूत संरचना के विस्तार, यात्री सुविधाओं के उन्नयन तथा माल परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इसी क्रम में दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद मंडल ने निजामाबाद क्षेत्र में माल परिवहन सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जनकंपेट रेलवे स्टेशन पर लगभग 9 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक मालगोदाम का निर्माण कराया है। रेलवे के अनुसार, नव विकसित जनकंपेट मालगोदाम से क्षेत्र में माल ढुलाई को नई गति मिलेगी।

इससे माल ग्राहकों, व्यापारियों और उद्योग जगत को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा माल लदान और उतार की क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। भविष्य में यहां से अधिक संख्या में मालगाड़ियों का संचालन और विभिन्न प्रकार की वस्तुओं की ढुलाई की भी व्यापक संभावनाएं हैं। यह परियोजना निजामाबाद क्षेत्र के व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय व्यापारियों के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगी।

कनाडा के उच्चायुक्त ने मुख्यमंत्री को कनाडा आने का दिया निमंत्रण

निवेश तथा नवाचार के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत बनाने पर चर्चा

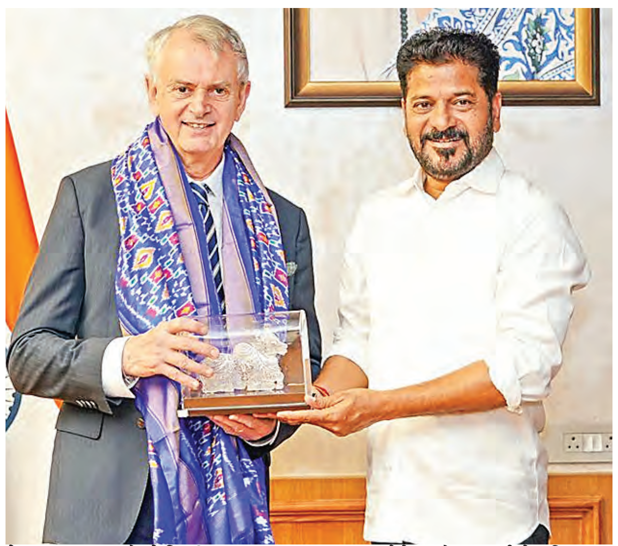

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत में कनाडा के उच्चायुक्त क्रिस कूटर ने बुधवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात कर मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल को कनाडा आने का निमंत्रण दिया। बैठक में कनाडा और तेलंगाना के बीच व्यापार, निवेश तथा नवाचार के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के दौरान राज्य में चल रही प्रमुख आधारभूत संरचना और शहरी विकास परियोजनाओं, जिनमें मूसी नदी पुनर्जीवन परियोजना, हैदराबाद मेट्रो रेल विस्तार तथा प्रस्तावित फ्यूचर सिटी परियोजना शामिल हैं, में सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

क्रिस कूटर ने बताया कि तेलंगाना और कनाडा के बीच आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने फिरान टेक्नोलॉजी ग्रुप द्वारा हैदराबाद में विनिर्माण इकाई स्थापित करने, सीआईबीसी द्वारा वैश्विक क्षमता केंद्र खोलने तथा सीपीपी इन्वेस्टमेंट्स द्वारा हैदराबाद स्थित कंट्रोल-एस डाटा सेंटर्स के साथ रणनीतिक साझेदारी के तहत एक अरब कनाडाई डॉलर तक के निवेश की प्रतिबद्धता का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सूचना प्रौद्योगिकी, जीवन विज्ञान, रक्षा तथा एयरोस्पेस क्षेत्रों में तेलंगाना की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हैदराबाद वैश्विक फॉर्च्यून-500 कंपनियों के वैश्विक क्षमता केंद्रों को आकर्षित करने वाला प्रमुख केंद्र बन चुका है। मुख्यमंत्री ने मूसी नदी के पुनर्जीवन को राज्य सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य नदी तट के आसपास वैकल्पिक आर्थिक गतिविधियों का विकास करना है। उन्होंने हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, सौर ऊर्जा के विस्तार तथा स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में कनाडा से सहयोग का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना को वैश्विक ज्ञान केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय हैदराबाद में अपने परिसर स्थापित करने में रुचि दिखा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कनाडा के विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा संयुक्त रूप से हैदराबाद में बहु-विश्वविद्यालय परिसर स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा। मुख्यमंत्री ने कनाडा की कंपनियों, निवेशकों और शैक्षणिक संस्थानों को दिसंबर में आयोजित होने वाले तेलंगाना वैश्विक निवेशक सम्मेलन के दूसरे संस्करण में भाग लेने का आमंत्रण देते हुए कहा कि यह नए निवेश और साझेदारी के अवसरों की खोज का महत्वपूर्ण मंच होगा। उच्चायुक्त क्रिस कूटर ने तेलंगाना की विकासोन्मुखी सोच, रोजगार सृजन की नीति और उपलब्ध प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि राज्य में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने राज्य सरकार की विकास योजनाओं में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया तथा बताया कि आने वाले महीनों में कनाडा का एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल तेलंगाना का दौरा करेगा और ऊर्जा, शहरी विकास, रक्षा तथा एयरोस्पेस जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर विस्तृत चर्चा करेगा। बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार के. रामकृष्ण राव, इन्वेस्ट तेलंगाना के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बी. अजित रेड्डी, तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम के प्रबंध निदेशक शशांक, सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग विभाग के संयुक्त सचिव अनुदीप दुरिशेट्टी तथा उद्योग निदेशक निखिल चक्रवर्ती भी उपस्थित थे।

एसआईआर के नाम पर ठगी से सावधान

ओटीपी बताने पर खाली हो सकता है बैंक खाता

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर साइबर ठग लोगों को निशाना बना रहे हैं। ठग खुद को चुनाव कार्यालय के अधिकारी, कर्मचारी या बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) बताकर लोगों से संपर्क कर रहे हैं और धोखाधड़ी की कोशिश कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, लोगों को फोन कर ठग दावा कर रहे हैं कि उन्हें यह जांच करनी है कि संबंधित व्यक्ति का नाम वर्ष 2002 की मतदाता सूची में है या नहीं। इसके बाद वे मोबाइल पर आए ओटीपी की जानकारी मांगते हैं। यदि कोई व्यक्ति ओटीपी बता देता है तो ठग उसके बैंक खाते से राशि निकाल सकते हैं।

लोगों से अपील की गई है कि किसी भी परिस्थिति में मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें। यदि कोई व्यक्ति चुनाव अधिकारी या किसी सरकारी कर्मचारी के नाम पर ओटीपी मांगता है या दबाव बनाता है तो तुरंत पुलिस में शिकायत करें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि कोई भी अधिकृत कर्मचारी ओटीपी बताने के लिए नहीं कहता है। नागरिकों को सतर्क रहने और ऐसे संदिग्ध फोन कॉल से सावधान रहने की सलाह दी गई है।

विजया डेयरी बंद होने पर विरोध

किसान संगठनों ने आंदोलन की तैयारी की

खम्मम, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम में विजया डेयरी इकाई बंद किए जाने के कथित फैसले के खिलाफ किसान संगठन आंदोलन की तैयारी कर रहे हैं। किसान संगठनों और राजनीतिक दलों ने सरकार के इस कदम का विरोध करते हुए डेयरी संचालन फिर से शुरू करने की मांग की है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले खम्मम शहर के इंदिरा नगर स्थित सरकारी विजया डेयरी में दूध की पैकिंग का काम रोक दिया गया। अब यहां एकत्र किया गया दूध प्रसंस्करण और पैकिंग के लिए हैदराबाद भेजा जा रहा है, जिसके बाद उसे वापस खम्मम लाकर वितरित किया जाएगा।

तेलंगाना रैतु संगम के जिला सचिव बोन्थु रामबाबू और अध्यक्ष मदिनेनी रमेश ने सरकार के फैसले को गलत बताते हुए कहा कि इससे अनावश्यक खर्च बढ़ेगा। उन्होंने मांग की कि खम्मम डेयरी में ही पैकिंग कार्य दोबारा शुरू किया जाए। रामबाबू ने बताया कि पहले खम्मम विजया डेयरी करीब 50 हजार किसानों से रोजाना 25 हजार से 30 हजार लीटर दूध खरीदती थी। अब यह खरीद घटकर 7 हजार से 8 हजार लीटर रह गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी इसी कमी को आधार बनाकर डेयरी संचालन बंद करने की कोशिश कर रहे हैं। किसान नेताओं का कहना है कि दूध खरीद में गिरावट के कारणों की समीक्षा कर सुधार के कदम उठाने चाहिए, न कि दशकों पुरानी डेयरी को बंद किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विजया डेयरी पिछले 50 वर्षों से किसानों के लिए महत्वपूर्ण सहारा रही है। रामबाबू ने आरोप लगाया कि किसानों को निजी डेयरियों की ओर जाना पड़ा क्योंकि उन्हें चार रुपये प्रति लीटर बोनस देने का वादा पूरा नहीं हुआ और दूध के भुगतान में भी देरी हो रही थी। किसान संगठनों ने सरकार से विजया डेयरी को दोबारा मजबूत करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने डेयरी की करीब 10 एकड़ जमीन पर किसी भी तरह के अतिक्रमण या निजी उपयोग की कोशिश का विरोध करने की चेतावनी दी है।

सिंचाई और रेलवे परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा

मुख्य सचिव संजय जाजू ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में लिया भाग

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव संजय जाजू ने बुधवार को भारत सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय, नई दिल्ली के सचिव (समन्वय) मनोज गोविल की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। बैठक में तेलंगाना में केंद्र और राज्य सरकारों के सहयोग से चल रही सिंचाई और रेलवे परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। इस दौरान निर्माणाधीन परियोजनाओं की स्थिति, लंबित मामलों और उन्हें आपसी समन्वय के माध्यम से शीघ्र पूरा करने के उपायों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में परिवहन, सड़क एवं भवन विभाग के विशेष मुख्य सचिव विकास राज, वित्त विभाग के प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, सिंचाई सचिव ई. श्रीधर, राजस्व सचिव लोकेश कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। अधिकारियों ने परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने और लंबित मुद्दों के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने पर विचार-विमर्श किया।

सुरेखा-श्रीहरि विवाद बढ़ा, विधायक ने आरोपों को नकारा

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की दान एवं धर्मादाय मंत्री कोंडा सुरेखा और स्टेशन घनपुर के विधायक कडियाम श्रीहरि के बीच विवाद और गहरा गया है। विधायक ने प्रोटोकॉल उल्लंघन के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने कोई नियम नहीं तोड़ा है और उन्हें किसी तरह का स्पष्टीकरण देने की जरूरत नहीं है। श्रीहरि ने कहा कि उन्होंने बंदोबस्ती आयुक्त से केवल अपने विधानसभा क्षेत्र के पांच मंदिरों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की थी। इनमें मंदिरों की मरम्मत और कर्मचारियों की भर्ती जैसे विषय शामिल थे। उनका कहना है कि एक जनप्रतिनिधि होने के नाते उन्हें अधिकारियों से मिलकर जनता की समस्याएं उठाने का पूरा अधिकार है।

गौरतलब है कि मंत्री कोंडा सुरेखा ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को पत्र लिखकर श्रीहरि के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की थी। उनका आरोप था कि विधायक ने बिना अधिकार के समीक्षा बैठक आयोजित की। इस पर श्रीहरि ने कहा कि उन्होंने कोई समीक्षा बैठक नहीं की थी। यदि अधिकारी उनके कार्यालय आते तो उसे समीक्षा बैठक माना जा सकता था, लेकिन वह खुद बंदोबस्ती आयुक्त के कार्यालय गए थे। उन्होंने कहा कि मंत्री ने नियमों को सही तरीके से नहीं समझा और इसी वजह से यह विवाद खड़ा हुआ। उन्होंने कहा कि विधायक और सांसद अधिकारियों से मिलकर जनहित के मुद्दे उठा सकते हैं। केवल मंत्री और कैबिनेट स्तर के अधिकारी ही आधिकारिक समीक्षा बैठक बुलाने के अधिकार रखते हैं। श्रीहरि ने दावा किया कि उन्होंने सभी नियमों का पालन करते हुए ही काम किया है।

व्हाट्सऐप पर प्रबंध निदेशक बनकर 4.70 करोड़ रुपये की ठगी

तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने व्हाट्सऐप पर कंपनी के प्रबंध निदेशक का फर्जी प्रोफाइल बनाकर 4.70 करोड़ रुपये की साइबर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो बैंक खाता धारकों और एजेंटों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अपराध संख्या 48/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) एवं 319(2) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66डी के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। जांच के अनुसार, एक अज्ञात साइबर ठग ने कंपनी के प्रबंध निदेशक के नाम और फोटो का उपयोग कर व्हाट्सऐप पर फर्जी प्रोफाइल बनाई।

शिकायतकर्ता ने संदेशों को वास्तविक समझकर ठग द्वारा बताए गए विभिन्न बैंक खातों में कुल 4.70 करोड़ रुपये स्थानांतरित कर दिए। तकनीकी विश्लेषण और बैंक खातों की जांच के आधार पर पुलिस ने दोसापाटी कृष्ण साई, निवासी सत्तुपल्ली (खम्मम जिला) तथा मंडावल्ली शिव नागराजू, निवासी कोठापेट (हैदराबाद), मूल निवासी सत्तुपल्ली (खम्मम जिला) को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी साइबर ठगों को कमीशन के बदले चालू बैंक खाते उपलब्ध कराते थे। वे इन 'म्यूल खातों' के संचालन में भी सहयोग करते थे। इसके बदले उन्हें लगभग चार लाख रुपये का कमीशन मिला, जिसे दोनों ने आपस में बांट लिया।

पुलिस जांच में यह भी पता चला कि ठगी की गई राशि में से 1.80 करोड़ रुपये आरोपी मंडावल्ली शिव नागराजू के बैंक खाते में जमा हुए थे। यह खाता सह-आरोपी दोसापाटी कृष्ण साई ने साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराया था। खाते के विश्लेषण में 2.49 करोड़ रुपये से अधिक के संदिग्ध लेन-देन भी सामने आए हैं। यह बैंक खाता महाराष्ट्र, राजस्थान और तमिलनाडु में दर्ज कई साइबर अपराध मामलों से भी जुड़ा हुआ पाया गया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस फरार अन्य आरोपियों की तलाश, अपराध से अर्जित शेष धनराशि का पता लगाने तथा उसकी बरामदगी के लिए जांच आगे बढ़ा रही है।

आसानी से किसी की पहचान का दुरुपयोग कर सकते हैं अपराधी : शिखा गोयल

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो की निदेशक शिखा गोयल ने नागरिकों से अपील की है कि केवल नाम या फोटो देखकर किसी व्हाट्सऐप प्रोफाइल पर भरोसा न करें, क्योंकि साइबर अपराधी आसानी से किसी की पहचान का दुरुपयोग कर सकते हैं। यदि कोई परिचित अचानक नए बैंक खाते में तत्काल या गोपनीय रूप से धन भेजने का आग्रह करे तो पहले उसकी पहचान की स्वतंत्र रूप से पुष्टि करें। किसी भी वित्तीय लेन-देन के लिए केवल व्हाट्सऐप संदेशों पर भरोसा न करें। साइबर ठगी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं या राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत करें।

प्रख्यात उद्योगपति ओम प्रकाश जालान के निधन पर राज्यपाल ने जताया शोक

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने गोरखपुर के प्रख्यात उद्योगपति ओम प्रकाश जालान के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राज्यपाल द्वारा जारी शोक संदेश के अनुसार, मंगलवार को अस्वस्थ होने पर ओम प्रकाश जालान को उपचार के लिए गुरुग्राम स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां बुधवार सुबह उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। ओम प्रकाश जालान गोरखपुर की पहली रीबार निर्माण इकाइयों में शामिल 'जालान कंकास्ट' के संचालक थे। उन्होंने रियल एस्टेट क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किया तथा सामाजिक सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने दिवंगत ओम प्रकाश जालान के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

धान खरीद में राज्य सरकार विफल, किसानों की परेशानी के लिए कांग्रेस जिम्मेदार : किशन रेड्डी

नई दिल्ली/हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा तेलंगाना में 53 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की अनुमति दिए जाने के बावजूद राज्य सरकार धान खरीद व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित करने में विफल रही है। दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि इसी कारण किसानों को सड़कों पर उतरकर आंदोलन करना पड़ा। किशन रेड्डी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सांसदों और विधायकों के आंदोलन के बाद ही राज्य सरकार सक्रिय हुई।

उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल धान की खरीद ही नहीं, बल्कि उसकी मिलिंग कर चावल को भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) तक पहुंचाने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। इस पूरी प्रक्रिया के लिए होने वाले विभिन्न खर्चों का वहन केंद्र सरकार करती है। उन्होंने कहा कि राज्य में धान खरीद के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का अभाव है। गन्नी बैग, गोदाम और राइस मिलों की व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। वर्ष 2024-25 के खरीफ सत्र में 36 लाख मीट्रिक टन धान से तैयार चावल एफसीआई को सौंपा जाना था, लेकिन अब तक 13 प्रतिशत लक्ष्य भी पूरा नहीं हुआ। रबी 2024-25 और खरीफ 2025-26 में भी यही स्थिति बनी हुई है। उन्होंने दावा किया कि खरीफ 2025-26 का 45 प्रतिशत तथा रबी 2025-26 का लगभग 90 प्रतिशत चावल अभी तक एफसीआई को नहीं सौंपा गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति सरकार ने भी इसी प्रकार की लापरवाही बरती थी और वर्तमान कांग्रेस सरकार भी उसी राह पर चल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार अपनी कमियों को छिपाने के लिए हर बार केंद्र सरकार पर आरोप मढ़ती है, जबकि आवश्यक आधारभूत सुविधाएं विकसित करने की जिम्मेदारी राज्य की है।

किशन रेड्डी ने बताया कि पिछले 12 वर्षों में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) के माध्यम से धान खरीद के लिए राज्य सरकार को 1.16 लाख करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया। वर्ष 2025-26 में धान खरीद के लिए 37 हजार करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए, जिनमें से इस वर्ष अब तक 22,700 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।

ट्रैफिक जाम से निपटने के लिए व्यापक सर्वे कर तैयार करें कार्ययोजना : सनप्रीत सिंह

साइबराबाद में यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए डेटा आधारित रणनीति बनाने के निर्देश

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद में बढ़ती यातायात समस्या के समाधान और सुचारू आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) सनप्रीत सिंह ने अधिकारियों को व्यापक सर्वे कर डेटा आधारित कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय मुख्यालय के मुख्य सम्मेलन कक्ष में शेरिलिंगमपल्ली यातायात क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पुलिस थानों के प्रभारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में संयुक्त पुलिस आयुक्त ने यातायात प्रबंधन को और प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में उन्होंने कहा कि साइबराबाद क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए वैज्ञानिक और डेटा आधारित अध्ययन आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विभिन्न कंपनियों से आने-जाने वाले वाहनों की संख्या का एक सप्ताह तक प्रतिदिन और समय के अनुसार सर्वे किया जाए। इस सर्वे के माध्यम से सुबह और शाम के व्यस्त समय में यातायात दबाव की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सकेगा। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों के बीच कार साझा यात्रा को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया।

इसके साथ ही वाहनों की श्रेणीवार गणना, यातायात मात्रा और सड़कों की क्षमता का विस्तृत विश्लेषण करने को कहा। संयुक्त पुलिस आयुक्त ने प्रमुख चौराहों और महत्वपूर्ण सड़कों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कैमरों की भौगोलिक पहचान, उच्च गुणवत्ता वाले कैमरों की आवश्यकता, यातायात संकेत व्यवस्था, पैदल यात्रियों के लिए सिग्नल और चौराहों के बेहतर प्रबंधन जैसे विषयों पर भी चर्चा की।

उन्होंने कहा कि शॉपिंग मॉल, होटल, अस्पताल और शिक्षण संस्थानों के आसपास यातायात की स्थिति का अध्ययन कर आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि व्यस्त समय में यातायात सुचारू रूप से चल सके। शिक्षण संस्थानों के खुलने और बंद होने के समय विद्यार्थियों के आवागमन तथा उससे यातायात पर पड़ने वाले प्रभाव का भी विश्लेषण करने को कहा।

संयुक्त पुलिस आयुक्त ने यातायात नियमों के उल्लघन पर विशेष ध्यान देने और विशेष रूप से शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ बिना किसी रियायत के कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में शेरिलिंगमपल्ली यातायात पुलिस उपायुक्त रविकुमार, शेरिलिंगमपल्ली यातायात अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त हनुमंतराव, यातायात प्रशासन अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नरेंद्र, एससीएससी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नवेद, यातायात निरीक्षक तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

यूट्यूब से सीखी शराब बनाना

मलकाजगिरि में अवैध इकाई पकड़ी

हैदराबाद, 8 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग के अधिकारियों ने मलकाजगिरि में चल रही एक अवैध शराब निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान 377.7 लीटर अवैध शराब, 502 बोतलें और शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं।

अधिकारियों के अनुसार, यह इकाई एंटनी पीटर नामक व्यक्ति चला रहा था। उसने यूट्यूब पर वीडियो देखकर शराब बनाने की प्रक्रिया सीखी थी। मलकाजगिरि जिला टास्क फोर्स ने इंस्पेक्टर भरत कुमार के नेतृत्व में छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

जांच में पता चला कि एंटनी पीटर ने करीब एक साल पहले सेवानिवृत्ति के बाद रोजगार के लिए यह काम शुरू किया था। उसने उत्पाद शुल्क विभाग से जरूरी लाइसेंस लिए बिना ही अवैध रूप से शराब बनानी शुरू कर दी थी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी फलों के स्वाद वाली सात तरह की शराब तैयार कर रहा था। इनमें अंगूर, अनानास, अमरूद, मौसंबी, सपोटा, केला और पान के पत्ते के स्वाद वाली शराब शामिल थी। आरोप है कि वह 750 मिलीलीटर की बोतल करीब 300 रुपये में बेच रहा था। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी फलों को करीब 15 दिनों तक प्राकृतिक रूप से सड़ाकर और किण्वित कर शराब तैयार करता था। इसके बाद उसमें चीनी और गेहूं मिलाकर प्रक्रिया पूरी की जाती थी और तैयार शराब को बोतलों में भरकर बेचा जाता था।

अधिकारियों के अनुसार, यह अवैध शराब नेरेडमेट, सिकंदराबाद, ईसीएचएस और कापरा क्षेत्रों में सप्लाई की जा रही थी। जब्त सामान की अनुमानित कीमत करीब 1.5 लाख रुपये बताई गई है। आरोपी और जब्त शराब को आगे की कार्रवाई के लिए कापरा आबकारी पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.